खण्ड–500, अंक–9
शुक्रवार, 23 आषाढ़, शक संवत् 1939
(14 जुलाई, 2017 ई0)

# उत्तर प्रदेश विधान सभा

## की

# कार्यवाही

**–: 0 :–**

**(अधिकृत विवरण)**

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2017)

(खण्ड 500 में 10 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2017

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

# विषय-सूची


| विषय | पृष्ठ-संख्या |
|---|---|
| उपस्थित सदस्य ... ... ... | 1-7 |
| विधान सभा की सुरक्षा के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री जी का वक्तव्य ... ... | 9-12 |
| विधान भवन के समस्त गेटों पर क्यू0आर0टी0 की ड्यूटी संवेदनशील स्थानों पर होल बाडी स्कैनर तथा ए0टी0एस0 टीम को विधान भवन में प्रवेश की अनुमति आदि के सम्बन्ध में पीठ से सूचना ... ... | 12-14 |
| सदन में जैमर के पूर्ण रूप से क्रियाशील न होने के सम्बन्ध में सदन का ध्यानाकर्षण ... ... ... | 14-15 |
| प्रश्नोत्तर ... ... ... | 15-35 |
| नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं ... ... ... | 36 |
| जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र किदवई नगर में क्षतिग्रस्त सीवर लाइन की सफाई एवं मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ... ... ... | 36-37 |
| उत्तर प्रदेश के समस्त विद्यालयों में महिलाओं एवं दिव्यांगों के लिए शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ... ... | 37 |
| जनपद लखनऊ के अलीगंज स्थित नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उच्चीकृत न किये जाने तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व कर्मचारियों की उपलब्धता न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ... | 37-38 |
| जनपद उन्नाव में शिक्षण की प्रर्याप्त व्यवस्था न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ... ... ... | 38 |
| जनपद आगरा के मदिया कटरा चौराहे से दिल्ली गेट तक तथा आर0बी0एस0 कालेज तक पुल की चौड़ाई बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ... ... ... | 38 |
| अलीगढ़ शहर के नव विकसित क्षेत्र में विद्युतीकरण की व्यवस्था न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ... | 39 |
| जनपद आगरा के खैरागढ़ तहसील को बुन्देलखण्ड की श्रेणी में किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ... ... | 39 |
| जनपद महराजगंज के बृजमनगंज को टाउन एरिया बनाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ... ... ... | 39 |

| विषय | | | | पृष्ठ-संख्या |
|---|---|---|---|---|
| चन्दौली सकलडीहा सैदपुर घाट पर सम्पर्क मार्ग से सढान सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना | ... | | | 40 |
| जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत सभी ब्लाकों स्थित सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, प्रा0 स्वा0 केन्द्र में दवाओं एवं स्टाफ की कमी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना | ... | | | 40 |
| जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सेउता में पं0 दीनदयाल उपाध्याय ज्योति योजना से विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना | ... | ... | ... | 40-41 |
| जनपद श्रावस्ती के कतिपय गांवों के किनारे राप्ती नदी पर तटबन्ध बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... | ... | ... | | 41 |
| जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे के विकास खण्ड हालिया लालगंज मुख्य मार्ग बेलन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना | ... | ... | ... | 41 |
| चकबन्दी के बाद नये सिरे से कपड़े पर शजरा मैप/शजरा शीट इन्डेक्स मैप नये खसरा बन्दोबस्त बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना | ... | ... | ... | 41-42 |
| जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर नगर में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... | | | | 42-43 |
| औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं | ... | ... | ... | 43 |
| जनपद चन्दौली के जिला ग्राम विकास अधिकारी द्वारा सत्र चलने के दौरान स्थानीय बैठक बुलाने पर अंकुश लगाते हुए उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न | ... | ... | ... | 43-44 |
| प्रदेश के माननीय मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा अपनी सम्पत्ति का व्योरा न दिये जाने के सम्बन्ध में औचत्य का प्रश्न | ... | ... | ... | 44 |
| जनपद तहसील रानीगंज के अन्तर्गत ग्राम सोनाही में ग्राम सभा की भूमि से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न | ... | ... | | 44-45 |
| लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-9-2014(लो0 आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) (सदन के पटल पर रखा गया) | ... | | | 45 |
| संसदीय कार्य अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या-301/90 संख्या-1-2017-53-संख्या-2002, दिनांक 15 जून, 2017 (सदन के पटल पर रखी गयी) | ... | | | 45 |

| विषय | पृष्ठ-संख्या |
|---|---|
| उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-28/2016 सीपी 674/84-2-2016-सीपी-29-96, दिनांक 27 दिसम्बर, 2016 (सदन के पटल पर रखी गयी) ... ... ... | 45 |
| उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-4-2012 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) (सदन के पटल पर रखा गया)... ... | 45 |
| उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-3-2014 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) (सदन के पटल पर रखा गया)... ... | 45 |
| जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक भीटी के अन्तर्गत मिझौड़ा महरूआ मार्ग से अताउल्लाह नाकपुर गांव में विसुई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने विषयक श्री प्रेमानन्द सिंह आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गई) ... ... ... | 46 |
| जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक भीटी के अन्तर्गत मललेपुर गांव में सुसई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने विषयक श्री मुन्नीलाल निषाद आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गई) ... | 46 |
| जनपद अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत इल्तफातगंज से अकबरपुर मार्ग का चौड़ीकरण करने एवं हाट मिक्स बनाये जाने विषयक श्री अमरजीत वर्मा आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गई) ... ... ... | 46 |
| जनपद अम्बेडकरनगर के तहसील अकबरपुर के अन्तर्गत श्रवण क्षेत्र मार्ग से रेडीचीनगर रामपुर बेनीपुर मार्ग पर नदी पर पुल निर्माण कराये जाने विषयक श्री कपूर चन्द्र वर्मा आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गई) ... ... ... | 46 |
| जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक अकबरपुर के ग्राम पंचायत खानपुर शाह सलेमपुर के अन्तर्गत खापुर से डड़वा को जोड़ने के लिए कुड़की नाले पर पुलिया निर्माण कराये जाने विषयक श्री राम पियारे राजभर आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका (उपस्थित की गई) ... | 46-47 |
| कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत) ... ... ... | 47-48 |
| कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं ... ... ... | 48-53 |
| वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा (जारी) ... | 53 |
| बजट की साधारण चर्चा पर समय निर्धारण ... ... ... | 53-92 |

| विषय | | पृष्ठ-संख्या |
|---|---|---|
| वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा (जारी) | ... | 91-109 |
| नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं | ... ... ... | 109-110 |
| जिला पंचायत अलीगढ़ में शासनादेशों के विरुद्ध कराये गये विकास कार्यों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दलवीर सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पंचायती राज्य मंत्री का वक्तव्य (स्थगित)... | ... | 110 |
| जनपद सहारनपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-73 रूड़की-पंचकुला पर बाईपास के निर्माण के सम्बन्ध में श्री संजय गर्ग द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य ... ... ... | | 111 |
| जनपद बदायूं के तहसील सहसवान में गंगा नदी के कटान को रोकने हेतु प्रभावी व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में श्री ओमकार सिंह यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर बाढ़ नियंत्रण मंत्री का वक्तव्य | ... | 111-112 |
| जनपद फिरोजाबाद के जिला महिला चिकित्सालय के भवन निर्माण होने के उपरान्त चालू कराये जाने हेतु स्टाफ की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का वक्तव्य | ... ... ... | 112-113 |
| जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत पी0एम0जी0एस0वाई0 के तहत कतिपय निर्माणाधीन मार्ग के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर ग्राम्य विकास मंत्री का वक्तव्य | ... ... ... | 113-115 |
| जनपद बुलन्दशहर के सिकन्दराबाद के राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में महिला वेलफेयर फाउन्सलर की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती विमला सिंह सोलंकी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का केवल वक्तव्य | ... ... ... | 115-116 |
| जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक ढेकमा ग्राम-हदिशा में कतिपय सड़क पुलिया के निर्माण कार्य को कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आजाद अरिमर्दन द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य | ... ... ... | 116-117 |
| जनपद बस्ती के गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय प्रताप जायसवाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री का केवल वक्तव्य ... | ... | 117-119 |

# उत्तर प्रदेश विधान सभा

## सत्रहवीं विधान सभा

---

शुक्रवार, दिनांक 14 जुलाई, 2017 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

**उपस्थित सदस्य-367**

1. अक्षयवर लाल गोंड, श्री — बहराइच
2. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
3. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
4. अजय प्रताप सिंह, ''लल्ला भइया'' कुंवर — गोण्डा
5. अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, श्री — सम्भल
6. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
7. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
8. अदिति सिंह, सुश्री — रायबरेली
9. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
10. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
11. अनिल कुमार मौर्य, श्री — सोनभद्र
12. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
13. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
14. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
15. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकरनगर
16. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 — बुलन्दशहर
17. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
18. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
19. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
20. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
21. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
22. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
23. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
24. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
25. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
26. अरविन्द गिरि, श्री — खीरी
27. अरूण कुमार, डॉ0 — बरेली
28. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
29. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
30. अवतार सिंह भडाना, श्री — मुजफ्फरनगर
31. अवधेश सिंह, श्री — वाराणसी
32. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
33. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
34. अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
35. असलम अली, श्री — हापुड़
36. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
37. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
38. आर0 के0 सिंह पटेल, श्री — चित्रकूट
39. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
40. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
41. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री — हरदोई

42. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
43. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ
44. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
45. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
46. इन्द्र प्रताप उर्फ खब्बू तिवारी, श्री — फैजाबाद
47. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
48. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
49. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
50. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
51. उपेन्द्र सिंह, श्री — बाराबंकी
52. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
53. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
54. ओम प्रकाश राजभर, श्री — गाजीपुर
55. कपिल देव अग्रवाल, श्री — मुजफ्फरनगर
56. कमल रानी, श्रीमती — कानपुर नगर
57. कमल सिंह मलिक, श्री — हापुड़
58. कमलेश शुक्ल, श्री — देवरिया
59. कमलेश सैनी, श्रीमती — बिजनौर
60. करण सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
61. कल्पनाथ पासवान, श्री — आजमगढ़
62. कारिन्दा सिंह, श्री — मथुरा
63. काली प्रसाद, श्री — देवरिया
64. किशन लाल राजपूत, श्री — पीलीभीत
65. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री — उन्नाव
66. कुशाग्र सागर, श्री — बदायूं
67. कृष्णपाल मलिक, श्री — बागपत
68. कृष्णा पासवान, श्रीमती — फतेहपुर
69. केसर सिंह, श्री — बरेली
70. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री — बलरामपुर
71. कैलाश नाथ सोनकर, श्री — वाराणसी
72. कैलाश सिंह राजपूत, श्री — कन्नौज
73. गंगा, श्री — कुशीनगर
74. गरिमा सिंह, श्रीमती — अमेठी
75. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 — आगरा
76. गुलाब देवी, श्रीमती — सम्भल
77. गौरी शंकर, श्री — जालौन
78. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री — बस्ती
79. चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, श्री — चित्रकूट
80. चेतन चौहान, श्री — अमरोहा
81. चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
82. छत्रपाल सिंह गंगवार, श्री — बरेली
83. जगन प्रसाद गर्ग, श्री — आगरा
84. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री — कुशीनगर
85. जन्मेजय सिंह, श्री — देवरिया
86. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 — इलाहाबाद
87. जय कुमार सिंह (जैकी), श्री — फतेहपुर
88. जय देवी, श्रीमती — लखनऊ
89. जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
90. जयमंगल, श्री — महाराजगंज
91. जवाहर लाल राजपूत, श्री — झांसी
92. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री — मेरठ
93. जितेन्द्र वर्मा, श्री — आगरा
94. ज्ञान तिवारी, श्री — सीतापुर
95. ज्ञानेन्द्र, श्री — महाराजगंज
96. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 — बरेली
97. तसलीम अहमद, श्री — बिजनौर
98. तेजपाल सिंह नागर, श्री — गौतमबुद्धनगर
99. तेजेन्द्र निर्वाल, श्री — शामली
100. त्रिवेणी राम, श्री — गाजीपुर
101. दयाराम चौधरी, श्री — बस्ती

102. दल बहादुर, श्री — रायबरेली
103. दलवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
104. दारा सिंह चौहान, श्री — मऊ
105. दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, श्री — सन्तकबीरनगर
106. दिनेश खटीक, श्री — मेरठ
107. दिनेश चौधरी, श्री — जौनपुर
108. दीनानाथ भाष्कर, श्री — भदोही
109. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री — आजमगढ़
110. देवमणि द्विवेदी, श्री — सुल्तानपुर
111. देवेन्द्र कुमार निम, श्री — सहारनपुर
112. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — कासगंज
113. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री — कासगंज
114. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री — बुलन्दशहर
115. धनन्जय कन्नौजिया, श्री — बलिया
116. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री — बाराबंकी
117. धर्म सिंह सैनी, डॉ0 — सहारनपुर
118. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य ''पप्पू भइया'', श्री — बदायूं
119. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री — रायबरेली
120. धीरेन्द्र सिंह, श्री — गौतमबुद्धनगर
121. नन्द किशोर, श्री — गाजियाबाद
122. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री — इलाहाबाद
123. नफीस अहमद, श्री — आजमगढ़
124. नरेन्द्र पाल सिंह, कुँ0 — जालौन
125. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री — सीतापुर
126. नरेश सैनी, श्री — सहारनपुर
127. नसीर अहमद खाँ, श्री — रामपुर
128. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री — फर्रुखाबाद
129. नितिन अग्रवाल, श्री — हरदोई
130. निर्मला संखवार, श्रीमती — कानपुर देहात
131. नीरज बोरा, डॉ0 — लखनऊ
132. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 — वाराणसी
133. नीलम करवरिया, श्रीमती — इलाहाबाद
134. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री — वाराणसी
135. पंकज गुप्ता, श्री — उन्नाव
136. पंकज सिंह, श्री — गौतमबुद्धनगर
137. पक्षालिका सिंह, रानी — आगरा
138. पवन कुमार, श्री — कुशीनगर
139. पल्टूराम, श्री — बलरामपुर
140. पारसनाथ यादव, श्री — जौनपुर
141. पूरन प्रकाश, श्री — मथुरा
142. प्रकाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — बांदा
143. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती — कानपुर देहात
144. प्रतीक भूषण सिंह, श्री — गोण्डा
145. प्रदीप कुमार, श्री — सहारनपुर
146. प्रभात कुमार वर्मा, श्री — गोण्डा
147. प्रभाष कुमार, श्री — हरदोई
148. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री — चन्दौली
149. प्रवीण पटेल, श्री — इलाहाबाद
150. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री — गोण्डा
151. प्रेमसागर पटेल, श्री — महाराजगंज
152. फतेह बहादुर, श्री — गोरखपुर
153. फागू चौहान, श्री — मऊ
154. बजरंग बहादुर सिंह, श्री — महाराजगंज
155. बम्बा लाल, श्री — उन्नाव
156. बल्देव सिंह औलख, श्री — रामपुर
157. बहोरन लाल मौर्य, श्री — बरेली
158. बाबा गोरखनाथ, श्री — फैजाबाद
159. बाबू राम पासवान, श्री — पीलीभीत

160. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
161. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
162. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
163. बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री महोबा
164. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
165. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
166. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
167. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
168. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
169. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
170. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
171. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
172. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
173. मनीषा अनुरागी, श्रीमती हमीरपुर
174. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
175. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
176. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
177. मन्जू शिवाज, डॉ0 गाजियाबाद
178. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
179. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
180. मसूद अखतर, श्री सहारनपुर
181. महबूब अली, श्री अमरोहा
182. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
183. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
184. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
185. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
186. महेश चन्द्र, श्री कानपुर नगर
187. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
188. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
189. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
190. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
191. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
192. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
193. मुख्तार अन्सारी, श्री मऊ
194. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
195. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
196. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
197. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
198. मौ0 फईम, श्री मुरादाबाद
199. मौहम्मद अब्दुल्ला आजम खां, श्री रामपुर
200. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
201. योगेश धामा, श्री बागपत
202. योगेश वर्मा, श्री खीरी
203. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
204. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
205. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
206. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
207. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
208. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
209. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
210. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
211. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
212. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
213. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
214. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
215. रवि शर्मा, श्री झांसी
216. रवेन्द्रपाल सिंह, श्री अलीगढ़
217. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
218. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
219. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
220. राकेश राठौर, श्री सीतापुर

221. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
222. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीरनगर
223. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
224. राज करन कबीर, श्री बांदा
225. राजकुमार अग्रवाल उर्फ राजिया, श्री हरदोई
226. राजबाला, श्रीमती रामपुर
227. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
228. राजवीर दिलेर, श्री अलीगढ़
229. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
230. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
231. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
232. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़
233. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
234. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, श्री बरेली
235. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
236. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
237. राधा कृषण शर्मा, पं0 बदायूं
238. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
239. रामकुमार वर्मा, पटेल, श्री खीरी
240. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
241. रामगोपाल पप्पू लोधी, श्री फिरोजाबाद
242. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
243. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
244. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
245. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
246. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
247. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
248. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
249. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
250. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
251. रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
252. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
253. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
254. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
255. रितेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
256. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
257. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
258. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
259. लाखन सिंह, श्री औरैया
260. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
261. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
262. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
263. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
264. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
265. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
266. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
267. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
268. विजय पाल (आढती), श्री हापुड़
269. विजय मिश्र, श्री भदोही
270. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
271. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
272. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
273. विनय शाक्य, श्री औरैया
274. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
275. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
276. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
277. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
278. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर

279. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री — गाजीपुर
280. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस — शाहजहांपुर
281. वीरेन्द्र, श्री — एटा
282. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री — बुलन्दशहर
283. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री — फैजाबाद
284. शरद कुमार अवस्थी, श्री — बाराबंकी
285. शरदवीर सिंह, श्री — शाहजहांपुर
286. शशांक त्रिवेदी, श्री — सीतापुर
287. शारदा प्रसाद, श्री — चन्दौली
288. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री — आजमगढ़
289. शीतल पाण्डेय, श्री — गोरखपुर
290. शीतला प्रसाद, श्री — कौशाम्बी
291. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती — मिर्जापुर
292. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री — जौनपुर
293. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री — बलरामपुर
294. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती — फैजाबाद
295. श्याम धनी, श्री — सिद्धार्थनगर
296. श्याम प्रकाश, श्री — हरदोई
297. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 — बरेली
298. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
299. श्रीकान्त शर्मा, श्री — मथुरा
300. श्री राम चौहान, श्री — सन्तकबीरनगर
301. श्रीराम सोनकर, श्री — मऊ
302. संगम लाल गुप्ता, श्री — प्रतापगढ़
303. संग्राम यादव, डॉ0 — आजमगढ़
304. संगीत सिंह सोम, श्री — मेरठ
305. संगीता, श्रीमती — गाजीपुर
306. संगीता यादव, श्रीमती — गोरखपुर
307. संजय, श्री — बुलन्दशहर
308. संजय कुमार, श्री — कौशाम्बी
309. संजय गर्ग, श्री — सहारनपुर
310. संजय प्रताप जायसवाल, श्री — बस्ती
311. संजय यादव, श्री — बलिया
312. संजय सिंह गंगवार, श्री — पीलीभीत
313. संजीव कुमार, श्री — सोनभद्र
314. संजीव कुमार दिवाकर, श्री — एटा
315. संजीव राजा, श्री — अलीगढ़
316. संजू देवी, श्रीमती — अम्बेडकरनगर
317. संदीप कुमार सिंह, श्री — अलीगढ़
318. सतीश चंद्र शर्मा, श्री — बाराबंकी
319. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 — सिद्धार्थनगर
320. सतीश महाना, श्री — कानपुर नगर
321. सत्यपाल सिंह बघेल, श्री — फिरोजाबाद
322. सत्य प्रकाश अग्रवाल ''कैलाश डेरी वाले'', श्री — मेरठ
323. सत्यवीर त्यागी, श्री — मेरठ
324. सन्त प्रसाद, श्री — गोरखपुर
325. सरिता भदौरिया, श्रीमती — इटावा
326. सहेन्द्र सिंह रमाला, श्री — बागपत
327. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री — बाराबंकी
328. साधना सिंह, श्रीमती — चन्दौली
329. सावित्री कठेरिया, श्रीमती — इटावा
330. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री — इलाहाबाद
331. सीताराम वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
332. सुखदेव राजभर, श्री — आजमगढ़
333. सुनीता, श्रीमती — गाजीपुर
334. सुनील कुमार शर्मा, श्री — गाजियाबाद
335. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर — फर्रुखाबाद
336. सुनील वर्मा, श्री — सीतापुर
337. सुभाष त्रिपाठी ऐडवोकेट, श्री — बहराइच
338. सुभाष पासी, श्री — गाजीपुर
339. सुरेन्द्र, श्री — बलिया

340. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री — वाराणसी
341. सुरेश कुमार, श्री — शामली
342. सुरेश कुमार, श्री — अमेठी
343. सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
344. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री — लखनऊ
345. सुरेश तिवारी, श्री — देवरिया
346. सुरेश राही, श्री — सीतापुर
347. सुरेश्वर सिंह, श्री — बहराइच
348. सुशान्त कुमार सिंह, कुँ0 — बिजनौर
349. सुशील कुमार शाक्य, श्री — फर्रुखाबाद
350. सुशील सिंह, कुँ0 — चन्दौली
351. सूर्य प्रताप शाही, श्री — देवरिया
352. सूर्यभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
353. सोमेन्द्र तोमर, डॉ0 — मेरठ
354. सोवरन सिंह यादव, श्री — मैनपुरी
355. सोहिल अख्तर अंसारी, श्री — कानपुर नगर
356. सौरभ श्रीवास्तव, श्री — वाराणसी
357. सौरभ सिंह, श्री — खीरी
358. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री — कुशीनगर
359. हरगोविन्द भार्गव, डॉ0 — सीतापुर
360. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री — खीरी
361. हरिशंकर माहौर, श्री — हाथरस
362. हरीराम, श्री — सोनभद्र
363. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 — जौनपुर
364. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री — इलाहाबाद
365. हाकिम लाल बिन्द, श्री — इलाहाबाद
366. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, श्रीमती — आगरा
367. हृदय नारायण दीक्षित, श्री — उन्नाव

---

नोटः- मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य), ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डा0 महेन्द्र सिंह), परिवहन एवं ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री स्वतंत्र देव सिंह) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिक, इलेक्ट्रानिक्स, मुस्लिम वक्फ, हज राज्य मंत्री (श्री मोहसिन रजा) भी सदन में उपस्थित थे।

## [11.01]विधान सभा की सुरक्षा के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री जी का वक्तव्य

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

माननीय अध्यक्ष जी, एक विशेष परिस्थितिवश माननीय मुख्य मंत्री जी विधान सभा की सुरक्षा के सम्बन्ध में आज एक वक्तव्य देंगे।

**श्री अध्यक्ष-**

माननीय मुख्य मंत्री जी।

**मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-**

अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश विधान सभा देश की सबसे बड़ी विधान सभा है और पूरे देश की जनता उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य प्रणाली पर बहुत नजदीक से नजर गड़ाए हुए रहती है। उसे लगता है कि देश के सबसे बड़े लोकतंत्र से देश के लिए कुछ नयापन और कुछ अच्छा देखने को मिलेगा, सुनने को मिलेगा। पिछले कुछ समय से विधान सभा की कार्यवाही प्रारम्भ हुई है तो उसमें विधान सभा, जो विधायिका का एक सर्वोच्च मंच है, यह अच्छी चर्चाओं को आगे बढ़ाया है। प्रदेश के विकास को ध्यान में रख कर के, अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाने का उसने प्रयास किया है लेकिन जहां हम लोग प्रदेश के विकास के बारे में और एक रचनात्मक चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं वहीं हमें इस विधान सभा और इस विधान भवन की सुरक्षा के बारे में भी चिन्ता अवश्य करनी चाहिए। मैंने कई बार अपनी इस चिन्ता से अवगत भी कराया है और इस सम्बन्ध में हम लोगों ने बार-बार सुरक्षा एजेंसियों से भी इस बारे में कहा है, आग्रह भी किया है एवं आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। इस सम्बन्ध में मैं आपका मार्गदर्शन चाहूंगा कि अध्यक्ष पीठ से इस सम्बन्ध में पूरे सदन की सहमति से सुरक्षा की एक सहमति बननी चाहिए और यह इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि जिस प्रकार की परिस्थितियां पैदा हुई हैं और जिस प्रकार की स्थितियां चल रही हैं, उन स्थितियों में सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। यह हम सबको स्वीकार करना होगा कि सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि सब की सहमति से एक सामूहिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। खासतौर पर जो चीजें इधर दो-तीन दिन के अंदर डेवलेप हुई हैं उसको देखते हुए। अभी 11 जुलाई से हमारा बजट सत्र प्रारम्भ हुआ है और 11 जुलाई से बजट सत्र प्रारम्भ होने के बाद जब 12 जुलाई को बजट सत्र के दौरान, सदन जब चलता है उस समय सभी माननीय विधायकगण यहां रहते हैं तो माननीय विधायकों के अलावा अन्य किसी को भी यहां पर आने की अनुमति नहीं होती है, मार्शल को छोड़ दिया जाये और विधान भवन से जुड़े हुए कर्मी होंगे उनको छोड़कर के कोई तीसरा यहां पर नहीं आ सकता है। लेकिन यह एक बड़ी विचित्र स्थिति है कि हमारे नेता प्रतिपक्ष की सीट के ठीक तीसरी सीट पर 12 जुलाई को जब यहां पर प्रातःकाल विधान भवन के कर्मी सफाई करने आये होंगे उनके साथ मार्शल और सुरक्षाकर्मी आये होंगे तो वहॉ पर एक पुड़िया में कुछ सामग्री प्राप्त हुई थी। वह सामग्री एफ0एस0एल0 को भेजी गयी थी। फारेन्सिक लैब के पास जब यह सामग्री गयी थी तो आशंका यह व्यक्त की गयी थी कि यह हो सकता है कोई ऐसा पाउडर हो, कोई ऐसा रसायन हो जो किसी कारण से उपयोग करने के लिए लाया गया हो लेकिन हम कल शाम को भी बैठे थे, उसमें हम लोग बैठे थे, उस समय भी इसकी चर्चा हुई थी। लेकिन, जब शाम देर शाम को यह बात सामने आई कि

यह एक हाई एक्सप्लोसिव था जो एक खतरनांक विस्फोटक है और वह खतरनांक विस्फोटक, यद्यपि उसकी मात्रा कम थी डेढ़ सौ ग्राम ही वह है इस पूरे विधान भवन को उड़ाने के लिए 500 ग्राम का जो पीटीएन जो विस्फोट पाया गया है वह पर्याप्त है। आखिर कौन लोग यहां पर लेकर आये हैं उसको एक प्रश्न यह उठता है ? क्या हम जनप्रतिनिधियों को अगर कोई विशेषाधिकार दिया गया है तो क्या हम इस प्रकार की सुरक्षा के साथ चूक करने की छूट किसी को दे देंगे और यह एक खतरनांक प्रवृत्ति है इस प्रकार की खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए। हम लोग तो बाहर की सुरक्षा के प्रति चिन्तित थे अब तक और बाहर की सुरक्षा के प्रति जब हम लोग इसके बारे में चर्चा कर ही रहे थे तो उस दौरान जो चीजें सामने आई हैं कल, वह और भी गम्भीर हो जाती हैं। इसलिए मेरा आपसे विनम्र आग्रह, अनुरोध होगा एक तो जो इस विधान भवन में लगे हुए कर्मी हैं उनका पुलिस वेरीफिकेशन होना बहुत आवश्यक है। हमें जानकारी होनी चाहिए कौन लोग यहां पर कार्य कर रहे हैं किस प्रकार के लोग हैं और कोई भी व्यक्ति जब अन्दर आये इस विधान भवन के अन्दर आये क्योंकि इस बारे में शुरू के दिन से जबसे मुझे इस सदन में आने का अवसर मिला था तब भी इस बारे में चिन्तित था जब मैं यहां देखता था कि सदस्य लोग उतने बैठे हुए नहीं थे जितने यहां पर कैमरे ले करके और जगह-जगह लोग फोटोग्राफी करने और यह सब चीजें चल रही थी और कोई भी व्यक्ति घुस आ रहा था तभी मैंने आग्रह किया था आपने उसके लिए एक अलग व्यवस्था बनवाई। पहले से व्यवस्थायें बदली हुई दिखीं लेकिन क्या हम किसी एक व्यक्ति को इतनी छूट दे देंगे कि वह 403 विधायक और माननीय सदस्यों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करे। क्या हम इस पूरे विधान भवन की सुरक्षा में लगे हुए या यहां पर कार्यरत सभी अधिकारी सभी कर्मचारियों के साथ में या पूरे विधान भवन में जो भी हमारे माननीय विधायकगण हैं, माननीय विधान परिषद् के सदस्यगण हैं 503 उनकी संख्या है क्या उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की छूट हम किसी एक उस व्यक्ति विशेष को दे दें, जो इस प्रकार की शरारत करने पर उतर आया है कि वह विधान भवन के अन्दर विस्फोटक लेकर के आ करके पुलिस व्यवस्था को चुनौती दे, यह गम्भीर प्रकरण हैं। इसलिए मेरा आग्रह होगा कि इसकी गम्भीरता को समझते हुए इस सम्बन्ध में सुरक्षा के निर्देश जारी होने चाहिए। यह तय होना चाहिए कि हम लोग किसी एक व्यक्ति विशेष के लिए या किसी एक को खुश करने के लिए या कुछ लोगों की स्वयं की तुष्टि के लिए 503 अपने माननीय जनप्रतिनिधियों, यहां सेवा कर रहे, वर्षो से सेवा कर रहे अधिकारियों और यहां के कर्मियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं दे सकते हैं और इसमें हम सबका सहयोग चाहेंगे । क्योंकि यह जो विस्फोटक है यह विस्फोटक सामान्य रूप से पता नहीं लग सकता । जब तक फिजिकली अधिकारी उसको चेक नहीं करेंगे तब तक उसका पता नहीं लग सकता । आपको याद होगा, आप देख रहे होंगे कि जब डॉग स्क्वायड वहॉ तक पहुँचा था तो डॉग स्क्वायड भी उस विस्फोटक को सूँघने में विफल रहा, क्योंकि उसमें किसी प्रकार की खुशबू या बदबू नहीं है और वह जब लैब में पहुँचा तो उसके बाद पता लगा कि यह तो पी0ई0टी0एन0 है, एक खतरनाक विस्फोटक है । यह खतरनाक आतंकी साजिश को अंजाम देने की साजिश का हिस्सा है। कौन लोग इस साजिश में लगे हैं, इसका पर्दाफाश होना आवश्यक है । इसलिये मेरा अनुरोध होगा कि सभी जो भी कर्मी यहां पर कार्यरत हैं उनका पुलिस वेरीफिकेशन जरूर हो जाय । दूसरा, इस पूरे प्रकरण की जॉच एन0आई0ए0 से जरूर हो । एन0आई0ए0 जैसी संस्था को इसकी जॉच करनी चाहिये । हम लोग इस सम्बन्ध में अनुरोध करें क्योंकि यह प्रकरण प्रदेश के

22 करोड़ लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है यह सीधे-सीधे सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है, प्रदेश की 22 करोड़ जनता के साथ में खिलवाड़ है और जिसने भी यह शरारत की है उसके खिलाफ कार्यवाही अवश्य होनी चाहिये । कुछ चीजें हैं जिसमें वास्तव में यहां एक व्यवस्था दिये जाने की आवश्यकता है और मैं अनुरोध करूँगा सभी माननीय विधायकों से सभी माननीय सदस्यों से, कि हम सब इसमें सहयोग करें, क्योंकि अलटीमेटली आपकी सुरक्षा से जुड़ा हुआ मुद्दा है । हम लोग एयरपोर्ट पर जाते हैं तो हम लोग यह नहीं कह सकते कि हम जॉच नहीं करवायेंगे । हम लोगों को सुरक्षा तंत्र से होकर जाना पड़ता है और अगर विधान भवन के अंदर हम लोग आ रहे हैं तो यह सुरक्षा जॉच कराने में हमें कोई संकोच नहीं होना चाहिये बशर्ते कि वह हम लोगों की सुरक्षा करने से जुड़ा हुआ हो । जिस विधान सभा में हम लोगों को पब्लिक से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करनी चाहिये, विकास के मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिये, आज वहॉ पर हमें स्वंय की सुरक्षा पर लग रहे सेंध के बारे में चर्चा करने के लिये मजबूर होकर खड़ा होना पड़ रहा है। लेकिन यह सेंध लगाने वाले लोग कौन हैं ऐसे लोग एक्सपोज किये जाने चाहिये । इसलिये मैं आपसे अनुरोध करूँगा कि सुरक्षा के बारे में एक विस्तृत गाइडलाइन आपके द्वारा जारी हो और सभी माननीय सदस्य उसका पालन करें । दूसरा इस पूरे प्रकरण को एन0आई0ए0 को सौंपे, एन0आई0ए0 इसकी जॉच जरूर करे और यह तथ्य सामने आने चाहिये कि जो भी इस मामले में दोषी हो, कोई भी हो, उसके खिलाफ बहुत सख्त कार्यवाही होनी चाहिये । इस चेयर के द्वारा इस प्रकार के डायरेक्शन जारी होने चाहिये । एक अन्य अनुरोध अंत में मैं करना चाहूँगा यद्यपि यह इससे जुड़ा नहीं है, लेकिन वह यह है कि जब विधान सभा की कार्यवाही चलती है तो उस समय माननीय विधायकगण अपने फोन को लेकर अंदर न आयें और अगर मोबाइल फोन लेकर आते हैं तो उसको साइलेंट मोड में रख दें या बंद कर दें । क्योंकि विधान सभा में जब हम किसी चर्चा में भाग लेते हैं, तब तक किसी का फोन बज जाता है जो पूरी गंभीरता को भंग कर देता है। आवश्यक होगा कि हम बाहर कोई ऐसा सिस्टम बना दें जहॉ पर हम उन लोगों के बैग को रखने की भी व्यवस्था करें। विधान भवन में यदि किसी को आना है तो वह अपनी नोटबुक लेकर आये, भाषण देना हो तो उसी नोटबुक में देखकर जो भी प्वाइंट नोट करने हों, उसके अनुसार अपना भाषण लेकर आयें । अपना बैग, अपना मोबाइल फोन सभी कुछ बाहर रखने की कोई व्यवस्था हम लोगों को देनी चाहिये । सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था, मैं केवल विधान भवन के बाहर नहीं, अपितु विधान भवन के अंदर भी हम लोगों को करनी होगी । अब तक जो व्यवस्था है वह त्रिस्तरीय व्यवस्था है । सचिवालय का अलग है, विधान भवन के बाहर की व्यवस्था अलग है और अंदर के लिये मार्शल के द्वारा की जाने वाली व्यवस्था अलग है। इनमें कोई साम्यता भी नहीं है, साम्यता का अभाव है । इसमें कोई समन्वय नहीं है, हर कोई एक दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी डालना चाहता है । हम लोगों के पास इस प्रकार की कोई व्यवस्था नहीं है कि अगर दुर्भाग्य से कोई आतंकी हमला हो जाय तो हम लोगों के पास कोई ऐसी क्विक रिस्पॉस टीम नहीं है कि वह तत्काल उसका मुकाबला कर सके। आश्चर्य होता है कि देश की सबसे बड़ी विधान सभा के बावजूद हम लोग सुरक्षा के प्रति कितने लापरवाह हैं कि हम लोगों ने इसे कभी गम्भीरता से नहीं लिया है यह प्रियार्टी तो बहुत पहले तय हो जानी चाहिए थी, नहीं भी हो तो भी हम लोगों को इसके बारे में पहले से आवश्यक सावधानी बरतनी चाहिए। प्रियार्टी के बारे में यह होना चाहिए कि हर गेट पर सुरक्षा हो, जिन लोगों के फालतू पास हैं, मा0 विधायकों के बारे में, मा0 मंत्रियों के द्वारा भी बिना पास के वाहनों की इंट्री बन्द होनी चाहिए, अन्य सावधानियॉ बरती

जानी चाहिए, बिना पास के इंट्री बैन होनी चाहिए। कोई आ रहा है तो उसके बारे में जानकारी होनी चाहिए कि कौन वह व्यक्ति है और जिम्मेदार, जवाबदेह लोगों को ही तैनाती का अवसर विधान भवन के अन्दर और विधान भवन के बाहर दिया जाना चाहिए, एक यूनिफार्म सिक्योरिटी हम लोगों को खड़ा करना चाहिए जो वास्तव में इस विधान भवन को सुरक्षित रख सके और फिर इसी प्रकार की व्यवस्था हम लोग अन्य सरकारी कार्यालयों में भी दे सकें जिससे कि अनावश्यक भीड़ भाड़ न हो और जो इस प्रकार के तत्वों की घुसपैठ हो जाती है व्यवस्था में, उसको भी सख्ती के साथ हम लोग रोक सकें इसके बारे में हम लोगों को तय करना होगा। यह एक गम्भीर प्रकरण है और जो चीजें आ रही हैं मुझे लगता है कि इसके बारे में हम लोगों को सबको विचार करना होगा कि यह सीधे-सीधे सेंध है इस विधान भवन की सुरक्षा में और इस प्रकार की शरारत करने की छूट हमें किसी को नहीं देनी चाहिए चाहे वह कोई भी हो और इसलिए मैं आप सबसे अपील करूँगा कि सभी लोग मिल करके इस प्रकार की साजिश रचने वाले तत्वों के खिलाफ एक स्वर से ना केवल निन्दा प्रस्ताव पारित करें अपितु साथ-साथ अध्यक्ष पीठ से इस बात का अनुरोध करें कि इस विधान भवन की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करके इस पूरे प्रकरण को, क्योंकि यह आपके आदेश से ही हो पायेगा, विधान भवन के अन्दर जो भी गतिविधि होगी, जो भी कार्रवाई होगी, इसमें आपका हस्तक्षेप और आपका मार्गदर्शन आवश्यक है। इसलिए मैं चाहूँगा कि पी0ई0टी0एन0 का इस विधान भवन के अन्दर पाया जाना इस बात को साबित करता है कि कुछ लोग शरारत पर उतर आये हैं, उनकी शरारत का मुंहतोड़ जवाब दिये जाने की आवश्यकता है और इसलिए इस प्रकरण की एन0आई0ए0 से जांच होनी आवश्यक है। एन0आई0ए0 से इसकी जांच करा करके ऐसे तत्वों को बेनकाब किये जाने की आवश्यकता है, मुझे यही आपसे अनुरोध करना था। यह प्रकरण मुझे लगता है कि 12 तारीख को मार्निंग में ये सारी चीजें पाई गईं और कल शाम तक ये सारी चीजें सामने आ गई हैं और इसलिए मुझे आपके सामने वक्व्य रखना था। इस पर आपका जो भी मार्गदर्शन हो, मुझे लगता है कि पूरे सदन की इसमें सहमति मिले यह मैं आप सबसे अपील करूँगा, धन्यवाद।

## विधान भवन के समस्त गेटों पर क्यू0आर0टी0 की ड्यूटी संवेदनशील स्थानों पर होल बाडी स्कैनर तथा ए0टी0एस0 टीम को विधान भवन में प्रवेश की अनुमति आदि के सम्बन्ध में पीठ से सूचना

**श्री अध्यक्ष-**

इस आदरणीय सदन के मा0 नेता सदन, मा0 नेता प्रतिपक्ष, मा0 नेता बहुजन समाज पार्टी, मा0 नेता कांग्रेस, मा0 नेता अपना दल, मा0 नेता सुहेलदेव पार्टी सभी मा0 मंत्रीगण और आदरणीय सभी मा0 सदस्यगण, अभी मा0 मुख्य मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े अति महत्वपूर्ण विषय रखे हैं। देश के और इस उत्तर प्रदेश के आदरणीय सदन की गरिमा, महिमा और यशस्विता को देखते हुए कतिपय शक्तियॉं जो भारत की प्रतिष्ठा बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं वह देश की सबसे बड़ी विधान सभा, उसके कामकाज, उसकी प्रतिष्ठा को नष्ट करने के लिए इस तरह के घिनौने तरीकों का सहारा लेने को तैयार बैठे हैं। यह अवसर बहुत ही गम्भीर और चुनौती भरा है। लेकिन हम सब मिलकर इस चुनौती का सामना करने को तत्पर और तैयार बैठे हैं और ऐसी अपेक्षा भी है कि हम सब तैयार रहें। अभी माननीय मुख्य मंत्री जी की तरफ से और जैसा वातावरण है, सबका इस घटना के प्रति सबकी तरफ से कुछ महत्वपूर्ण बातें कही गयी हैं। मैं सात-आठ बिन्दुओं की

ओर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए कुछ सूचनायें देना चाहता हूँ। विधान भवन के समस्त गेटों पर पी0ए0सी0 द्वारा क्यू0आर0टी0 की ड्यूटी लगायी जायेगी। (माननीय सदस्यों द्वारा मेजें थपथपायी गयी।) विधान भवन के 6 संवेदनशील स्थानों पर होल-बॉडी स्कैनर लगाया जाना है। बैगेज का स्कैनर भी लगाया जाना है। विधान भवन के गेटों पर गोलार्द्ध लगाया जाना है। पार्किंग को रेगुलेट करना, माननीय विधायकों की गाड़ियों को लोक नायक भवन और विधान भवन में निर्मित पार्किंग में पार्क कराया जाना है। माननीय विधायकों और उनके प्रतिनिधि के अतिरिक्त विधान सभा से निर्गत समस्त प्रवेश-पत्रों को निरस्त किये जाने का प्रस्ताव है। माननीय विधायकों के एक वाहन के अतिरिक्त सभी अन्य वाहन, उनके पास निरस्त किये जाने हैं। माननीय विधायकों के वाहन को चलाने वाले ड्राइवर, उनका पास बनाया जाना जरूरी है और मा0 विधायकों का प्रमाणित किया जाना जरूरी है कि वे उसको ठीक से जानते हैं। माननीय विधायकों के साथ उनके वाहन में आने वाले उन्हीं व्यक्तियों का प्रवेश अनुमन्य होगा जिनके पास पहले से पास है। कभी-कभी माननीय विधायकगण आग्रह करते हैं कि पास नहीं है, मेरे साथ आये हैं, यद्यपि ऐसा पहले होता रहा है लेकिन जैसी चुनौती हमारे सामने आयी है, जिस तरह की चुनौती दी गयी है, उस चुनौती का सामना करने के लिए जरूरी है कि हम सब स्वयं को भी तत्पर और तैयार रखें। माननीय पूर्व विधायकों और जो किसी प्रकार के अन्य पास वाहनों के हैं उनको निरस्त किया जाना है। अभी जैसा माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि समन्वय जो यहॉ की आन्तरिक व्यवस्था है और जो पुलिस व्यवस्था है उसके साथ समन्वय स्थापित किया जाये। ए0टी0एस0 टीम को औपचारिक रूप से विधान भवन में अनुमति दिया जाना है। कतिपय और भी बैठकों के माध्यम से कल हम लोग बैठे थे माननीय मुख्य मंत्री जी के साथ, आज हम लोग सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ अभी बैठे हैं उसमें भी अनेक महत्वपूर्ण सुझाव आये हैं। समन्वय बहुत जरूरी है। पहले जो परिपाटी रही है कि सदन के परिसर में पुलिस का प्रवेश, इसको हम प्रायः स्वीकार नहीं करते थे लेकिन ज्यों-ज्यों चुनौतियॉ बढ़ती हैं, त्यों-त्यों व्यवस्था में, परम्परा में, परिपाटी में कुछ परिवर्तन अपरिहार्य और अनिवार्य हो जाते हैं। जो कर्मचारी विधान भवन में और विधान भवन के नीचे सचिवालय है वहॉ कार्यरत हैं, कुछ कर्मचारी तो नियमित हैं, कुछ ऐसे हैं जो नियमित नहीं हैं, तो सभी कर्मचारियों का जो किसी भी रूप में यहॉ काम करते हैं उनका पुलिस वेरीफिकेशन भी किया जाना है। चूँकि घटना बहुत बड़ी है और वह विस्फोटक बहुत शक्तिशाली है जो यहॉ पाया गया है। फोरेन्सिक जांच के अधिकारियों के साथ कल हम बैठे थे तो उन्होंने तमाम उस विस्फोटक की क्षमता और शक्ति कि पूरे विधान भवन को उड़ाया जा सकता है, ऐसा उन्होंने अपनी रिपोर्ट में भी कहा और हमारे साथ जो कल सांयकाल विचार-विमर्श हुआ उस विचार-विमर्श में भी यह बात आई इसलिये यह बात सुस्पष्ट दिखाई पड़ती है कि इस विस्फोटक को यहॉ लाने, रखने, इसके पीछे बहुत बड़ी साजिश है देश को अपमानित करने की, उत्तर प्रदेश को अपमानित करने की। इसलिये जैसा माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्रस्ताव किया है कि इसकी जांच एन0आई0ए0 से होनी चाहिए। मैं आग्रह करूँगा आप सबकी सहमति और अनुमति से कि इसकी जांच एन0आई0ए0 से कराई जानी चाहिए। (मेजों की थपथपाहट) इस चुनौती में पक्ष और विपक्ष, हम प्रायः पक्ष और विपक्ष के रूप में यहॉ तर्क करते हैं, संवाद करते हैं, प्रतिवाद करते हैं। नर्म भी होते हैं, गर्म भी होते हैं। किन्तु इस चुनौती को देखते हुए हमारा इस आदरणीय सदन के प्रत्येक माननीय सदस्य से अनुरोध है कि जहॉ कहीं भी कोई जांच पुलिस का अधिकारी, विधान भवन का अधिकारी ऐसा कहीं जांच का आग्रह करता है तो हमको स्वयं को तत्पर

रहना चाहिए। चुनौती बड़ी है और जो शक्ति इस आदरणीय सदन की है, इस आदरणीय सदन की शक्ति को चुनौती नहीं दी जा सकती। जिन्होंने देने का प्रयास किया तो इसका सामना हम सबको एक साथ करना चाहिए। मैं पूरे सदन का आह्वाहन करता हूँ कि इस चुनौती में एकजुट होकर, कोई पक्ष नहीं, कोई प्रतिपक्ष नहीं, कोई सत्ता पक्ष नहीं, हम सब एक परिवार हैं, और इस परिवार की प्रतिष्ठा पर उँगली उठाने की अनुमति और इस परिवार की प्रतिष्ठा की तरफ जो भी आँख उठेगी उससे निपटने की शक्ति इस आदरणीय सदन के पास है। सत्ता पक्ष के पास है, सबके पास है। मैंने कुछ घोषणाएं की हैं, आगे हम फिर बैठेंगे और इस पूरी व्यवस्था को और दुरुस्त करने का प्रयास करेंगें आप सबकी सहमति से और जॉच के लिये नियमानुसार एन0आई0ए0 से आग्रह भी करेंगें।(मेजों की थपथपाहट)

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

अध्यक्ष जी, आपने जो सुरक्षा सम्बन्धी कारणों से निर्देश दिये हैं हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि हम सभी माननीय सदस्यों के साथ जो भी आपने निर्देश दिये हैं उसमें सुरक्षा सम्बन्धी कारणों को लेकर पूरा सहयोग करेंगे। (मेजों की थपथपाहट)

**नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-**

माननीय अध्यक्ष जी, सुरक्षा के विषय में जो उद्गार माननीय नेता सदन ने व्यक्त किया है उससे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूँ। (मेजों की थपथपाहट) तथा आपने भी जो निर्देश दिया है उसको भी विपक्ष सहर्ष स्वीकार करता है। (मेजों की थपथपाहट) सुरक्षा से चूक और सुरक्षा से खिलवाड़ करना, किसी को छूट नहीं दी जा सकती। अब आगे भाषण की कोई जरूरत ही नहीं है। इसमें पूरा विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों मिल करके इस विधान सभा की, इस प्रदेश की जनता की रक्षा का दायित्व लेकर आता है। उनके सुरक्षा का दायित्व ले करके आता है और हमारी ही सुरक्षा पर खतरा आ गया। इससे बड़ी चीज और कोई हो ही नहीं सकती। इसलिये जितनी भी सुरक्षा के उपाय होने चाहिए वह किये जाने चाहिए। (मेजों की थपथपाहट)

**सदन में जैमर के पूर्ण रूप से क्रियाशील न होने के सम्बन्ध में सदन का ध्यानाकर्षण**

**श्री उमाशंकर सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं भी अपने दल की तरफ से माननीय नेता सदन जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष ने जो सुरक्षा के सवाल पर आम सहमति बनाने का जो एक सुझाव दिया है हम सभी सदस्यगण उससे सहमत हैं। केवल मेरा थोड़ा सा इसमें और था कि अभी माननीय नेता सदन जी ने कितनी गहरी चिन्ता इस पर व्यक्त की है। जैसा कि हम लोग भी जानते हैं कि जब माननीय नेता सदन हाउस में रहते हैं तो जैमर पूरी तरह से एक्टिव रहता है अभी नेता सदन जी ने भी इस बात को महसूस किया उस पर थोड़ी गम्भीरता होनी चाहिए देखिए अभी भी हमारे मोबाइल की टोन बज रही है यह माना जाता है अगर जैमर पूरी तरह से एक्टिव है तो किसी भी मोबाइल में किसी भी टावर में नेटवर्क नहीं होना चाहिए।

**श्री अध्यक्ष-**

मैंने पहले भी एक बार आग्रह किया था कि कार्यवाही के दौरान मोबाइल बाहर रखें।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

अध्यक्ष जी, मेरे कहने का दूसरा पहलू है मेरा कहना यह है कि अगर किसी ने गल्ती से अपना मोबाइल साइलेंस मोड या फ्लाइट मोड में नहीं किया है तो जैमर का ऐसा शक्तिशाली नेटवर्क है कि वह जितने इलेक्ट्रानिक डिवाइस हैं उसको वह हैंग कर सकता है। लेकिन अभी भी वह बज रहा है।

**श्री अध्यक्ष-**

क्यों मोबाइल लेकर आते हैं मोबाइल लेकर नहीं आना चाहिए।

**[11.30] प्रश्नोत्तर**

# अल्पसूचित तारांकित प्रश्न

## प्रदेश में खनन से प्रभावित नागरिकों की असुविधाओं के निराकरण का प्रकरण

****01-श्री पारसनाथ यादव-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में खनन विभाग द्वारा ई-टेण्डरिंग व्यवस्था के तहत मार्च, 2017 से 30 जून, 2017 तक कितने खनन पट्टे जारी किये गये हैं तथा उससे कितने राजस्व की प्राप्ति हुई है ? क्या सरकार को जानकारी है कि प्राप्त राजस्व गत वर्ष की तुलना में कम है ? यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ? क्या सरकार को यह भी जानकारी है कि खनन प्रभावित होने से नागरिकों को अपने आवास बनाने में असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त के निराकरण हेतु कोई उपाय करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-**

वर्ष 2017-18 में दिनांक 30-06-17 तक 144 क्षेत्रों में नियमानुसार खनन अनुज्ञा-पत्र जारी किये गये है तथा उनसे रु0 162.22 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुयी है।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में मा0 उच्च न्यायालय/मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण के विभिन्न आदेशों द्वारा बालू, मौरंग आदि की खनन प्रक्रिया पर रोक लगने के कारण बालू, मौरंग की उपलब्धता में कमी आयी, जिसके दृष्टिगत उप खनिजों यथा बालू, मौरंग की उपलब्धता में आयी कमी के निराकरण हेतु उ0 प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली, 1963 के नियम-70 में संशोधन कर अन्य राज्यों के खनन अभिवहन प्रपत्र को राज्य में अनुमन्य किया गया है। उ0 प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली, 1963 के अन्तर्गत ई-टेण्डर के माध्यम से अन्तरित व्यवस्था के अन्तर्गत 06 माह की अल्पकालिक अवधि के लिए उप खनिजों के परिहार की स्वीकृति प्रदान की गयी है। उक्त व्यवस्था के अन्तर्गत 144 खनन अनुज्ञा-पत्र जारी किये गये है। बालू, मौरंग की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उ0 प्र0 खनन नीति, 2017 के

अनुसार संगत नियमों में संशोधन कर 05 वर्ष के लिए खनन हेतु रिक्त क्षेत्रों के खनन पट्टे ई-टेण्डर-ई-आंक्शन/ई-बिडिंग द्वारा स्वीकृत करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

***श्री पारसनाथ यादव-**

माननीय अध्यक्ष जी, सवाल मेरा पूरे प्रदेश के विकास से सम्बन्धित है और रोजी-रोटी से भी जुड़ा हुआ है क्योंकि खनन एक ऐसा साधन है जिसके माध्यम से हम छोटे से छोटा विकास का कार्य करते हैं तो उसमें उसकी आवश्यकता पड़ती है..

**श्री अध्यक्ष-**

प्रश्न कर लीजिए आप।

**श्री पारसनाथ यादव-**

मैं प्रश्न कर रहा हूँ चूँकि माननीय मुख्य मंत्रीजी बैठे हैं और मुख्य मंत्री जी की तरफ से उत्तर भी आया है उत्तर में जो बातें कही गई हैं वह मेरे सवाल का उत्तर नहीं है।

**श्री अध्यक्ष-**

आप अनुपूरक पूछ लीजिए।

**श्री पारसनाथ यादव-**

मैंने पूछा था कि प्रदेश में खनन विभाग द्वारा ई-टेण्डरिंग की व्यवस्था के तहत मार्च, 2017 से 30 जून, 2017 तक कितने खनन पट्टे जारी किये गये हैं। पट्टे देने की बात तो उत्तर में नहीं आई बल्कि यह कहा गया 144 खनन अनुज्ञा-पत्र जारी किये गये , अनुज्ञा-पत्र जो संशोधन हुआ है 1963 के नियम 70 में, उस संशोधन में यह व्यवस्था दी गई है कि बाहरी राज्यों से यानि राज्य के अन्दर नहीं, बाहर से जो हम खनन के सामान मंगायेंगे उसमें 6 महीने के लिए संशोधन किया गया है और अनुज्ञा-पत्र 144 जारी किया गया। खनन के पट्टे न देने से जो हानि राजस्व की हुई है मेरा सवाल उस पर भी था कि प्रदेश के अन्दर जो खनन है उसके न पट्टे देने से लगभग 1500 करोड़ का पिछले वर्ष राजस्व मिला था प्रदेश को और आज केवल अनुज्ञा-पत्र जारी करके 162.22 करोड़ के राजस्व की बात कही गई है। यह उत्तर भ्रामक है। मैं सीधे सवाल पूछ रहा हूँ कि अभी भी उच्च न्यायालय के रोक के कारण और चार महीने की सरकार हो गई है मुख्य मंत्री जी बहुत ही सजग हैं विकास की दुहाई भी तेजी से दी जा रही है समीक्षा भी बहुत तेजी से की जा रही है लेकिन अभी भी कहा जा रहा है ।

**श्री अध्यक्ष-**

आप प्रश्न करिए।

**श्री पारसनाथ यादव-**

मेरा सवाल है कि इनकी खनन नीति कब पूरी हो जाएगी और उसको कितने दिनों में उत्तर प्रदेश के अन्दर जो खनन है उसके लिए विधिवत लोगों को अनुज्ञा मिल जाएगी या उनको पट्टा मिल जाएगा इसको बताने की कृपा करें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

**श्री अध्यक्ष-**

प्रश्न खनन नीति के बारे में है कि खनन नीति कब तक जारी हो जाएगी।

**श्री योगी आदित्यनाथ-**

अध्यक्ष जी माननीय सदस्य की चिंता से मैं अवगत हूँ क्योंकि माननीय सदस्य इससे पहले जिस सरकार के एक अभिन्न पार्ट थे उन लोगों ने इतनी महारत हासिल की थी कि एन0जी0टी0 और माननीय उच्च न्यायालय को प्रदेश में चल रहे अवैध माइनिंग को रोकने के लिए उसको प्रतिबंधित करना पड़ा था । स्वाभाविक रूप से हम लोग देखकर ताज्जुब करते थे कि उत्तर प्रदेश के अन्दर जितना राजस्व प्रदेश को नहीं मिल रहा है रायल्टी के रूप में उससे ज्यादा इनके खनिज मंत्री की आय थी। उसके बाद भी यह लोग ईमानदारी की दुहाई देते हैं। यह सरकार आई थी सरकार आने के बाद हम लोगों ने एन0जी0टी0 में भी और माननीय उच्च न्यायालय में भी अपने शपथ-पत्र दाखिल किए और ई-टेण्डरिंग के माध्यम से हम लोगों ने इस कार्यवाही को प्रारम्भ करने का उनसे आग्रह किया प्रदेश सरकार की नीयत को देखते हुए प्रदेश सरकार की कार्य-प्रणाली में पारदर्शिता को देखते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने हम लोगों को परमीशन दिया चूँकि खनन के पट्टे इन लोगों ने 2012 में प्रारम्भ किए थे और वे पट्टे पॉच साल के थे तो उन पट्टों की अवधि धीरे धीरे समाप्त हो रही है इसलिए हम लोगों ने बरसात के पहले 30 जून तक ही यह कार्यवाही हो सकती थी इसलिए इस कार्यवाही को उससे पहले ई टेण्डरिंग के माध्यम से इसको प्रारम्भ किया है पूरा किया है और मैं आपको इस बारे में बता दूँ कि प्रदेश सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था से जो प्रदेश के अन्दर जनता पर लोड पड़ रहा है और जो खनन का मोरंग बालू, गिट्टी के दाम बढ़े हैं यह पिछली सरकार के भ्रष्ट कारनामों के कारण बढ़े हैं उनकी भ्रष्ट कार्य-प्रणाली के कारण जनता तबाह हुई है विकास के कार्यों पर इसका बुरा असर पड़ा है लेकिन यह सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि जनता को भी सरलता के साथ सहजता के साथ यह चीजें उपलब्ध हो सकें बीच के जो लीकेजेज हैं उनको भी हम रोक सकें और साथ साथ प्रदेश के राजस्व में भी वृद्धि हो सके मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि 2016-17 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2017-18 में जो हम लोगों के पास माह जून तक हम लोगों को 202.56 करोड़ रुपए का अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है । हम लोगों ने अवैध खनन को भी रोका है सख्ती के साथ इस प्रकार की किसी भी दुष्प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाएगी। लेकिन साथ साथ विकास के कार्यों पर इसका प्रभाव न पड़ने पाए आम जनता को भी किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और मैं आपको इस बात के लिए भी आश्वस्त करना चाहता हूँ कि बरसात के बाद जब कार्यवाही प्रारम्भ होगी तो आप यह मानकर चलेंगे कि हम सेटेलाइट मैपिंग से उसको जोड़ देंगे चोरी की सारी गुंजाइश उसके बाद पूरी तरह रुक जाएगी खनन माफिया का प्रदेश से पूरी तरह सफाया हो जाएगा।

**श्री अध्यक्ष-**

अब तो बात आ गई ।

**श्री पारसनाथ यादव-**

मा0 अध्यक्ष जी, जो बात नहीं आई है उसी पर मुझे कुछ कहना है। मा0 मुख्य मंत्री जी, आप बहुत विद्वान हैं। जुमला बोलने में और बातें कहने में बहुत माहिर हैं।

(सत्ता पक्ष के किसी सदस्य द्वारा बीच में टोकने पर)

**श्री अध्यक्ष**-

मा0 सदस्य, कृपया शान्त रहें।

**श्री पारसनाथ यादव**-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपना प्रश्न पूछ रहा हूँ इसलिये मा0 सदस्य सुनने की कोशिश करें। मा0 मुख्य मंत्री जी के प्रति बहुत सम्मान के साथ मैं कहना चाहता हूँ कि पिछली सरकार में क्या हुआ और क्या नहीं हुआ, हमारे सवाल का यह मकसद नहीं है। हमारे सवाल का यह मकसद है कि आप जो चाहते हैं कि सबका साथ सबका विकास हो, उसके तहत चार महीने की आपकी सरकार हो गयी है और हमारे प्रदेश के अन्दर जो भारी खनिज पदार्थ पाये जाते हैं वह बढ़ा हुआ है और आज जरुरतमंद लोगों को उसके लिये चार गुना कीमत देनी पड़ रही है। एक ट्राली बालू मंगा रहे हैं, एक ट्रक बालू मंगा रहे हैं उसके लिये पिछली सरकार में हम जो पैसा देते थे अब उससे चार गुना पैसा दे रहे हैं। जो समस्याएं हैं और जो लोग परेशान हैं उसके लिये मैंने यह सवाल पूछा है। मा0 मुख्यमंत्री जी, बदले की भावना से यह सवाल करने की मेरी कोई नियत नहीं है कि हम आपको कुछ कहना चाहते हों। आप सबका साथ सबका विकास करें, उसमें हमारा सहयोग होगा, दल का सहयोग होगा। मैं केवल इतना ही जानना चाहता हूँ कि जो पॉच साल के लिये पट्टे वर्ष 2012 में जारी हुये थे और जिनका समय समाप्त हो गया है, उन पट्टों को यदि आप अतिशीघ्र रिन्यू कर दे तो इससे प्रदेश में जो खनिज धरती के अन्दर पड़ा हुआ है वह जनता को उपलब्ध होने लगेगा तो विकास का काम भी तेज होगा। यह कार्य कब तक हो जायेगा, अगर इसकी कोई समय सीमा निर्धारित कर दें और इस सदन को अवगत करा दें, मैं यही चाहता हूँ।

**श्री योगी आदित्यनाथ**-

मा0 अध्यक्ष जी, इस सरकार ने खनन के मामले में पारदर्शी व्यवस्था बनाई है जिसके तहत 22 अप्रैल को इस सरकार ने उत्तर प्रदेश में खनिज परिहार्य नियमावली, 1963 के अधीन नियम-68 के अन्तर्गत ई0 टेण्डरिंग के माध्यम से एक अंतरिम व्यवस्था के लिये 06 महीने के लिये व्यवस्था लागू की है। तब तक वर्ष 2012 से चले आ रहे पॉच वर्ष के खनन के पट्टों के निरस्तीकरण की कार्यवाही, उनकी समय सीमा भी समाप्त हो चुकी होगी। प्रदेश सरकार इस बारे में पूरी तरह संजीदा है कि प्रदेश के अन्दर आम जन को बालू, मौरंग और गिट्टी की जो आवश्यकता है और यहॉ तक कि उसको अपने घर के उपयोग के लिये अगर मिट्टी की भी आवश्यकता है, उसके लिये उसे किसी भी प्रकार से परेशानी न हो। हर जिलाधिकारी को इस सम्बन्ध में निर्देश जारी किये जा चुके हैं कि कोई किसान अगर अपने खेत से 10 ट्राली तक मिट्टी ले जाना चाहता है तो आप उसको परमिट दीजिये, यह व्यवस्था की गयी है। कोई अधिकारी अभी भी किसी किसान या किसी काश्तकार को परेशान कर रहा है और अगर कोई किसान इसके बारे में शिकायत करेगा तो हम सम्बन्धित जिलाधिकारी और सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे, बशर्ते उस किसान को अपने खेत से सम्बन्धित कागज बनवाने पड़ेंगे, अधिकारियों को परमिशन देनी पड़ेगी। इस सम्बन्ध में प्रदेश सरकार ने पहले ही आदेश जारी कर दिये हैं। दूसरा, इस बारे में बार-बार न्यायालय या एन0जी0टी0 को हस्तक्षेप न करना पड़े, यह आवश्यक था कि हम एक पारदर्शी व्यवस्था लायें और उसको टेक्नॉलाजी के साथ जोड़ें। ट्रांसपरेंसी और टेक्नॉलाजी आज के समय में कार्य के लिये बहुत आवश्यक है जिससे यह चीजें बार-बार न्यायालय के बीच में न जायें और विकास के कार्य प्रभावित न हों तथा आम जन को परेशान

न होना पड़े। इस सरकार ने इसको अपनाया है। आप यह मान करके चलें कि प्रदेश सरकार ने जो व्यवस्था लागू की है वह एक पारदर्शी व्यवस्था है और इस पारदर्शी व्यवस्था के प्रभावी होने के साथ ही आम जन को अपनी आवश्यकता के लिये जहॉं बालू, मिट्टी, मौरंग या फिर गिट्टी की कमी नहीं होगी और सही दाम पर उसको मिलेगा भी। अगर फिर भी किसी ने मनमानी करने का प्रयास किया तो ऐसे तत्वों के खिलाफ सरकार बहुत कड़ाई के साथ निपटने का कार्य करेगी। दूसरा इस बारे में भी मुझे स्पष्ट कर देना है कि विकास कार्यों पर भी इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अभी एक मामला सहारनपुर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जुड़ा हुआ है जो एन0जी0टी0 के पास है। खासतौर पर वहां पर अवैध खनन की गतिविधियों को देखते हुए एन0जी0टी0 को रोक लगानी पड़ी है। एन0जी0टी0 की रोक पहले से ही चली आ रही है और हम लोगों ने वहां पर भी इस बात के लिए आवेदन किया है। चूंकि इस समय कोई खनन हो नहीं सकता है। जो भी कार्यवाही होगी वह बरसात के बाद होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की इस समस्या का भी हम समाधान निकालेंगे क्योंकि हम जहां भी जा रहे हैं वहां साफ नीयत से जा रहे हैं। जब हमारी नीयत साफ है और हम पारदर्शी व्यवस्था देना चाहते हैं। एक ट्रांसपैरेन्ट व्यवस्था में हम टेक्नोलाजी के साथ और ई-टेन्डरिंग के साथ हम अगर उसको आगे लागू कर रहे हैं तो मुझे लगता है कि एन0जी0टी0 सहारनपुर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जो समस्यायें हैं उस पर हम लोगों के प्रस्ताव पर जैसे माननीय उच्च न्यायालय ने सहमति दी है वैसे ही हम एन0जी0टी0 से भी सहमति लेने का प्रयास करेंगे। इसमें फिर भी मैं आपसे कहना चाहूँगा कि राजस्व प्रदेश सरकार का भी बढ़ा है। साथ-साथ प्रदेश सरकार ने एक पारदर्शी व्यवस्था दी है और आगे जब यह कार्यवाही और बढ़ेगी तो आप देखेंगे कि इसमें एक ट्रांसपैरेन्ट व्यवस्था के साथ प्रदेश के अंदर हम लोग आमजन को सुलभ होने के साथ-साथ विकास के कार्यों के लिए जो खनिजों की एक अनुपलब्धता थी, उसकी समस्या पैदा नहीं होने दी जायेगी।

**श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा**-

माननीय अध्यक्ष जी, इसी प्रश्न से सम्बन्धित एक अनुपूरक प्रश्न मुझे पूछ लेने दीजिये। यह बहुत आवश्यक है। पीली मिट्टी के बारे में यह है। यह एक अलग मिट्टी है।

**श्री अध्यक्ष**-

अब तो बहुत लम्बा उत्तर आ गया है।

**श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा**-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि जो भट्टे हैं उनकी पथाई में पीली मिट्टी लगती है। आप ई-टेन्डरिंग करने जा रहे हैं सफेद बालू की, मौरग की, बजरी की। भट्ठे की पथाई में पीली मिट्टी लगती है और जो लोग मकान बनाते हैं वह अपनी पिलिन्थ लेबल तक पीली मिट्टी डालते हैं। पीली मिट्टी की जब तक आप ई-टेन्डरिंग नहीं करेंगे तब तक हमारे भट्ठे नहीं चल पायेंगे। मकान, दुकान, स्कूल, अस्पताल का जो लोग निर्माण करते हैं वह पिलिन्थ लेबल तक अर्थात नींव तक जो मिट्टी पड़ती है वह पीली मिट्टी पड़ती है। तो मेरा आपसे यह आग्रह है कि उसकी भी आप ई-टेन्डरिंग करवा दें।

**श्री अध्यक्ष**-

ठीक है आपका आग्रह आ गया है और वह माननीय मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में आ गया है। अब हम अगला प्रश्न ले लेते हैं।

**नेता विरोधी दल (श्री रामगोविन्द चौधरी)-**

माननीय अध्यक्ष जी, अल्पसूचित प्रश्न के लिए कम से कम पन्द्रह मिनट का समय होता है। आप कृपया जल्दीबाजी न करें। मा0 मुख्य मंत्री जी को तो जल्दी है ही नहीं।

**श्री पारसनाथ यादव-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से केवल यह स्पष्ट कराना चाहता हूँ कि आपने संशोधन करके जो अनुज्ञा पत्र बाहर के राज्यों से जारी किया है तो वह क्या उत्तर प्रदेश के अंदर जहां खनिज पाया जाता है वहां के लिए भी अनुज्ञा-पत्र जारी है अथवा केवल बाहर के राज्यों के लिए ही जारी है क्योंकि संशोधन में केवल बाहर के राज्यों की बात है। मेरा अनुपूरक प्रश्न यह है कि यह अनुज्ञा पत्र क्या प्रदेश के अंदर के लिए जारी है या नहीं जारी है और अगर जारी है तो इसमें क्या हो रहा है।

**श्री योगी आदित्यनाथ-**

माननीय अध्यक्ष जी, एक माननीय सदस्य ने पहले जो प्रश्न किया था पीली मिट्टी के बारे में उस सम्बन्ध में स्पष्ट कर दूँ कि प्रदेश सरकार ने राज्य के जिलाधिकारियों को इस बात का अधिकार दिया है कि वह एक तो जो कुम्हार हैं, प्रजापति जाति के जो लोग हैं जो बर्तन आदि बनाते हैं उन लोगो को भी मिट्टी उपलब्ध करवायें और उसके लिए उन्हें पहले ही आदेशित कर दिया गया है। भट्टों की मिट्टी के लिए पॉच हेक्टेयर तक के लिए पट्टे के लिए जिलाधिकारी सक्षम हैं और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार ने इस सम्बन्ध में पचास हेक्टेयर तक का अधिकार प्रदेश सरकार को दिया है जिसमें पॉच हेक्टेयर तक की अनुमति प्रदेश सरकार ने जिलाधिकारियों को दी है और वहां पर अब कहीं कोई दिक्कते नहीं हैं। हम लोग एक गरीब किसान के बारे में सोच रहे हैं, हम एक प्रजापति के बारे में सोच रहे हैं, आपका प्रजापति तो क्या-क्या गुल खिलाया है यह तो हर व्यक्ति जान रहा है, लेकिन हमारी सरकार सचमुच उन लोगों के हितों को संरक्षण देने के लिए कितनी संजीदगी के साथ कार्य कर रही है। हम लोगों के सामने जब यह समस्या पैदा हुई तो प्रदेश सरकार ने स्वयं अपने डिप्टी सी0एम0 श्री केशव मौर्या जी के नेतृत्व में उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन करके तत्काल इसका समाधान निकालने की कार्यवाही प्रारम्भ की। दस दिन के अंदर पूरी रिपोर्ट लेकर हम लोगों ने उसको लागू किया। ई-टेन्डिरंग की व्यवस्था उसके बाद से लागू हुई भी। मान्यवर, लेकिन जहां साथ-साथ हम लोगों ने प्रजापति के बारे में और जो लोग मिट्टी के बर्तन बनाते हैं उनके लिए हम लोगों ने जिलाधिकारी को निर्देश जारी किए हैं कि उनको मिट्टी उपलब्ध होनी चाहिए। मान्यवर, वहीं साथ-ही-साथ भट्टों को भी मिट्टी उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के पट्टे जिलाधिकारी जारी कर सकते हैं। इस प्रकार के अधिकार जिलाधिकारीयों को दे दिये गये हैं। मान्यवर, जो अनुज्ञा पत्र है उन क्षेत्रों में जहां पर जब प्रदेश के अंदर खनन पर रोक लगी थी। हाईकोर्ट ने रोक लगाई थी या एन.जी.टी की रोक थी, यहां पर विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई बाधा न पड़े इस दृष्टि से अन्य प्रदेशों से यहां पर गिट्टी, मौरंग, बालू लाने के लिए हम लोगों ने अनुज्ञा पत्र जारी किए थे और अनवरत उससे आपूर्ति प्रारम्भ हुई थी। मान्यवर, इसके बाद जब इ-टेण्डरिंग के माध्यम से यहां पर कार्यवाही प्रारम्भ हुई, तो मुझे लगता है कि कहीं भी इस प्रकार की कोई समस्या नहीं है। एक सेक्टर हमारा पश्चिम में है जो सहारनपुर आदि के क्षेत्र में है जहां पर एन0जी0टी0 की रोक है चूंकि यह एक जुलाई से तीस सितम्बर तक रोक रहेगी और नए टेण्डर की प्रक्रिया को देने के लिए जैसे ही खुलेगी हम इस दौरान उस कार्यवाही को पूरा कर देंगे और तीस सितंबर के बाद फिर इस कार्यवाही को प्रारम्भ करके प्रदेश में खनन की अनुपलब्धता न रहे किसी भी प्रकार की कोई समस्या कहीं भी न होने पाए हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ इस पर कार्य करेगी।

**श्री रामगोविन्द चौधरी**-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे मा0 नेता सदन ने मिट्टी खनन भी ले आये जिसको हम लोग चाहते भी थे कि वह किसी तरह से आ जाए। मान्यवर, जो सबसे बड़ी कठिनाई पैदा हुई है कि जब सन् 1989 में यहां जनता दल की गवर्नमेन्ट बनी थी, उसी समय मा0 मुख्य मंत्री तत्कालीन मुलायम सिंह यादव जी ने प्रजापति समाज के लिए, मिट्टी खनन के लिए पट्टे और धोबी समाज को कपड़ा धोने के लिए धोबी घाट का पट्टा उन्होंने दिया था। मान्यवर, आज तक पट्टों पर उनका कब्जा नहीं हो पाया है, क्योंकि हर मर्ज की दवा तो अब विधायक हो गया है। इनका जीना, खाना, सोना मुश्किल हो गया है। मान्यवर, थाना, एस0डी0एम0 कोई भी हो वह विधायक के यहां फोन कर देता है। एक किसान अगर अपना घर बना रहा है या वह मिट्टी का प्रयोग करना चाहता है भरने के लिए अपने खेत से अगर वह मिट्टी लेकर आ रहा है तो पुलिस पकड़ करके उसको थाने में बंद कर दे रही है। ट्रॉली बंद कर दे रही है और विधायक जी हैं हाऊस में फिर फोन आ रहा है विधायक जी हमारा ट्राली छुड़वाइये हम अपने घर काम के लिए मिट्टी की ट्राली लेके जा रहे थे। मान्यवर, यह तो अजब स्थिति हो गयी हमारा खेत, हमारी मिट्टी और वह अपने घर नहीं ले जा सकते। उसको इस्तेमाल नहीं कर सकते। मान्यवर, कम से कम इतना तो करिए कि जो किसान अपने ट्रैक्टर से या किसी भी चीज से मिट्टी अपने घर ले के आ रहा है तो कोई पुलिस उसको प्रताड़ित न करे।

**श्री योगी आदित्यनाथ**-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 नेता प्रतिपक्ष ने पता नहीं प्रारम्भ में मेरी बात को सुना है कि नहीं सुना है लेकिन मैंने पहले इस बात को कहा था कि दस ट्रांली तक मिट्टी कोई भी किसान अपने खेत से एक एप्लीकेशन लिखकर जिलाधिकारी से परमीशन लेकर ले जा सकता है कोई उसको रोकेगा नहीं। मान्यवर, जिलाधिकारी अगर परमीशन देता है और जिलाधिकारी को यदि वह उसके खेत की है वह अपने खेत से दस ट्रांली तक की मिट्टी पर किसी भी प्रकार उसको न रॉयल्टी होगी, न किसी प्रकार का उत्पीड़न उस पर कोई कर सकता है। अगर कोई करता है यदि इस प्रकार के मामले आते हैं तो सख्त कार्यवाही ऐसे अधिकारियों के खिलाफ होगी इसके लिए प्रदेश सरकार ने पहले ही निर्देश जारी कर दिये हैं। दूसरा मुझे आश्चर्य हो रहा है आप कह रहे हैं कि आप लोगों ने धोबी घाट के पट्टे दिये और अन्य तमाम कार्य किये कितना बड़ा अन्याय आप लोगों ने मछुआ समुदाय के साथ किया है। नई राजस्व संहिता के अन्तर्गत इन लोगों ने प्रदेश के अन्दर के करोड़ों निषाद, बिन्द, मांझी और उस जाति से जुड़े हुए लोगों के हकों पर कैसे डकैती डालने का कार्य हुआ है, उनके नदी के पट्टों को, तालाबों के पट्टों को जो परम्परागत रूप से जो उनको दिए जाते थे, इन लोगों ने उसको भी नहीं छोड़ा है, उसको भी हड़प लिया है। प्रदेश सरकार तय कर रही है कि प्रदेश के अन्दर, प्रत्येक ग्राम पंचायत में, न्याय पंचायत में या उस विकास खण्ड के अन्दर जो भी पट्टे तालाबों के होंगे, उसमें पहले जो निषाद हैं, केवट हैं, बिन्द हैं, मांझी हैं या फिर वहॉ पर उससे जुड़ी हुई जो जातियॉ हैं, उन्हीं लोगों को यह पट्टे मिलने चाहिए, अन्य लोगों के पट्टों की व्यवस्था, जो इन लोगों ने बड़ी चालाकी के साथ उस पर कैंची चलाई है, यह सरकार उसमें आवश्यक संशोधन करेगी और इस प्रकार की छूट किसी एक बड़े समुदाय और गरीब तबके के साथ, इस प्रकार की खिलवाड़ करने की छूट प्रदेश सरकार नहीं देगी। प्रदेश सरकार यह निर्णय लेने जा रही है।

**श्री अध्यक्ष**-

अब तो काफी समय हो गया है।

**श्री रामगोविन्द चौधरी**-

कल ही मैंने इस बात को कहा या परसों, इस सदन में और इससे पहले भी मैं श्री राज्यपाल के अभिभाषण में कह चुका हूँ कि भारतीय जनता पार्टी, झपट मार पार्टी है। (हँसी) माननीय अध्यक्ष जी,

माननीय नेता सदन ने जो बात कही है, माननीय मुलायम सिंह यादव जी जब प्रथम बार मुख्य मंत्री हुए थे, प्रजापति के लिए खनन का पट्टा, धोबी के लिए धोबी घाट का पट्टा, नाई के लिए उसका पूरा किट, लोहार और बढ़ई का काम करने वाले लोगों के लिए पूरा किट, मछुआरों के लिए..

(सत्तापक्ष के सदस्यों के कुछ बोलने पर)

**श्री अध्यक्ष-**

शान्त रहिए।

**श्री राम गोविन्द चौधरी-**

माननीय अध्यक्ष जी, अब यही माननीय नेता सदन की टीम में अन्तर देख लीजिए और नेता विपक्ष की टीम में अन्तर देख लीजिए। जब नेता सदन जी अपनी बात कह रहे थे तो विपक्ष पूरा उनकी बात सुन रहा था, इनको अपने नेता सदन की बात पर विश्वास नहीं है, यह अपनी बात अपने से कहने लग रहे हैं और जो मैं मूल बात कह रहा हूँ या लिखित है कोई हवा में किसी सरकार का कोई कार्यक्रम नहीं होता है, लिखित है। मछुवारा समुदाय के लिए नदी, झील, तालाब जहाँ भी मछली का काम होता है, मछुआ समुदाय को पट्टा दिया जायेगा, यह दिया गया। नदी के घाट का ठेका जो इस पार से उस पार लोग जाते हैं, नदी में नाव से, अब तो पुल बन गये हैं लेकिन जहाँ पर नाव से लोग जाते हैं, उसका ठेका मछुआरा समिति को और यहाँ तक उस समय कर दिया गया था, अब इधर हम लोग सदन में आये हैं तो खनन-खनन हो गया है कि बालू का ठेका भी होगा तो मछुआ समिति को ही दिया जायेगा। जो आपको गलतफहमी हुई है, कहाँ से हुई है? यह जो मछुआ समिति है, यह भी कहा था मा0 मुलायम सिंह ने कि मछुआ समिति जो बनेगी, उसको को आपरेटिव बैंक फाइनेंस भी करेगा। होता क्या है कि मछुआ समिति कुछ लोग बना लिए हैं, हर वर्ग में सड़क छाप नेता हैं, मछुआ समिति बना लिए हैं और जब ठेका होता है तो पैसा दूसरा जमा करता है, ठेका दूसरा चलाता है, वह पैसा लेकर बैठ जाते हैं। अब गलती तो उनकी है, गलती उनकी है, मा0 मुलायम सिंह यादव ने अपने शासनकाल में मछुआ, प्रजापति, लोहार, बढ़ई, धोबी, नाई ऐसी जातियों, किसी को नहीं छोड़ा था जिसको उन्होंने कार्यक्रम में न ले करके काम न किया हो।

**श्री अध्यक्ष-**

अब अगला प्रश्न लेते हैं। माननीय नेता प्रतिपक्ष ने विस्तार से कह दिया है।

**नत्थी 'ख'**

**तारांकित प्रश्न**

[उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-29(4) के अन्तर्गत प्राथमिता प्राप्त तारांकित प्रश्न]

**प्रदेश के सभी जनपदों के पुराने एवं जर्जर विद्युत पोलों व तारों को बदलने की योजना**

***01-सुश्री अदिति सिंह, श्री संजय गर्ग, मो0 असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री मसूद अख्तर तथा श्री अनिल सिंह-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आये दिन जर्जर विद्युत पोल एवं तारों के कारण होने वाली लाइन हानियों, आग लगने व अन्य दुर्घटनाओं को देखते हुए सरकार द्वारा सभी जनपदों में पुराने एवं जर्जर विद्युत पोलों व तारों को बदलने हेतु कोई कार्य योजना बनायी गयी है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**ऊर्जा मंत्री (श्री श्रीकान्त शर्मा)-**

जी हां।

प्रदेश में जर्जर विद्युत पोल एवं तारों के कारण होने वाली लाइन हानियों तथा अन्य दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विद्युत वितरण निगमों में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण हेतु समय-समय पर आवश्यकतानुसार कार्य बिजनेस प्लान, व्यापार विकास निधि एवं केन्द्र सरकार की आई0पी0डी0एस0 योजना में किये जाते हैं एवं जर्जर तारों को बदला जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

***श्री मो0 असलम 'राइनी'(एडवोकेट)-**

माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय ऊर्जा मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि प्रदेश के कुछ गॉवों में बॉस के डण्डों या लकड़ी के बने पोल से बिजली की सप्लाई होने से प्रदेश में हो रही दुर्घटनाओं से जो मौत हो रही हैं, उसको देखते हुए इस जुगाड़ व्यवस्था को सरकार कितने दिन, कितने महीने या कितने वर्षों में खत्म करायेगी और ऐसे अधिशासी अभियन्ताओं पर आई0पी0सी0 की धारा 304 (1) के अन्तर्गत क्या मुकदमा लिखवायेगी। नम्बर-2 मा0 मुख्यमंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं, आपने पूरे सदन को अवगत कराया था कि 24 घण्टे बिजली, 22 घण्टे बिजली मिलेगी, आज मैं पूरे सदन को, इस बात का मैं खुलासा करना चाहता हूँ .....

**श्री अध्यक्ष-**

आप सवाल करिये, खुलासा न करिये।

**श्री मो0 असलम 'राइनी'(एडवोकेट)-**

कि उत्तर प्रदेश के लगभग सभी डी0एम0 और एस0एस0पी0 कार्यालयों में कुछ वर्षों पूर्व डायरेक्ट लाइन बिजली घर से अपने आवास पर जुड़वा ली गई है, जिससे जनता को जो समस्यायें होती थीं, तो डी0एम0 फोन कर के पूछता था कि बिजली क्यों चली गयी, क्या ऐसे कार्यालयों की जांच करा कर के डायरेक्ट जनता से उनका कनेक्शन जुड़वायेगी।

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य ने पूर्व की जो व्यवस्था है, उसका उल्लेख किया है और यह वास्तविकता है कि प्रदेश में तारों की जर्जर व्यवस्था है, लकड़ी के पोल हैं और लम्बे समय से किसी कार्य योजना के तहत जर्जर तारों को बदलने का, लकड़ी के पोलों को बदलने का कोई कार्य नहीं हुआ। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को अवगत कराना चाहता हूँ कि जिस तरीके से हमने 18 घण्टे गॉवों को, 20 घण्टे तहसील को और 24 घण्टे जिला मुख्यालयों को बिजली देने का कार्य किया है, उसी तर्ज पर जिन-जिन क्षेत्रों में मा0 सदस्यों के माध्यम से, जनता के माध्यम से, हमारे अपने लोगों के माध्यम से, विभाग के माध्यम से जहां-जहां यह जर्जर व्यवस्था है, उसको सुदृढ़ करने का कार्य हमारी सरकार करेगी।

***श्री संजय गर्ग-**

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से जानना चाहता हूँ, मा0 मंत्री जी ने जवाब दिया कि आई0पी0डी0एस0 योजना के अन्तर्गत इन तमाम कामों के सुदृढ़ीकरण करने की बात की जा रही है, पूरे प्रदेश से बिल आफ क्वान्टिटी जारी करने के बावजूद भी उपरोक्त योजना के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अन्तर्गत उनके अप्रूवल नहीं दिये गये। मैं सहारनपुर जनपद से हूँ और सहारनपुर जनपद में भी उपरोक्त के लिए अप्रूवल तीन महीने से पेण्डिंग पड़ा है, परन्तु उसके बावजूद उस व्यवस्था के अन्तर्गत अप्रूवल नहीं आ रहा है, जिसकी वजह से जर्जर तारों की दुर्घटनायें लगातार बढ़ रही हैं। दूसरा, इसी के तहत सीमान्त जनपद होने के नाते जब उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड का विभाजन हुआ।

**श्री अध्यक्ष-**

अभी आपने पहला प्रश्न ही नहीं किया, दूसरा कहां से आ गया ?

**श्री संजय गर्ग-**

मेरा पहला प्रश्न यह है कि बिल आफ क्वान्टिटी जारी होने के बावजूद जब आई0पी0डी0एस0 से अप्रूवल नहीं हुए तो क्या वह अप्रूवल जल्दी करायेंगे, क्यों नहीं हुए, इस बात के लिए भी स्पष्टीकरण देंगे, और दूसरी बात जर्जर तारों से सम्बन्धित है, क्योंकि पूरा जनपद उस बात से प्रभावित है, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के विभाजन में आब्सलीट टेक्नोलॉजी के तहत इस बात को तय करते हुए कि उत्तरांचल इस बात की बिजली उपलब्ध नहीं करायेगा, 66 के0वी0ए0 के वहां बिजली घर लगे हैं और अक्सर वहां पर दुर्घटनायें होती हैं, बिजली के तार गिरते रहते हैं। क्या उसकी वैकल्पिक व्यवस्था का इन्तजाम मा0 मंत्री जी के द्वारा किया जायेगा।

**श्री अध्यक्ष-**

राज्य विभाजन में जो बटवारा है उसको ले करके तो मा0 मंत्री जी से आपका सवाल पहले से था नहीं, तो उनके पास उत्तर नहीं होगा, जो पहले वाला भाग है, मा0 ऊर्जा मंत्री जी उसका जवाब दे दें।

**श्री संजय गर्ग-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से केवल इतना स्पष्टीकरण जानना चाहा है क्योंकि माननीय मंत्री जी ने जवाब दिया है कि उपरोक्त दुर्घटनाओं से बचने और सुदृढ़ीकरण के लिए आपके द्वारा बिजनेस प्लान व्यापार विकास निधि एवं केन्द्र सरकार की आई0पी0डी0एस0 योजना में यह कार्य किये जाते हैं, आई0पी0डी0एस0 योजना के अन्तर्गत विभिन्न जिलों में बिल ऑफ क्वान्टिटी को बनाकर ऊपर भेजा गया है परन्तु चीफ इन्जीनियर स्तर से उसका एप्रूवल न मिल पाने के कारण यह कार्य नहीं हो पा रहे हैं लगातार तीन महीने हो गये हैं।

**श्री अध्यक्ष-**

चीफ इन्जीनियर के स्तर से यह एप्रूवल कब तक हो जायेगा ?

**श्री संजय गर्ग-**

माननीय अध्यक्ष जी, दूसरी बात यह कि जो आपने कहा कि यह विभाजन से सम्बन्धित नहीं है। उत्तर प्रदेश का जो हिस्सा है छाछठ केवीए के तार जो रोज टूटते हैं आब्सलीट टैक्नालॉजी की वजह से क्या उसकी वैकल्पिक व्यवस्था करेंगे ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

मान्यवर, मैंने बहुत स्पष्ट कहा है पुनः एक बार निवेदन करता हूं कि जो जर्जर तार और जर्जर पोल की व्यवस्था है जो खराब है उसको सुदृढ़ करने के लिए बहुत जल्दी एक अभियान के तहत इस कार्य को पूरा करेंगे। मैंने बहुत स्पष्ट किया है।

(अनेक सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

***सुश्री अदिति सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगी कि खास तौर से मानूसन में और जब भी आंधी तूफान आता है जो जर्जर तार होते हैं, पोल्स होते हैं, यह टूट जाते हैं, इनके लिए एक इमरजेन्सी फण्ड रखा गया है, दैवीय आपदा कोष रखा गया है उसे एक्सियंस को अधिशाषी अभियंता को एक्सिस करने में तीन से चार महीने लग जाते हैं, उसकी यह प्रक्रिया है कि पहले उसकी रिपोर्ट बनती है फिर लेखपाल की रिपोर्ट जाती है, एस0डी0एम0 की रिपोर्ट जाती है, ए0डी0एम0 की रिपोर्ट जाती है, डी0एम0 की रिपोर्ट जाती है फिर वह चीफ साहब के पास जाता है। यह तो काउण्टर प्रोडक्टिव हो गया कि जहां एक तरफ यह इमरजेन्सी फण्ड है दूसरी तरफ तीन से चार महीने इस फण्ड को एक्सिस करने में लग जाते हैं ताकि वह जर्जर तार और पोल्स बदली जायें। इसकी क्या कोई योजना बनायेंगे ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

मान्यवर, जो माननीय सदस्य से सवाल पूछा है उसमें निश्चित रूप से सुधार की आवश्यकता है। उसमें जल्दी सुधार करके अविलम्ब जितना जल्दी जो वहां अगर इमरजेन्सी में तार गिरा है, पोल गिरा है उसको अविलम्ब ठीक किया जाये। अभी हमारा विभाग उसको अविलम्ब ठीक कर भी रहा है उसमें और तेज गति लाने के लिए हम प्रयास करेंगे।

**श्री मसूद अख्तर-**

माननीय अध्यक्ष जी मेरा प्रश्न सिर्फ इतना है कि पूरे उत्तर प्रदेश में जो जर्जर तार हैं, आये दिन टूटते रहते हैं उनसे आये दिन हादसे होते रहते हैं। मेरा इसमें यह प्रश्न है कि विभाग द्वारा यह व्यवस्था तो दी गयी है कि स्टीमेट बनाकर उनको बदलवाया जाये लेकिन एस0ई0 लेविल पर एम0डी0 लेविल पर चीफ साहब के लेविल पर वह पेण्डिंग रहता है और इस बीच में तीन-तीन, चार-चार, छः छः महीने लग जाते हैं और तब तक कोई हादसा हो जाता है, मेरा प्रश्न सिर्फ इतना है माननीय मंत्री जी से कि क्या कोई इसमें टाइम बाउण्ड है कि जिसके अन्दर वह स्टीमेट पास होकर वह तार बदलवा दिये जायें और अगर ऐसा नहीं है तो इसके लिए टाइम बाउण्ड किया जाये जिससे जन और धन की बचत हो सके।

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

मान्यवर, मैंने बहुत स्पष्टतः से अपना उत्तर दिया है। माननीय सदस्य ने शायद मेरा उत्तर सुना नहीं। माननीय अध्यक्ष जी मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि एक सन्यासी की सरकार से, योगी आदित्यनाथ की सरकार से जनता के साथ-साथ विपक्ष के लोगों को भी काफी आशा है, उम्मीदें हैं। क्योंकि जो कार्य ये लोग अपने 5 साल और 15 साल में नहीं कर पाए, इनकी अपेक्षा हमसे है कि हम उसको सौ दिन में पूरा करेंगे लेकिन मैं आपके माध्यम से सम्माननीय सदस्यों को यह आश्वस्त करना चाहता हूँ कि जहॉ-जहॉ जर्जर तार, लकड़ी के खम्भे जो कि टूट जाते हैं, गिर जाते हैं और जब से योगी जी की सरकार आई है, ऑधी भी खूब आई है, तूफान भी खूब आया है लेकिन जनता के आशीर्वाद से हमने अविलम्ब उस क्षति को दुरुस्त करके विद्युत आपूर्ति गॉव में 18 घण्टे पहुँचे, तहसील पर 20 घण्टे पहुँचे, जिला मुख्यालय पर 24 घण्टे पहुँचे, यह सुनिश्चित किया है।

**(कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर शोर की स्थिति)**

**(शोर के मध्य)**

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

**श्री अध्यक्ष-**

अब नत्थी (ग) तारांकित प्रश्न सं0-1

**श्री पारसनाथ यादव-**

मान्यवर, हम लोगों का सवाल रह गया है।

**श्री उमा शंकर सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपसे तीसरे नम्बर का सवाल छूट गया है। मान्यवर, नत्थी (ख) में तारांकित प्रश्न सं0-3 आपसे छूट गया है।

**श्री अध्यक्ष-**

ठीक है, ठीक है। नत्थी (ख) का तीसरा प्रश्न।

***2-श्री अजय कुमार 'लल्लू'-**

[माननीय सदस्य के अनुरोध पर 03सरे शुक्रवार हेतु स्थगित]

## प्रदेश के जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों एवं ग्रामीण क्षेत्रों को क्रमशः 24 घण्टे, 20 घण्टे तथा 18 घण्टे विद्युत आपूर्ति कराने की जानकारी

***03-श्री उमाशंकर सिंह, श्री संजय प्रताप जायसवाल, श्री पारसनाथ यादव, डा0 हरगोविन्द भार्गव, श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई' तथा श्री नफीस अहमद-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के जिला मुख्यालयों को 24 घण्टे, तहसील मुख्यालयों को 20 घण्टे एवं ग्रामीण क्षेत्रों को 18 घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा घोषणा की गयी है ? क्या सरकार बतायेगी कि उक्त के अनुपालन हेतु वर्तमान सरकार द्वारा कितनी विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाई गयी है एवं कितनी अतिरिक्त विद्युत बाहर से खरीदी जा रही है ? क्या सरकार मांग के अनुरूप विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ायेगी ? यदि नहीं तो क्यों ?

श्री श्रीकान्त शर्मा-

जी हां।

प्रदेश में घोषित विद्युत रोस्टर के अनुसार वर्तमान में जिला मुख्यालयों को 24.00 घण्टे तहसील स्तरीय क्षेत्रों को 20.00 घण्टे एवं ग्रामीण स्तरीय क्षेत्रों को 18.00 घण्टे विद्युत आपूर्ति आदेशित है।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा दीर्घकालीन अनुबन्धों के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2017-2018 में (11 मई, 2017) तक द्विपक्षीय अनुबन्धों/बैंकिंग अनुबन्धों से 202.1 मिलियन यूनिट एवं पावर यूनिट एवं पावर एक्सचेंज से 229.4 मिलियन यूनिट विद्युत क्रय/प्राप्त की गयी है।

पर्याप्त विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, चूँकि बिजली विभाग में अभी तक चाहे बिजली के जर्जर खम्भों की बात की जाए, चाहे दूसरी बात, उसका भी जवाब आता है कि हम 18 घण्टा, 20 घण्टा, 24 घण्टा बिजली

दे रहे हैं। सवाल कहॉ, जवाब कहॉ। अब वह सवाल आया है कि जो आप 18 घण्टा, 20 घण्टा और 24 घण्टा बिजली दे रहे हैं, उसमें मैं मा0 मंत्री जी से कुछ बताते हुए केवल एक सवाल यह करूँगा कि इसकी इतनी पब्लिसिटी ली जा रही है, इतना इसको हाईलाइट किया जा रहा है तो उसमें क्या मा0 मंत्री जी यह बताऍगे कि इसमें इनके मा0 मंत्री बनने के बाद इनका कौन सा उसमें योगदान रहा है क्योंकि हमारे पास वही साइट थी जो आपकी भी अपनी साइट है जो पब्लिक के लिए एलाऊ है यू0पी0एस0एल0डी0सी00ओ0आर0जी0 जो आम पब्लिक के लिए एलाऊ है। इसमें मेरे पास जो रिकार्ड है, मैं इस रिकार्ड को नवम्बर से आपके बीच रखना चाहता हूँ। यह इसलिए रखना चाह रहा हूँ कि कल मा0 नेता प्रतिपक्ष ने उस बात को जो इसी प्रश्न से उठेगा। जो इन्होंने लास्ट में कहा है कि पर्याप्त विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। अब आगे हमें कुछ विद्युत क्षमता बढ़ाने की जरूरत नहीं है। कल मा0 नेता प्रतिपक्ष ने इस बात का जिक्र किया कि जो एम0ओ0यू0 हमारी सरकार बनने से पहले के हुए थे विद्युत उत्पादन गृहों के, हमारी जब सरकार बनी तो उसको हमने कम्पलीट कराया है। यह तय है कि एक विद्युत उत्पादन गृह को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए 7 साल का समय लगता है। इन्होंने बताया कि हमने उसको तैयार किया और तैयार करके हमने पर्याप्त बिजली की व्यवस्था कर दी। उस बिजली की व्यवस्था जो इन्हीं की साइट है जो आम पब्लिक के लिए एलाऊ है। उसमें नवम्बर से मेरे पास रिकार्ड है नवंबर, दिसम्बर, जनवरी, फरवरी, मार्च....

**श्री अध्यक्ष-**

आप पूछना क्या चाहते हैं, हम प्रश्न नहीं समझ पा रहे हैं?

**श्री उमाशंकर सिंह-**

उसके बाद अप्रैल, मई, जून और जुलाई। माननीय अध्यक्ष जी, यह इसलिए जरूरी है कि कोई भी बिजली विभाग का सवाल आता है या कोई भी बात आती है तो 18 घण्टा, 20 घण्टा, 24 घण्टा इनका जवाब आता है तो माननीय मंत्री जी क्या नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी, फरवरी और मार्च का शिड्यूल इस सदन को बताएंगे कि उसमें ग्रामीण क्षेत्रों में कितनी बिजली थी, तहसील मुख्यालयों पर कितनी बिजली थी और जिला मुख्यालयों पर कितनी बिजली थी और अप्रैल, मई, जून, जुलाई में यहॉ पर कितनी बिजली थी। इनके पास रिकार्ड नहीं होगा तो मैं अभी दिखाऊँगा यह मेरा पहला सवाल हो गया अब दूसरा सवाल यह है कि माननीय मंत्री जी ने कहा कि प्रश्न नहीं उठता यानि कोई नया बिजलीघर बनाने के लिए आगे वही नहीं बढ़ रहे हैं यानि मा0 मंत्री जी मान लिये हैं कि आगे 5 साल जब तक वे रहेंगे, तब तक बिजली का जो लोड है, विद्युत की जो आवश्यकता है उसका लोड बढ़ने वाला नहीं है। यानि ये मान लिये हैं कि जो आज है वह पर्याप्त है और यही चलता रहेगा। उसका भी मेरे पास डाटा है माननीय अध्यक्ष जी।

**श्री अध्यक्ष-**

डाटा आप क्यों बता रहे हैं, आप सवाल पूछिये।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

हमको इस बात का कष्ट है अगर ये यह कहते कि मैं उसमें प्रयासरत हूँ मैं भी एम0ओ0यू0 करके इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ाऊँगा आज भी बिजली खरीदी जा रही है।

**श्री अध्यक्ष-**

ऊर्जा मंत्री जी पहले ही कह चुके हैं कि 100 दिन में आप अपेक्षा कर रहे हैं कि..

**श्री उमाशंकर सिंह-**

मान्यवर, आज भी हम बिजली खरीद रहे हैं। हमारे पास वह भी रिकार्ड है जो हम बिजली खरीद रहे हैं और जिन दरों से खरीद रहे हैं। तो क्या हम जो बिजली खरीद रहे हैं उसके लिए हमारे पास कोई प्लानिंग नहीं है कि हम अपना विद्युत उत्पादन तंत्र बनाकर विद्युत उत्पादन करें।

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को कुछ आंकड़े देना चाहता हूँ और वह आंकड़े यह स्थापित करते हैं कि हम कितनी विद्युत आपूर्ति ग्रामीण क्षेत्र, तहसील और जिला मुख्यालयों पर करते हैं। जरा धैर्य से सुनियेगा। आप लोग सुन नहीं पाते हैं दिक्कत आपकी सिर्फ यही है। वर्ष 2016 में ग्रामीण क्षेत्र को औसतन 14 घंटे 39 मिनट बिजली दी जाती थी लेकिन सन्यासी की सरकार में औसतन 17 घंटे 30 मिनट ग्रामीण क्षेत्रों को बिजली दी जा रही है। तहसील मुख्यालय पर 16 घण्टे 59 मिनट दी जा रही थी और योगी जी की सरकार में तहसील मुख्यालय को 19 घण्टे 38 मिनट बिजली दी जा रही है, जनपद मुख्यालय पर औसतन 20 घण्टे 30 मिनट दी जाती थी और हमारी सरकार 22 घण्टे 58 मिनट बिजली देने का कार्य कर रही है। (मेजों की थपथपाहट) मान्यवर, माननीय सदस्य ने दूसरा सवाल पूछा उसमें कहना चाहता हूँ कि पहले पी0पी0ए0 करने में कम्प्टीशन था कि कितना पी0पी0 हम ज्यादा कर सकते हैं लेकिन उसकी एक सीमा होती है। पहले से ही इतने पी0पी0 हो चुके हैं कि हमको उनको कैन्सिल करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रदेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो जहॉ इन्होंने अपने घर को भरने के लिए पी0पी0ए0 किये, वही हर घर का रोशन करने के लिए एक कार्य-योजना के तहत हमारी सरकार काम कर रही है और यह सरकार सन्यासी की सरकार है, जिसको अपना हुनर मालूम है और जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता बन जाएगा। मान्यवर, 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने का वर्ष 2022 तक का पूरा प्लान हमारे पास तैयार है और वर्तमान में जो मॉग है उससे ज्यादा बिजली आज हमारे पास उपलब्ध है। 2588 मेगावाट 2022 तक हमारे पास उपलब्ध है, तो माननीय सदस्य चिंता न करें क्योंकि बिजली की आवश्यकता पक्ष को भी है और विपक्ष को भी है और हर घर को रोशन करने का लक्ष्य सरकार का है और यह सरकार सबकी है।

**श्री पारस नाथ यादव-**

माननीय अध्यक्ष जी, नम्रता के साथ माननीय ऊर्जा मंत्री जी से बात करना चाहता हूँ कि यह लोकतंत्र है। मान्यवर, सरकार जो बनती है किसी दल या किसी व्यक्ति अथवा किसी पार्टी की नहीं होती है। आप बार-बार दोहरा रहे हैं कि यह सरकार हमारी है और यह सरकार योगी जी की है। यह सरकार पूरे प्रदेश की जनता की है इसलिए जो भी आपसे उम्मीद करते हैं, हम नहीं 22 करोड़ लोग उम्मीद करते हैं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन होगा कि आप यह बात कहना छोड़ देंगे कि यह हमारी सरकार है। जहॉ तक यह सवाल है जो कागजों के जाल में आप लोग जुमला बोलकर बताते हैं, जरा गॉव में चले जाइये। जो 18 घण्टे की बात आप गांव में, 20 घण्टे तहसील मुख्यालय और 24 घण्टे जिला मुख्यालय पर, उसकी हकीकत है दिल पर हाथ रख कर के इस सम्मानित सदन के लोग यह हकीकत की जानकारी करेंगे तो शायद इस उत्तर से इनको नाराजगी हो। मेरा आपसे केवल इतना ही

निवेदन है कि जो आपने सवाल में यह कह डाला है कि जो अनुबन्ध हमने किया है उसकी हम पूर्ति करें तो देहात में कहावत है 'कंगलई सांड और गुरौते धान' यह नहीं होता।

**श्री अध्यक्ष**-

अब समय समाप्त हो गया।

**श्री पारसनाथ यादव**-

मान्यवर, यह देहात में कहावत है। यह जो कह रहे हैं कि उधार हम अनुबन्ध करके पांच साल कोई पॉवर प्लांट नहीं लगाएंगे हम पूरा करते रहेंगे जितनी प्रदेश की आवश्यकता है और कितना आपके पास बिजली है और कितना आप दे रहे हैं यहां देख रहे हैं इस पर आप बताने की कृपा करें।

**श्री अध्यक्ष**-

पारसनाथ जी, प्रश्नों का समय अब समाप्त हो गया है।

**नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)**-

मान्यवर, प्रश्न आवर का आधा घण्टा तो सुरक्षा वाले मामले में लग गया। आपका संरक्षण हम लोग चाहते हैं तो आधा घण्टा इसमें बढ़ा दीजिए प्रश्न आवर का कौन सी बड़ी बात है।

**श्री अध्यक्ष**-

ठीक है, इसका उत्तर दिला देते हैं, बाकी समय नहीं बढ़ा रहे हैं।

**श्री श्रीकान्त शर्मा**-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सबसे पहले तो यह निवेदन करना चाहता हूँ कि यह सरकार सबकी सरकार है। मैंने पहले ही आग्रह किया था, यह बहुत सम्मानित सदस्य हैं लेकिन यह जुमलों की सरकार नहीं है यह काम करने वाली सरकार है, जुमलों वाली सरकार जा चुकी है। अभी जो आवश्यकता है उससे कहीं अधिक बिजली हमारे पास मान्यवर, उपलब्ध है। 18,700 मेगावाट बिजली हमारे पास अभी उपलब्ध है और जो सस्ती बिजली हमको एक्सेल से मिल रही है, हमको डी-पोर्टल से मिल रही है तो हमको सफेद हाथी पालने की आवश्यकता क्यों हैं।

**श्री अध्यक्ष**-

प्रश्नों का समय समाप्त हुआ।

**श्री उमाशंकर सिंह**-

माननीय अध्यक्ष जी, एक प्रश्न पूछना चाहते हैं।

**श्री अध्यक्ष**-

12.25 हो गया है ऐसा कभी नहीं हुआ है। पारसनाथ जी तो पुराने सत्र से हैं ऐसा कभी नहीं हुआ। अब प्रश्नों का अब समय समाप्त। देखिए, प्रश्नों का समय 12.20 तक था अब 12.25 हो गया है अब समय समाप्त हो गया है।

## नत्थी (ग)

## तारांकित प्रश्न

***1-श्री नितिन अग्रवाल-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में किसानों की दयनीय आर्थिक स्थिति को देखते हुए क्या सरकार किसानों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

---

नोटः- नत्थी 'ख' के तारांकित प्रश्न संख्या-03 के उपरान्त प्रश्नों का समय समाप्त हुआ।

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में कृषि कार्यों में प्रयुक्त विद्युत पर लागत मूल्य से अत्यन्त कम विद्युत दर लागू है, जिसकी प्रतिपूर्ति राज्य सरकार उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 को राजस्व अनुदान देकर कर रही है। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य में उपयोग हेतु निजी नलकूपों पर विद्युत कर पूर्णतया माफ है। इसी क्रम में यह भी सूचनीय है कि विभिन्न विद्युत श्रेणी के उपभोक्ताओं हेतु विद्युत दर का निर्धारण हेतु उ0प्र0 विद्युत नियामक आयोग जो कि एक अर्धन्यायिक संस्था है, द्वारा खुली जनसुनवाई के उपरान्त समस्त परिस्थियों तथा विद्युत आपूर्ति की लागत पर विचारोपरान्त किया जाता है।

## प्रदेश में एक फार्मेसिस्ट रजिस्ट्रेशन का उपयोग एक से अधिक औचित्य विक्रय संस्थानों में किये जाने की जानकारी

***2-श्री संजय गर्ग-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में दवाओं की थोक एवं खुदरा बिक्री हेतु ड्रग लाइसेंस लेने कि लिए बी0 फार्मा डिग्री धारक का होना जरूरी है ? क्या प्रदेश में एक ही बी0 फार्मा डिग्री पर कई-कई ड्रग लाइसेंस जारी होने की जानकारी सरकार के संज्ञान में आयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार उसकी जांच कराकर कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री योगी आदित्यनाथ-**

प्रदेश में दवाओं की खुदरा औषधि बिक्री हेतु ड्रग लाइसेंस के लिए रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की अनिवार्यता होती है, जो बी0 फार्मा डिग्री धारक अथवा डी0 फार्मा डिग्री धारक हो सकता है। थोक विक्रय ड्रग लाइसेन्स के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 के नियम-64 के अनुसार रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट का होना अनिवार्य नहीं है। जी हां।

दिनांक 15-07-2015 के पूर्व प्रदेश में लाइसेन्स निर्गमन का कार्य मैनुअल किया जाता था, जिसमें एक जनपद के फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों में कार्यरत फार्मासिस्टों के अभिलेख दूसरे जनपद के लिए सुलभ नहीं थे, जिसके कारण एक फार्मासिस्ट के रजिस्ट्रेशन का दुरुपयोग कर एक से अधिक फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठान में सम्बद्ध हो जाते थे। शासन द्वारा व्यवस्था को पारदर्शी बनाये जाने के दृष्टिगत दिनांक 15-07-2015 से लाइसेन्स निर्गमन एवं नवीनीकरण का कार्य आन-लाइन कर दिया गया। वर्तमान व्यवस्था में एक फार्मासिस्ट रजिस्ट्रेशन का उपयोग एक से अधिक औषधि विक्रय संस्थानों पर नहीं किया जा सकता है।

विभाग द्वारा पूर्व में निर्गत किये गये ऐसे लाइसेन्सों पर, जहां पर एक ही फार्मासिस्ट के रजिस्ट्रेशन से एक से अधिक औषधि फुटकर लाइसेंसों का संचालन किया जा रहा था, पर कार्यवाही की गयी है। कृत कार्यवाही में जनपद जौनपुर एवं जनपद पीलीभीत में क्रमशः 01-01 फुटकर औषधि विक्रय लाइसेन्स निरस्त किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद बरेली में 02, पीलीभीत में 02, फैजाबाद

में 04, जनपद हरदोई में 01 एवं गोरखपुर में 01 फुटकर औषधि विक्रय प्रतिष्ठान का लाइसेन्स निलम्बित किया गया। प्रश्न नहीं उठता।

**प्रदेश में विद्युत उपभोक्ता द्वारा न्यूनतम निर्धारित बिल से अधिक का विद्युत उपयोग करने पर फिक्स चार्जेज को समाप्त करने की मांग**

***3-श्री दलवीर सिंह-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विद्युत उपभोक्ता द्वारा न्यूनतम निर्धारित बिल से अधिक का विद्युत उपभोग करने पर बढ़ने वाले फिक्स चार्जेज को समाप्त करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी नहीं।

विद्युत अधिनियम, 2003 में दिये गये प्रावधानानुसार विद्युत उपभोक्ताओं से इनर्जी चार्ज के अतिरिक्ति फिक्सड चार्ज भी लिए जाने की व्यवस्था की गयी है। फिक्सड चार्ज उपभोक्ता को विद्युत आपूर्ति की निरन्तरता बनाये रखने के लिए स्थापित किए जाने वाले उपकेन्द्र वितरण लाइनों, उपकरणों आदि के रख-रखाव में होने वाले खर्चों के कारण लिया जाता है।

इसके अतिरिक्त उपभोक्ताओं के उपयोगार्थ जिन विभिन्न विद्युत उत्पादकों से विद्युत क्रय की जाती है, उसके लिए विभाग को विद्युत उत्पादकों को इनर्जी चार्जेज के साथ-साथ फिक्स्ड चार्ज का भी भुगतान करना होता है।

फिक्सड चार्ज विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधान के अनुसार ही लिया जा रहा है, जो विधिसंगत एवं आवश्यक है।

**प्रदेश में किसानों को कृषि सिंचाई हेतु बिजली कनेक्शन को सरलीकरण तथा आर्थिक बोझ को कम करने की योजना**

***4-श्री पंकज सिंह-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि किसानों को कृषि सिंचाई हेतु बिजली कनेक्शन लेने की प्रक्रिया में होने वाली कठिनाइयों का सरलीकरण करने और कनेक्शन के लिए पड़ने वाले अधिक आर्थिक बोझ को कम करने के लिए वर्तमान में क्या सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्या भविष्य में ऐसी योजना बनाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी हां।

वर्तमान में ''आओ एवं पाओ'' के आधार पर निजी नलकूप के संयोजन निर्गत किये जा रहे हैं एवं किसी भी प्रकार की प्रतीक्षा सूची लम्बित नहीं है तथा सामान्य योजना के अन्तर्गत कुल प्राक्कलन की धनराशि में रु0 68,000.00 की छूट (सब्सिडी) भी दी जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

**प्रदेश के गरीब एवं अल्प आय वर्ग के किसानों के निजी नलकूपों के लिये निःशुल्क अथवा सब्सिडी दर पर विद्युत कनेक्शन देने की जानकारी**

***5-सुश्री अदिति सिंह-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के गरीब एवं अल्प आय वर्ग के किसानों के निजी नलकूपों को ऊर्जीकृत करने हेतु उनकी मांग पर दूरी के मानक को शिथिल करते हुए निःशुल्क अथवा सब्सिडी दर पर विद्युत कनेक्शन प्रदान करने, निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराने की सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि निजी/सरकारी नलकूपों हेतु अलग से फीडर बनाकर विद्युत आपूर्ति की जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी हां।

निजी नलकूप के सामान्य योजना के अन्तर्गत कनेक्शन चार्जेज एवं लाइन चार्जेज में कुल रु0 68,000.00 का अनुदान अनुमन्य है।

प्रदेश में कृषि कार्यों में प्रयुक्त विद्युत पर लागत मूल्य से अत्यन्त कम विद्युत दर लागू है, जिसकी प्रतिपूर्ति राज्य सरकार उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि0 को राजस्व अनुदान देकर कर रही है। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य में उपयोग हेतु निजी नलकूपों पर विद्युत कर पूर्णतया माफ है। इसी क्रम में यह भी सूचनीय है कि विभिन्न विद्युत श्रेणी के उपभोक्ताओं हेतु विद्युत दर का निर्धारण मा0 उ0प्र0 विद्युत नियामक आयोग जो कि एक स्वतंत्र अर्धन्यायिक संस्था है, द्वारा खुली जनसुनवाई के उपरान्त सभी परिस्थितियों पर विचारोपरान्त किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डी0डी0यू0जी0जे0वाई0) के अन्तर्गत 11 के0वी0 पोषकों के विभक्तीकरण का कार्य (39) जिलों में किया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

**प्रदेश में बड़े पैमाने पर विद्युत ओवर लोडेड ट्रांसफार्मर से उच्चीकृत करने एवं सेकण्ड प्वाइंट लगाने की जानकारी**

***6-डा0 आर0 के0 वर्मा-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ओवर लोडेड ट्रांसफार्मर को उच्चीकृत करने या सेकण्ड प्वाइंट लगाने हेतु कोई प्रभावी योजना बनाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी हां, विद्युत वितरण निगमों कें अतिभारित वितरण परिवर्तकों के स्थान पर उच्च क्षमता के परिवर्तकों की स्थापना आवश्यकतानुसार की जाती है।

वर्तमान सरकार के गठन के उपरान्त 100 दिनों के कार्यक्रम के अन्तर्गत 8495 परिवर्तकों की क्षमतावृद्धि की गयी।

प्रश्न नहीं उठता।

**प्रदेश में खनन नीति के अन्तर्गत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को खेत बराबर कराये जाने व आवास निर्माण आदि पर छूट दिये जाने की जानकारी**

***7-श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विद्यमान खनन नीति के अन्तर्गत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को अपने खेत बराबर कराये जाने व आवास निर्माण आदि हेतु अपने खेत से मिट्टी निकालने की छूट दिये जाने की योजना सरकार ने तैयार की है ? यदि हां तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री योगी आदित्यनाथ-**

जी हां।

खनन नीति, 2017 के परिशिष्ट-'क' के मद संख्या-1, 2 तथा 5 के अन्तर्गत इस सम्बन्ध में दिये गये विवरणानुसार स्थिति निम्नवत् है :--

खान एवं खनिज मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 03-02-2000 के अनुसार बांधों, सड़कों, रेलमार्गों, भवन-निर्माण के लिए भराई या समतलीकरण के उद्देश्य से प्रयुक्त सामान्य मिट्टी/साधारण मिट्टी के प्रयोग हेतु (इसके उपखनिज घोषित होने के दृष्टिगत) रायल्टी की देयता तथा पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण-पत्र को आवश्यक बनाया गया है।

भवन निर्माण से भिन्न ग्रामीण अंचल में छोटे-छोटे गृहों के निर्माण हेतु पशु गाड़ी अथवा 10 ट्रैक्टर-ट्राली अर्थात अधिकतम 40 घनमीटर तक मिट्टी का उपयोग करने हेतु रायल्टी की देयता तथा पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण-पत्र की आवश्यकता से छूट दी गयी है।

बिना मिट्टी परिवहन के खेत बराबर कराए जाने को रायल्टी की देयता तथा पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण-पत्र की आवश्यकता से छूट दी गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

***8-श्री अजय कुमार लल्लू-**

[माननीय सदस्य के अनुरोध पर 03सरे शुक्रवार हेतु स्थगित]

# अतारांकित प्रश्न

**जनपद भदोही के ग्राम-गनेशरायपुर, मौजा-धनापुर (बिन्द बस्ती) में विद्युतीकरण कराये जाने की मांग**

**1-श्री संजय गर्ग-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद भदोही के ग्राम-गनेशरायपुर, मौजा-धनापुर (बिन्द बस्ती) में अभी तक विद्युतीकरण नहीं हुआ है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त ग्राम में विद्युतीकरण का कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी नहीं, ग्राम-गनेशरायपुर, मौजा-धनापुर (बिन्द बस्ती) के विद्युतीकरण का कार्य पूर्व में कराया जा चुका है।

बिन्द बस्ती में दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (पूर्ववर्ती आर0जी0जी0जे0वाई0 12वीं योजना) के अन्तर्गत एक 25 के0वी0ए0 का परिवर्तक लगाकर विद्युतीकरण कराया जा चुका है।

इसके पूर्व से भी बिन्द बस्ती में 63 के0वी0ए0 एवं 25 के0वी0ए0 परिवर्तक से विद्युत आपूर्ति हो रही है।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

**जनपद आजमगढ़ से परिवहन विभाग की बसों को जीयनपुर से देवारा कटान तक चलाये जाने की जानकारी**

**2-श्री नफीस अहमद-**

क्या परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला मुख्यालय आजमगढ़ से परिवहन विभाग की बसें जनहित में जीयनपुर, महराजगंज होते हुए देवारा कटान तक क्या सरकार चलायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री स्वतंत्र देव सिंह)-**

दिनांक 18-05-2017 से जनपद मुख्यालय आजमगढ़ से जीयनपुर, महराजगंज होते हुए देवरारा कटान मार्ग पर निगम बस का संचालन प्रारम्भ कर दिया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

**जनपद सीतापुर में महमूदाबाद के अन्तर्गत चांदपुर फरीदपुर में कर्मचारी कल्याण निगम का गेहूं क्रय केन्द्र स्वीकृत स्थान पर न लगाने की जानकारी**

**3-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सीतापुर में महमूदाबाद के अन्तर्गत चांदपुर फरीदपुर में कर्मचारी कल्याण निगम का गेहूं क्रय केन्द्र स्वीकृत हुआ है जिसे विभाग द्वारा बगैर अनुमति लिये यहां से 6 किमी0 दूर अन्य गांव में नियम विरुद्ध लगा दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए गेहूं क्रय केन्द्र स्वीकृत स्थान पर लगायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री योगी आदित्यनाथ-**

जी नहीं।

अधिशासी निदेशक उ0प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम, लखनऊ के पत्र दिनांक 25-05-2017 व जिला खाद्य विपणन अधिकारी, सीतापुर के पत्र दिनांक 24-05-2017 के अनुसार चांदपुर फरीदपुर नाम से कर्मचारी कल्याण निगम का कोई गेहूं क्रय केन्द्र अनुमोदित नहीं हुआ है जबकि पी0सी0एफ0 का क्रय केन्द्र चांदपुर बाजार के नाम से स्वीकृत एवं चांदपुर में संचालित हुआ।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रश्न ही नहीं उठता।

प्रश्न ही नहीं उठता।

**जनपद चन्दौली के सकलडीहा में पपौली कैनाल के संचालन हेतु स्वीकृत 132 के0वी0ए0 के सब-स्टेशन के निर्माण की मांग**

4-श्री प्रभुनारायण सिंह यादव-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चन्दौली के अन्तर्गत सकलडीहा में पपौली कैनाल के संचालन हेतु स्वीकृत 132 के0वी0ए0 सब-स्टेशन का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है ? यदि हां, तो कब ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

सिंचाई विभाग से पूर्ण धनराशि के अभाव में।

**प्रदेश के देहात क्षेत्रों में नयी दुकान/मकानों को ग्रामीण विद्युतीकरण में शामिल किये जाने की जानकारी**

**5-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के देहात क्षेत्र में सड़क के किनारे चौराहों पर जो नयी दुकानें/मकान बस गये हैं, उन्हें ग्रामीण विद्युतीकरण की किसी योजना में शामिल नहीं किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उनका सर्वे कराकर उन नयी दुकानों/मकानों का विद्युतीकरण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

**श्री श्रीकान्त शर्मा-**

दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना में ऐसी सभी दुकानें एवं मकान निर्धारित शुल्क के भुगतान पर विद्युतीकरण हेतु शामिल है जो इन योजनाओं में चयनित ग्रामों/मजरों की परिधि में है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

## [12.25] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

**श्री अध्यक्ष-**

अब नियम-301 के सूचनाएं लेते हैं ।

आज दिनांक 14-07-2017 को कुल 35 सूचनायें प्राप्त हुईं। जिनमें 15 माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार की गईं।

पहली सूचना श्री महेश चन्द्र की जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र किदवई नगर में क्षतिग्रस्त सीवर लाईन की सफाई एवं मरम्मत कराये जाने की सम्बन्ध में, दूसरी सूचना डा0 श्याम बिहारी लाल की उत्तर प्रदेश के समस्त विद्यालयों में महिलाओं एवं दिव्यांगों के लिए शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में, तीसरी सूचना डा0 नीरज बोरा की जनपद लखनऊ के अलीगंज स्थित नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उच्चीकृत न किये जाने तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व कर्मचारियों की उपलब्धता न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में, चौथी सूचना श्री कुलदीप सिंह सेंगर की जनपद उन्नाव में शिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में, पांचवी सूचना श्री जगन प्रसाद गर्ग की जनपद आगरा के मदिया कटरा चौराहे से दिल्ली गेट तक तथा आर0बी0एस0 कालेज तक पुल की चौड़ाई बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में, छठी सूचना श्री अनिल पारासर की अलीगढ़ शहर के नव विकसित क्षेत्र में विद्युतीकरण की व्यवस्था न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में, सातवीं सूचना श्री महेश कुमार गोयल की जनपद आगरा के खैरागढ़ तहसील को बुन्देलखण्ड की श्रेणी में किये जाने के सम्बन्ध में, आठवीं सूचना श्री बजरंग बहादुर सिंह की जनपद महराजगंज के वृजमनगंज को टाउन एरिया बनाने के सम्बन्ध में, नवीं सूचना श्री प्रभु नारायण सिंह यादव की चन्दौली सकलडीहा सैदपूर घाट पर सम्पर्क मार्ग से सढान सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में, दसवीं सूचना श्री अनिल सिंह की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत सभी ब्लाकों स्थित सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, प्रा0 स्वा0 केन्द्र में दवाओं एवं स्टाफ की कमी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में, ग्यारहवीं सूचना श्री ज्ञान तिवारी की जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सेउता में पं0 दीन दयाल उपाध्याय ज्योति योजना से विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में, बारहवीं सूचना श्री राम फेरन पाण्डेय के जनपद श्रावस्ती के कतिपय गॉवों के किनारे राप्ती नदी पर तटबन्ध बनाये जाने के सम्बन्ध में तेरहवीं सूचना श्री राहुल प्रकाश की जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानवे के विकास खण्ड हलिया-लालगंज मुख्य मार्ग बेलन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में, चौदहवीं सूचना श्री रवि शर्मा की चकबन्दी के बाद नये सिरे से कपड़े पर शजरा मैप/शजरा शीट इन्डेक्स मैप नये खसरा बन्दोबस्त बनवाये जाने के सम्बन्ध में, पन्द्रहवी सूचना श्री रितेश पाण्डेय की जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर नगर में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। यह सभी सूचनायें पढ़ी हुई मानी गयीं।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गयी।)

### जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र किदवई नगर में क्षतिग्रस्त सीवर लाइन की सफाई एवं मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री महेश चन्द्र-**

[मान्यवर, मैं आपका ध्यान अपने निर्वाचन क्षेत्र 215 किदवई नगर कानपुर महानगर की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं।

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

इस क्षेत्र में सीवर की लाइनें जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गयी है। बरसात का पानी सीवर के अवरुद्ध होने के कारण ओवरफ्लों हो रहा है। सड़कों पर जल भराव की समस्या हो गयी है। जल भराव के कारण जाम एवं कानून की व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। किदवई नगर विधान सभा क्षेत्र के इन वार्डों-वार्ड नं0-7, वार्ड नं0-8, वार्ड नं0-12, वार्ड नं0-23, वार्ड नं0-24, वार्ड नं0-25, वार्ड नं0-35, वार्ड नं0-48, वार्ड नं0-55, वार्ड नं0-58, वार्ड नं0-62, वार्ड नं0-79, वार्ड नं0-80, वार्ड नं0-83, वार्ड नं0-88, वार्ड नं0-90, वार्ड नं0-93, वार्ड नं0-98 में सीवर लाइन का ओवरफलो हो रहा है, पानी भी प्रदूषित हो गया है। सड़कों पर पानी भरा होने के कारण मच्छर व डेंगू का खतरा भी बना हुआ है।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए सीवर लाइनों को तत्काल ठीक कराये जाने व पानी का भराव, पानी का जल भराव समाप्त कराये जाने की मांग करता हूं।]

## उत्तर प्रदेश के समस्त विद्यालयों में महिलाओं एवं दिव्यांगों के लिए शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**डा0 श्याम बिहारी लाल-**

[मान्यवर, उत्तर प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों, सहायताा प्राप्त विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में महिलाओं एवं दिव्यांगों के लिए क्या शौचालयों का निर्माण किया गया है ? यदि हां, तो उसका क्या विवरण है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस महत्वपूर्ण विषय पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्यवाही की मांग करता हूं।]

## जनपद लखनऊ के अलीगंज स्थित नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उच्चीकृत न किये जाने तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व कर्मचारियों की उपलब्धता न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**डा0 नीरज बोरा-**

[मान्यवर, राजधानी लखनऊ की उत्तरी सीमा में अलीगंज के सेक्टर-सी स्थित नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रोगियों की भारी भीड़ होती है। जलजमाव व भारी वर्षा से ऋतुजन्य व्याधियां पैर पसार रही हैं। सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार आदि के मरीजों की बहुतायत है तथा डेंगू आदि के लार्वा भी मिल रहे हैं। चिकित्सा हेतु क्षेत्र के निर्धन व अल्प आय वर्ग के लोग परेशान हो रहे हैं। शहर के मेडिकल कालेज, सिविल, बलरामपुर, लोहिया, भाऊराव देसरस आदि अन्य सरकारी अस्पतालों पर भी रोगियों की भीड़ है जिसके चलते लोगों को चिकित्सा के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

सस्ती चिकित्सा सुविधाओं हेतु इस क्षेत्र का यह एक मात्र सरकारी चिकित्सालय है। इसकी क्षमता केवल 30 शैय्या है। आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। व्यापक जनहित में इसे उच्चीकृत कर

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

100 शैय्या किया जाना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी संसाधन, चिकित्सालयों/चिकित्सा विशेषज्ञों की नियुक्ति तथा कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन में चर्चा कराये जाने की अनुज्ञा तथा वांछनीय कार्यवाही की मांग करता हूं।]

**जनपद उन्नाव में शिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना**

**श्री कुलदीप सिंह सेंगर-**

[मान्यवर, सादर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि हमारे जनपद-उन्नाव में शिक्षण व्यवस्था अच्छी नहीं है। यहां के बच्चे आगे पढ़ नहीं पाते है जो भी निजी विद्यालय है उनकी फीस इतनी ज्यादा है कि गरीब, कमजोर, दलित, पिछड़े व सामान्य गरीब व्यक्तियों के बच्चे नहीं पढ़ पाते है। कृपया विधान सभा क्षेत्र पुरवा के विकास खण्ड असोहा की ग्राम सभा असोहा में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, विधान सभा क्षेत्र भगवंतनगर के विकास खण्ड सुमेरपुर की ग्राम सभा कल्याणपुर प्रथम में राजकीय माध्यमिक विद्यालय विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के विकास खण्ड F 84 के अन्तर्गत ग्राम जाजामऊ में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के विकास खण्ड गंज मुरादाबाद के ग्राम दसगंवा में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के विकास खण्ड बांगरमऊ के ग्राम सिद्धरपुर पतसिया में राजकीय माध्यमिक विद्यालय विधान सभा क्षेत्र भगवंतनगर के विकास खण्ड बीघापुर के अन्तर्गत बारा में राजकीय माध्यमिक विद्यालय की स्थापना हेतु।

इस लोक महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्यवाही की मांग करता हूं।]

**जनपद आगरा के मदिया कटरा चौराहे से दिल्ली गेट तक तथा आर0 बी0 एस0 कालेज तक पुल की चौड़ाई बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना**

**श्री जगन प्रसाद गर्ग-**

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आगरा के मदिया कटरा चौराहे से दिल्ली गेट तक व मदिया कटरा चौराहे से आर0बी0एस0 कालेज तक की पुल की चौड़ाई कम होने की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं।

मदिया कटरा चौराहे से दिल्ली गेट व मदिया कटरा चौराहे से आर0बी0एस0 कालेज तक के पुल की चौड़ाई बहुत कम हैं दोनों साइडों में 15 फुट चौड़ा करने की अति आवश्यकता हैं पुल कम चौड़ा होने के कारण यहां रोजाना यातायात रूक जाता है छात्र स्कूल जाने मे लेट हो जाते हैं, मरीज अस्पताल जाने में लेट हो जाते हैं। जिससे यहां की जनता अधिक परेशान है। जनहित में इस पुल को चौड़ा करने की अति आवश्यकता है।

अतः मैं लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार से उक्त महत्वपूर्ण पुल को चौड़ा करने की मांग करता हूं।]

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

## अलीगढ़ शहर के नवविकसित क्षेत्र में विद्युतीकरण की व्यवस्था न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री अनिल परासर-**

[मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र में कोल जनपद अलीगढ़ में नवविकसित क्षेत्रों में विद्युतीकरण एवं नये कनेक्शन की कोई व्यवस्था न किये जाने के कारण लोग अन्धेरे में जीवन-यापन करने को विवश हैं। नवविकसित क्षेत्र के निवासी किसी प्रकार से बांस बल्लियों के सहारे दूर से विद्युत लाकर जीवन-यापन करने को मजबूर है जिससे कभी भी दुर्घटना भी हो सकती है। जनहित में नवविकसित क्षेत्र में विद्युत समस्या के निदान हेतु विद्युतीकरण का कार्य कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्नीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए सुचारू रूप से विद्युत कनेक्शन दिये जाने हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूं।]

## जनपद आगरा के खैरागढ़ तहसील को बुन्देलखण्ड की श्रेणी में किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री महेश कुमार गोयल-**

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि विधान सभा क्षेत्र खैरागढ़ जनपद आगरा की खैरागढ़ तहसील को बुन्देलखण्ड की श्रेणी में किया जाना अतिआवश्यक है। क्योंकि क्षेत्र राजस्थान की सीमा से लगा हुआ पहाड़ी और अति पिछड़ा क्षेत्र है तथा हमारे क्षेत्र की क्रिटिकल व डार्क जोन में लेकर उसको सारी सुविधायें प्रदान किया जाना अतिआवश्यक है। यह जनहित से जुड़ा हुआ प्रश्न है और लोक महत्व का है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त कार्यो को कराये जाने की मांग सरकार से करता हूं।]

## जनपद महराजगंज के वृजमनगंज को टाउन एरिया बनाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री बजरंग बहादुर सिंह-**

[मान्यवर, ज्ञातव्य हो कि विधान सभा क्षेत्र फरेन्दा, जनपद महराजगंज के वृजमनगंज कस्बा स्थित है। उक्त कस्बे की आबादी लगभग 21000 से अधिक है तथा टाउन एरिया घोषित करने की रिपोर्ट जिलाधिकारी महराजगंज द्वारा शासन को भेजी जा चुकी है। जनहित में वृजमनगंज कस्बे को टाउन एरिया घोषित करने की कृपा करें।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की मांग करता हूं।]

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

## चन्दौली, सकलडीहा, सैदपुर घाट पर सम्पर्क मार्ग से सढाव सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध मे नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री प्रभु नारायण सिंह यादव-**

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र सकलडीहा जनपद चन्दौली के अन्तर्गत चन्दौली, सकलडीहा, सैदपुर घाट सम्पर्क मार्ग सढाव सम्पर्क मार्ग है वर्तमान समय में सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित है, जनहित में इसका निर्माण कार्य कराया जाना अतिआवश्यक है। क्षेत्रीय जनता में रोष व्याप्त है जनहित से जुड़ा हुआ प्रकरण है लोक महत्व का है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त कार्य को किये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट करने की मांग करता हूं।]

## जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत सभी ब्लाकों स्थित सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, प्र0 स्वा0 केन्द्र में दवाओं एवं स्टाफ की कमी से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री अनिल सिंह-**

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

जनपद-उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र 167, पुरवा के अन्तर्गत सभी विकास खण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाओं और डाक्टरों एवं स्टाफ कर्मचारियों की कमी होने से पीड़ितों का समय से सही उपचार नहीं हो पा रहा है। बरसात के समय बहुत सी बीमारियां क्षेत्र में फैल रही है। किन्तु दवाओं एवं डाक्टरों की कमी के कारण समय से इलाज न होने से पीड़ित को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे क्षेत्रीय जनता का सरकार के प्रति भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः इस अविलम्बनीय एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में उपरोक्त क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाओं एवं स्टाप कर्मचारियों को उपलब्ध कराये जाने की कार्यवाही की मांग करता हूं।]

## जनपद सीतापुर के विधान सभा क्षेत्र सेउता में पं0 दीन दयाल उपाध्याय ज्योति योजना से विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 अन्तर्गत सूचना

**श्री ज्ञान तिवारी-**

[मान्यवर, विधान सभा क्षेत्र 150 सेउता, जनपद-सीतापुर अति पिछड़ी विधान सभा क्षेत्र है जिसमें विद्युतीकरण का नितान्त अभाव है। भारत सरकार की योजना पं0 दीन दयाल उपाध्याय ज्योति योजना के अन्तर्गत प्रदेश के गांवों में विद्युतीकरण कराया जा रहा है। परन्तु मेरे विधान सभा क्षेत्र में

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

एक मात्र पावर हाउस है जिससे पूरी विधान सभा क्षेत्र में बिजली सप्लाई सूचारू रूप से सम्भव नहीं है। ग्यारह हजार के0वी0 की लाइन जमीन को छू रही है जिससे कई जनहानि हो चुकी है।

अतः मेरे क्षेत्र में दो पावर हाउस रामपुर-मथुरा के रोहरिया एवं रेउसा के थाना गांव में पावर हाउस बनवाने एवं पुराने तार बदलवाने की कृपा करें।]

**जनपद श्रावस्ती के कतिपय गांवों के किनारे राप्ती नदी पर तटबन्ध बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना**

**श्री राम फेरन पाण्डेय-**

[मान्यवर, सादर अवगत कराना है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र सं0-290, श्रावस्ती, जनपद-श्रावस्ती के निम्न गांव-रमनगरा, नरायनापुर, कसियापुर, बेडसरा, गवहनियां, कोलाभार, मजगवां, रामुनियां, सिसवारा, कोडरीदीगर, कोटवा, इमलिया, लालपुर खदरा, मझौउवा सुमाल, मुस्काबाद, डिगुराजोत आदि जो राप्ती नदी के किनारे बसे हुए हैं, उनको नदी के बहाव में कट जाने की पूरी संभावना है। लोग बेघर एवं जीविकाविहीन हो जायेंगे। उनकी जान-माल और जीविका की रक्षा के लिए नदी के किनारे-किनारे तटबंध बनाये जाने की नितान्त आवश्यकता है।

मैं इस अविलम्बनीय महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए अविलम्बनीय कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूं।]

**जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे के विकास खण्ड हालिया लालगंज मुख्य मार्ग बेलन नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना**

**श्री राहुल प्रकाश-**

[मान्यवर, मैं आपका ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि जनपद मिर्जापुर की विधान सभा क्षेत्र छानबे अन्तर्गत हलिया-लालगंज मुख्य मार्ग बेलन नदी पर पुल निर्माण कराने के सम्बन्ध में है यह क्षेत्र तहसील लालगंज मुख्यालय आने जाने का मुख्य मार्ग है, मार्ग के बीच में बेलन नदी है जो बरसात में भी उफान के चलते बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे सड़क का आवागमन अवरुद्ध हो जाता है, विकास खण्ड-हलिया-लालगंज का यह क्षेत्र आबादी की दृष्टि से लगभग 79 ग्रामों को मुख्यालय से जोड़ता है, जिसकी आबादी लगभग 1 लाख से अधिक है। हलिया-लालगंज मुख्य मार्ग बेलन नदी पर पुल निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः माननीय महोदय जी से अनुरोध है कि इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सदन में वक्तव्य की मांग करता हूं।]

**चकबन्दी के बाद नये सिरे से कपड़े पर शजरा मैप/शजरा शीट इन्डेक्स मैप नये खसरा बन्दोबस्त बनवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना**

**श्री रवि शर्मा-**

[मान्यवर, अवगत कराना है कि प्रदेश के अधिकांश जनपद में चकबन्दी हो जाने के कारण विभाग में चकबन्दी के बाद नये शजरा मैप/शजरा शीट/इन्डेक्स मैप नये खसरा/बन्दोबस्त उपलब्ध

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

नहीं है जिसके कारण निर्माणाधीन परियोजनाओं/नहरों/नलकूप से होने वाले सिंचाई की सींच इंद्राज में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही है। सही इन्द्राज करने में भी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है एवं नये राजस्व कर्मी नया रिकार्ड न होने के कारण सही सींच नहीं दर्ज कर पाते हैं, जिससे अभिलेखों में त्रुटियां अधिकांश बनी रहती हैं। कृषकों द्वारा अपने गलत सींच के सम्बन्ध में अनेकों प्रार्थना-पत्र भी दिये गये हैं। जनहित में नये अभिलेख बनाना अति आवश्यक है, जिससे सींच इंद्रराज/माप कार्य में हो रही कठिनाईयों का समाधान किया जा सके।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही करने की मांग करता हूं।]

## जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र जलालपुर नगर में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

**श्री रितेश पाण्डेय-**

[मान्यवर, अवगत कराना है कि अम्बेडकरनगर जनपद का जलालपुर अत्यन्त घनी आबादी वाला नगर है, यहां तहसील, ब्लाक, नगर पालिका आदि कार्यालय, थाना, डाकघर, विभिन्न बैंकों की शाखाओं आदि के साथ-साथ बहुत से स्कूल एवं कालेज स्थापित हैं, यहां के समस्त मार्ग सिर्फ 3 मीटर चौड़े होने के कारण यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है लगभग प्रतिदिन कई-कई घंटे तक जाम लगा रहता है, क्षेत्रीय जनता को काफी कठिनाइयों का समाना करना पड़ रहा है, इस कारण बहुत जनाक्रोश है, स्थिति विस्फोटक है।

अतः आपसे लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जलालपुर नगर के लिए बाईपास का निर्माण कराये जाने की मांग करता हूं।]

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गयी।

1- श्री पवन कुमार,
2- श्रीमती शुचिस्मिता मौर्या,
3- श्री बाबू राम पासवान,
4- श्री मूल चन्द्र सिंह निरंजन,
5- श्री नन्द किशोर गुर्जर,
6- श्री संजय गंगवार,
7- श्री के0पी0 मलिक,
8- श्री उमाशंकर सिंह,
9- श्री नफीस अहमद,
10- श्री अनूप प्रधान,
11- श्री सुखदेव राजभर,
12- श्री राम अचल राजभर,

13- डा0 हरगोविन्द भार्गव,

14- श्रीमती जयदेवी,

15- श्री रमाशंकर सिंह,

16- श्री आजाद अरिमर्दन,

17- श्री संजय कुमार गुप्ता,

18- श्री सुभाष पासी ,

19- श्री विनोद कुमार कटियार तथा

20- श्री रोशन लाल वर्मा ।

## [12.26] औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं

**श्री अध्यक्ष**-

आज दिनांक 14 जुलाई, 2017 को नियम-300 के अन्तर्गत 3 सूचनायें प्राप्त हुई हैं इसमें श्री प्रभु नारायण सिंह यादव जी की, श्री नितिन अग्रवाल जी की और श्री जय देवी की सूचना है। प्रभु नारायण सिंह जी अपनी बात रखें।

### जनपद चन्दौली के जिला ग्राम विकास अधिकारी द्वारा सत्र चलने के दौरान स्थानीय बैठक बुलाने पर अंकुश लगाते हुए उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

**श्री प्रभु नारायण सिंह**-

मान्यवर, एक गम्भीर सवाल की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं जब जब सदन की कार्यवाही चलती है उस समय भी उससे पहले भी आपकी पीठ के द्वारा एक जनरल आदेश भी दिये गये हैं व्यवस्था भी दी गयी है कि जब विधान सभा की कार्यवाही चलेगी जिले का जिलाधिकारी हो या मुख्य विकास अधिकारी हो, कोई बैठक आहूत करने का काम नहीं करेगा। मैं जनपद चन्दौली में 12 तारीख को जब विधान सभा चल रही है वहॉ के मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हम लोगो ंको पत्र आया कि ग्राम्य विकास से सम्बन्धित एक बैठक बुलाई गयी है हमारा आपसे अनुरोध है मैं आपसे व्यवस्था भी चाहता हूं कि आपके बार बार निर्देश के बावजूद वहॉ के अधिकारी बार बार ऐसी मनमानी करते हैं इस पर मैं आपकी व्यवस्था चाहता हूॅ।

**श्री अध्यक्ष**-

माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, माननीय प्रभु नारायण सिंह की सूचना है कि सदन के चलते बैठके हो जाती हैं।

***संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सम्बन्ध में पहले ही आदेश जारी किया गया था जिस सम्बन्ध_में माननीय प्रभु नारायण सिंह जी ने आज सूचना दी।जिस समिति के सदस्य माननीय विधायक हैं या सांसद हैं उन समितियों की बैठक अगर सत्र के दौरान तभी हो सकती है जब 3 दिन का अवकाश हो। और यह सही है कि 3-5-2017 को हमने इसको रिपीट भी करवाया है यानि इस शासनादेश को हमने दोबारा फिर से सभी लोगों को भेजा है, सभी जिलाधिकारियों को कि जिस समितियों में माननीय विधायक या सांसद सदस्य हों उनकी बैठक आहूत न की जाय और यह सही बात है। हम इसको दिखवा भी लेंगे और सचेत भी कर देंगे और यह नहीं होना चाहिए और हम समझते हैं कि इसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी। मान्यवर, यह 300 मे ंनहीं आता इस पर मैं आपकी व्यवस्था चाहता हूॅ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

**श्री अध्यक्ष-**

मैं नियम-300 में इसको अग्राह्य करता हूं लेकिन सरकार से अपेक्षा है कि जिन अधिकारियों ने स्पष्ट शासनादेश के बावजूद बैठक बुलाई उनसे कारण बताओ नोटिस और नियमानुसार कार्रवाई हो।

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

मान्यवर, ठीक है, निर्देश का पालन होगा।

**श्री अध्यक्ष-**

नितिन जी, आपकी सूचना है माननीय मुख्यमंत्री और नेता सदन द्वारा तो यह नियम 300 को कहीं छूती हुई भी नहीं निकलती है, नमस्ते करते हुए भी नहीं निकलती। यह तो उसको कहीं स्पर्श भी नहीं करती । अच्छा आप माननीय राम गोविन्द जी से पूछ लीजिये ।

## प्रदेश के माननीय मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा अपनी सम्पत्ति का व्योरा न दिये जाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

***श्री नितिन अग्रवाल-**

माननीय अध्यक्ष जी, यह बहुत ही गंभीर विषय है और सदन की गरिमा से जुड़ा है । मान्यवर, जब सरकार का गठन हुआ था तो जो माननीय नेता सदन है जो माननीय मुख्यमंत्री भी हैं इस प्रदेश के, उन्होंने यह कहा था कि सभी मंत्रिगण और सभी अधिकारी अपनी-अपनी सम्पत्ति का ब्योरा दें । उस वक्त हम लोगों को लगा था कि सरकार पारदर्शिता चाहती है और वाकई सरकार भ्रष्टाचार को दूर करना चाहती है। लेकिन चार महीने बीतने के बावजूद भी न तो मंत्रिगण ने और न सब अधिकारियों ने अपनी सम्पत्ति का ब्योरा दिया । हो सकता है कुछ लोगों ने जरूर दिया होगा । लेकिन जो माननीय मुख्यमंत्री जी का निर्देश था कि सब लोगों को अपना ब्योरा देना है।

**श्री अध्यक्ष-**

अच्छा आपकी बात आ गयी, अब यह बताइये कि यह नियम 300 में कैसे आता है।

**श्री नितिन अग्रवाल-**

अभी तक न तो सारे मंत्रियों की सम्पत्ति का ब्योरा आया और न सारे अधिकारियों का ब्योरा आया । तो यह माननीय मुख्य मंत्री जी के आदेश की अवहेलना हुई है । यह पूरे सदन की अवहेलना है, इस पर आप अपनी व्यवस्था देने की कृपा करें ।

**श्री अध्यक्ष-**

आप अच्छे विद्यार्थी हो, अभी आपको और पढ़ना पड़ेगा । यह नियम-300 में नहीं आता । सरकार से इसमें बात करने की कोई जरूरत नहीं है। अगर माननीय पारसनाथ जी माननीय राम गोविन्द जी कह दें कि आता है तो फिर दुबारा देख लेंगे ।

## जनपद तहसील रानीगंज के अन्तर्गत ग्राम सोनाही में ग्राम सभा की भूमि से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

**श्री अध्यक्ष-**

अब अगली सूचना माननीय श्रीमती जय देवी जी की जनपद प्रतापगढ़ तहसील रानीगंज के अन्तर्गत ग्राम सोनाही में ग्रामसभा की भूमि से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में, यह भी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नियम-300 में नहीं आता । माननीय सदस्या से अनुरोध है कि अगर किसी और नियम में कभी दे देंगी तो विचार हो जायेगा।

**[12.32] लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-9-2014(लो0 आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित)††**

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-9-2014 (लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) को उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त अधिनियम-1975 की धारा-12 की उपधारा (7) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ ।

**संसदीय कार्य अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या-301/90 संख्या-1-2017-53- संख्या-2002, दिनांक 15 जून, 2017 †**

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से संसदीय कार्य अनुभाग-1 की अधिसूचना संख्या 301/90सं0-1-2017-53-सं-2002, दिनांक 15 जून, 2017 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल (सदस्यों की उपलब्धियों और पेंशन) (छब्बीसवां संशोधन) नियमावली, 2017 को उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 की धारा-23 क की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूं ।

**उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या-28/2016 सीपी/674/84-2-2016-सीपी-29-96, दिनांक 27 दिसम्बर, 2016 †**

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप अनुभाग-2 की अधिसूचना संख्या 28/2016/सीपी/674/84-2-2016-सीपी-29-96, दिनांक 27 दिसम्बर, 2016 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) नियमावली, 2016 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा-31 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ ।

**उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-4-2012 (उपलो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित)††**

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-4-2012 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) को उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त एवं उप लोक आयुक्त अधिनियम-1975 की धारा-12 की उपधारा (7) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ।

**उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-3-2014 (उपलो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित)††**

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से उप लोक आयुक्त, उत्तर प्रदेश के विशेष प्रतिवेदन संख्या-3-2014 (उप लो0आ0) (स्पष्टीकरण ज्ञापन सहित) को उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त एवं उप लोक आयुक्त अधिनियम-1975 की धारा-12 की उपधारा (7) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ।

---

† छापी नहीं गई।

†† छापी नहीं गई।

**श्री अध्यक्ष** -

मद सँ0-8 कुछ नहीं है। अब मद संख्या-9 ।

**[12.35] जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक भीटी के अन्तर्गत मिझौड़ा महरूआ मार्ग से अताउल्लाह नाकपुर गांव में विसुई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने विषयक श्री प्रेमानन्द सिंह आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका ††**

**श्री लालजी वर्मा** -

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से जिला अम्बेडकरनगर के ब्लाक-भीटी के अन्तर्गत मिझौड़ा महरूआ मार्ग से अताउल्लाह नाऊपुर गांव में विसुई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेमानन्द सिंह, श्री सुरेश व श्री भीम सिंह निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूँ।

**जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक भीटी के अन्तर्गत मल्लेपुर गांव में सुझई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने विषयक श्री मुन्नीलाल निषाद आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका ††**

**श्री लालजी वर्मा** -

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से जिला अम्बेडकरनगर के ब्लाक-भीटी के अन्तर्गत मल्लेपुर गांव में सझुई नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुन्नीलाल निषाद, श्री राजेन्द्र निषाद व श्री रामजीत कन्नौजिया निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूँ।

**जनपद अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत इल्तफातगंज से अकबरपुर मार्ग का चौड़ीकरण करने एवं हाट मिक्स बनाये जाने विषयक श्री अमरजीत वर्मा आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका ††**

**श्री लालजी वर्मा** -

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से जिला अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत इल्तफातगंज से अकबरपुर मार्ग का चौड़ीकरण करने एवं हाट मिक्स से बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर जीत वर्मा, श्री विजय कुमार वर्मा व श्री सुग्रीव कुमार निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूँ।

**जनपद अम्बेडकरनगर के तहसील अकबरपुर के अन्तर्गत श्रवण क्षेत्र मार्ग से रेडीचीनगर रामपुर बेनीपुर मार्ग पर नदी पर पुल निर्माण कराये जाने विषयक श्री कपूर चन्द्र वर्मा आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका††**

**श्री लालजी वर्मा** -

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से जिला अम्बेडकर नगर के तहसील-अकबरपुर के अन्तर्गत श्रवण क्षेत्र मार्ग से रेडीची नगर, रामपुर वनेथु, बेनीपुर मार्ग पर नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कपूर चन्द्र वर्मा, श्री संजय कुमार व श्री चन्दन वर्मा निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूँ।

**[12.37] जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक अकबरपुर के ग्राम पंचायत खानपुर शाह सलेमपुर के अन्तर्गत खपुरा से डड़वा को जोड़ने के लिए कुड़की नाले पर पुलिया निर्माण कराये जाने विषयक श्री राम पियारे राजभर आदि निवासीगण जनपद अम्बेडकरनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका††**

**श्री राम अचल राजभर** -

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से जिला अम्बेडकरनगर के ब्लाक अकबरपुर के ग्राम पंचायत खानपुर शाह सलेमपुर के अन्तर्गत खपुरा से डड़वा को जोड़ने के लिये कुड़की नाले पर पुलिया निर्माण

---

†† छापी नहीं गई।

कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम पियारे राजभर व श्री राम जी शर्मा निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूँ।

**[12.38] कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव**

**श्री अध्यक्ष** -

मद संख्या-11 में कुछ नहीं है।, अब मद संख्या-12, उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 13 जुलाई 2017 की बैठक में विधान सभा के दिनांक 14 जुलाई, 2017 से दिनांक 28 जुलाई, 2017 तक के उपवेशनों का कार्यक्रम निम्नलिखित रूप में रखे जाने की सिफारिशें की हैं :-

1-दिनांक 13 जुलाई, 2017 को सदन में पुरःस्थापित उत्तर प्रदेश पंचायत राज (संशोधन) विधेयक, 2017 पर विचार एवं उसके पारण सम्बन्धी मदें दिनांक 18 जुलाई, 2017 को ली जायं,

2-दिनांक 12 जुलाई, 2017 को श्री लालजी वर्मा व अन्य सदस्यगण द्वारा नियम 56 के अन्तर्गत अभिसूचित सूचना पर दिनांक 18 जुलाई, 2017 को डेढ़ घण्टे की चर्चा हो।

3-दिनांक 19 जुलाई, 2017 को वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा हो तथा

4-दिनांक 19 जुलाई, 2017 को वित्तीय वर्ष 2017-2018 के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान न हो।

तद्नुसार दिनांक 14 जुलाई, 2017 से दिनांक 28 जुलाई, 2017 तक के उपवेशनों का कार्यक्रम निम्नवत् रखा जाय :-

**<u>जुलाई, 2017</u>**

| | |
|---|---|
| 14 शुक्रवार | वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा। |
| 15 शनिवार | |
| 16 रविवार | बैठक नहीं होगी। |
| 17 सोमवार | |
| 18 मंगलवार | 1-निम्नलिखित विधेयक पर विचार एवं उसका पारण- उत्तर प्रदेश पंचायत राज (संशोधन) विधेयक, 2017<br>2-उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के अनेक जिलों में बाढ़ की प्रचण्ड विभीषिका के उपरान्त भी राहत कार्य न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्री लालजी वर्मा, श्री राम अचल राजभर एवं श्री आजाद अरिमर्दन द्वारा नियम 56 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर डेढ़ घण्टे की चर्चा।<br>3-वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा। |

<u>जुलाई, 2017</u>

| | |
|---|---|
| 19 बुधवार | वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा। |
| 20 गुरूवार | वित्तीय वर्ष 2017-2018 के अनुदानों की मॉगों विचार एवं मतदान। |
| 21 शुक्रवार | (1) वित्तीय वर्ष 2017-2018 के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान।<br>(2) असरकारी दिवस (आधा दिन)। |

22 शनिवार

23 रविवार बैठक नहीं होगी।

24 सोमवार

25 मंगलवार बैठक नहीं होगी।

26 बुधवार वित्तीय वर्ष 2017-2018 के अनुदानों की मांगों पर विचार

27 गुरूवार एवं मतदान।

28 शुक्रवार (1) वित्तीय वर्ष 2017-2018 के अनुदानों की मॉगों पर विचार एवं मतदान।

(2) **<u>03.00 बजे अपराह्न</u>**

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2017 का सदन की अनुज्ञा से पुरःस्थापन, उस पर विचार एवं उसका पारण।

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, सहमत है।

**श्री अध्यक्ष-**

प्रश्न यह है कि कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव जो मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी ने प्रस्तुत किया है, से यह सदन सहमत है?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

[12.42] **मद संख्या-14 कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं**

**श्री अध्यक्ष-**

आज दिनांक 14.07.2017 को नियम-56 की कुल 10 सूचनायें प्राप्त हुई, जिनमें शलाका के आधार पर निम्नलिखित सूचनायें चयनित की गईं। प्रथम सूचना को ग्राह्यता हेतु सुना जायेगा एवं दूसरी, तीसरी एवं चौथी सूचना पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। शेष सूचनायें अस्वीकार की जाती हैं।

पहली सूचना, श्री राम गोविन्द चौधरी, श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री रितेश पाण्डेय व श्री लालजी वर्मा की, जनपद लखनऊ में दिनॉक 12/13 जुलाई, 2017 की रात्रि गोमती नगर में हुई लूटपाट से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में। इस सूचना को सुनेंगे।

बाकी सूचनाओं में दूसरी सूचना श्री लालजी वर्मा व श्री राम अचल राजभर की जनपद अम्बेडकरनगर के ग्राम बनगॉव थाना भीटी में दिनॉक 14.06.2017 को श्री चैतू पर हुये जानलेवा हमले के उपरान्त हमलावरों की गिरफ्तारी न किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में। इस पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

तीसरी सूचना, श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र रसड़ा के ग्राम इसारी सलेमपुर (दादा की चट्टी) में 11000 वोल्ट की लाईन में शार्ट सर्किट से हुयी मौत से प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिये जाने के सम्बन्ध में है। इस पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

चौथी सूचना, श्री सहेन्द्र सिंह रमाला की जनपद बागपत में किसानों को सिंचाई हेतु विद्युत कनेक्शन दिये जाने के उपरान्त अनियमित बिल वसूले जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। इस पर सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

श्री नितिन अग्रवाल, श्री मोख्तार अंसारी, श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री प्रभु नारायण सिंह यादव व श्री पारस नाथ यादव की सूचनायें अस्वीकार की गईं।

**श्री नितिन अग्रवाल-**

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी महत्वपूर्ण सूचना है इसलिए अनुरोध है कि आज ले लीजिएगा।

**श्री अध्यक्ष-**

पहले यह देखते हैं कि जिस सूचना पर सुना जाना है उसमें कितना समय लेते हैं।

***श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने बहुत ही महत्वपूर्ण मसले पर बोलने की अनुमति दी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, मैंने परसों भी इसी सदन में कहा था नियम-56 के तहत ही, एक प्रकरण पर मैंने अपनी बात को रखते हुए उत्तर प्रदेश की बिगड़ी हुई कानून-व्यवस्था, उत्तर प्रदेश में जो अराजकता का माहौल है, डकैतों का, अपराधियों का बोलबाला है उसके सम्बन्ध में परसों मैंने आपके माध्यम से सदन में बात की थी। माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी ने उस दिन कहा था कि अखबारों को पढ़ करके आते हैं और यहॉ नियम-56 लगा देते हैं।

**नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-**

यह भी वही काम करते थे।

**श्री अध्यक्ष-**

यह तो पुरानी बात हो गयी, बासी बात हो गयी।

(मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी द्वारा टोकने पर)

**श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-**

असल में आप आठ बार जीतकर आये हैं, मैं 4 ही बार आया, इसलिए अनुभव थोड़ा कम है। माननीय अध्यक्ष जी, एक बहुत गम्भीर घटना की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय जी जो बिजली विभाग के रिटायर्ड अभियंता हैं और प्रदेश के बहुत प्रख्यात मजदूर नेता हैं। हमेशा, इस बुढ़ापे में भी वह पूरे प्रदेश के मजदूरों के लिए, कमजोरों के लिए लड़ाई लड़ते हैं। उनके घर एक वीभत्स घटना घट गयी। आप भी शायद उनसे परिचित होंगे, जरूर वह आपसे मिलते रहते होंगे। उनके घर एक ऐसी घटना हुई जिसने सिर्फ राजधानी को ही शर्मशार नहीं किया बल्कि पूरे प्रदेश को शर्मशार किया है। मान्यवर, जो मैंने नियम-56 में सूचना दी है। एक मेरी सूचना थी, जिसे हमने कल्पना नहीं की थी, जो इस सदन में परसों घटित हुई, जिसके बारे में माननीय नेता सदन ने अपनी बात रखी इसलिए मैं उस पर बहुत ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। मा0 नेता सदन ने विस्तार से सारी बात कही, मा0 नेता विरोधी दल ने उस पर अपनी सहमति दी।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

**श्री अध्यक्ष-**

आप अपनी सूचना पर आईये।

**श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-**

मान्यवर, वह भी मेरी सूचना में है। मुझे क्या पता था कि नेता सदन जी भी उतने ही चिन्तित हैं जितना मैं हूँ।

**श्री अध्यक्ष-**

नहीं, आप ज्यादा चिन्तित हैं, आपकी चिंता के कई कारण हैं।

**श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई'-**

माननीय अध्यक्ष जी, वह विस्फोटक हमारी तरफ रखा गया था इसलिए चिंता हमारी ज्यादा थी। दूसरी जो घटना है, परसों जो राजधानी में डकैती की घटना हुई ठीक उसी तरह की घटना श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय जी के यहां गोमती नगर जैसे पॉश इलाके में हुई। जिस तरह से संगठित अपराधियों का गिरोह लखनऊ शहर के पॉस इलाके में डकैती डालने का दुःसाहस कर रहा है और पुलिस कहती है कि वह वही अपराधी होंगें जो वहॉ थे। यह और शर्मनाक बात है। एक ही गिरोह लगातार यह अपराध कर रहा है और पुलिस यह कह रही है, पुलिस उस पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। प्रदेश की राजधानी का अगर यह हाल है, पूरे प्रदेश के गॉवों और ग्रामीण इलाकों की क्या स्थिति होगी। (शेम-शेम की आवाजें) ऐसी गम्भीर घटना पर, इसमें सत्ता पक्ष, विपक्ष और सरकार का सवाल नहीं है। सवाल है प्रदेश में हो रही इस तरह की घटनाओं का। मैं आपके माध्यम से इस अविलम्बनीय लोक महत्व के सुनिश्चित विषय पर सदन की कार्यवाही रोक कर चर्चा कराये जाने की मॉग करता हूँ। कृपया परसों की तरह नहीं, आज इस पर चर्चा करा लीजिये।

**श्री लाल जी वर्मा-**

मान्यवर, निश्चित तौर पर प्रदेश में लखनऊ में, एक राजधानी में प्रदेश की स्थिति पर हम लोगों ने चर्चा किया लेकिन मान्यवर, आज मैं सीमित रहना चाहता हूँ कि जिस तरह की घटना हो रही है जिसका जिक्र माननीय शैलेन्द्र यादव जी ने किया है, श्री गिरीश पाण्डेय जी के यहॉ, उनके बेटा, बेटी सब आये हुए थे और इस बात को जानकर किस तरह से, जिस मैथड से वहॉ साउथ वेस्ट में एस0जी0पी0जी0आई0 थाने के अन्तर्गत घटना हुई उसी तरह से गोमती नगर में इसके पहले भी दो-तीन घटनायें हुईं और उसी आधार पर डकैतों का दुःसाहस है । मान्यवर, कि चहार दीवारी कूद कर जाते हैं और फिर ग्रिल काट कर घर में घुस जाते हैं। इस तरह का गिरोह मान्यवर, अगर सक्रिय है तो सबके लिये चिन्ता का विषय है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वह भी वी0आई0पी0 एरिया में जिस तरह से यह घटना हुई है निश्चित रूप से यह कानून-व्यवस्था की पोल को खोलने वाली है। इसलिये मान्यवर, हमारी यह चाहत है कि इस घटना पर आप विशेष रूप से चर्चा कराने का काम करें। इसकी ग्राह्यता को स्वीकार करें। इस तरह की कई घटनाएं हो रही हैं। इस तरह की यह तीसरी नहीं चौथी पॉचवीं घटना है। गोमती नगर में यह तीसरी घटना है। एस0जी0पी0जी0आई0 में भी जो घटना हुई वह भी इसी पैटर्न पर हुई। निश्चित रूप से कोई गिरोह सक्रिय है और आज सबके सामने खतरा उत्पन्न हुआ है, सभी भयभीत हैं। पूरे लखनऊ में सभी के सामने यह दिक्कत आ रही है। ऐसी स्थिति में अगर लखनऊ जैसी राजधानी में लोग सुरक्षित नहीं हैं और डकैत ऐसा बड़ा दुःसाहस कर रहे हैं तो मान्यवर, अन्य क्षेत्रों की स्थिति तो भिन्न होगी। इसलिये हमारी यह चाहत है कि आप इस पर निश्चित रूप से चर्चा स्वीकार करें जिससे इस विषय पर सभी सम्बन्धित पक्षों के द्वारा, सरकार के पक्ष से भी सुझाव आये। यह जो दुःसाहस इस तरह से विधान भवन में हुआ उसकी चर्चा मैं नहीं

करूँगा लेकिन जो इस तरह की घटना डकैतों का गिरोह कर रहा है, यह बहुत ही चिन्ता का विषय है, इसलिये इसको ग्राह्य करते हुए इस पर चर्चा कराने की कृपा करें।

**नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-**

मान्यवर, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है जैसा आदरणीय ललई जी ने कहा कि यह उस आदमी के घर डकैती जो पूरी जिन्दगी मजदूर, गरीब, बेबस, लाचार लोगों की लड़ाई लड़ता रहा। वह जे0ई0 थे, अभियंता थे और पूरी जिन्दगी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ा, उसके घर डकैती हो गई तो इस पर चर्चा तो आप करायें ही जितना माल उनका गया है उस गरीब मजदूर नेता का, या तो उस थाने से सम्बन्धित थानेदार से वापसी हो या सरकार उसकी भरपाई करे, यह मैं आपसे माँग करना चाहता हूँ। (किसी माननीय सदस्य के टिप्पणी करने पर कि आपने किसको दिया) हम लोग भी चंदा दे देंगें।

**श्री अध्यक्ष-**

आप लोग शान्त रहें। इस तरह की टिप्पणियाँ उचित नहीं। अगर बातें करनी हो तो आपस में मिलकर बाहर करना चाहिए।

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

माननीय अध्यक्ष जी, यह अपने आप में सही है कि यह बहुत दुःखद है। जो घटना हुई है मान्यवर मंगलवार 12/13 की रात में जैसा कि हमारे वरिष्ठ सदस्यों ने नियम-56 की सूचना के माध्यम से सदन के समक्ष अपनी बात रखी है कि थाना गोमतीनगर क्षेत्र में इस प्रकार की घटना हुई मान्यवर,इसमें मुकदमा अपराध संख्या-957/2017 धारा-395/97 में आई0पी0सी0 के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत हो गया है। मान्यवर, मेरे पास जो सूचना है उसके हिसाब से इस घर में दो नौकर और एक ड्राइवर नया रखा गया। एक नौकर नेपाल का है और दूसरा नौकर बिहार का है इसमें पूरी संजीदगी के साथ पूरी सर्तकता के साथ सरकार ने निर्देश दिया है कि हर हालत में केस का पर्दाफाश किया जाए और यह भी कहा गया है कि इसमें एस0टी0एफ0 अपराध शाखा तथा सरविलांस जितने भी साधन हमारे पास हैं उन सबका प्रयोग करके हर हालत में घटना का पर्दाफाश करना चाहिए। सरकार पूरी तरह से इसमें सचेत है और हमने यह भी कहा है कि हम उस थानाध्यक्ष या जो भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी थी रात में गश्त पर,उनकी जवाबदेही तय करके उसमें निश्चित रूप से कार्यवाही करेंगे और केस का भी पर्दाफाश करेंगे मान्यवर। जितनी सख्ती हो सकती है जितनी सर्तकता हो सकती है और जितनी चिन्ता हो सकती है मान्यवर, जितनी चिन्ता सदस्यों ने की है हम उतनी सर्तकता के साथ, उतनी सख्ती के साथ केस का भी पर्दाफाश करायेंगे और उन लोगों की जवाबदेही तय करके उसमें कार्यवाही भी करेंगे।अभी-अभी माननीय मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में,वैसे भी अखबारों के माध्यम से संज्ञान में आ चुका है, हमने उनके संज्ञान में लाया तो वह अपने हाथ से इस पर लिखकर गये हैं हम जवाबदेही तय करके उन लोगों के खिलाफ कार्यवाही जरूर करेंगे कि जिन लोगों की लापरवाही की वजह से इस प्रकार की घटना घटी है। यह नियम-56 में नहीं आता है इसलिए इस पर आपका निर्देश चाहते हैं

**श्री लालजी वर्मा-**

मान्यवर एक संगठित गिरोह पूरा काम कर रहा है माननीय मंत्री जी इसको संज्ञान में लें कि चूँकि पूरे लखनऊ के और उस मोहल्ले में रहने वालों को सबको भय दिखाई पड़ने लगा। तो इसलिए उस संगठित गिरोह का पर्दाफाश हो उसको पकड़ा जाए जो भी एजेन्सी लगानी हो लगाकर उस गिरोह को पकड़ा जाए। यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है इसलिए हम चाहेंगे इस पर जरूर कार्यवाही हो।

**श्री अध्यक्ष**-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने स्पष्टीकरण और कठोर कार्यवाही का वायदा किया है यह भी बताया है कि माननीय मुख्य मंत्री जी भी लिखकर दे गए हैं बता गये हैं..(मा0 सदस्य रितेश पाण्डेय के खड़े होने पर) आपको इससे सम्बन्धित कुछ कहना है ?

**श्री रितेश पाण्डेय**-

माननीय अध्यक्ष जी, कई मामले हो गए हैं 12/13 की रात को यह मामला हुआ था और 10/11 की रात को ऐसा ही एक मामला हुआ था जिसमें यह भी देखने को मिलता है कि पुलिस कहती है कि उसने किसी एक मुखबिर को गिरफ्तार किया है लेकिन इतने दिन गुजर गए उसमें अभी तक कोई किसी का पता नहीं दे पाया है यह पूरी तरह से यह दिखाता है कि पुलिस खाली खानापूर्ति करने का काम कर रही है। उसका कोई इरादा नहीं है कि दोषियों को पकड़ा जाए और मैं इसीलिए इस विषय पर चाहता हूँ कि इस पर चर्चा हो और पूरी तरह से इसमें सर्तक रहने को कहा जाए।

**श्री अध्यक्ष**-

पूरा विषय सरकार के माननीय मुख्य मंत्री जी के,माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी के संज्ञान में आ गया है और यह नियम-56 का विषय नहीं मैं इसे अग्राह्य करता हूँ और माननीय लालजी वर्मा और माननीय राम अचल राजभर की दूसरी सूचना है । माननीय लाल जी वर्मा और श्री रामअचल राजभर की दूसरी सूचना पर मैंने ध्यान आकर्षित कर दिया है।

श्री उमाशंकर सिंह की सूचना पर भी मैंने ध्यानाकर्षण कर दिया है।

**श्री उमाशंकर सिंह**-

मान्यवर, मैं दो मिनट में अपनी बात रख लूँ क्योंकि माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी बैठे हुए हैं। अध्यक्ष जी यह 11 तारीख की घटना है एक बहुत ही भयावह घटना होते-होते बच गई है। हमारे विधानसभा क्षेत्र में एक सलेमपुर चट्टी है वहॉ पर पूरी चट्टी पर विद्युत का करेंट नीचे उतर आया था। उसमें बाकी लोग दुकानें छोड़-छोड़कर दूर भागने लगे नहीं तो कल वहॉ पर सैकड़ों की संख्या में लोग मरते ।एक व्यक्ति जो 42 साल के थे वह दुकान छोड़कर नहीं भाग पाए उनकी मौत हो गई अध्यक्ष जी इस पर अगर आपका संसदीय कार्य मंत्री को निर्देश प्राप्त हो जाए ।

**श्री अध्यक्ष**-

मैंने पहले ही सरकार का ध्यान आकर्षित कर दिया है।

**श्री उमाशंकर सिंह**-

इसमें अगर कुछ मुआवजे का ऐलान हो जाता तो बड़ी कृपा होती।

**श्री सुरेश कुमार खन्ना**-

माननीय अध्यक्ष जी वैसे तो आपने इस पर ध्यान आकर्षित कर दिया और विस्तृत उत्तर भी माननीय सदस्य को मिल जाएगा । मान्यवर, यह एक प्रकार की दुर्घटना है इस दुर्घटना से हम बहुत चिन्तित भी हैं और दुःखी भी हैं कि एक गरीब व्यक्ति की इसमें जान चली गई । मान्यवर, इसकी एक प्रक्रिया है बिजली के करेन्ट से जब कोई मरता है तो उसमें विद्युत इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के बाद हम उसमें समुचित मुआवजे की व्यवस्था करते हैं इसको और अधिक गम्भीरता से और अधिक सतर्कता से

लेकर जो भी इसमें सहायता संभव है वह कर देंगे। यह सूचना नियम 56 में नहीं आती है इसलिए इसको अग्राह्य करने की कृपा करें।

**श्री अध्यक्ष**-

नियम 56 में इसे पहले ही अग्राह्य कर दिया गया है।

मैं माननीय प्रभूनारायण सिंह यादव जी की सूचना पर भी ध्यान आकर्षित करता हूँ। शेष सूचनाएं अग्राह्य हैं।

## [12.57] वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा†

**श्री अध्यक्ष**-

अब आय व्ययक पर जो बजट चर्चा है उसको प्रारम्भ करना चाहते हैं।

**श्री सहेन्द्र सिंह रमाला**-

मान्यवर, मैं बागपत जनपद के बारे में एक सूचना देना चाहता हूँ।

**श्री अध्यक्ष**-

आप बजट पर अभी बोल लीजिएगा। आपकी सूचना पर ध्यानाकर्षण हुआ है।

**श्री पंकज सिंह**-

अध्यक्ष जी माननीय वित्तमंत्री जी के द्वारा जो बजट पेश किया गया है उसको पहली नजर में देखकर मैं समझ सकता हूँ सभी लोग समझ सकते हैं कि यह सबको साथ लेकर चलने वाला, और सबके विकास के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट करता है ऐसा बजट हमारे वित्त मंत्री जी ने पेश किया है और मुझे खुशी है कि 100 दिन के अन्दर ही सरकार ने एक जबरदस्त और एक शानदार आगाज अपना इस बजट के माध्यम से किया है।बजट पर जब चर्चा होती है तो सामान्यतया आय और व्यय की ...

## बजट की साधारण चर्चा पर समय निर्धारण

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

अध्यक्ष जी एक-एक माननीय सदस्य के लिए कितना समय निर्धारित किया है।

**श्री अध्यक्ष**-

पांच-पांच मिनट में सब बोल लें।

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)**-

मान्यवर, पॉच मिनट कम हैं । हमारा यह कहना है कि पूरा विषय कम से कम आ जाए इसलिए 7-8 मिनट का समय जरूर दे दें।

**श्री अध्यक्ष**-

ठीक है। माननीय सदस्य मुक्त बोलिए।

बहुजन समाज पार्टी व कांग्रेस पाटी की ओर से कोई स्लिप आ जाएगी तो अच्छा रहेगा।

---

† दिनांक 13 जुलाई, 2017 की कार्यवाही से।

## वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा (क्रमागत)

***श्री पंकज सिंह-**

महोदय, बजट पर जब चर्चा होती है तो सामान्यतः आय और व्यय की चर्चा होती है, लेकिन मैं समझता हूँ कि यह बजट सिर्फ आय और व्यय का या रिसिप्ट और एक्सपेंडिचर का सिर्फ लॉग बुक ही नहीं है बल्कि यह किसी सरकार का पॉलिसी स्टेटमेंट होता है। यह बजट किसी सरकार के एक्शन प्लान के बारे में भी प्रदेश के लोगों को बताने का काम करता है कि सरकार का एक्शन प्लान क्या है। सरकार के पॉलिसी स्टेटमेंट के रूप में यह बजट काम करता है। यह भी कहा जाता है कि 'धनात् धर्मः ततः सुखम्' अर्थात जब धर्म के रास्ते से धर्म के रास्ते पर अगर धन का व्यय होता है, खर्च किया जाता है तो वह समाज के लिये, राष्ट्र के लिये, देश के लिये वह सुख का कारण बनता है। इस बात को कहते हुये मुझे गर्व है कि हम सब लोगों के पास धर्म के रास्ते पर चलते हुये समाज का हित करने के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर करके जो व्यक्ति आगे बढ़ा था वह आज उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री के रूप में यहॉ पर आसीन है और इतना तय है कि उनकी सरकार के द्वारा धन का जो भी व्यय इस उत्तर प्रदेश पर होगा वह निश्चित रूप से हमारे उत्तर प्रदेश के लिये सुख का कारण बनेगा, हित का कारण बनेगा, मैं बड़े विश्वास के साथ यह कह सकता हूँ। सामान्यतः यह देखा जाता है कि कितना खर्च किया गया, लोग उसी से सरकार का अन्दाजा लगाते हैं कि सरकार क्या चाहती है, सरकार की दिशा क्या है। जैसे समाजवादी पार्टी और अन्य दलों की तरफ से जब बजट पर चर्चा हो रही थी तो यह आया कि यह बजट ऐसा है, दिशाहीन है, दिशाशून्य है, लेकिन मैं समझता हूँ कि सरकार कहॉ पर कैसे और कितना खर्च करती है सिर्फ इसके आधार पर ही बजट कैसा है उसका निर्णय नहीं लिया जाता, बल्कि सरकार यह खर्च कहॉ पर और किनके लिये कर रही है, सही मायने में बजट का सही अर्थ तब देखकर निकाला जाता है कि धन कहॉ पर खर्च हो रहा है और मैं बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि यह बजट अंत्योदय का संकल्प लेकर चलने वाला यह बजट है और समाज के अन्तिम सीढ़ी पर बैठे हुये व्यक्ति के उदय के लिये, उनके उत्थान के लिये प्रतिबद्ध यह हमारे उत्तर प्रदेश का बजट इस बार आया है। यह बजट किसानों के लिये, मजदूरों के लिये, महिलाओं के लिये, अल्पसंख्यकों के लिये, दिव्यांगों के लिये समर्पित है। सामन्यतः यह देखा जाता है कि किसके ऊपर कितना खर्च किया गया, इसी से उस व्यक्ति को, उस वर्ग को बल मिला या बल नहीं मिला इस पर चर्चा होती है, लेकिन मैं समझता हूँ .....

(इस समय 01 बजे अधिष्ठाता श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही पीठासीन हुए)

कि सिर्फ धन के व्यय से ही किसी को कितना बल मिला इसकी चिन्ता नहीं होनी चाहिये, बल्कि उसका मान-सम्मान और उसके अन्दर के स्वाभिमान को बढ़ाने का कितना काम बजट ने किया या सरकार ने किया यह चिन्ता और डिस्कशन का प्वाइंट होना चाहिये।

मा0 अध्यक्ष जी, लम्बे समय से चर्चाएं सिर्फ इसी के इर्द-गिर्द घूमा करती हैं। मैं समझता हूँ कि किसी भी सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य तो यह होता ही है कि उसको वेलफेयर स्टेट के रूप में कंस्ट्रक्ट किया जाए, लेकिन वेलफेयर स्टेट के इस कंस्ट्रक्शन के साथ-साथ वह अपने प्रदेश को एक इनेबलर के रूप में, एक इनेबलिंग स्टेट के रूप में डेवलॅप किया जाए, यह भी सरकार की सबसे बड़ी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्राथमिकता होनी चाहिये और मैं समझता हूँ कि हमारे वित्त मंत्री जी ने, हमारे मुख्य मंत्री जी ने अपने उत्तर प्रदेश को एक वेलफेयर स्टेट होने के साथ-साथ एक इनेबलिंग स्टेट के रूप में भी कंस्ट्रक्ट करने का, डेवलॅप करने की जो प्रतिबद्धता दिखाई है यह काबिल-ए-तारीफ है, मैं इसकी पूरी तरह से सराहना करना चाहता हूँ। बहुत सारी योजनाएं दीनदयाल जी के नाम पर चली हैं और यह निश्चित रूप से जब उनके नाम पर चली हैं तो अपने आप उस योजना के नाम से ही लोगों में यह विश्वास पैदा हो जाता है कि यह बजट, यह कार्यक्रम, यह योजना समाज के अन्तिम सीढ़ी पर बैठे हुये व्यक्ति की चिन्ता करके बनाई गयी है। दीनदयाल उपाध्याय जी ने बहुत समय पहले कहा था कि प्रत्येक भारतवासी हमारे रक्त का और हमारे शरीर का हिस्सा है और हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक कि इस देश के गॉवों में रहने वाले गरीबों, मजदूरों की अन्तिम सीढ़ी पर बैठे हुये, विकास की दौड़ में पीछे हो गये व्यक्ति को हम जब तक यह विश्वास यह अहसास नहीं करा देंगे कि वह भी भारतमाता की लाडली संतान है तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। यह बजट उस वर्ग को यह अहसास कराने वाला बजट है, इसके लिये मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 वित्त मंत्री जी की भी भूरि-भूरि सराहना करना चाहता हूँ। उत्तर प्रदेश में बड़ी-बड़ी चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष की तरफ से भी बड़ी-बड़ी बातें आई। मेरी तो सच में समझ में नहीं आ रहा था कि यह नये सदस्यों को सही शब्दों का उपयोग करके आगे बढ़ने की दिशा दे रहे हैं या फिर सही बातों का भी गोलमोल जवाब देने का काम कर रहे हैं, लेकिन मैं उनको भी और सदन के सभी सदस्यों को यह याद दिलाना चाहता हूँ कि वर्ष 1970 में जैसे एक दल ने नारा दिया था गरीबी हटाने का तो गरीबी तो नहीं हटी लेकिन गरीबों की संख्या जरूर बढ़ती चली गई, फिर उसके बाद कुछ लोग धरती पुत्र के रूप में कहलाये। कुछ लोगों ने शोषित और वंचितों के नाम पर राजनीति करने का काम किया, लेकिन मेरी यह समझ में नहीं आ रहा है कि कल बड़ी चर्चा हुई किसानों के विषय में भी, किसानों का हितैषी दिखाने के लिए भी पूरी तरीके से कोशिश की गई विपक्ष के द्वारा लेकिन मेरी समझ में नहीं आता कि वर्ष 1970 में गरीबी हटाने का नारा और फिर उसके बाद धरती पुत्र कहलाने का काम किया गया और फिर उसके बाद वंचितों और शोषितों का मसीहा दिखाने की कोशिश की गई लेकिन किसानों का 36000 करोड़ रूपये का कर्ज माफ करने की बात किसी के जहन में अभी तक क्यों नहीं आई यह मेरी समझ में नहीं आता है। कल कांग्रेस के नेता की तरफ से भी बयान आया और उन्होंने पंजाब की बात बताई, लेकिन शायद उन्होंने यह आंकड़ा नहीं देखा कि पंजाब में भले ही किसानों के दो लाख रूपये तक का कर्ज माफ किया गया हो, लेकिन उसके बावजूद उत्तर प्रदेश का 36000 करोड़ का लगभग आधा बजट पंजाब में खर्च किया गया है। यहां पर 36000 करोड़ के साथ लगभग 86000 लाख किसानों को यह लाभ दिया गया है, शायद उस तरफ उनका ध्यान नहीं गया था। मैं कह सकता हूँ कि जैसे उत्तर प्रदेश में नौजवानों को प्रदेश का, देश का भाग्य विधाता कहा जाता है, नौजवानों के मजबूत कन्धों को देश का भविष्य कहा जाता है और नौजवानों की चिंता इस सरकार ने की है। इन्क्यूवेटर्स स्थापित करने की बात की गई, इण्डस्ट्री के क्षेत्र में रोजगार प्रोत्साहन देने के लिए योजना चालू की गई। स्पेशल इन्वेस्टमेण्ट बोर्ड के लिए पॉच करोड़ रूपये दिये गये हैं। यह सब काम अगर हुआ है तो नौजवानों के हाथ-पैरों को मजबूत करने के लिए किया गया है। पिछली सरकारों ने लोक लुभावन बजट तो पेश किये होंगे, बेरोजगारी भत्ता की बात उन्होंने की होगी। किसी भी वेलफेयर स्टेट में यह सब कार्यक्रम चलने चाहिये मैं उनके विरोध में नहीं हूँ, लेकिन उसके साथ-साथ नौजवानों के हाथों को मजबूत करने का काम भी विशेष रूप से चलाया जाना चाहिये, जिसकी कमी पिछले पन्द्रह साल की सरकार में देखने को मिली है क्योंकि जब कोई नौजवान लाईन लगाकर बेरोजगारी भत्ता के लिए हाथ फैलाकर किसी के सामने खड़ा होता है और उसके बाद भी उसको बेरोजगारी भत्ता तो नहीं मिलता है, लेकिन पुलिस प्रशासन की अगर लाठी खाने को मिलती है तो आप यह समझ सकते हैं कि नौजवान का स्वाभिमान कितने टुकड़ों में चूर-चूर होता होगा इसकी कल्पना की जा सकती है। हमारी सरकार यह चाहती है कि नौजवानों के लिए हम

ऐसा माहौल बनाने का काम करें जो बजट में साफ तौर पर दिखता है कि हमारे उत्तर प्रदेश के नौजवान को किसी नेता और किसी भी दल के सामने हाथ फैलाने की जरूरत न पड़े, बल्कि वह अपने पैरो पर मजबूती के साथ खड़ा होकर वह अपने घर पर रहकर, अपने गांव पर रहकर वह अपने माता-पिता और अपने समाज की सेवा कर पाये। हम सब लोग ऐसा माहौल देना चाहते हैं।

यह साफ-साफ सा इस बजट में दिखाई देता है। अब कल चर्चा हो रही थी तो नेता विपक्ष बार-बार इस बात पर जोर दे रहे थे कि सड़क बनाई गई, सम्पर्क मार्ग बनाये जा रहे हैं। गन्ना किसानों के लिए अगर सम्पर्क मार्ग बनता है तब भी उनको आपत्ति है, किसानों को अपनी फसल को शहर तक पहुंचाने के लिए अगर सड़क मार्ग बनता है, धन खर्च किया जाता है तो इसमें उनको आपत्ति दिखाई देती है, लेकिन पिछली सरकार ने पॉच साल में अगर कोई अपनी उपलब्धि दिखाने का काम किया था, तो सिर्फ अपने एक्सप्रेस-वे की उपलब्धि दिखाने का काम किया था। इस पर भी उनको जवाब देना चाहिये था। स्वदेश दर्शन योजना के तहत अयोध्या, वाराणसी, मथुरा में रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट और कृष्ण सर्किट बनाने की जो बात कही गई मैं इसके लिए भी वित्त मंत्री को बधाई देना चाहता हूँ क्योंकि किसी भी देश, किसी भी प्रदेश में जो वहां की सांस्कृतिक ताकत होती है जो वहां की संस्कृति होती है उसको भी बढ़ाने की कोशिश होनी चाहिए जो कि इस बजट के माध्यम से पुरजोर तरीके से किया गया है। मान्यवर, बड़े-बड़े देश देशों के बारे में हम लोगों ने सुना है कि ''यूनान, मिस्र, रोम सब मिट गये इस जहां से, कुछ बात तो हममे होगी जो हस्ती मिटती नहीं हमारी'' तो मैं समझता हूँ कि यह विपक्ष के लोगों को भी समझना होगा कि यह हस्ती अगर हमारी नहीं मिटती है तो इसका कारण यदि कुछ है तो हमारे देश की यही आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ताकत जो है यही हमारी हस्ती को बनाकर रखने का काम करती है और इस संस्कृति को बनाये रखने के लिए, जीवित रखने के लिए जो राम रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट और कृष्ण सर्किट का जो काम लिया गया है यह निश्चित रूप से काबिले तारीफ है और इसके लिए मैं अपने मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी की भूरि-भूरि सराहना करना चाहता हूँ। मान्यवर, हमारा यह कमिटमेंट है कि ह्यूमेन डिगनिटी और ह्यूमेन हेल्थ को बनाये रखने का संकल्प हमारे इस बजट में साफ-साफ दिखाई देता है। मान्यवर, चर्चा बजट पर जब हो रही है तो मैं यह कह सकता हूँ यह बजट वाकई में एक फाईनेंसियल विजडम को दर्शाने का काम करता है। मान्यवर, आर्थिक रूप से जो बुद्धिमत्ता दिखानी चाहिए थी, जो सूझबूझ दिखानी चाहिए थी उसको दर्शाने का काम इस बजट के माध्यम से हमारे वित्त मंत्री जी ने किया है। मान्यवर, फिजिकल डेफिसिट जो 4.4 प्रतिशत था पहले उसको घटाकर 3 प्रतिशत के नीचे लाने का काम किया गया है और कई सालों में पहली बार प्राइमरी डेफिसिट को पूरी तरह से रिमूव करते हुए प्राइमरी सरप्लस को 0.2 प्रतिशत से बढ़ाने का काम किया गया है। इस तरह का काम शायद पिछले कई सालों में पहली बार उ0प्र0 में देखा गया है और सिर्फ इस तरीके की यहां पर डिसिप्लिन, फिजिकल परफार्मेंस उ0प्र0 की सरकार के द्वारा जो इस्टीमेट दिया गया है वह इसमें दर्शाया जा रहा है। मान्यवर, मैं यह कह सकता हूँ कि हम सब लोग भी वैसे ही जैसे कि महाराष्ट्र में, जैसे कि गुजरात में, जैसे कि मध्य प्रदेश में, जैसे कि छत्तीसगढ़ में अपने डेब्ट को जो 32 प्रतिशत हमारे उ0प्र0 का हुआ करता था उसे इस बार घटाकर 28.6 करने का काम किया गया है। वह निश्चित रूप से उन राज्यों की तरफ भी जहां पर कहीं 23, कहीं पर 26 और छत्तीसगढ़ में मैं समझता हूँ कि वहां पर काफी नीचे डेब्ट, जी0डी0पी0 का लाने का काम वहां की सरकारों ने किया है। उसी रास्ते पर हमारी यह सरकार भी आगे बढ़ी है। मान्यवर, कृषि के क्षेत्र में भी छत्तीस हजार करोड़ रूपये देकर किसानों के दर्द को समझने का काम यहां की सरकार ने किया है और जो इकोनॉमिक ग्रोथ 15.8 प्रतिशत का टारगेट किया गया है यह तो हमारे यूनियन बजट में भी जो 11.7 दशमलव का जो ग्रोथ रेट दिखाया गया है उससे भी कहीं अधिक है। मान्यवर, मैं समझता हूँ कि हमारे वित्त मंत्री जी ने चुनौती को स्वीकार

करके आगे बढ़ने का काम किया है और जो टैक्स रेवेन्यू है उसमें भी बहुत अच्छी ग्रोथ जो दिखाई गयी है वह लगभग 24 प्रतिशत की ग्रोथ दिखाई गयी हैा सिर्फ कैपिटल एक्सपेंडीचर कम हो गया उसको तो बताने का काम किया है लेकिन जो रेवन्यू एक्सपेंडीचर जो बढ़ाया गया है उसको बताने का काम विपक्ष की तरफ से नहीं किया गया था। मान्यवर, पुलिस भर्ती करने की बात कही गयी है और आज उ0प्र0 में सबसे ज्यादा 50 प्रतिशत की वेकेंसी पुलिस फोर्स में यदि कहीं पर है तो शायद पूरे देश भर में सबसे ज्यादा वेकेंसी हमारे उ0प्र0 में है। और, जो भर्ती इस बार सरकार के द्वारा कराने का लक्ष्य रखा गया है उस भर्ती के होने के बाद भी यह घटकर नीचे 41 प्रतिशत के आसपास आ जाएगा। फिर भी वह वेकेंसी 41 प्रतिशत लगभग बची रहेंगीं तो अभी इतनी आवश्यकता है लेकिन इन सब चीजों की तरफ पिछली सरकारों ने मैं समझता हूँ कि ध्यान देने का काम नहीं किया था। कानपुर, फैजाबाद, बांदा, मेरठ, इलाहाबाद में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सोलर फोटोवोल्टिक इरीगेशन के लिए 125 करोड़ और जो क्रिटिकल विकास खंड हैं उनके लिए भी स्प्रींकलर्स के लिए भी धन आवंटित किया गया है। तो इरीगेशन से लेकर हर क्षेत्र में जहॉ-जहॉ भी आवश्यकता है किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए उस क्षेत्र में सरकार की तरफ से प्रयास किया गया है।

इसके लिए मैं सरकार को बधाई देना चाहता हूँ। सबसे बड़ा रेवेन्यू तो सेल्स टेक्स की तरफ से आता था। और इस साल भी जो एक जुलाई से प्रारम्भ हुआ है जी0एस0टी0 के माध्यम से भी इस सरकार को एक अच्छा सरप्लस होगा। जो केंद्र सरकार ने पारित किया और यहॉ उत्तर प्रदेश सरकार ने पारित किया है मैं समझता हूं कि जी0एस0टी0 के पास होने के बाद भी सबसे बड़ा पहला बजट किसी ने पास किया है तो हमारे उत्तर प्रदेश ने पास किया है। इसमें भी बड़ी भूमिका उत्तर प्रदेश की रही है। और 1947 में एक तरह से जब देश का पालीटिकल इंटीग्रेशन शुरू हुआ और मैं समझता हूँ कि इस साल जी0एस0टी0 लाकर हमारे प्रधानमंत्री जी ने इस देश का इकानोमिक इंटीग्रेशन शुरू करने का जो काम किया है और उसको उत्तर प्रदेश सरकार ने पारित किया है तो उसका भी लाभ हमारी सरकार को हमारे बजट में निश्चित रूप से मिलेगा। यह भी इस बजट को देखकर मैं कह सकता हूँ। कहा जाता है कि आर्थिक स्थिति चाहे जितनी भी अच्छी क्यों न हो लेकिन जब तक मानसिक स्थिति ठीक नहीं होती है तब तक उसका आनन्द नहीं लिया जा सकता है। तो विपक्ष के लोग अगर मानसिक स्थिति को दुरूस्त करते हुए यह जो बजट पेश किया गया है उसको समझने के लिए अपनी मानसिक स्थिति को ठीक रखकर समझेंगे तो निश्चित रूप से वह भी उसका आनन्द लेंगे। यह कहा जाता है कि घर में चाहे जितना बड़ा सोफा सेट हो डिनर सेट क्यों न हो बाकी जो भी सेट रखना हो घर में सब सेट रख दीजिए लेकिन अगर माइंडसेट अगर ठीक नहीं है तो इन सब सेट का आनन्द नहीं लिया जा सकता। कई चीजों को स्वीकार करने के लिए अगर बोल्डली उसको स्वीकार किया जाये और स्वीकार करने की नीयत होनी चाहिए। अगर कहीं पर कोई गलती है तो उसको स्वीकार करने के साथ-साथ उसमें सुधार करने की हिम्मत भी अपने आप में होनी चाहिए। और मैं देखता हूँ कि इधर से इधर चले जाने का दुख भी कई बार दिखायी देता है। लेकिन मैं कह सकता हूँ कि अगर कोई व्यक्ति अपनी गल्तियों को स्वीकार करते हुए अगर उसमें सुधार करने की नीयत रखे तो बहुत ऊँचाइयों पर जा सकता है। यह भी इधर से उधर आ सकते हैं। लेकिन वह इसलिए नहीं आ पायेंगे क्योंकि वह स्वीकार करने की नीयत और सुधार करने की हिम्मत दोनों ही नहीं रखते हैं। इसलिए वह इधर से उधर आ ही नहीं पायेंगे। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करते हुये यही कहूंगा कि उत्तर प्रदेश का जो इतिहास रहा है वह बहुत गौरवशाली रहा है। तो मैं कह सकता हूँ कि ''गौरवशाली था इतिहास हमारा भविष्य भी महान है अगर संभाल लें हम जो वर्तमान है।'' तो वर्तमान को संभालने की जो कवायद इस बजट में दिखी है मैं इसके लिए सरकार को मा0 मुख्य मंत्री जी को और मा0 वित्त मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देते हुए अपनी शुभकामनायें देते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

औद्योगिक विकास मंत्री (**श्री सतीश महाना**)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, विधान सभा में पहली बार निर्वाचित होकर आए सदस्य, भाई पंकज सिंह जी ने बहुत प्रभावी ढंग से अपनी बात रखी, मैं उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। मान्यवर, विगत 15 वर्षों के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश का हाल एक अन्धकारमय स्थिति के अन्तर्गत था। लोगों के मन में एक निराशा हो गयी थी कि कभी यहॉ पर सवेरा नहीं हो सकता, रोशनी नहीं हो सकती। तो जो उन दिनों हाल थे, उनको तीन लाइनों से प्रारम्भ करता हूँ कि -

'घुप अंधेरा पार कुछ दिखता नहीं था, फिर भी आशा का दीया बुझता नहीं था।
फिर एक दिन सूर्य भेदेगा तिमिर को, रात का जीवन कभी रहता नहीं।'

तो मान्यवर, सूरज उगा, अधेरा छटा, कमल खिला और विश्वास जगा। इसीलिए मान्यवर, आज पूरे प्रदेश में एक आशा और विश्वास के साथ जनमानस ने यह स्वीकारा है कि भारतीय जनता पार्टी की आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में जो सरकार बनी है, यही वह अविश्वास को विश्वास में बदलेगी, यही उस अंधकार से रोशनी की तरफ लेकर जायेगी, यही उस अविश्वास को विश्वास की तरफ बढ़ाने का काम करेगी। माननीय नेता विरोधी दल हैं नहीं, मान्यवर, जब मैं कल इनका भाषण सुन रहा था तो मुझे याद आया था, एक सिनेमा देखा था, उस सिनेमा का नाम था, सदमा (हॅसी)। उसमें जो हीरोइन थी, उसको बचपन में कोई सदमा लगा गया था, वह उससे निकल ही नहीं पा रही थी, वह लड़की उम्र में बड़ी तो हो गयी थी, लेकिन बचपन से निकल नहीं पा रही थी। मान्यवर, चुनाव परिणाम से इनको इतना सदमा लगा कि आगे की सोच ही नहीं पा रहें है और पिछले का पिछला सारा भाषण यहॉ पर देकर चले गए कि सारे लोग परेशान थे, नौजवान परेशान था, किसान परेशान था, महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा था। तो पिछले का पिछला सारा रिकार्ड मान्यवर, उस सदमे के कारण यहॉ पर पूरा का पूरा प्रलाप करके नेता प्रतिपक्ष यहॉ से चले गए। उन्होंने यह बात कही, जिस समय मैं वहॉ पर बैठता था तो मैंने एक बात कही थी कि हम आ रहे हैं और आप जा रहे हैं। तो उन्होंने कहा था कि महाना जी की बात के ऊपर विश्वास नहीं होता था लेकिन उनकी बात सच्ची निकली, हम गलतफहमी में थे। मान्यवर, यह उन्होंने यहॉ पर स्वीकार किया। मान्यवर, वह यहॉ आते तो मैं उनको बताता कि वह कल भी गलतफहमी में थे और आज भी गलतफहमी में हैं। अभी यहॉ से वहॉ पहुँचे हैं और अगली बार वहॉ से बाहर निकलने का रास्ता है, मान्यवर। इस आधार के ऊपर सारा उन्होंने बतला दिया। उन्होंने कहा कि हमने छला है, किसानों को। जिस समय 2012 के चुनाव में यह जनता के बीच में गए थे, इन्होंने कहा था कि किसानों का ऋण माफ करेंगे, लेकिन इन्होंने नहीं किया और जब हम सरकार में आए, हमने कहा कि हम किसानों का फसली ऋण माफ करेंगे, हमने किया और 36 हजार करोड़ रूपये का इस बजट में प्राविधान करके किया। जब तक बजट नहीं आया था, तब तक यह पूछ रहे थे कि आप करेंगे कैसे? क्योंकि इनकी न तो सोच थी, न समझ थी, अब जब बजट आ गया, जैसा अभी पंकज जी कह रहे थे कि इन्होंने उसकी चर्चा ही नहीं की कि 36 हजार करोड़ रूपया आपने माफ कर दिया। मान्यवर, यह केवल किसान के बारे में बातचीत करते हैं, कहते हैं कि हम असली किसान हैं। अगर असली किसान होते तो किसानों के हित के बारे में सोचते जो 2012 में किये गए वायदों को पूरा करने का प्रयास करते, इन्होंने प्रयास भी नहीं किया। बजट, मान्यवर, सरकार की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है और उस प्रक्रिया के अन्तर्गत ये कल बता रहे थे कि मेरे पास अखिलेश यादव जी के भी बजट की कापी है, मेरे पास माननीय वित्त मंत्री, राजेश अग्रवाल जी ने बजट रखा, उसकी भी कापी है, मैं भी सारी कापियॉ ले कर आया हूँ। पता नहीं उन्होंने कौन सा पेज पढ़ लिया और कह रहे हैं कि हमारा सबसे बड़ा बजट है, अखिलेश यादव जी का इससे बड़ा बजट था तो कौन सी किताब पढ़ कर आये हैं, मुझे पता नहीं है, दोनों मेरे पास भी बजट हैं। यहॉ होते तो मैं उनको बताता कि कौन-कौन से बजट वह पढ़ कर आए हैं।

**श्री अधिष्ठाता-**

हो सकता है कि इसी वजह से वह चले गए हों।

(हँसी)

**श्री सतीश महाना-**

हो सकता है, मान्यवर, यह तो उनको मालूम है। मान्यवर, हमने कहा हम जनता के लिए हैं, जनता के बजट की सबसे पहले प्लानिंग होती है, वह बजट एक औपचारिकता के लिए है, क्योंकि सरकार के पास जनहित के अन्तर्गत पैसा खर्चा करने के लिए बजट होता है जनता के लिए उन्होंने कभी उसकी प्लानिंग नहीं की, उन्होंने पिछला बजट कापी उतार कर देख लिया इसमें इतना किया था, तो इतना कर दो, इतना किया था तो इतना कर दो। बजट की मान्यवर सबसे महत्वपूर्ण बात होती है उसकी प्लानिंग ठीक करिये तब बजट प्रस्तुत करिये और बजट का रिम्बर्समेण्ट के बाद उसकी मॉनीटरिंग करना, बजट को सिर्फ प्रस्तुत कर के उसका पैसा रिलीज कर देने की बात नहीं होती। उन्होंने कहा कि इतने-इतने करोड़, बता रहे थे मा0 नेता प्रतिपक्ष इतने करोड़ इतने सौ इतने लाख, उनसे पूछे कि जब सौ लाख हो जाता है तो करोड़ की संख्या में आ जाता है। कल हमने उनका भाषण सुना मान्यवर, उन्होंने कहा कि 32 करोड़ 518 लाख, 32 करोड़ के बाद सौ लाख अगर होते हैं तो करोड़ में आ जाता। तो उन्हें यह भी नहीं मालूम था कि क्या करना है, कहां से पढ़ाई शुरू करनी है। हजार को लाख बना रहे हैं, हो सकता है मान्यवर, इन्होंने किसी एक मद में जहां पर इनको लगा होगा कि ये पैसा उस विभाग में रिलीज करने के बाद सरकार के और सरकार के लोगों के द्वारा भ्रष्टाचार के रूप में काम आ सकता है, तो उस मद के अन्तर्गत उन्होंने पैसा रिलीज न किया हो। मान्यवर, उसके बहुत सारे उदाहरण हैं, अभी सबेरे मा0 मुख्यमंत्री जी जवाब दे रहे थे खनन के ऊपर, जितना मान्यवर खनन में पूरा पिछले वित्तीय वर्ष में इनका रेवेन्यू था सरकार का लगभग 15-16 सौ करोड़ रूपये, हमारी सरकार में मान्यवर यह लगभग 7 से 8 गुना, दस हजार करोड़ से ज्यादा वह रेवेन्यू हो गया, क्योंकि हमे सारा का सारा पैसा सरकारी खजाने में डालना है। उनकी सरकार में जितना पैसा आता था, उससे ज्यादा पैसा उन लोगों की जेब में जाता था, जो लोग उसके लिए जिम्मेदार थे और आज सलाखों के पीछे हैं। मान्यवर इन्होंने कभी सोचा नहीं कि जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा किस प्रकार से आता है, हमे बता रहे हैं कि हमने किसान को छला, किसान के लिए जो भारत सरकार ने कृषि बीमा योजना के लिए, फसल बीमा योजना के लिए मान्यवर, योजना लेकर आये, ये दो साल में उसकी एजेन्सीज नहीं तय कर पाये, एजेन्सी तय कर देते मान्यवर कौन सी इन्श्योरेन्स कम्पनी से उनको करना है, तय कर देते तो शायद किसान को उसका लाभ मिल गया होता, यह मान्यवर यह भी नहीं तय कर पाये, अगर किसान के इतने हितैसी थे तो किसान को फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकता था, लेकिन इन्होंने वह नहीं किया। यह बैठे होते तो मैं इनको बताता, दिखा रहे थे कि इतना कम हुआ, इतना कम हुआ, मेरे पास बहुत सारे स्टेप हैं, कृषि एवं सम्बद्ध कार्यक्रम के लिए मान्यवर 2016-17 में 29771 करोड़ रूपया बजट में था, हमने जो बजट पेश किया मान्यवर, उसमें 67682 करोड़ रूपया कृषि और कृषि सम्बद्ध कार्यक्रम में 37910 करोड़ रूपये का अन्तर है, वह तो लाख में बता रहे थे, यह रिकार्ड पर है, जो हमने बजट पेश किया उसके रिकार्ड में है, लाख में बता रहे थे, इतने लाख, इतने हजार, 37910 करोड़ रूपया मान्यवर बढ़ा ।

ये बता रहे थे कि हमने महिलाओं को छला, महिलाओं ने मान्यवर उस पॉच साल के कार्यकाल में कैसे अपनी अस्मिता बचाई, हम लोगों को कभी-कभी शर्म आती थी यहां पर उनकी बातें कहने के लिए खड़े होते थे तो मन संकोच के कारण झुक जाता था, क्योंकि हमारी बहन-बेटियां यहां भी सदन के अन्दर थी, हम बोल नहीं सकते थे मान्यवर, वह परिस्थितियां थीं महिलाओं के बारे में, महिलाओं का ये सम्मान करेंगे और दुर्भाग्य से मान्यवर किसी भी आतातार्इ के द्वारा किसी भी प्रकार

की कोई अभद्र घटना कर दी गई हो, उसके लिए मान्यवर, यहां से इस सीट से बैठ कर उसके लिए गुणगान किया जाता था, उसको राजनीतिक दृष्टि का नाम दिया जाता था, इस पर सुप्रीमकोर्ट ने भी संज्ञान लेकर मान्यवर उसकी भर्त्सना की थी, उसकी निन्दा करने का काम किया था, ये था क्या सरकार का काम, सरकार में बैठे हुए लोग मान्यवर इस प्रकार की भाषा और इस प्रकार के भाषण देने का काम करते थे, असंसदीय बात कह कर अपने आप को बड़ा बनाने का काम करते थे। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ मान्यवर जिस प्रकार से काण्ड होते थे, शर्म की बात है मैं उसको दोहराना नहीं चाहता मान्यवर हम वहां पर बैठ कर किस प्रकार से उन बातों को उठाते थे और सरकार में बैठे वह लोग हँसते थे, अफसोस करने की जगह मान्यवर अगर इन काण्डों के ऊपर कोई हँसेगा और राजनीति करेगा उससे खराब आदमी और कोई नहीं हो सकता। कल गंगा मइया की बात कर रहे थे कि गंगा हमारी माँ है मैंने कहा कि जरा विधान मण्डल दल के अन्तर्गत कह कर के तो देख लो और प्रस्ताव पारित कर के देख लो कि गंगा हमारी माँ है तो हम आपको मान जायेंगे कि गंगा आपकी माँ है। वन्दे मातरम जैसे गीत अपने मुह से बोलने का काम नहीं करते थे जिनसे वन्दे मातरम बोला नहीं जा सकता है और ये देश की संस्कृति की बात करेंगे और वन्दे मातरम और गौ की बात करेंगे। अच्छा होता कि वे यहां पर होते। देश की संस्कृति के बारे में देश के गौरवशाली इतिहास के बारे में बात कर रहे हैं। केवल सरकार में रहकर कुछ समय के लिए उसका सत्ता सुख भोग लें सरकार में रहकर उसका आनन्द लेले मान्यवर, इसलिए सरकारें नहीं बनती। सरकारें जनमानस की सेवा के लिए बनती हैं और वो सेवा का संकल्प जो हमारे मुख्यमंत्री और हमारी सरकार ने दिया हम उस सेवा के संकल्प को पूरा करके मान्यवर जनता की सेवा करने का काम करेंगे। केवल बजट प्रस्तुत करके इतिश्री का काम नहीं करेंगे। ये कहते हैं इन्होंने नौजवानों के लिए महिला कल्याण की बात की। महिला और बाल कल्याण विभाग के द्वारा मान्यवर, 2016-17 में पांच हजार नौ सौ छप्पन करोड़ रुपये का बजट था और 2017-18 में छ हजार तीन सौ तिरपन, तीन सौ छियानबे करोड़ रूपये उसको बढ़ाया है। निराश्रित, विधवा के लिए जो पेंशन दी जाती थी। 2016-17 में छः सौ सैंतिस करोड़ रुपये था 2017-18 में ग्यारह सौ उन्तीस करोड़ रूपये, चार सौ बानबे करोड़ रुपये बढ़ा है। जाने कहां से ये आकड़े लेकर आ गये। गणित कमजोर है इनकी। वृद्धावस्था में 2016-17 में चौदह सौ करोड़ थे, 2017-18 में अट्ठारह सौ पच्चासी करोड़, अन्तर चार सौ पच्चासी करोड़। सारे के सारे आकड़ों के अन्तर्गत बात कर रहे हैं। पुलिस की बात बता रहे थे कि सारी की सारी पुरानी गाड़ियां हमने बदल दी और नई गाड़ियां लेकर आ गये, मान्यवर सरकार धमक और इकबाल से चलती है जो गाड़ियां ये लेकर आये थे, उसमें बैठे हुए पुलिस कर्मचारी उस समय दलाली का काम करते थे जाकर पैसे वसूलने का काम करते थे। आज जनता का और जन मानस का काम करने के लिए उनको हिदायत दी गयी है। उस आधार पर काम करते हैं। पुलिस का बजट बता रहे थे, पुलिस का बजट 2016-17 में पन्द्रह हजार छब्बीस करोड़ रुपये था जो 2017-18 में सोलह हजार एक सौ सोलह करोड़ रूपये, दस हजार नवासी करोड़ रुपये। कहां से ढूंढ रहे थे। उन परिस्थितियों में जिन परिस्थितियों में हमने किसान को कहा था कि हम आपका कर्जा माफ करेंगे और हमने उसको पूरा किया, कह रहे हैं कि उसके पास कर्जा बाकी नहीं था तो माफ कहां से कर दिया। अरे कर्जा बाकी नहीं था तो आप यहां पर बैठ कर बोल रहे थे कि नौजवानों के लिए परेशान हैं।

सड़कों के बारे में भी बता रहे थे, सड़क बता रहे थे कि इनके जमाने में सड़क सही थी, हमने सरकार बनते ही, हमारे मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हम गड्ढा मुक्त कर देंगे। मान्यवर, गड्ढ़ा मुक्त कौन सी सड़कों को करना था। सरकार बनने के बाद ही 15 दिन में ही माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह निर्देश दिये कि हम सड़कों को गड्ढा मुक्त करेंगे तो विरासत में क्या मिला, एक लाख बीस हजार किलोमीटर सड़क गड्ढा युक्त। गड्ढ़ा युक्त मिली तभी तो गड्ढ़ा मुक्त करेंगे। कह रहे हैं कि आपने गड्ढ़ा मुक्त नहीं किया अरे गड्ढे कितने दे गये थे, वह भी तो बताते। बताते कि इतने गड्ढे

देकर गये थे, उतने गड्ढों में से आपने इतने गड्ढ़े ठीक कर दिये, अब इतने गड्ढे बाकी हैं। आपने तो कहा था कि एक लाख बीस हजार किलोमीटर गड्ढे मुक्त कर देंगे अभी तो आपने सिर्फ अस्सी पच्चासी हजार गड्ढा मुक्त किये होंगे, आपने कितनी मेहनत की होगी, उन गड्ढों को बनाने में। बता रहे हैं कि चारो तरफ परेशानी है, लोग परेशान हैं। लोग परेशान थे तभी मान्यवर, आपको यहां से वहां पर सिर्फ भेजा ही नहीं उन सीमाओं के अन्तर्गत सीमित कर दिया गया, जिन सीमाओं से कभी आप उठ नहीं सकते और आपको बाहर जाने का रास्ता मिलेगा। यह 325 लोग यहां पर बैठे हुए हैं जो जनता ने विश्वास करके यहां पर भेजने का काम किया है। विकास की बात करते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी के जो संकल्प ध्येय वाक्य है, हम सबका साथ, सबका विकास। पिछला जब दो-तीन दिन का सत्र हुआ था तो उसमें एक बात मैंने कही थी तो सारे लोग खड़े हो गये। पहले कुछ लोगों का साथ और कुछ लोगों का विकास की बाते थीं। नौजवानों की नौकरी की बात करते हैं। पिछले 5 साल में मान्यवर जो भी नौकरियों के लिए सरकार लेकर आई है हर नौकरी के अन्तर्गत सुप्रीमकोर्ट ने उसके ऊपर स्टे कर दिया क्योंकि उसमें कहीं न कहीं भ्रष्टाचार नजर आता था। उसकी सूची जो होती थी, कुछ जिलों तक, कुछ व्यक्तियों तक सीमित रह जाती थी, मान्यवर हम जाति की बात नहीं करते लेकिन वहां तक भी सीमित रह जाती थी। अगर उन्हीं की जाति के लोगों को देना था तो प्रदेश में और भी जिले थे। जहॉ पर योग्य लोग किसी भी जाति के हो सकते थे। हम जाति के आधार पर राजनीति नहीं करते। हम सबका साथ सबके विकास की बात करते हैं। मान्यवर, इन्होंने सबका साथ और सबका विकास तो छोड़ो। इन्होंने किसान जो इस देश की आत्मा कहा जाता है उसमें से साम्प्रदायिक आधार पर उनके बीज का रेट तय करने का काम अगर किसी ने किया था तो इन लोगों ने किया था कि इस वर्ग के लोग आऍंगे तो उनको बीज का ये दाम मिलेगा और इस वर्ग के लोग आऍंगे तो उनको 400 रुपये बढ़ा करके मिलेगा। मान्यवर, क्या कुसूर है उनका, देश में रहने वाले किसान को भी जाति के अन्तर्गत बॉटने का जो काम करते थे, वे हमको बताऍंगे कि हम सबका साथ और सबका विकास कैसे करेंगे। मैंने कहा कि यहॉ होते तो बातचीत होती। अब आने लायक रहेंगे नहीं तो आऍंगे क्या। मान्यवर, आज बहुत बड़ी-बड़ी बातें हो रही हैं। एक राजनीतिक दल के मुखिया ने, अब मुखिया कौन है, कौन नहीं है, ये आपस में तय करेंगे लेकिन जो रहे, उन्होंने कहा कि उनके मुख्यमंत्री रहते हुए उनके एक जो नजदीकी रिश्तेदार थे, जो मंत्री थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने बड़े घपले किए, हमने तो उनके ऊपर कृपा की कि उनकी जांच नहीं कराई। मान्यवर, यह कहा गया कि हमने उन मंत्री के ऊपर कृपा की कि उनकी जांच नहीं कराई। इसका मतलब आपने प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया कि कोई भ्रष्ट व्यक्ति वहॉ पर बैठा हुआ था उसकी जांच न कराकर आप अपने आपको ईमानदार साबित करना चाहते थे। आप क्या चाहते थे कि आपने किसी भ्रष्टाचारी के खिलाफ जांच नहीं कराई तो आप ईमानदार हो जाऍंगे क्या। मान्यवर, यह उनके द्वारा दिया गया वक्तव्य है, उन्होंने इस बात को कहा है कि उनकी सरकार में जो कुछ हुआ, उन्होंने बड़ी कृपा की कि उनके खिलाफ उन्होंने जांच नहीं कराई। मान्यवर, मेरे पास बहुत सारी चीजें हैं। बिजली की बात कर रहे थे। मान्यवर, मैं जब वहॉ था तो मई, जून में मैंने यहॉ पर यू0पी0पी0सी0एल0 का जो चार्ट होता है कि किस जिले में, कितने घण्टे बिजली गई। मान्यवर, मैंने यहॉ दिखाया था। हमारे मा0 सदस्य बैठे हुए हैं, आप उस विधान सभा में थे। मैंने दिखाया था कि तीन घण्टे यू0पी0पी0सी0एल कह रहा है कि तीन घण्टे बिजली देते हैं, ऑन रिकार्ड है। मान्यवर, मुझे भी कई वर्ष हो गए हैं इस सम्मानित सदन के सदस्य के रूप में रहने का मुझे सौभाग्य मिला है। मैंने दिखाया था कि ये चीज लिखी हुई है कि आप तीन घण्टे बत्ती दे रहे हैं, चार घण्टे बत्ती दे रहे हैं। अब हमने कहा है कि हम गॉव में 18 घण्टे देंगे तो कह रहे हैं कि आप 18 घण्टे नहीं दे रहे हैं साढ़े सत्रह घण्टे दे रहे हैं। हमने यह वादा किया है प्रदेश की जनता के साथ, पावर फॉर ऑल का एग्रीमेण्ट करने के लिए भारत सरकार के मा0 ऊर्जा मंत्री प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री से बात करना चाहते

थे। ये बात करने के लिए तैयार नहीं थे। कहते थे हम बात नहीं करेंगे, हमने कहा क्यों नहीं करोगे भइया बात। अरे, हम बात करेंगे तो फिर बिजली देनी पड़ेगी। आप में बिजली देने की इच्छा शक्ति ही नहीं थी। हमने वादा किया है कि हम 2018 तक 24 घण्टे बिजली हेड क्वार्टर्स पर देंगे, शहरों में देंगे। सब लोगों को देंगे, हर घर और हर किसान को हमने 2018 तक 24 घण्टे बिजली देने का संकल्प लिया है और हम देंगे। इन्होंने न तो बिजली दी, मैंने कहा न कि वो सोच ही नहीं थी। मान्यवर, पहले दो व्यक्तियों का काम होता था।

मुझे इण्डस्ट्री डिपार्टमेण्ट देखने का अवसर मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देशानुसार मिला है। मान्यवर, हम जो भी ईंटा उठाते हैं वहॉ पर भ्रष्टाचार। जहॉ पर जाते हैं वहॉ पर भ्रष्टाचार। जिस समय मुझे इस विभाग की जिम्मेदारी मिली, 22 तारीख की शाम को विभागों का आवंटन हुआ था। 23 तारीख के सवेरे से लगभग एक सप्ताह तक हमारे मा0 पत्रकार मित्रों ने मुझसे केवल एक ही प्रश्न पूछा, सात दिन तक एक ही बात पूछी कि भाई साहब वहां पर घोटाला है क्या करेंगे, वहॉ पर घपला है क्या करेंगे, वहां पर भ्रष्टाचार है क्या करेंगे। सात दिन तक केवल एक ही प्रश्न होता था तो मैंने 8वें दिन उन सब पत्रकार मित्रों से कहा, मेरे पुराने मित्र भी हैं सब लोग यहां पर। मैंने उनसे निवेदन किया कि मेरे साथ आओ सब लोग तो बैठें तो मैंने सबको एक निवेदन किया था। मैंने कहा कि यही सारी बातें पूछोगे या ये भी पूछोगे कि अब आगे प्रदेश कैसे चलेगा, इण्डस्ट्री कैसे आएगी, प्रदेश का विकास कैसे होगा और नौजवानों को रोजगार कैसे मिलेगा। इसके ऊपर भी तो बात करो तो उन्होंने कहा कि हम 15 सालों में भूल ही गए थे कि ये भी कुछ पूछा जा सकता है कि नहीं पूछा जा सकता है। पिछले 15 सालों में केवल यही पूछा जा सकता था कि कहॉ पर कितना भ्रष्टाचार हुआ, कहॉ पर कितना घपला हुआ ? तो वह आदत पड़ी हुई है मान्यवर, वहीं सारी पुरानी आदतों का बखान माननीय नेता प्रतिपक्ष यहॉ रखे हैं। नौजवानों को रोजगार के साथ जोड़ने का इण्डस्ट्री में पहली बार काम किया गया है। हमने केवल यह नहीं कहा कि आप इतना पैसा लगाएंगे तो हम ये सारी-की-सारी सुविधायें और इनसेन्टिव देंगे। हमने कहा कि आप इतना पैसा लगाते हैं तो अच्छी बात है अगर आपके पास इतना पैसा लगाने के लिए नहीं है तो आप इतने नौजवानों को रोजगार दो तो हम आपको इनसेन्टिव देंगे। रोजगार को इण्डस्ट्री के साथ जोड़ने का इतिहास में पहली बार काम किया गया है।(मेजों की थपथपाहट) कल नेता प्रतिपक्ष क्या कह रहे थे कि महाना जी कह रहे हैं जैसे सारी इण्डस्ट्रीज दौड़ी चली आएगी यहां पर। मैं कहना चाहता हूँ कि हॉ आएगी, आएगी क्योंकि उद्योगपतियों को मालूम है कि अब इण्डस्ट्री लगने के बाद सत्तापक्ष का कोई भी विधायक, कोई भी कार्यकर्ता आपसे वसूली का काम नहीं करेगा। इसलिए मान्यवर, अब उत्तर प्रदेश में इण्डस्ट्रीज आएंगी। एक विश्वास और एक भरोसा कायम किया है इसलिए हमारे पास इण्डस्ट्रीज आएंगी। विकास की बात करते हैं मान्यवर, शहरी क्षेत्र में रहने वाले गरीब आदमी के लिए भारत सरकार ने कहा कि हम प्रधानमंत्री शहरी आवास क्षेत्र के लिए हम अपनी योजना देंगे इसमें पैसा देने के लिए हम तैयार हैं और ये इतने विद्वान थे कि इन्होंने सूची भी बनाकर भारत सरकार को नहीं भेजी कि ये पात्रता श्रेणी में आते हैं, कम से कम इनको आवास दे दिया जाए। पहले ही बजट में मान्यवर, तीन हजार करोड़ रूपया शहरी क्षेत्र के गरीबों को आवास बनाने के लिए बजट में प्राविधान किया गया है। यह बजट भाषण में है, उस समय उनको दिखाई नहीं पड़ा था। शहर में भी गरीब रहता है और गॉव में भी गरीब रहता है क्योंकि गरीब तो गरीब है और ये गरीब की मद्द करने की बात करते हैं। कुछ एक-आध काम इन्होंने अच्छे किये

होते तो मान्यवर, हमें विरासत में इतनी समस्यायें नहीं मिलतीं। अब स्वास्थ्य की बात करते हैं ये कहते हैं कि आपने पॉलिसी बना दी है ट्रान्सफर की, मैंने अपने माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से निवेदन किया कि ये वाले डॉक्टर हैं, इनको यहॉ बने रहने दो। स्वास्थ्य मंत्री जी ने कहा कि पॉलिसी में आता है तो ठीक है, नहीं आता है तो नहीं, तब मैंने कहा कि बात सही है। हमको बता रहे हैं आप कि बड़े शहरों में कौन से डॉक्टर और कौन-से डॉक्टर छोटे शहरों में रखेंगे अरे 15 साल तक आप लोग करते क्या रहे हो? यही तो करते रहे हैं। जो कहा जाता है ना कि ''लम्हों ने खता की और सदियों ने सजा पाई।'' मान्यवर, इतने पाप करके गए हैं, बरसों तक उसकी सजा प्रदेश के जनमानस को भुगतनी पड़ेगी। हम उसको ठीक करेंगे। हमने जनता को विश्वास दिलाया कि जो वायदा हम जनमानस के बीच करके आए हैं हम उसको पूरा करेंगे। इन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वाले जो कहते हैं करते नहीं है, समाजवादी जो कहते हैं करते हैं।

हां, हां ये जो कहते हैं करते हैं, ये कहते थे कि हम उत्तर प्रदेश में किसी महिला को सुरक्षित नहीं रहने देंगे उसके लिए इन्होंने प्रयास किया उनके खिलाफ अत्याचार और बलात्कार के केसेस करने का, वही किया इन्होंने। जो कहते हैं वो करते हैं, इन्होंने कहा था कि हम नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देंगे, न बेरोजगारी भत्ता दिया और न रोजगार दिया। हमने कहा कि हम 70 लाख लोगों को रोजगार देंगे तो हम 70 लाख लोगों को 5 साल में रोजगार देंगे। मान्यवर, हमने जो कहा है वही किया है। केन्द्र में बैठी हुई भारतीय जनता पार्टी की नेतृत्व की एन0डी0ए0 की सरकार में हमारे प्रधानमंत्री जी ने आज विश्व नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई है, उन्होंने जो 3 साल में कहा वह किया और उसका परिणाम है कि यह 325 लोग यहॉ बैठे हैं। अगर वह नहीं किया होता तो ये 325 लोग यहॉ पर नहीं बैठे होते। उसी विश्वास के कारण मान्यवर, आज हम आगे बढ़े हैं और उस विश्वास को पूरा करने का काम हमारी सरकार करेगी। मान्यवर, मैं हर विभाग के बारे में लिखकर लाया था लेकिन जिस समय आप माननीय अधिष्ठाता महोदय, आप थोड़ा-सा ऐसे-वैसे होने शुरू हुए तो मुझे लगा कि मेरा भी नम्बर आ रहा है। मैं केवल इतना कहना चाहता हूँ मान्यवर, यह पहली बार हुआ है, पहले कभी ऐसा हुआ है कि आलू का भी समर्थन मूल्य तय हुआ हो। हमारे यहां पर कुछ आलू बेल्ट के सदस्य आते हैं, मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या कभी आलू का समर्थन मूल्य तय हुआ था। आलू इनके जमाने में सड़क पर फेंका जाता था और बोरे के दाम भी नहीं मिलते थे और किसान की बात करते हैं, बहुत बढ़िया किसान हैं भई ये तो। खनन के बारे में क्या कहूँ, लोक निर्माण के बारे में क्या कहूँ ? मान्यवर, बहुत ज्यादा ये परेशान हैं, 5 साल तक क्या होगा अभी तो ये 100 दिन में परेशान हो गए हैं। आप कह रहे हैं कि हमने क्या किया था, 100 दिन में आपने क्या किया ? 5 साल तक इन्होंने क्या किया था इनको बताते रहे थे। पांच साल इन्होंने यही सुना था जो यहां पर इससे पहले बैठे थे कि इन्होंने पहले पांच साल में क्या किया। दोनों एक ही है, वह ए पार्टी हैं, यह बी पार्टी हैं, यह एस0पी0, वह बी0एस0पी0। काम आप लोगों ने भी वही किए थे इनके समय में जितना बढ़िया हुआ, उतना कभी हुआ ही नहीं। आज तक लोग याद कर रहे हैं। मान्यवर, बहुत सारी योजनाएं लागू हुई थीं, कई लोग आज भी सलाखों के पीछे हैं।

(टोका-टाकी करने पर)

**श्री सतीश महाना-**

छोड़िए, बहुत सारे लोग हैं, नाम पूछेंगे तो जब नाम बताना शुरू करूँगा तो लिस्ट उसमें भी लम्बी हो जाएगी क्योंकि किसी के ऊपर व्यक्तिगत कुछ बोलने का मेरा स्वभाव नहीं है। आपको मेरा स्वभाव मालूम है लेकिन वह हुआ था। मान्यवर, यह बजट जनता के हित में जनकल्याणकारी बजट है। बजट यहां पर प्रस्तुत करने के बाद हमारी सरकार की जिम्मेदारी पूरी नहीं होती है। जैसा कि मैंने

कहा था बजट की प्लानिंग के बाद, बजट को रिलीज करने के बाद, बजट की मॉनिटरिंग करने का काम करेंगे। यहां पर बैठे हुए सारे मंत्रियों को माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा यह सख्त निर्देश हैं कि आप हर बजट को बड़ी बारीकी के साथ, वह जनता तक कैसे पहुंचे, हम उसकी मॉनिटरिंग करेंगे और सही तरीके से वह जनहित में वह इम्पलीमेंट हो, इस बात को सुनिश्चित करने की बात करेंगे और जिस समय जो हमने जनमानस को जो वायदा किया था हम उस वायदे को पूरा करेंगे और फिर-फिर-फिर-फिर यहीं बैठ कर बजट प्रस्तुत करेंगे, बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

मान्यवर, अभी बसपा की सूची गयी हुई है माननीय रितेश पाण्डेय का पहला नाम है।

**श्री अधिष्ठाता-**

सूची आपकी भी गयी है दोनों गयी हैं। माननीय रितेश पाण्डेय।

**श्रम एवं सेवायोजन समन्वय मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि समाजवादी पार्टी के सभी माननीय विधायकगण और माननीय नेता विरोधी दल ने कल जो यहां पर झूठी और तथ्यहीन बातें रखी थी उसके प्रायश्चित स्वरूप आज सदन में मूढ़ दिखाने का संकल्प ले करके सभी बाहर चले गए हैं और आज प्रायश्चित कर रहे हैं इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, ऐसा नहीं है क्योंकि वह लोग माननीय अध्यक्ष जी से निवेदन करके किसी खास काम के लिए गए हुए हैं इसलिए उसको इससे न जोड़ा जाये।

**श्री रितेश पाण्डेय-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे बजट पर चर्चा के लिए समय दिया है। मैं अपनी बात शुरू करने से पहले नेता प्रतिपक्ष और नेता बी0एस0पी0 के भाषण से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं । बजट 2017-18 के बारे में मेरा यह कहना है कि जो बजट दिया गया है उसमें उम्मीदें तो बहुत सारी दिखायी गयी हैं लेकिन जब इसको डिटेल से देखा जाता है तो यह साफ होता है कि यह पूरी तरह से हवा-हवाई बजट है। बजट में पिछले सालों की अपेक्षा इस समय जो खर्चा दिखाया गया है वह 384660 करोड़ रूपये का खर्चा दिखाया गया है जो कि 13 प्रतिशत ज्यादा है। अगर इसकी डिटेल्स को हम देखते हैं तो उसमें जो टैक्सेस कलेक्ट करने की बात आती है उसमें सीधे-सीधे यह दिखाया गया है कि जो सरकार के अपने ओन टैक्सेस हैं उसमें 24 प्रतिशत का इजाफा किया जा रहा है। अभी तक सबसे ज्यादा जब से प्रदेश की विधान सभा चल रही है, सबसे ज्यादा इंक्रीज मात्र 11 प्रतिशत का हुआ है। यह बाकी का जो हमारा 13 प्रतिशत टैक्स की और बढ़ोत्तरी हो रही है वह कहां से आएगी। कोई भी डिटेल्स नहीं दी गयी है। इस बात को यह साफ करता है कि सरकार को खुद ही ज्ञान नहीं है कि यह इतना सारा खर्चा करने के लिए धन कहां से लाएंगे। जहां यह बात करते हैं कि केन्द्र सरकार से सहायता मिलेगी, केन्द्र सरकार स्वयं जो ग्रान्टस दे रही है उसमें कटौती कर रही है। अब इस साल इन्होंने सभी स्टेट्स को मात्र 5 प्रतिशत ग्रान्टस दी थी, जिसमें सभी स्टेटस का अलग-अलग शेयर बनेगा मात्र 5 प्रतिशत ग्रान्ट देने की बात कही गयी है और यहां हमारे प्रदेश के डेवलेप में केन्द्र सरकार की ग्रान्टस में बढ़ावा दिखाने का काम किया गया है। यह पूरी तरह से जनता को गुमराह करने का काम किया जा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि साल के अन्त तक इन सभी फीगर्स को रिवाइस किया जायेगा। जैसा कि पिछली सरकार में हुआ था कि वह 11 प्रतिशत नीचे आया था मेरा ऐसा मानना है कि यह और भी ज्यादा नीचे आयेगा 13-14 प्रतिशत नीचे आयेगा क्योंकि इतना धन यह सरकार अपने रेवेन्यूज में इकट्ठा नहीं कर पाएगी यहां पर मैं यह

भी कहना चाहूँगा कि लोन को वेवर करने की बात कही जाती है किसानों को छूट देने की बात कही जाती है, बहुत अच्छी बात है और एक बड़ी तादाद में धन छूट के रूप में दिया जा रहा है लेकिन हम अभी भी जो मूलभूत समस्या है उसको एड्रेस नहीं कर रहे हैं । मूलभूत समस्या क्या है अभी आप देखते हैं कि पिछले साल बारिस ठीक-ठाक हुई थी और दलहन की खेती खुब तेजी से हुई थी लोगों ने इसकी अच्छी से खेती की और दलहन की प्राइजेस भी बहुत ज्यादा थी, दाम बहुत ज्यादा बढ़े लेकिन उसके बाद देखने को क्या मिलता है प्राइसेस बिलकुल भी नहीं बढ़े उत्पादन बढ़ा और देखने को क्या मिला कि प्राइजेस पूरी तरह से नीचे गिर जाते हैं और फिर से किसानों को जो लागत थी वह उनके हाथ में नहीं आती है। वह अभी भी सरकार के सामने हाथ फैलाये बैठे रहते हैं और उनको कर्जमाफी और इन सब चीजों के लिए सरकार की ओर देखना पड़ता है। किसानों को जब अपनी लागत नहीं मिल पाती है तो वह मजबूर होते हैं किसानी छोड़ करके दूसरी तरफ बढ़ने के लिए। तो जहां हम सूखा पड़ने पर लोन वेवर करते हैं जब हमको अच्छी बारिस होती है तब भी हमको लोन वेवर करना पड़ता है हम किसानों के लिए ऐसा क्या कर रहे हैं कि उन्हें लोन वेवर की जरूरत न पड़े उन्हें सरकार के सामने हाथ फैलाने की जरूरत न पड़े।

इसके बारे में हमें विचार करना चाहिए था और इसके बारे में बजट में स्पेशल प्रोग्राम लाकर के उनके लिए धन आवंटन करना चाहिए था। मैं इस पर यह बोलना चाहूँगा कि जो हमारे सर्विस सेक्टर हैं, हम देख रहे हैं कि वह कृषि सेक्टर से कहीं ज्यादा सर्विस सेक्टर में हम लोगो ंको इस समय आमदनी मिल रही है और सबसे ज्यादा लोग उसमें इम्प्लायड हैं। सर्विस सेक्टर को देखते हुए सरकार यह बोल रही है कि वह हर एक डिस्ट्रिक्ट में इंजीनियरिंग कालेज बनायेंगे । लेकिन मैं सरकार को यह बताना चाहता हूं कि मात्र 3-4 महीने पहले ही जो फीगर्स आये थे कि लगभग 5 लाख इंजीनियर्स जो यहां विदेशों में भी काम करते थे और देश में भी काम करते थे विप्रो वगैरा कम्पनी में उन लोगो ंको नौकरी से हटा दिया गया है। इंजीनियर्स की जरूरत नही है जो आपकी मौजूदा सीटे हैं जो इंजीनियरिंग कालेज में उसमें उतने लोग ही नहीं है कि उसको पूरा किया जा सके लेकिन सरकार प्रदेश के बजट को पानी की तरह बहा रही है और ऐसी संस्थाओं में लगा रही है जहॉ लोग पढ़ना भी नहीं चाहते हैं। इस पैसे को ले जाकर के और भी हमारे पास जैसे कि एवीएशन के सेक्टर में जैसे कि बिल्डिंग और कास्ट्रक्शन के सेक्टर में इन लोगो ंको और एजूकेशन देने की बात करनी चाहिए थी जिस पर कहीं कोई धन आवंटन नहीं हो रहा है। इसके बाद मैं इम्पलायबिलिटी के फीगर पर फिर से आऊँगा। उत्तर प्रदेश में इस समय जो सीएमआई सेन्ट्रल आफ मानीटरिंग इण्डियन इकोनामी के जो फीगर्स है यू0पी0 में सबसे ज्यादा अनइम्प्लायबिलिटी है 7.4 प्रतिशत जो कि अन्य की अपेक्षा बिहार भी हमसे आगे है यह बहुत ही चिन्ता का विषय है। यहां सरकार कहती है 70 लाख नौकरियां पांच सालों में देंगे 70 लाख नौकरियां 5 सालों में देने की बात होती है। आदरणीय वर्मा जी ने इसके ऊपर प्रकाश डाला था पिछले 3 महीने में अगर हम देखें तो 70 लाख के हिसाब से हम लोगों को जितनी नौकरियां दे देनी चाहिए थी उसके कम्परीजन में हम कहीं पर भी नहीं हैं। यहां तक कि केन्द्र सरकार ने जब चुनावीं वायदे किये थे तो कहा था कि प्रतिवर्ष एक करोड़ नौकरियां दी जायेगी उनको भी रिवाइज किया जा रहा है यह सभी जुमले आज हकीकत में जनता के सामने आ रहे हैं और इस पर कोई भी काम नहीं हो रहा है। मैं यह भी बताना चाहूँगा कि जो हमारा कैपिटल इक्सपेन्डीचर है जिसमें अनस्किल्ड लेबर जिसके अन्दर अनस्किल्ड लेबर भारी तादाद में रोजगार पाता है जैसे रोडे बनती हैं या बिल्डिंगे बनती हैं उसमें कटौती करके सीधे सीधे जो दलित तबके का लेबर है उसकी पीठ में छूरा भोकने का काम किया जा रहा है । उसको इम्प्लायबिलटी नहीं मिलेगी । जब हम रोड नहीं बनायेंगे, बिल्डिंगें नहीं बनायेंगे, जब हम अपने एसेट्स क्रियेट नहीं करेंगे तो यह सभी अनस्किल्ड लेबर कहॉ जायेगा, क्या करेगा । मैं चाहता हूं कि इसके बारे में भी बजट में थोड़ी बहुत जवाबदेही हो और उसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहूँगा कि अभी इंडस्ट्री की बात की जा रही थी, आदरणीय महाना जी कह रहे थे

कि हम पहले इंडस्ट्रीज को बोलेंगे कि पहले आप इतने लोगों को इम्प्लाय करिये, तब आपको इंसेन्टिव दिया जायेगा । मैं आपके माध्यम से आदरणीय महाना जी को बताना चाहता हूं कि जब तक हम अपने लेबर को स्किल्ड नहीं करेंगे, तब तक यहां कोई बाहरी कम्पनी आयेगी क्यों। वह किसी के मोहताज नहीं हैं, देश में एक अरब 30 करोड़ जनता है और वह कहीं भी पूरे देश में जा सकते हैं, वहॉ पर भी जमीनें हैं, वहॉ पर भी रिर्सोसेस हैं वह वहॉ पर अपनी फैक्ट्री लगा सकते हैं । उन्हें उत्तर प्रदेश आने की तब तक जरूरत नहीं है जब तक यहां पर उनको स्किल्ड लेबर नहीं मिलेगा । जैसा कि हम देख रहे हैं स्किल्ड लेबर को तैयार करने के लिये अभी कोई प्रावधान नहीं किया गया है तो इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। इनवायरन्मेंट पर मैं बहुत ज्यादा नहीं बोलूॅगा । हमारे योग्य और वरिष्ठ मंत्रीगण बैठे हुये हैं उनके सामने चंद बॉतें और बताना चाहूॅगा कि अगर हम पर्यावरण की बात करें तो इसका बजट पहले से भी कम कर दिया गया है, स्वच्छ भारत अभियान की बात की जाती है अभी तो वह टैक्स खत्म हो गया लेकिन पहले स्वच्छ भारत अभियान में सभी लोग टैक्स दे रहे थे और पूरा देश दे रहा था । स्वच्छ भारत में यह भी चीज आती है कि हमारे देश का जो पर्यावरण है, प्रदेश का जो पर्यावरण है उसको हम कैसे बेहतर बनायें। मैं आपको बताना चाहता हूं कि अपने ही देश हिन्दुस्तान में आज हम देखते हैं कि राष्ट्रवाद को लेकर सरकार पूरी तरह से चार्ज रहती है केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार तक । हमेशा तमाम सफाई के अभियानों को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। तो केवल सुर्खियों में बने रहने से काम नहीं चलेगा । जमीन पर कोई काम नहीं हो रहा है यह आपके बजट में रिफलेक्ट करता है। आप लोगों ने इसका बजट कम करके मात्र 06 करोड़ रूपया कर दिया है तो हमारे प्रदेश में मात्र 30 पैसा प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति के हिसाब से हिस्सा आयेगा और आप देखते हैं कि हमारे देश के जो टॉप टेन सबसे प्रदूषित सिटीज हैं, उनमें इलाहाबाद नं0 एक पर है, जहॉ 500 करोड़ रूपया अभी अर्द्धकुम्भ के लिये दिया जा रहा है। वहॉ की स्थिति ऐसी है कि बाहर से लोग घूमने के लिये आयेंगे और वह देखेंगे कि यह यहां का सबसे गंदा शहर है और इसी प्रकार नं0 2 पर लखनऊ, नं0 3 पर वाराणसी, चौथे नम्बर पर गाजियाबाद और पॉचवे नं0 पर आगरा है ।

इन सभी शहरों में बाहर विदेशों से लोग आते हैं और हम उनको प्रदेश के नहीं, देश के सबसे गंदे शहर देने का काम कर रहे हैं। इतनी ज्यादा कटौती और खासतौर से उस समय जब हम स्वच्छ भारत अभियान की बात करते हैं तो यह बहुत शर्मनाक स्थिति है और इस पर हमें विचार करना पड़ेगा । मैं यहां पर यह भी बताना चाहूॅगा कि जो यह एक्सपेन्डीचर को कम किया गया है, मेरे क्षेत्र में दो प्रमुख मार्ग हैं । एक मालीपुर से लेकर रामगढ़ जो अम्बेडकरनगर को आजमगढ़ से जोड़ता है, यह मात्र 3 मीटर चौड़ी है इसकी बड़ी ही जर्जर हालत है । जब इसके गढ़्ढामुक्ति की बात की गयी थी तो वहॉ पर कोई ठेकेदार काम करने नहीं गया क्योंकि मात्र 20 परसेंट पैसा ही दिया गया था। उसका चौड़ीकरण और उच्चीकरण करके हाटमिक्स से बनाने के लिये आदरणीय पी0डब्लू0डी0 मिनिस्टिर से भी कहॅूगा कि वह इस बजट में इसके लिये प्रावधान करें । इसी प्रकार एक और सड़क है जो मंगरागुड़ा से न्योरी तक यह मार्ग भी अम्बेडकरनगर और आजमगढ़ जिले को जोड़ता है, इसका भी चौड़ीकरण और इसको भी हाटमिक्स से बनवाने का काम किया जाय । उसके साथ-साथ जलालपुर मेरा विधान सभा क्षेत्र है । यहां पर ट्रैफिक की बहुत भारी समस्या है और यहां पर चूॅकि शहर में तीन-चार स्कूल हैं और हमेशा दोपहर में भारी भीड़ लग जाती है, वहॉ पर बाई पास बनाने के लिये कुछ छोटी सी रोड़ों का कनेक्शन है अगर उसको विस्तार किया जायेगा तो वहॉ पर बाईपास भी बन जायेगा । मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह इस काम को भी करवाने का काम करें । अपनी बात समाप्त करते हुये मैं बस यही कहना चाहूॅगा कि इस बजट में पूरी तरह से जनता को गुमराह करने का काम किया जा रहा है और इसमें ऐसे कोई भी ठोस कदम नहीं उठाये जा रहे हैं जिसमें भारतीय

जनता पार्टी के जो चुनावी वायदे थे उनको पूरा करने के लिये कोई ठोस तब्दीलियॉ की जा रही हों । लोन माफ करने की बात कर रहे थे तो उसमें किसानों का सिर्फ फसली ऋण माफ करने की बात की गई है लेकिन उन्होंने जो ट्रैक्टर या ट्यूबवेल पर ऋण ले रखा था उसे माफ नहीं किया गया है इस प्रकार से पूरी तरह से जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आप सभी लोगों का शुक्रगुजार हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद्। मैं आशा करता हूँ कि अगली बार का बजट इससे बहुत ही अच्छा होगा।

**श्रम एवं सेवायोजन समन्वय मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)**-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले तो हम आपको धन्यवाद् देते हैं कि आपने मुझे मा0 वित्त मंत्री श्री राजेश अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत बजट पर अपनी बात रखने का मौका दिया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, प्रस्तुत किये गये बजट के सम्बन्ध में मा0 नेता विरोधी दल, मा0 नेता बहुजन समाज पार्टी और मा0 नेता अपना दल के सहित तमाम मा0 सदस्यों के साथ-साथ हमारे वरिष्ठ मंत्री मा0 महाना जी ने भी अपनी बात रखी है। कल जिस तरीके से नेता विरोधी दल जी कई वर्षों के बजट भाषणों का आंकड़ा ले करके तथ्यहीन आरोप प्रस्तुत कर रहे थे, ऐसा लगता है कि शायद नेता विरोधी दल जी को अब ऑकड़ों के मकड़जाल में प्रदेश की जनता को गुमराह करना बन्द कर देना चाहिए। अब ऑकड़ों का मकड़जाल नहीं चलेगा, अब उत्तर प्रदेश में मोदी जी के विकास का ऑकड़ा चलेगा, योगी जी के विकास का मुद्दा चलेगा और यही कारण है कि ये विरोधी पार्टियॉ घबराई हैं, बौखलाई हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, मा0 नेता विरोधी दल जी कह रहे थे कि ऐसा लगता है कि अपराधों की सुनामी आ गई है। इस पूरे उत्तर प्रदेश के साथ-साथ यह देश इस बात का गवाह है कि अपराधों की सुनामी पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी की सरकार में थे जब आप मंत्री थे जिस समय पूरा उत्तर प्रदेश गुण्डाराज का चरागाह बन गया था, प्रदेश जंगलराज बन गया था, उत्तर प्रदेश अपराध प्रदेश बन गया था। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार में जिस तरीके से चोरी, डकैती, हत्या, बलात्कार, बैंक डकैती, अपहरण, फिरौती और गरीबों की जमीनों पर जो अवैध कब्जे का कारोबार चला है उसी का परिणाम है कि आज आप बाहर हो गये हैं और हम सत्तापक्ष में आ गये हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, समाजवादी पार्टी और साथ ही साथ बहुजन समाज पार्टी और इनके नेताओं को शायद आज भी अपनी गलती का प्रायश्चित करने के सोच पैदा नहीं हो पाई। मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, मा0 नेता विरोधी यह भी कह रहे थे कि किसान, महिला, साधू ही नहीं पशु, पेड़, पौधे और मुर्गियों तक में डकैती हो रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार के अपने पूरे किस्से सुना रहे थे, नेता विरोधी दल जी को शायद यह नहीं मालूम कि समाजवादी पार्टी की सरकार में पूरे उत्तर प्रदेश में किसी मंत्री द्वारा पहली एफ0आई0आर0 तब लिखाई गई थी जब संसदीय कार्यमंत्री श्री आजम खॉ की भैंस की चोरी हुई थी। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि ऐसे लोगों को चुल्लू भर पानी में डूबकर मर जाना चाहिए। जिन लोगों ने पूरे उत्तर प्रदेश को ठगने का काम किया है, जिन लोगों ने, लोगों को बहाने, वायदे, नारों के माध्यम से नौजवानों, किसानों को ठगने का काम किया, यह वही समाजवादी पार्टी सरकार के लोग थे जो आज नेता विरोधी दल जी बोल रहे हैं कि आज उत्तर प्रदेश अपराध प्रदेश बन गया है। आज उत्तर प्रदेश में भैंस, बकरी की चोरी हो रही है, यह तो हमारे नेता विरोधी दल जी अपने पूर्ववर्ती सरकार की कहानी सुना रहे हैं। आज शायद इनको यह नहीं मालूम कि आपने जो उत्तर प्रदेश में गुण्डाराज कायम किया, आपने उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर जो जंगलराज कायम किया था और पॉच साल तक पूरे उत्तर प्रदेश को गुण्डे, माफिया, अपराधियों ने जिस

तरीके से लूटा था उसका परिणाम उत्तर प्रदेश की जनता ने दे दिया है। उत्तर प्रदेश की जनता द्वारा परिणाम देने के बाद कम से कम विरोधी पार्टियों को अपने दामन में झांककर देखना चाहिए। लेकिन शायद शर्मिन्दगी की इन्तिहा कर रहे हैं और आज भी इनको शर्म नहीं आ रही है। माननीय अध्यक्ष जी, आज जिस तरीके से यह भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है, 325 विधायकों की संख्या लेकर हम सत्ता में आये हैं।

यह प्रचण्ड बहुमत का जो जनादेश जनता ने दिया है, यह करिश्माई बहुमत अगर मिला है तो मोदी जी के विकास का जादू है, जो सबके सिर पर चढ़कर बोल रहा है (सत्तापक्ष के सदस्यों के द्वारा मेजें थपथपायी गयी।) जिसके नाते उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी के गुण्डाराज, बहुजन समाज पार्टी के भ्रष्टाचार जिसकी महारानी भ्रष्टाचार के समुन्दर में चौबीसों घंटे गोता लगाती रही हैं। साथ ही साथ कॉग्रेस के घोटाला राज इन तीनों का जवाब था यह मोदी जी का विकास राज और मोदी जी का कानून-राज। आज जिस तरीके से हमारे लल्लू जी नहीं हैं, लालजी वर्मा जी भी नहीं हैं और नेता विरोधी दल भी नहीं हैं, ये सभी हिम्मत हार गये। माननीय अधिष्ठाता जी, शायद इनको यह नहीं मालुम आज आपको सजा मिली है वहॉ बैठने के लिए, 240 विधायकों वाले लोग आज 47 विधायकों में सिमट गये हैं। आपने वह जो पाप किया था, आपने वायदा किया था बेरोजगारी भत्ता, लैपटॉप, टैबलेट, मुफ्त बिजली, सिंचाई व कर्जा माफी का, कर्जा माफी के नाम पर आपने अपने रिश्तेदारों का कर्जा माफ कर दिया कोऑपरेटिव बैंक के, शेष उत्तर प्रदेश के किसानों को ठेंगा दिखा दिया। पॉच साल की सरकार बीत गयी मान्यवर, कहीं भी टैबलेट दिखायी नहीं पड़ा। साड़ी और कम्बल के मद में 300-300 करोड़ रुपया तीन बार उन्होंने आवंटित किये, लेकिन एक भी साड़ी, एक भी कम्बल बॅटी नहीं। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, लैपटॉप दिया तो अपने जान-पहचान वालों को दिया जबकि वायदा किया था कि जो भी छात्र इण्टरमीडिएट की परीक्षा पास करेंगें हम सभी विद्यार्थियों को लैपटॉप देंगें। लेकिन सबको देने का काम नहीं किया। अंधा बॉटे रेवड़ी, अपने-अपने का देय। अपने चिन्हित लोगों को दिया और मान्यवर, मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि यह अपराधियों की सुनामी बताने वाले लोग इनको अपना गिरेबान और दामन में झांककर देखना चाहिए। आपकी जो सरकार थी जिसमें पूरे उत्तर प्रदेश में, लाखों महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ, दुराचार हुआ, यही नहीं आपके अपराधी इतने बेलगाम थे कि पहली घटना बदायूँ में हुई 2 लड़कियों के साथ सामूहिक बलात्कार, हत्या करके पेड़ पर लाश को टॉग देना और इसके बाद यह फैशन चल गया। उसके बाद सैकड़ों महिलाओं के साथ हत्या बलात्कार करके लाश को पेड़ पर टॉगने की घटनाएं आईं। यह क्या था? 5, कालीदास मार्ग जहॉ पर तत्कालीन मुख्यमंत्री रहते थे 200 मीटर की दूरी पर चौराहे के बगल नाले में एक लड़की के साथ बलात्कार हुआ और हत्या करके लाश को उसी नाले में डाल दिया गया। उसी 5 कालीदास मार्ग के सामने 200 मीटर दूर पोलो ग्राउन्ड के ठीक बगल पेड़ पर एक नौजवान की टॅगी हुई लाश मिली। एक हफ्ते अंदर दो घटना। एक हफ्ते के अंदर दो घटनाएं और इनको यह कहने में शर्म नहीं आती। कम से कम अपना दामन झॉक कर देखना चाहिए। आपने कोई अच्छा कर्म नहीं किया। वह सारे के सारे आप के रिकार्ड और यही नहीं घटनायें होती रहीं लेकिन सरकार कुंभकरण की नींद सोती रही। अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाय उनको अपने अगल-बगल बैठाकर दावतें खिलाती रही। ऐसी अपराधी जो अपराध किया करते थे, समाजवादी पार्टी के नेताओं और मंत्रियों के साथ मंचों पर मंचासीन हुआ करते थे। और आप जिस दिन सत्ता में आये थे नेता विरोधी दल जी, आपने तो उसी दिन जंगलराज का नमूना पेश किया था। जब मुख्य मंत्री शपथ ले रहे थे तो उसी समय आपके कार्यकर्ताओं ने मंच को उजाड़ कर तहस-नहस करके गुन्डाराज का परिचय दिया था। आपको बोलने का कोई हक नहीं है। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, यह विकास की बात करते हैं। हमारे माननीय वित्त मंत्री जी जब बुन्देलखंड को दिल्ली से जोड़ने की बात करते हैं उसका यह

विरोध करते हैं, आखिर क्यों ? विकास का विरोध करने का औचित्य क्या है? क्या इसीलिये कि आप नेता विरोधी दल हैं, आपको विरोध करने के लिये ही खड़ा किया गया है। कम से कम अच्छी बात का तो स्वागत करना चाहिए। वह बुन्देलखंड जो सबसे पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। वह बुन्देलखंड जहां पर बड़े पैमाने पर लोग काम के लिये दूर जाया करते हैं, रोजी-रोटी के लिये जाया करते हैं, उनके लिये हमारी सरकार संवेदनशील है, चिन्तनशील है, दिल्ली से जोड़ने की योजना है, उसका भी आप विरोध कर रहे हैं।

क्या आप विकास विरोधी नहीं हैं और माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि आज जिस तरीके से माननीय नेता विरोधी दल ने इस कल्याणकारी बजट का विरोध किया है। ऐसा बजट मान्यवर, जो किसानों का बजट है, छात्र, नौजवानों का बजट है, गरीब मजदूरों का बजट है, यही नहीं जन-जन का बजट है और सर्व समाज का बजट है उसका भी यह विरोध कर रहे हैं जबकि आपके यहॉ तो केवल अन्धेर नगरी पूरा का पूरा राज्य ही चौपट हो गया था। संवैधानिक संदेह के कठधेर में खड़ी हो गयी थी। लोक सेवा आयोग से ले करके उच्च शिक्षा चयन बोर्ड, माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड, अधीनस्थ सेवा मंडल यह सारी की सारी संस्थाएं कठघरे में खड़ी हो गईं, संवैधानिक संकट आ गया था यहॉ तक कि माननीय श्री राज्यपाल जी को आपके एम0एल0सी0 की सूची कई बार इसलिये वापस करनी पड़ी क्योंकि उसमें बड़े पैमाने पर अपराधियों की भरमार रही है। आपको यह कहने में शर्म नहीं आती। 240 विधायक से 47 विधायक आने पर भी अकल नहीं खुली। हमको लगता है जब यह 47 भी खत्म हो जाएगें तब इनकी अकल खुलेगी।.....

(मेजें थपथपाई गईं)

आज हमारी सरकार की प्राथमिकता है मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी चाहते हैं प्रदेश में कानून का राज्य हो, अपराध मुक्त, भय मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त उत्तर प्रदेश का समाज हो। साथ ही साथ उत्तर प्रदेश में कानून का राज हो। गुण्डे माफिया उत्तर प्रदेश की सड़कों पर नहीं जेल की सलाखो में दिखाई पड़ें यह हमारी सरकार की मंशा है।(मेजें थपथपाई गईं)इतना अच्छा बजट आया लेकिन नेता विरोधी दल जी के पल्ले पड़ा ही नहीं, क्योंकि एक कहावत है-मान्यवर,भैंस के आगे बीन बजावे भैंस खड़ी पगुराय, बिल्कुल यह कहावत इन पर फिट पड़ती है। नेता विरोधी दल जी की बातों से यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है लगता है इससे ज्यादा सटीक कोई दूसरा मुहावरा इन पर लागू नहीं हो सकता है माननीय अध्यक्ष महोदय जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा हमारे लालजी वर्मा जी नहीं हैं यह कह रहे थे कि अपराध बढ़े हैं, माननीय लालजी वर्मा जी सब कहते तो समझ में आता, आपने क्यों कहा, आप तो जिला पंचायत में 11 वोट से जीत कर आए थे आप पर भी लाठियां पड़ी थीं आप भी फफक कर रो रहे थे आपके बेटे पर अनायास दर्जनों मुकदमें लगाये गये थे थाने में रोककर पिटाई हुई थी यह समाजवादी पार्टी ने किया था, फिर भी आप उनके साथ खड़े दिखाई देते हैं.....

(मेजें थपथपाई गईं)

ऐसे लोग जो अपने नेता के इशारे पर विरोध करने के लिए खड़े होंगे तो मैं तो कहूंगा लालजी वर्मा जी- जाको गुरु है अंधा, चेला खरा नियंध, अंधा ही अंधा ठेलिया दोनो कूद परन्त, आपकी नेतागीरी तो गई है उसकी राजनीति खत्म, अब तो राज्य सभा, विधान परिषद् में जाने लायक नहीं है। आप तो चुनकर आए हो बड़े सौभाग्यशाली हो, अब कुछ संभलो, साथ खड़े हो जाओं तब बात बनेगी आगे चलेगी।माननीय अधिष्ठाता महोदय, बड़ी खुशी की बात है यहां जो साथी बैठे रह गए, विपक्ष के जो साथी बचे हैं वह हमारे जिगरी दोस्त हैं।माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ यह विरोधी पार्टी के लोग विरोध करना है इसलिए अपनी बात रख रहे हैं यह अगर बजट भाषण का अध्ययन किए होते और जो हमारी तमाम कल्याणकारी योजनायें चलाई गई हैं जो विकास के कार्यक्रम

संचालित किए जाने का संकल्प लेकर बजट भाषण आया है अगर उसको देख लिए होते तो यह सारे के सारे विरोधी पार्टी के लोग न सबके सामने तो अकेले में ही जाकर माननीय राजेश अग्रवाल जी को माला फूल पहनाते, जरूर स्वागत किए होते, लेकिन पढ़े नहीं, हमारे लालजी वर्मा जी, बड़ा गुणगान कर रहे थे कि बी0एस0पी0 ने यह किया बी0एस0पी0 ने वो किया,अगर सब कुछ अच्छा किया तो 2012 में पैदल क्यों हो गए,सब कुछ अच्छा किया तो 2017 में पैदल क्यों हो गए, मुख्य मंत्री का सपना देखने वाली नेता के आगे 19 विधायकों पर बी0एस0पी0 सिमट क्यों गई। कौन नहीं जानता भ्रष्टाचार में हमारे तत्कालीन सहयोगी साथी मंत्रि-मण्डल के मंत्री एक दर्जन से अधिक लोग जेल की सलाखों में हो आए हैं। जिस नेता का बखान हमारे लाल जी वर्मा कर रहे हैं यह उन्हीं की मेहरबानी रही है । अब जो हमारे विधायक चुनकर आए हैं अकेले में उनसे दिल में पूछेंगे तो चुनकर जरूर आ गए हैं लेकिन उनके दिल से क्या पीड़ा है कितना देकर आए हैं । इसलिए हमारे विपक्ष के लोग यह समझ लें हमारी सरकार किसानों की सरकार है कानून के राज की सरकार है, विकास की सरकार है, महिलाओं की सरकार है, व्यापारियों की सरकार है, छात्र नौजवानों की सरकार है, दलितों, पिछड़ों की सरकार है और मान्यवर, यह मोदी जी की सरकार है केन्द्र में मोदी जी की सरकार है और प्रदेश में योगी जी की सरकार है यह जनजन की सरकार है । माननीय अधिष्ठाता महोदय वर्मा जी होते तो और बात बनती ।

**श्री अधिष्ठाता-**

वह आपकी बात सुने वगैर चले गए । आपके पुराने मित्र चले कैसे गए।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-**

हमने ऐसा नेता नहीं देखा जो अपने महापुरुषों के स्मारक में भी घोटाला कर जाए। हमने ऐसा नेता नहीं देखा जो अपने महापुरुषों के विचारों की हत्या कर दे हमने ऐसा नेता नहीं देखा जो अपने नेता के विचारों का सौदा करना शुरू कर दे । बाबा साहब डाक्टर अम्बेडकर के मिशन की दुहाई देने वाली बी0एस0पी0 की नेता ने बाबा साहब डाक्टर अम्बेडकर को भी चौराहे पर नीलाम कर दिया मान्यवर, काशीराम के सामाजिक परिवर्तन आन्दोलन को इनकी नेता ने चकनाचूर कर दिया और बी0एस0पी0 की नेता ने दलितों पिछड़ों के सम्मान स्वाभिमान और हिस्सेदारी का सौदा बड़े बड़े तिजोरी वालों के हाथों में करोड़, दो करोड, 10 करोड़ रुपया लेकर बेचने का काम किया। ऐसे लोग समाज का निर्माण करेंगे ऐसे लोग प्रदेश का विकास करेंगे। ऐसे लोग राष्ट्र का विकास करेंगे जिन लोगों ने लोकतंत्र को बेचकर करोड़ों अरबों की काली कमाई की है । इनकी नेता को तो सबसे पहले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का स्वागत करना चाहिए था जिन्होंने डाक्टर बाबा साहब अम्बेडकर के विचारों को जमीनी हकीकत देने का काम किया था। क्योंकि बाबा साहब डाक्टर अम्बेडकर ने अपनी लिखी हुई किताब द प्राब्लम्स आफ रूपीज में कहा था कि सरकारों को प्रत्येक 10 वर्ष में नोट और करेंसी को बदल देना चाहिए । विरोधी पार्टी के लोगों की बारी बारी से सरकारें आईं जिसकी नहीं आई वह केन्द्र की सरकार में साझीदार रहे लेकिन बाबा साहब डाक्टर अम्बेडकर के इस विचार पर किसी ने अमल नहीं किया आजादी के बाद अगर डाक्टर बाबा साहब अम्बेडकर के सपनों को किसी ने साकार किया तो देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने करने का काम किया। यह लोग पानी पी पी कर कोस रहे थे कि

नोट बंदी बी0जे0पी की जुबानबन्दी करेगी लेकिन उस नोट बंदी ने आपको तो ऐसा मटियामेट किया ऐसा मटियामेट किया कि आप तो चेहरा दिखाने लायक नहीं रह गए ।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

मान्यवर, यह क्या बजट का अंश है । हमारे मौर्या जी जो कह रहे हैं यह भी इसी का अंश है। सबके लिए समय तो देखिए। किसी को आधा घण्टा दिया किसी को 7 मिनट में बिठाने लगे।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-**

सदन के हमारे साथियों को अभी बोलने का खूब मौका मिलेगा। हम खूब सुनेंगे। मा0 सुखदेव राजभर जी की हालत ऐसी है कि न बोल सकें न डोल सकें। मा0 अधिष्ठाता जी, एक हमारे साथी हैं श्री अजय उर्फ लल्लू जी, जो बोलते ज्यादा हैं लेकिन पढ़ते-लिखते कम हैं। इन्होंने कहा कि चीनी मिलें बंद हैं। अरे लल्लू जी, आप गन्ना किसानों के क्षेत्र से आते हैं, आपको तो इस बजट की तारीफ करनी चाहिये, क्योंकि आज यदि चीनी मिलें बंद हैं तो वह सामने बैठे हुये लोगों की सरकारों का पाप हैं। चीनी मिलें किसने नहीं बंद किया, कुछ लोगों ने तो चीनी मिलों को बेच भी दिया। आज अगर चीनी मिलें बंद हैं तो यह हमारी विरोधी पार्टी के लोग जो कभी सत्ता में थे यह उनके पाप का दुष्परिणाम है कि आज चीनी मिलें बंद हैं। हम उसकी ज्यादा कलई खोलना नहीं चाहते हैं। आपको तो मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी जी को बधाई देना चाहिये था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश की बंद चीनी मिलों को चलाने का संकल्प लेकर के उत्तर प्रदेश की जनता के बीच में वायदे किये हैं। उसी के क्रम में दो चीनी मिलों पिपराईच, गोरखपुर तथा मुंडेरवा, बस्ती को अभी चालू भी करवाया है। साथ ही साथ निगम क्षेत्र की एक चीनी मिल मोहिउद्दीनपुर के विस्तारीकरण हेतु हमनें 73 करोड़ 96 लाख रूपया ऋण भी दिया है। हमनें तो चीनी मिलों को पुनः स्थापित करने का अभियान चला दिया और वह भी मात्र 100 दिनों में।

(इस समय 2 बजकर 27 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

मान्यवर, मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि हमारे कांग्रेस के लोग कहते हैं कि '27 साल यू0पी0 बेहाल', अरे 27 साल यू0पी0 बेहाल नहीं थी, बल्कि जिन लोगों ने यू0पी0 को बेहाल किया था उसमें आप भी शामिल थे और जिसका नतीजा था कि 27 साल कांग्रेस बेहाल रही। कांग्रेस बेहाल थी, आज भी बेहाल है। लल्लू जी को तो मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी जी का स्वागत करना चाहिये कि 100 दिन के अन्दर हमनें गन्ना किसानों का 22 हजार 682 करोड़ रूपये का भुगतान किया है जो पिछली सरकार से 09 हजार 440 करोड़ रूपये इसी सत्र में ज्यादा है यानी 100 दिन के अन्दर। यही नहीं, हमनें गन्ना किसानों की समस्याओं को तत्काल निपटाने के लिये टोल फ्री नम्बर दे दिया है। साथ ही साथ प्रत्येक महीने के प्रथम दिन को हमनें गन्ना किसान दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। इसलिये गन्ना किसानों के लिये जितना योगी जी की सरकार चिन्तित है उतना तो आपने सपने में भी कभी नहीं सोंचा था। आपको तो बधाई देना चाहिये और यहॉ तक कि ढोल-ताशे बजाकर के आपको सीधे-सीधे योगी शरणम् गच्छामि कहकर के उधर से इधर चले आना चाहिये था। (सत्ता पक्ष की ओर से मेजों की थपथपाहट) इसी 100 दिन के अन्दर जैसे गधे के सिर से सींग गायब होती है वैसे ही इस सदन से विपक्ष गायब हो गया है।

**श्री अध्यक्ष**-

आप थके तो नहीं हैं।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्य**-

नहीं मान्यवर। अभी तो मैं चार्ज हो रहा हूँ।

(सदन में हंसी)

माननीय अध्यक्ष जी, लल्लू जी ने इन्सेफ्लाइटिस की बड़ी चिंता की क्योंकि वह हमारे जिले के विधायक हैं और उनकी चिंता अपनी जगह वाजिब भी थी। लेकिन हमारी सरकार ने इन्सेफ्लाइटिस पर प्राथमिकता के साथ कार्य कितना किया है उसका जिक्र एक बार भी उन्होंने नहीं किया है। लल्लू जी अगर यहां पर होते तो मैं उनको बताता कि सौ दिन के अंदर टीकाकरण अभियान चलाकर हमने इन्सेफ्लाइटिस प्रभावित सात जिलों में अट्ठासी लाख बासठ हजार बच्चों को टीका लगवाया है और सात जिलों के अलावा प्रदेश के जो अन्य जिले हैं वहां पर हमने बड़े पैमाने पर सत्तासी लाख बच्चों को अन्य बीमारियों से बचाने के लिए टीका लगवाया है। यानि अट्ठासी लाख बासठ हजार एक और सत्तासी लाख एक और इसीलिये लल्लू जी की हालत यह है कि जिस तरीके से इनके नेता को होश-हवास नहीं रहता है और वह कभी-कभी पलायन कर जाता है, तीन-तीन महीने के लिए गायब हो जाता है। अब पप्पू वाला हाल लल्लू का भी है।

**श्री अध्यक्ष**-

वो हैं नहीं ना यहां सदन में।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्य**-

माननीय अध्यक्ष महोदय, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस का हाल यही है ''बरबाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफी है, हर साख पर उल्लू बैठे हों, अंजामे गुलिस्तां क्या होगा।''

**श्री अध्यक्ष**-

आप कुछ बजट पर बताईये।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्य**-

हां, मान्यवर। मैं बजट पर ही आ रहा हूँ। यह बजट ही है मान्यवर। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार एक ऐसा ऐतिहासिक बजट लाई है जिसमें देश में आजादी के बाद पहली बार प्रदेश के किसानों की चिंता की गई है और जितने भी लघु एवं सीमान्त कृषक हैं बिना किसी भेदभाव के सबके एक लाख रूपये तक के कर्जे माफ करने का एलान किया है जिसकी देनदारी छत्तीस हजार करोड़ रूपये की आई है। हमारी सरकार ने एक सेकेण्ड भी नहीं सोचा कि सौ दिन के अंदर हम इतना बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं। आखिर पैसा कहां से आयेगा चिंता इनको है। आज जो आपने आंकड़ा गिनाया कि इतना पैसा पहले और इतना पैसा अब, उसमें आपके कमीशन के पैसे जुड़े थे, उसमें आपके घोटाले के पैसे जुड़े थे। यहां पर कमीशन और घोटाले का कोई स्थान नहीं है और इसीलिये हमने 36000 करोड़ रूपया किसानों का माफ किया और अनावश्यक खर्चों में कटौती करके यह किया। साथ ही साथ माननीय अध्यक्ष जी, पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की सोच थी कि रोटी, कपड़ा और मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सबको मिलनी चाहिये और इसी के लिए हमारी सरकार ने अपनी वचनबद्धता दोहराई अपने नेता के सम्मान में। उत्तर प्रदेश के सत्तर लाख नौजवानों को पॉच साल के अंदर हम रोजगार से जोड़ने का काम करेंगे उनको अपने पैरो पर खड़ा करने का काम करेंगे, उनको रोजगार देने का काम करेंगे। एक तरफ किसानों के लिए जिसमें छियासी लाख किसान लाभान्वित हो रहे हैं। दूसरी तरफ सत्तर लाख नौजवानों को रोजगार देने का संकल्प लिया है, इतना बड़ा ऐतिहासिक

फैसला और इतने बड़े ऐतिहासिक बजट का प्राविधान और विरोधी पार्टियां रोना रो रही हैं, अपनी पूर्ववर्ती सरकारों का उल्लेख कर रही हैं। जो घोटालों की सरकार रही है, जो कमीशन की सरकार रही है। नेता विरोधी दल यहां नहीं हैं यह उस समय बेसिक शिक्षा मंत्री थे। भ्रष्टाचार में आकण्ठ डूबा देवरिया में एक बेसिक शिक्षा अधिकारी था और सदन में एक घण्टे उस पर बहस चली लेकिन जब मैंने वर्तमान में नेता विरोधी दल और तत्कालीन बेसिक शिक्षा मंत्री जी से कहा तो इन्होंने कहा कि उस पर ऊपर वालों का हाथ है, कुछ जाता-आता है इसलिये मैं उस पर हाथ नहीं डाल सकता। यह आपकी सरकार थी कि मुख्य मंत्री रहते हुए भी, मंत्री रहते हुए भी अपने विभाग के बी0एस0ए0 को इधर से उधर नहीं कर सकते और हमारी सौ दिन की सरकार हुई। दूसरे ही सप्ताह में हमारी बेसिक शिक्षा मंत्री श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी से हमारे माननीय शाही जी ने कहा और हमने कहा तो आज वह बी0एस0ए0 सस्पेन्ड होकर मुख्यालय पर आ गया है। यह हमारी सरकार की कार्यशैली है। हमारी बेसिक शिक्षा मंत्री जी ने तो एक बार भी नहीं कहा कि माननीय मुख्य मंत्री जी से पूछेंगे या इन्होंने तो एक बार भी नहीं कहा कि हमारे ऊपर किसी का दबाव है अथवा संरक्षण किसी और का है और निलंबित कर दिया। यह है ''सबका साथ, सबका विकास, सबकी हिस्सेदारी, सबका सम्मान।'' यह है योगी जी की सरकार। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहता हूँ कि आज जिस तरीके से हमारे मुख्य मंत्री जी का संकल्प है कि निर्दोष को छूयेगे नहीं, दोषियों को छोड़ेगे नहीं। इससे स्पष्ट है कि हम उत्तर प्रदेश में कानून के राज की स्थापना के लिए मजबूत संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से अवगत कराना चाहता हूँ कि यह पहली सरकार है। हमारे तमाम साथी विधायक उधर बैठे हुये हैं। पूर्ववर्ती सरकारों में गेहूं क्रय केन्द्र खोलने के लिए हम लोग सदन में एक बार नहीं तीन-तीन, चार-चार बार विभिन्न नियमों और सूचनाओं के अंतर्गत मामले को उठाते थे तो कुम्भकर्णी नींद में सोने वाली सरकार तीन-चार महीने बाद एक्शन में आती थी। इस बार श्री योगी जी के मुख्य मंत्री बनते ही गेहूं कटने के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश में गेहूं क्रय केन्द्रों को खुलवाने का काम किया गया है और ऐतिहासिक भण्डारण भी सुनिश्चित कराने का काम किया है। मान्यवर, 36.99 लाख मीट्रिक टन गेहूँ खरीदा गया, जबकि नेता विरोधी दल की पूर्व की सरकार में वर्ष 2016-17 में मात्र 7.97 लाख मीट्रिक टन ही यह खरीदा गया था। हमने उनसे पॉच गुना ज्यादा गेहूं खरीदा है और वो भी सौ दिन के अंदर। माननीय अध्यक्ष जी, आज औद्योगिक निवेश और प्रोत्साहन के लिए हमारी सरकार संकल्पित है। खनन नीति में भ्रष्टाचार न हो। आपकी सरकार के खनन मंत्री आज भी जेल की सलाखों में है। आखिर क्यों, अगर आपकी बड़ी पाक-साफ सरकार थी तो आपके खनन मंत्री जेल में क्यों हैं। खनन में भ्रष्टाचार न हो। पूरा उत्तर प्रदेश आपके अवैध खनन का दंश आज भी झेल रहा है। जिसके नाते माननीय सर्वोच्च न्यायालय और माननीय उच्च न्यायालय ने उस पर अपनी तरफ से रोक लगाई तब जाकर बात कहीं रूकी। उसके बावजूद जिस तरीके से बेपनाह लूट आपकी सरकार में होती रही है, आज भी उसका दंश कहीं-न-कहीं हमारा उत्तर प्रदेश झेल रहा है।

माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी जी ने इस बात को सुनिश्चित किया है कि आज किसी प्रकार के भ्रष्टाचार की कहीं कोई गुंजाइश न रहे। इसलिये ई-टेण्डरिंग सिस्टम के माध्यम से खनन पट्टा का निर्णय लिया गया है। इसी तरीके से हमारी विरोधी पार्टियों को नहीं मालूम रहा कि महिलाओं के सम्मान का रास्ता प्रशस्त करने के लिए हमने एण्टी रोमियो दल का रास्ता प्रशस्त किया है। हमने भू-माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया है। हमने अवैध बूचड़खानों पर भी रोक लगाने का काम किया है। हमने कौशल विकास के माध्यम से नौजवानों को प्रोत्साहित कर रोजगार के रास्ते प्रशस्त किये हैं और साथ ही साथ माननीय अध्यक्ष महोदय साथ-ही-साथ हमने गड्ढा मुक्त सड़कों का निर्माण कराया। ये समाजवादी पार्टी के लोग अपनी सरकार

पूरे प्रदेश की सड़कों को गड्ढों में परिवर्तित कर दिया क्योंकि सड़कों के निर्माण में जितना पैसा जाता था सत्ता में बैठे लोग मगरमच्छ की तरह उसको निगल जाया करते थे। उसको बंदरबांट किया करते थे। उसी बंदरबांट का नतीजा रहा कि चाचा-भतीजों में भी में तू-तू, मैं-मैं हुआ। चाचा-भतीजे में लड़ाई हुई। यह केवल पैसों के बंदरबांट का नतीजा रहा है और यही नहीं माननीय अध्यक्ष महोदय जी, हमने एक नई योजना भी शुरू की है बुंदेलखण्ड, पूर्वांचल क्षेत्र में पेयजल के लिए हमने 28 सौ करोड़ रूपये की व्यवस्था की। साथ ही साथ हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही सौ दिन के अंदर वी0आई0पी0 कल्चर खत्म किया। मान्यवर, चाहे केंद्र की हमारी सरकार रही हो, चाहे प्रदेश की हमारी सरकार रही हो लाल बत्ती को खत्म करके हमारे मुखिया ने यह तय कर दिया कि हम जनता के सेवक हैं। सेवा के लिए आये हुए हैं। सेवाभाव के लिए हमको जनता के समान जनता के बराबर खड़ा होना चाहिए इसीलिए लाल बत्ती को हमारी सरकार ने बाहर कर दिया। वी0आई0पी0 कल्चर खत्म कर दिया। मान्यवर, पूर्ववर्ती सरकार में चार बैठके हुई थीं यहां पर बड़े-बड़े व्यापारियों को बुलाकर उद्योग लगाने के लिए लेकिन मा0 अध्यक्ष जी चार-चार बैठके होने के बाद भी कोई उ0प्र0 में आया नहीं इस डर के मारे कि उ0प्र0 में तो गुंडाराज है। कोई उ0प्र0 में आयेगा तो वो उससे पैसों का बंटवारा करने आ जायेंगे। इस डर के मारे कोई आया नहीं और सौ दिन के अंदर योगी जी, ने तो करिश्मा कर दिया। सौ दिन के अंदर संसद में 4800 को चार हजार आठ सौ करोड़ और इंटेक्स में 372 करोड़ रूपये के निवेश की स्वीकृति दी है और मा0 अध्यक्ष महोदय जी, यह हमारे नेता विरोधी दल कह रहे थे कि किसानों के अनुदान के लिए कोई व्यवस्था नहीं की है। आपको तो बधाई देना चाहिए था कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने लघु एवं सीमांत किसानों को 70 प्रतिशत से बढ़ाकर के 90 प्रतिशत और अन्य किसानों को 45 प्रतिशत से बढ़ाकर के 80 प्रतिशत अनुदान सूचित करने का काम हमारी सरकार ने किया है और साथ ही साथ गांधी जी की जयंती दो अक्टूबर 2018 तक हम पूरे उ0प्र0 को खुले में शौच से मुक्त करने का संकल्प लेकर के आगे बढ़ रहे हैं और साथ ही साथ स्वच्छता अभियान के लिए हमारी सरकार ने शपथ ली तो हमारे सारे के सारे मंत्री अपने-अपने विभागों में सबसे पहले स्वच्छता अभियान करने का काम किया है। मा0 अध्यक्ष जी लालजी वर्मा जी हमारे साथी हैं। बेचारे हैं जो अभी भी भ्रष्टाचार के मकड़ जाल से निकल नहीं पाये हैं। जल्दी ही निकलने की कोशिश करें हम इनकी मदद करेंगे।

**श्री लालजी वर्मा**-

मा0 अध्यक्ष जी, स्वामी जी बीस साल तक जिस पार्टी के बदौलत इस चोटी तक पहुंचे हैं। आज बीस साल के बाद इनको नजर आ रहा है और जब उसमें मिले हुए थे सारे सर्वोच्च पदों पर नेता विरोधी दल, मंत्री पद सब पदों पर थे और जहां तक मान्यवर, इन्होंने जिला पंचायत का जिक्र किया है उसमें सपा भाजपा एक साथ मिलकर मुझे हराने के लिए लगे रहे और इतना ही नहीं मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र के 2012 के चुनाव में भी मुझे हराने के लिए सपा और भाजपा ने एक साथ मिलकर काम किया है और जिला पंचायत में भी दोनों एक साथ मिले रहे।

**श्री अध्यक्ष**-

मा0 मौर्य जी भी आपको हरा रहे थे क्या।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्या**-

मा0 अध्यक्ष महोदय, हमने कहा न कि बेचारे हैं बोलेंगे नहीं।

**श्री अध्यक्ष-**

अब आप अपनी बात समाप्त कर दीजिए।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्या-**

मान्यवर, मैं अपनी बात समाप्त करने जा रहा हूँ। मा0 पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी का सपना था अन्त्योदय। परमपूज्य डा0 अम्बेडकर जी का भी सपना था कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े हुये व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आये और जो लोग उपेक्षित हैं वह दलित हों या पिछड़े हों या अन्य वंचित लोग हों उनको भी सम्मान स्वाभिमान से जीने का मौका मिले। तो दीन दयाल उपाध्याय जी और बाबा साहब डा0 अम्बेडकर जी के सपनों को साकार करने के लिए योगी जी की सरकार आयी है और श्री राजेश अग्रवाल जी का यह बजट भाषण प्रस्तुत हुआ है। जिसका हम स्वागत करते हैं। और साथ ही साथ यह अपेक्षा करते हैं कि उत्तर प्रदेश का विकास जो अब तक की सरकारें नहीं कर पायी हैं वह मा0 योगी जी की सरकार करेगी।

**श्री उमाशंकर सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 मौर्या जी जब इधर बैठा करते थे। वह एक-सवा घण्टे बोले हैं। हम इस बात के लिए बड़ा परेशान थे कि मा0 मौर्या जी जब इधर से बोला करते थे तो पलटी मारने के लिए कितनी बड़ी तैयारी किये होंगे। यह तो बड़ा सोचने वाली बात है।

**श्री अध्यक्ष-**

वर्मा जी ने मदद की है।

**श्री लालजी वर्मा-**

मान्यवर, अभी माननीय मौर्या जी ने इधर उधर आने की बात की। मान्यवर, 20 साल तक जिस पार्टी की बदौलत और जिस नेता की बदौलत इनको विधान सभा में आने का अवसर मिला। यह अहसान फरामोशी कर सकते हैं। मैं तो विश्वास के साथ सदन के संज्ञान में भी लाना चाहता हूँ कि आज जो मेरी हैसियत है वह बहुजन समाज पार्टी की बदौलत है उसकी नेता की बदौलत है।

**श्री स्वामी प्रसाद मौर्या-**

मान्यवर, इनकी नेता पूर्व में हमारी भी नेता रह चुकी हैं। जब तक इनकी नेता मायावती जी बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के मिशन, मान्यवर, श्री कांशीराम के विचारों पर चल रही थीं स्वामी प्रसाद मौर्या उनके दाहिने हाथ खड़े थे। और जब वह भ्रष्टाचार के समुंदर में गोते लगाने लगीं तब से मैंने उनको अपनी राजनीति से बर्खास्त कर दिया।

**श्री अध्यक्ष-**

वह इस सदन की सदस्य नहीं हैं इसलिए उन पर टिप्पणी न करें।

**श्री कैलाश नाथ सोनकर-**

परम श्रद्धेय मा0 अध्यक्ष महोदय, आप इस मा0 सदन के साथ-साथ नवनियुक्त विधायकों के एक श्रेष्ठ गुरू भी हैं। प्रबोधन कार्यक्रम 03-04 मई के दौरान आपने श्रेष्ठ गुरू की तरह हम नवनियुक्त निर्वाचित सदस्यों को इस सदन के नियमों का ज्ञानवर्धन किया। जिससे हम नवनियुक्त सदस्यों के अंदर बेझिझक कुछ बोलने की हिम्मत आयी। अभी पहली बार चुनने के बाद सदन के अंदर बोलने के लिए अभी हम लोगों को बहुत कुछ सीखना है। आज पहली बार आपने बोलने का जो अवसर दिया उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, आज इस सदन में स्थान ग्रहण करने का सबसे बड़ा श्रेय मैं बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर जी को देना चाहता हूँ। जिन्होंने दलितों

को भी इस सदन में और भारत के सभी सदन में बैठने का अवसर प्रदान किया। कांग्रेस के लोगों ने जिस तरह दलितों के हिमायती बनने का हवाला दिया मैं उनकी बातों को ही बताना चाहता हूँ क्योंकि बजट भाषण में उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों के लिए कुछ नहीं रखा गया है और बसपा ने भी यह चीज कही और सपा ने भी हिमायती बनने का काम किया। मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूँ कि देश की आजादी के बाद चालीस वर्षों तक कांग्रेस सरकार केंद्र में शासन करती रही और उतने दिनों के अंदर का रिकार्ड उठाकर देख लिया जाये। कहीं भी न्यायपालिका में या कहीं भी किसी भी सरकारी विभाग में रिक्तियॉं खाली पड़ी रहीं, कभी अनुसूचित जातियों की रिक्तियॉं नहीं भरी गयीं और मैं माननीय सदन को बताना चाहूँगा कि यहॉं पर विद्वान हमारे जितने पुराने नेतागण हैं, 7-7 बार 8-8 बार से विधायक बने हुए हैं, इसलिए बहुत सारे बजट पर जिस प्रकार से उन्होंने प्रकाश डाला है, उससे तो हम सब लोग सीख रहे हैं लेकिन जिस तरह हिमायती बनने का काम कांग्रेस ने किया कि मैं दलितों का पूरा हिमायती हूँ। कहीं पर दलितों की सीटें नहीं भरी गयीं, पिछली सरकारों तक भी नहीं भरी गयीं। मुझे अच्छी तरह से स्मरण है कि जब मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी पहली बार प्रधानमंत्री हुए थे, उस समय अनुसूचित जातियों के आरक्षण का उन्होंने नवीनीकरण किया था और सदन में फिर से अपने उत्थान का मौका दिया था और आज वह चलता चला आ रहा है और जब भी गैर भाजपा सरकारें रही हैं, केवल लालीपाप देने का काम किया है, अनुसूचित जाति को किसी भी अच्छी कल्याणकारी योजना में जोड़ने का काम नहीं किया। जबकि बसपा में बहन कुमारी मायावती दलितों की सबसे हिमायती बनती हैं, मैं पूछना चाहता हूँ कि तीन-तीन बार सरकारें रहने के बाद इन्होंने अपने बजट में कहीं भी दलितों के लिए उद्योग या व्यवसाय या किसी भी तरह की कोई भी लोक कल्याणकारी योजना नहीं चलायी।

जबकि उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम लि0 उत्तर प्रदेश की एक संस्था केवल अनुसूचित जातियों के लिए, बहन मायावती ने कभी भी उस पर ध्यान नहीं दिया, केवल पार्कों और मूर्तियों को लगाकर अवैध रूप से हमारे धन का दुरूपयोग किया। उन्होंने कभी भी नहीं सोचा कि उस संस्था के माध्यम से ही जो उद्योग धन्धे और लोगों को दिए जा रहे हैं, वह केवल अनुसूचित जाति के लिए संस्था है, वहॉं अगर वह चाहती तो करोड़ों का व्यापार दे सकती थी और आज की डेट में एक हजार उद्यमी अनुसूचित जाति के पूरे प्रदेश में होते। लेकिन आज अनुसूचित जाति का व्यक्ति उद्योग से विहीन है क्योंकि उसको किसी प्रकार की कोई सुविधा पूर्व में नहीं मिली और अब हमारी सरकार ने जिस तरह से दलितों, पिछड़ों और गरीबों के लिए कार्य शुरू किया है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय के उस मिशन पर कार्य करना शुरू किया है कि हमारे देश के रहने वाले अन्तिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आए और खुशहाली आए तो अन्तिम व्यक्ति वही है, जब हम अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार पर निकलते थे, जहॉं से स्लम एरिया दिखता था, वही दलितों और पिछड़ों का एरिया होता है। उस पर पहले किसी ने विचार नहीं किया। हमारी सरकार ने, माननीय योगी जी महाराज ने जिस तरह से अभी दो बार रिव्यू किया बनारस के अन्दर और उन्होंने बड़ी ही कड़ाई से दिया शासन और प्रशासन को कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिया कि किसी भी दलित को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए, उनकी सभी बातों को सुनना चाहिए और उनके लिए तमाम तरह की योजनाओं के लिए अब आगे सरकार से मैं मॉंग करूँगा कि वह अपनी योजनाओं में शामिल करते हुए उनको भी उद्योग धन्धे और व्यवसाय में मदद करने की व्यवस्था करें। माननीय अध्यक्ष जी, शिक्षा के क्षेत्र में मैं बताना चाहूँगा कि शिक्षा क्षेत्र में मैं अभी 01 जुलाई को गया था, हमारी सरकार ने जिस

तरह से फर्स्ट जुलाई को ही ड्रेस, बैग और किताबें बांटने का काम शुरू कर दिया था जो पिछली सरकारों ने कभी नहीं किया था। इन्होंने अपने समय से हमेशा 06 महीने लेट कोई भी चीज वितरित करने का काम किया, किसी भी योजना को लागू करने का काम किया। मान्यवर, हमारी सरकार 01 जुलाई से बोला था और 01 जुलाई से माननीय योगी जी ने उसको लागू करवा दिया। माननीय अध्यक्ष जी, मैं स्कूल में गया था, वाकई में उस प्राइमरी पाठशाला में बहुत ही बच्चे खुश थे क्योंकि प्राइमरी पाठशालाओं में पूर्व की सरकारों का रिकार्ड उठा कर देख लें, प्राइमरी पाठशालाओं में दलितों के सबसे ज्यादा बच्चे रहते थे, उसके बाद पिछड़ों के बच्चे रहते थे और सामान्य बच्चे होते ही नहीं थे। क्योंकि सामान्य बच्चे सब प्राईवेट स्कूलों में पढ़ते थे और आज मा0 योगी जी की महान कृपा से जितने प्राईवेट विद्यालय जो बिना रजिस्ट्रेशन के चलाये जा रहे थे, उनको उन्होंने बंद करवाने का काम किया, जिससे सभी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की अच्छी संख्या हो गई और सभी टीचर अपनी जिम्मेदारी से उनको पठन-पाठन का काम करने लगे। तो इस तरह से हमारी सरकार ने गरीबों का उत्थान करने के लिए उनकी शिक्षा में उनके स्वास्थ्य में, स्वास्थ्य के लिए भी हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी ने अभी कल सदन को अवगत कराया और बिजली के क्षेत्र में मान्यवर मैं बताना चाहूँगा वाकई में जिस तरह से हमारी सरकार ने इलेक्ट्रानिक व्यवस्था की तरह काम किया है, सरकार बनते ही जिस तरह से 18 घण्टे बिजली गॉवों में मिलने लगी है, गॉवों में एक खुशी की लहर दौड़ गई है। मान्यवर, जो व्यक्ति दलित, पिछड़ा, मजदूर, किसान अन्य प्रदेशों में काम करने के लिए जाता था और वहां काम कर के अगर वह कुछ रूपये कमाता था तो कहीं भाड़े में कहीं अन्य खर्चों में उसके आधे रूपये खर्च हो जाते थे। अब वह मजदूर वह काम करने वाला कारीगर आज बिजली की व्यवस्था से अपने घर में कुटीर उद्योग लगाकर के अपने गॉव में कुटीर उद्योग लगा कर के अपने जीविकोपार्जन को बहुत ही अच्छे रूप से कर सकता है। बिजली की व्यवस्था सबसे बड़ी व्यवस्था होती है, बिजली से हर व्यक्ति को रोजगार मिल सकता है।

आज चाइना बिजली की वजह से कहां से कहां पहुँच गया, उसके प्रोडक्ट हमारे प्रदेशों में, हमारे भारत में तमाम बिक रहे हैं, लेकिन चाहे जिस तरह आज हमारे प्रदेश में बिजली की व्यवस्था हुई है, मुझे लगता है कि वह दिन दूर नहीं है कि चाइना की तरह जितने भी कुटीर उद्योग से प्रोडक्ट हैं वह हमारे लोग खुद तैयार करने लगेंगे और बेचने लगेंगे, इस व्यवस्था के लिए मैं मा0 ऊर्जा मंत्री जी को अपनी सरकार और मा0 मुख्यमंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ और बहुत-बहुत धन्यवाद् देना चाहता हूँ। मान्यवर मैं सपा के हिमायत की बात भी बता दूँ, सपा ने जो हिमायती बनने का काम किया था कि दलितों का हिमायती यह बन रहे हैं, दलितों के ये कभी हिमायती नहीं हैं। इन्होंने तो लोक सभा में भी दिखा दिया है कि यह दलितों के प्रबल विरोधी हैं, क्योंकि प्रमोशन के आरक्षण में इन्होंने तमाम तरह की बाधायें डाल दीं। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ, आप विद्वान हैं, मेरे गुरू हैं, मैं अपने गुरू को सादर चरण स्पर्श करता हूँ।

**श्री अध्यक्ष-**

बहुत धन्यवाद्।

**श्री हरगोविन्द भार्गव-**

मान्यवर, मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि इस बजट सत्र की चर्चा में आपने हमको शामिल करने का काम किया, इसके लिए हम आपको हृदय की गहराई से धन्यवाद देते हैं। मान्यवर, ये बजट जो मैं देख रहा हूँ, हमने अभी तक जो पढ़ा है, उससे यही लगता है कि यह बजट टोटल झूठ का

पुलिन्दा है, वह मैं बता रहा हूं_ मान्यवर कैसे, इस बजट में सबसे पहले इन्होंने किसानों की बात की कि हमने किसानों का 36 हजार करोड़ रूपये माफ कर दिया, 36 हजार करोड़ रूपये जब यह चुनाव में गये थे, जब इन्होंने अपना चुनावी घोषणा-पत्र जारी किया था, उस समय तो इन्होंने कहा नहीं था कि हम सिर्फ फसली ऋण माफ करेंगे, लेकिन आज की तारीख में सिर्फ फसली ऋण माफ हो रहा है और किसान जो इम्प्लीमेण्ट खरीदता है, किसान पम्पिंगसेट खरीदता है, उसका कोई कर्ज माफ नहीं है, तो किसानों के लिए तो यह पूर्णतया निराशा भरा बजट हम तो कहेंगे यह निराशाभरा बजट है। दूसरी बात मान्यवर, इस बजट में लॉ एण्ड आर्डर की व्यवस्था की गई है और जो बजट अभी तक पिछली सरकारों में आया है, उससे भी कम बजट इस बार कानून-व्यवस्था पर रखा गया है, पुलिस व्यवस्था पर रखा गया है। पुलिस व्यवस्था में आज हमारे उत्तर प्रदेश की सारी कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस की है और जब सारी जिम्मेदारी हमने पुलिस विभाग को सौंप रखी है और उसके बजट में भी हम कटौती करेंगे मान्यवर तो क्या हमारी पुलिस व्यवस्था आगे सुदृढ़ होगी। आप देख रहे होंगे आज भी पेपर के फ्रन्ट पेज पर है कि एक विद्युत विभाग के अवर अभियन्ता के यहां डकैती। आज मैं तीन दिन से लगातार पेपर में पढ़ रहा हूं कि रोज डकैतियां पड़ रही हैं और उधर कानून व्यवस्था हमारी बिगड़ती जा रही है और सरकार बजट में और कटौती करती जा रही है। उसे तो अपडेट करना चाहिए। पुलिस को और अपडेट करना चाहिए जिससे बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था को और सुधारा जा सके लेकिन इस सरकार में कोई व्यवस्था नहीं है। मान्यवर, दूसरा इस बजट में जितने भी महत्वपूर्ण विभाग हैं, उसमें पी0डब्लू0डी0 को छोड़ कर सारे विभागों में कटौती कर ली गयी है। मान्यवर, मैं बताना चाहता हूं कि अभी प्रश्न काल में हमारे माननीय ऊर्जा मंत्री जी बता रहे थे कि हमारे पास बिजली सरप्लस है। आज हमारा सवाल भी लगा था लेकिन उस वक्त बोलने का मौका मुझे नहीं मिला। अगर बिजली सरप्लस है तो इन चार महीनों में आपने क्या व्यवस्था कर दी कि आपके पास बिजली की सरप्लस हो गयी और अगर बिजली सरप्लस है तो क्या जो आप बता रहे हैं कि 24 घण्टे मुख्यालय को दे रहे हैं और 22 घण्टे तहसील मुख्यालय को दे रहे हैं, 20 घण्टे गांव में दे रहे हैं। मान्यवर, मैं भी रोज अपने तहसील मुख्यालय से ही लखनऊ तक चलकर आता हूं अपने तहसील मुख्यालय पर ही रहता हूं। सिधौली मेरी सीतापुर की विधान सभा क्षेत्र है। आप पता करा लीजिए अगर 10 घण्टे बिजली भी पूरे सिधौली तहसील में आती हो तो मैं माननीय मंत्री जी के सरप्लस बिजली को मान जाउंगा कि वास्तव में इनके पास सरप्लस बिजली है। वहीं बात अभी हमारे कई सदस्यों ने चर्चा में जिक्र किया पशुपालन का। बजट में कटौती पशुपालन में भी हो गयी और सरकार ने जगह-जगह दीवारों पर लिखवा दिया कि न गुण्डा राज, न भ्रष्टाचार अबकी बार भाजपा सरकार।

**श्री अध्यक्ष-**

यह सरकार ने नहीं लिखवाया, पार्टी ने लिखवाया है।

**श्री हरगोविन्द भार्गव-**

मान्यवर, जी पार्टी ने लिखवाया। मेरी आपसे एक गुजारिश है, निवेदन है कि आप एक कमेटी बनाकर मेरी सिधौली में भेज दीजिये। एक नहीं मैं एक-दो उदाहरण आपको दे रहा हूं। पशुपालन विभाग हमारे सिधौली में चल रहा है। सरकार की नीति है कि पशुपालन में जितना भी टीकाकरण कराया जाये वह फ्री कराया जाये। मैं एक नहीं चार-छ आपको केन्द्र गिना दूं जहां पर बिना पैसा लिए कोई भी किसी भी पशु को टीका नहीं लगाया जाता। एक तो भण्डिया, कुंवर गड्डी, मास्टर बाग, नील गांव, सारे सेन्टरों पर आप एक में भी पता लगा लीजिए अगर बिना पैसा लिए कोई भी

टीकाकरण हो रहा हो। उस पर भी आपने उसके बजट में कटौती कर दी। अभी मान्यवर, हमारे साथी विधायक कह रहे थे, कि पूर्व की सरकारों ने कुछ नहीं किया। अनुसूचित जाति को कोई लाभ नहीं पहुंचाया। मैं आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी लगभग सवा दो लाख के आस-पास सफाई कर्मी भरे गये, बैकलाग की भर्ती हमने कार्यवाही थी, बसपा सरकार में। हमारी सरकार में बैकलाग की भर्ती हुई, माननीय विधायक जी कह रहे थे कि अनुसूचित जाति के लिए कोई भी योजना किसी सरकार में नहीं चलाई गयी। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि पुलिस विभाग की भर्ती हमने कराई। आप पिछली 2007-12 की कार्यवाही निकाल कर देख लीजिए। अगर सबसे ज्यादा भरपाई, सबसे ज्यादा रोजगार, सबसे ज्यादा भर्तियां अगर किसी ने दिया तो बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने 2007-12 के बीच में दिया है। यही माननीय मौर्या जी जो अभी बोल रहे थे, इनके भी विभाग में हजारों की संख्या में भर्ती हुई है जब यह सहकारिता मंत्री थे। आज तो खैर उस तरफ चले गये हैं, तो कोई बात ही नही। अपने दूर-दराज तक का रिश्तेदार कोई बचा न होगा जो आज कोआपरेटिव में भर्ती न हो। मान्यवर, पी0डब्लू0डी0 के बजट में कटौती नहीं की गयी। अच्छा है उसमें कटौती नहीं की सरकार ने लेकिन अभी जब पिछली बार चार दिन का सदन चला था। तो इस सदन में हमारे मा0 उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने इस बात को रखा था कि हम लोग ने 15 जून तक सारी सड़कों को गड्ढामुक्त कर दिया। मान्यवर, मैं सड़कों की फोटो निकलवाकर भेज दूँगा कल या परसों के ताजा। आज की तारीख में किसी भी विधान सभा क्षेत्र की मैं इधर बैठे विधायकों की बात नहीं कर रहा। मैं इधर बैठे विधायकों की विधान सभा क्षेत्र की बात कर रहा हूँ। किसी भी विधान सभा में, मेरी विधान सभा क्षेत्र ले लीजिए अगर 10 परसेण्ट से ज्यादा सड़कें गड्ढामुक्त हुईं हों तो आप उनका पता लगा लीजिए। मा0 उप मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि हमने उत्तर प्रदेश की सारी सड़कें गड्ढामुक्त कर दीं। इतने हजार किलोमीटर सड़कें गड्ढामुक्त कर दीं। मान्यवर, रोज फेसबुक पर हमारे क्षेत्र के लोग डालते हैं कि विधायक जी यह रोड कब ठीक होगी, बाकायदा फोटो सहित डालते हैं और वह सवाल भी मैंने आज लगाया था 301 में। मान्यवर, इस सरकार और इस बजट में ऐसा क्या है कि जिसका हम बखान करें। अभी मैं उच्च शिक्षा का बजट देख रहा था। कहीं भी, कोई भी डिग्री कालेज, गवर्नमेण्ट डिग्री कालेज बनाने की व्यवस्था पूरे उत्तर प्रदेश में इस साल में नहीं है। इस बजट में कहीं नहीं है। हर साल लाखों की तादाद में इण्टर में लड़के पास होते हैं और जब उनको अच्छी एजूकेशन नहीं मिलती तो जाकर बी0ए0 में एडमीशन ले लेते हैं। आज भी सदन में यह बात आई कि हम टेक्निकल एजूकेशन की तरफ बढ़ रहे हैं। जरूरत है आज डिग्री कालेज खोलने की, एग्रीकल्चर कालेज खोलने की, एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी खोलने की जिसकी इस बजट में कहीं भी व्यवस्था नहीं है। इस साल तो नहीं है, अब अगले साल कोई व्यवस्था हो जाए तो आपकी कृपा होगी। मान्यवर, दूसरा मैं देख रहा हूँ कि जो अशासकीय महाविद्यालय हैं। अशासकीय महाविद्यालयों में बायोमीट्रिक मशीन लगा दी गई। अच्छी बात है लेकिन ये विश्वविद्यालयों में कब लगेगी मान्यवर। वहाँ भी तो व्यवस्था होनी चाहिए। आप वाईफाई की व्यवस्था कर रहे हो। आप सारे महाविद्यालयों में वाईफाई दे रहे हो, सारे विश्वविद्यालयों में वाईफाई दे रहे हो लेकिन सारे विश्वविद्यालयों और सारे महाविद्यालयों में आप बायोमीट्रिक की व्यवस्था नहीं कर रहे हो। इसके लिए कोई धन आवंटित नहीं है इसमें। मैं कहना चाहता हूँ कि जो हमारे निर्माणाधीन राजकीय गवर्नमेण्ट कालेज हैं उसमें इस साल बजट की व्यवस्था 15 करोड़ रुपये की गई है। जो निर्माणाधीन हैं जो इस समय बन रहे हैं। मान्यवर, मेरी जानकारी में हमारे जनपद सीतापुर में कम से कम 27 कालेज ऐसे हैं

जो बन रहे हैं इस समय और अगर उन्हीं को पूरा कराया जाए तो ये 15 करोड़ रुपये कम पड़ जाएगा, मान्यवर, पूरे उत्तर प्रदेश का क्या होगा और सरकार अपने बजट को लेकर बड़ी खुश है। दूसरी चीज मैं मान्यवर आपके सामने रखना चाहता हूँ कि डिग्री कालेजों में जहाँ पर बायोमीट्रिक मशीन लगा दी गई है। उन कालेजों की शिक्षकों की जिम्मेदारियों को भी समझा जाए। एक डिग्री कालेज का टीचर दूसरे कालेज में जाकर इनविजिलेटर की ड्यूटी करता है। 2 से 5 की ड्यूटी करता है, 10 से 2 की ड्यूटी करता है तो वह दूसरे कालेज से किस समय आकर अपनी बायोमीट्रिक मशीन पर जो कम से कम 15 से 20 किलोमीटर दूर कालेज में जाकर इनविजिलेटर की ड्यूटी कर रहा है वहाँ से कैसे आकर वह बायोमीट्रिक मशीन पर अपनी प्रेजेण्ट को देगा। वह मूल्यांकन के लिए यूनिवर्सिटी में 15-15 दिन कॉपी जांच ने के लिए ड्यूटी लगाई जाती है शिक्षकों की। वह 15 दिन से यूनीवर्सिटी में कॉपी जांच रहा होगा तो यहाँ पर बायोमीट्रिक अटेण्डेंस कैसे देगा।

श्री अध्यक्ष-

जब वह यूनीवर्सिटी में होगा तो बायोमीट्रिक की जरूरत ही नहीं पड़ेगी क्योंकि उन तिथियों में तो वह यूनीवर्सिटी में होगा न।

**श्री हरगोविन्द भार्गव-**

अब यूनीवर्सिटी में नहीं है व्यवस्था इसीलिए तो मैं चाह रहा हूँ कि या तो यूनीवर्सिटी में भी कर दिया जाए जिससे हम वहाँ पर भी बायोमीट्रिक प्रेजेन्स को दे सकें लेकिन यूनीवर्सिटी में यह व्यवस्था नहीं है क्योंकि सरकार ने बजट की व्यवस्था नहीं की है। बस डिग्री कालेजों में यह व्यवस्था कर दी गई है। तो मान्यवर, मैं इन्हीं कुछ चीजों पर आपके बीच में बोलना चाह रहा था और बाकी मैं इस पूरे बजट को देखकर खुद निराश हूँ और इस उत्तर प्रदेश की जनता कितनी निराश होगी यह तो बाद में पता चलेगा 5 साल बाद 2022 में पता लगेगा। अभी तो सब कुछ हरा-हरा दिखाई पड़ रहा है। मान्यवर, मैं यही पर आपको बहुत-बहुत हृदय की गहराई से धन्यवाद देते हुए, मैं अपनी बात को खत्म करना चाहता हूँ। बहुत-बहुत, धन्यवाद।

**श्रीमती शुचिस्मिता मौर्या-**

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे 2017-18 के बजट पर अपने विचार रखने की अनुमति दी इसके लिए आपको कोटि-कोटि धन्यवाद। आज भाजपा की सरकार को कुशल नेतृत्व प्रदान करने के लिए योगी जी जैसे कर्मठ एवं जुझारू व्यक्तित्व के साथ आपके सहयोगी आदरणीय केशव प्रसाद मौर्य जी और दिनेश शर्मा जी का भी सहयोग मिल रहा है। वर्ष 2017-18 का बजट भारी-भरकम बजट है जो अपने आपमें सभी वर्गों और बिन्दुओं को समाहित किए हुए हैं। यह एक लोक कल्याणकारी बजट है। इस बजट में चाहे गांव हो, किसान हो, उद्योग हो, रोजगार हो, सांस्कृतिक विरासत हो, पशुपालन हो या फिर सड़क से सेतु तक पूरे प्रदेश को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य कर रही है। शिक्षा जो जीवन के हर कोने को उजागर करने का कार्य करती है। अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का काम करती है ऐसे सर्व शिक्षा अभियान को लागू कर हर नौनिहाल के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रही है। इस बजट के माध्यम से महिला विकास एवं मातृत्व लाभ कार्यक्रम के लिए एक सौ करोड़ रूपये तथा शबरी संकल्प अभियान के लिए 262 करोड़ रूपये का बजट प्रस्तावित है। महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में उनकी सहायता हेतु 121 महिला हेल्पलाइन का भी विस्तार हुआ है। आदरणीय, अध्यक्ष महोदय अपना देश एक कृषि प्रधान देश है। अपने किसान सिर्फ वर्षा के

जल पर ही आधारित रह कर कृषि करते थे पर वर्तमान में आज प्रदेश में 33375 राजकीय नलकूपों एवं 250 नहरों एवं 28 वृहद एवं मध्यम पम्प नहरों से कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यह बजट छोटे से छोटे दुर्बल वर्गों के लिए भी नई फेरी नीति लाकर उन्हें लाभ पहुँचाने का कार्य कर रहा है। कानून व्यवस्था को और सबल और सशक्त करने में भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। नारी शक्ति का सशक्तिकरण एवं उनके सम्मान की रक्षा सरकार का महत्वपूर्ण संकल्प है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, 2017-18 का बजट औद्योगिक विकास की ओर गति देने के लिए तत्पर है। बड़े उद्योगों के साथ-साथ हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में भी 25 हजार रोजगार सृजन का लक्ष्य है। इस बजट के माध्यम से हम सभी को स्वस्थ वातावरण दिये जाने का भी प्राविधान पर्यावरण विभाग एवं वन विभाग के माध्यम से हमारी सरकार कर रही है। अंत में आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, जैसा कि मैं मिर्जापुर के 397 मझवां विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हूँ। इस विधान सभा क्षेत्र में आपके माध्यम से सरकार को सांस्कृतिक विरासत जो मिर्जापुर की कजरी की ओर ध्यान आकृष्ट करती हूं, जिसका प्रादुर्भाव भी मिर्जापुर में ही हुआ है और यह देश विदेश में खूब फली-फूली है और इसका नाम रोशन हुआ और मिर्जा पुर की कजरी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उसमें बहुत ही मिठास है। परन्तु आज इस विधा को जीवित रखने के लिए इसके संवर्द्धन के लिए आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगी और मैं इस बजट को अपने विचारों से समर्थन देती हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री शीतल पाण्डेय-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि बजट पर चर्चा के लिए आपने मुझे अवसर दिया। किसी भी राष्ट्र की खुशहाली का रास्ता गांव से होकर गुजरता है क्योंकि गांव में किसान बसते हैं। वह हमारे अन्नदाता हैं और हम उनको भगवान भी कहते हैं। यह बजट पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मूलमंत्र समाज के अंतिम व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए है, इसलिए मैं बजट का समर्थन करता हूँ। मान्यवर, कल समाजवादी पार्टी के प्रतिपक्ष के नेता राम गोविन्द चौधरी जी हम लोगों के विद्यार्थी जीवन के साथी रहे हैं। उन्होंने झूठ को आधार बना करके सत्य को छिपाते हुए जिस तरह से इस बजट को दिशाहीन और जन विरोधी बताने का प्रयास किया तो मान्यवर, मैं यही मानता हूँ कि अगर ओलम्पिक में कोई झूठ प्रतियोगिता होती तो समाजवादी पार्टी उसमें जरूर स्वर्ण पदक पाती। जितने भी सदस्य खड़े हुए उन्होंने तथ्यों को नकारा। उन्होंने बजट की कॉपी भी नहीं देखी केवल, खैर हमको आश्चर्य भी नहीं है सपा के लोग और किताब दोनों में एक नदी और दो किनारे जैसा सम्बन्ध है। शिक्षा और सपा का आपसी सम्बन्ध ठीक नहीं है। बजट की उन्होंने कॉपी भी नहीं देखी और कहना शुरू कर दिया। जिस महान पुरुष का वह नारा दे करके आते हैं डा0 लोहिया हमारे आदर्श, वह भी कहा करते थे कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन परिवारवाद है और इनकी समाजवादी पार्टी पूरी तरह परिवारवाद पर आधारित है। मान्यवर, मैंने एक पिक्चर देखी थी 'चाचा-भतीजा'। उसमें यह था कि 'बुरे काम का बुरा नतीजा, क्यों भई चाचा, हाँ भतीजा'। चाचा-भतीजे के झगड़े ने पूरे उत्तर प्रदेश को शर्मसार कर दिया। मान्यवर, वह परिवार का झगड़ा नहीं था। पांच साल के शोषण में उन्होंने जनता के पैसे को लूटा था, जो उन्होंने पी0डब्लू0डी0 को लूटा था, जो उन्होंने अन्य विभागों से लूटा था, लूट का पैसा किसके पास है, उसका झगड़ा था। परिवार का आपसी झगड़ा नहीं था। हमें तो हैरत

हो रही है कि कोई भी सभ्य माता-पिता अपने पुत्र का नाम अखिलेश यादव नहीं रखेगा क्योंकि औरंगजेब ने शाहजहां को जेल भिजवाया था, अखिलेश ने ऐसी ठोकर मारी कि उनके बाप की कुर्सी चली गयी।

**श्री अध्यक्ष-**

जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं, उपस्थित नहीं हैं उनके बारे में न कहें।

**श्री शीतल पाण्डेय-**

मान्यवर, प्रधानमंत्री जी भी सदन के सदस्य नहीं थे तो उस दिन राम गोविन्द चौधरी जी ने झूठा कहा, यह सबसे बड़ी शर्म की बात है।

**श्री अध्यक्ष-**

उस दिन मना कर दिया गया था और अब वह कार्यवाही का भाग नहीं रहा।

**श्री शीतल पाण्डेय-**

मान्यवर, हम बजट पर आ रहे हैं किसानों के उत्थान के लिए, किसानों के घरों में खुशहाली आवे, उनके चेहरे पर मुस्कान आये, हमारे मुख्य मंत्री जी ने पहली कैबिनेट की बैठक में एक लाख तक का कर्जा माफ किया, सपा के भाइयों को हैरत इस बात की है चिन्ता इस बात की है कि उन्होंने भी कर्जा माफ करने का एलान किया था केवल एलडीबी बैंक में और उस समय एलडीबी बैंक में किसी का 6 हजार से ऊपर का कर्जा था ही नहीं, इसलिए उनको चिन्ता है कि जो धरतीपुत्र की पार्टी है किसानों के लिए कुछ नहीं किया और भाजपा को यह हमेशा साम्प्रदायिक कहते हैं। मान्यवर, जातपात सम्प्रदायिकता से भी ज्यादा खतरनांक है और जो कक्षा 8 भी पास नहीं होता है, मंच पर माइक पकड़ लेता है हमारी पार्टी को सम्प्रदायिक कहता है यह बहुत बड़ा मामला है। अध्यक्ष जी, मैं यही कहना चाहता हूं कि यह हमारी पार्टी का जो बजट है किसानों के लिए, गरीबों के लिए, गांव के विकास के लिए, गांव के विकास के लिए आज सड़कों को जोड़ा जा रहा है, पानी के निकासी की व्यवस्था की जा रही है वहॉ शिक्षा की व्यवस्था की जा रही है और मान्यवर, अभी-अभी मैं सुन रहा था एक सज्जन कह रहे थे कि डिग्री कालेज और विश्वविद्यालय में कोई व्यवस्था नहीं हो पाई । 5 साल इनकी सरकार और 5 साल तक बसपा की सरकार लेकिन आज विश्वविद्यालयों की हालत यह है इन्हीं की सरकार के कारण कि आज किसी विभाग में टीचर नहीं हैं, डिग्री कालेज में टीचर नहीं है, प्राइमरी स्कूल में टीचर नहीं है और बसपा और सपा की सरकार में तो एक-एक अध्यापक के जिम्मे 4-4 स्कूल थे। मान्यवर, अब इस सरकार में जो उच्च शिक्षा मंत्री हैं दिनेश शर्मा जी से मैं मिला वह शिक्षकों की कर्मी को दूर करने के लिए एक निर्णय लेने जा रहे हैं । मान्यवर, हमारे पूर्वी उत्तर प्रदेश में गन्ना नगदी फसल है। गन्ने की फसल से शादी होती है, हम अपने बूढ़े मां-बाप की दवा करते हैं, अपने लड़के को शिक्षा देते हैं और हम अपने घर का विकास करते हैं। इन लोगों की लापरवाही के कारण, इन लोगों ने चीनी मिलों को बेच दिया इन लोगो ंने हमारे गन्ना किसानों को इतना करारा तमाचा दिया कि उसने गन्ना बोना छोड़ दिया और गन्ना क्षेत्रफल घट गया। आज योगी जी ने गन्ना किसानों को उत्साहित करने के लिए, प्रोत्साहित करने के लिए आज जो गन्ना किसानों का मूल्य भुगतान किया उसकी भी चिन्ता करते हैं कि कैसे भुगतान हो गया । मान्यवर, यह लोग राजनीति को

खेल का एक माध्यम समझते हैं, इनका न कोई सोच है न कोई सिद्वान्त है, न कोई नीति है यह केवल विरोध के लिए विरोध करते हैं। मान्यवर, मैं इनकी मानसिक विकलांगता पर एक शेर पढ़ रहा हूं कि यह लोग सोच समझ करके कुछ नहीं कहते।

रात शबनम ने कहा खून से रोते-रोते,
तू भी मिट जायेगा, धूप के होते-होते।
कहॉ जा कर छिपाओगे यह खूनी चेहरा,
उम्र ढल जायेगी यह दाग धोते-धोते।।

सत्ता का असली सुख तो आप लोग ही लिये, हम लोग तो वनवास के बाद आये हैं । इन लोगों ने अपने 5 साल के शासन में इतना कुछ कर दिया है कि आज भी प्रदेश की जनता उसे याद करके दुखी है। हमारे सपा के लोग कह रहे थे कि काननू व्यवस्था बड़ी खराब है मान्यवर, कानून व्यवस्था तो इनके राज में जंगलराज हो गयी थी । जब कोई बच्चा रोता था तो उसकी मॉ कहती थी कि चुप हो जा, सपा आ रही है । इतना भय था, इतना आतंक था । आपके राज में जो पुलिसकर्मी सुरक्षा देते थे उनको जीप में बांध करके आधा किमी0 तक घसीटा गया । आप मर्डर की बात कर रहे हैं,

'आपको कहें कातिल मेरी मजाल क्या है,
आप ही की शक्ल में कोई दूसरा रहा होगा'।

खाली आप लोग हैं अब मर्डर आपको दिखाई दे रहा है, हम तो नहीं जानते कि कहॉ मर्डर हो रहा है।

**श्री तसलीम अहमद**-

बिजनौर मैं खुलेआम दरोगा को मार दिया गया ।

**श्री शीतल पाण्डेय**-

अब आप लोग खाली हैं तो दरोगा और सिपाही तो मारे ही जायेंगे ।

**श्री अध्यक्ष**-

ठीक है, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ।

**श्री शीतल पाण्डेय**-

मान्यवर, अभी तो मैं बजट पर आया ही नहीं । मान्यवर, मैं नया सदस्य जरूर हूं मगर उम्र मेरी पुरानी है । मैं कल से बैठकर देख रहा था कि वहॉ से हमारी पार्टी पर टांट कसा जा रहा था, जो उपहास किया जा रहा था । हम भी यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष रहे हैं, चुप थे, यही क्या कम था। मान्यवर, यह जो बजट है यह गरीब, किसान, मजदूर के उत्थान के लिये है। गन्ना किसानों के घरों में खुशहाली लाने के लिये है, छात्रों, नौजवानों को रोजगार देने के लिये है । कौशल विकास के माध्यम से हम उनको प्रशिक्षित करेंगे और हम उनको रोजगार देंगे । मान्यवर, फसल बीमा योजना पहले भी थी लेकिन जब 50 परसेंट जिसका नुकसान होता था उसको लाभ मिलता था लेकिन प्रधानमंत्री जी ने फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जो 15 परसेंट से भी कम जिसका नुकसान है उसको 1.5 प्रतिशत प्रीमियम पर उन्होनें फसल बीमा का लाभ दिया और जो इस प्रदेश में लागू ही नहीं हुआ क्योंकि सरकार सपा की थी । यह लोग इसके लिये एजेन्सी ही नहीं तय किये क्योंकि इनको लग रहा था कि अगर हम केन्द्र द्वारा भेजे गये पैसे का उपयोग करेंगे तो हमारी छवि खराब होगी । इसलिये जो भी

केन्द्र की योजना आती थी यह लोग उसको रोक लेते थे । इनको एक ही चिन्ता थी, केवल सैफई की चहारदीवारी बनाने की । अन्य प्रदेश में कोई काम हो या न हो सारा सैफई में काम किया जाता था । मैं धन्यवाद देता हूं पूज्य योगी जी को और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को, कि उन्होंने वी0आई0पी0 कल्चर को समाप्त किया । यह लोग बिजली की बात कर रहे थे । बिजली केवल सैफई में प्रकाशित होता था । अब हमारे राज्य में प्रदेश के हर कोने-कोने में बिजली की लाइन जा रही है। अब अगर कहीं गड़बड़ी हो रही है तो इन्हीं की मानसिकता वाले अधिकारी अभी कुर्सियों पर बैठे हैं, उनको अहसास नहीं हो रहा है कि सरकार बदली है हमको अपनी मानसिकता बदलना चाहिये । अभी कुर्सियों पर वही लोग बैठे हैं, वह गडबड़ी थोड़ी बहुत जो है, इसमें भी सुधार होगा । मान्यवर, जहॉ तक बजट का सवाल है तो मैं बजट का समर्थन करता हूँ और जो ये लोग छोड़ गये थे पॉच साल में दस साल में किये थे उस पर एक सेर पढ़ करके मैं अपनी बात समाप्त करूँगा।

हाल अब भी चमन का यही दोस्तों, फूल खिलते हैं तो सर झुकाये हुए।
तूने लूटा नशेमन मगर आंधियों, देखना हम हैं तिनके बचाये हुए।।

मान्यवर, मैं बजट का समर्थन करता हूँ, धन्यवाद।

**श्री लालजी वर्मा** -

मान्यवर, आज शुक्रवार है और सभी मा0 सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्रों में जाना है, एक दिन आपकी कृपा से अवसर मिलेगा, थोड़ा सा मान्यवर इसको आज देख लें।

**श्री प्रदीप कुमार चौधरी** -

मान्यवर, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया, आपको कोटि-कोटि धन्यवाद। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे योगी जी की सरकार में वित्त मंत्री श्री राजेश अग्रवाल द्वारा जो बजट प्रस्तुत किया गया, वह वाकई ऐतिहासिक बजट रहा है जो हर वर्ग को ध्यान में रख करके पेश किया गया है। किसान की आमदनी दो-गुना हो जाए, इसका विशेष रूप से ख्याल रखते हुए हमारी सरकार ने उन सभी वर्गों का ध्यान रखा है, गन्ने का भुगतान जो पिछली सरकारों के समय में नहीं हो रहा था उसको अबकी बार हमारी सरकार ने प्राथमिकता पर लेते हुए पिछले वर्ष के मुताबिक कहीं अधिक ज्यादा भुगतान करने का निर्णय लिया है, जो भुगतान हो भी चुका है। ग्रामीण क्षेत्र की मूलभूत बुनियादी आवश्यकताओं जैसे बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा, आवास, चिकित्सा सुविधाओं पर प्रभावी कदम उठा करके हमारी सरकार ने आमजन की सुविधा को ध्यान में रखा है। मान्यवर, बिजली जो हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण आवश्यकता की चीज है उसके लिए हमारी सरकार ने बड़े स्तर पर कार्य भी किया है और 18, 22 तथा 24 घण्टे बिजली देने का जो हमारी सरकार ने संकल्प किया है उस पर बहुत ही बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है। काम करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि जो किसी न किसी प्रकार से लाइनलॉस होता है उसको ध्यान में रखते हुए प्रत्येक गॉव में बिजली के खम्भे लगाने का काम हो रहा है, ट्रांसफारमर लगाने का काम हो रहा है, जो बिजली घर ओवरलोड चल रहे हैं उनमें क्षमतावृद्धि का काम बड़े स्तर पर किया जा रहा है तथा जहॉ पर नये बिजलीघरों की स्थापना की आवश्यकता है वहॉ पर नये बिजलीघरों की स्थापना करने का प्रयास हमारी सरकार का चल रहा है। आदरणीय अध्यक्ष जी, गम्भीर समस्या को देखते हुए बिजली का बहुत बड़े स्तर पर काम हुआ है। मान्यवर, सड़कों का बहुत बुरा हाल था जो पिछली सरकार छोड़ करके गई थी, गड्ढे ही गड्ढे सड़कों में देखने को मिलते थे, हमारे लोक निर्माण मंत्री जी के द्वारा और हमारे मा0 मुख्यमंत्री जी के द्वारा लोक निर्माण विभाग में बहुत बड़े बजट की व्यवस्था करते हुए तमाम सड़कों को गड्ढामुक्त करने का

काम किया गया है और आने वाले दिनों में नई सड़कों का निर्माण हो, पुलों का निर्माण हो यह संकल्प ले करके हमारी सरकार काम कर रही है। मान्यवर, परिवहन विभाग में बहुत सारे रूट ऐसे बचे हुए थे जिन रूटों पर बसों का संचालन ही नहीं हो पाता था यात्री बुरी तरीके से खड़े हो करके कई-कई घण्टे इन्तजार करते रहते थे कि परिवहन विभाग की बस आयेगी और हमें गन्तव्य स्थान तक पहुँचने का अवसर मिल जायेगा लेकिन कोई ऐसी व्यवस्था पिछली सरकारों के द्वारा नहीं की गई लेकिन अबकी बार परिवहन के मामले में भी हमारी सरकार ने प्रभावी कदम उठाते हुए उन रूटों पर बसों का संचालन किया है जिन रूटों पर बसों का संचालन नहीं होता था और नये रूट स्थापित करने का काम किया जा रहा है, जो नये रूट बनेंगे उसमें भी बसों का संचालन करने का प्रयास किया जा रहा है। आदरणीय अध्यक्ष जी, धार्मिक स्थलों का सौन्दर्यीकरण जो नहीं हो पा रहा है, उनके सौन्दर्यीकरण करने का भी निर्णय हमारी सरकार ने लिया है और पर्यटक सुविधायें बहुत बड़े स्तर पर कार्य-योजना बना करके किया जा रहा है। आदरणीय अध्यक्ष जी, छात्र-छात्रों के शिक्षा के स्तर को उठाने के लिए प्रभावी कदम उठाये गये हैं और विद्यालयों में वाई-फाई, इण्टरनेट की सुविधा देने का निर्णय हमारी सरकार द्वारा किया गया है जिसकी हम सराहना करते हैं। रोजगार के क्षेत्र में, औद्योगिक क्षेत्र में, जो रोजगार के लिए बेरोजगार घूमते रहते थे, पढ़-लिख करके लड़के कहीं नौकरी नहीं पा रहे थे उनको नौकरी मिले इस क्षेत्र में भी हमारे औद्योगिक निवेश व प्रोत्साहन की नीति प्रदान की गयी है। विशेष निवेश बोर्ड की स्थापना की गयी है, सिंगल विण्डो क्लीयरेंस जैसे कार्यक्रमों की स्थापना करते हुए हमारी सरकार आगे बढ़ने का कार्य कर रही है। गरीबों को आवास की सुविधा मिले इस तरफ हमारी सरकार ने प्रभावी कदम उठाये हैं जिसका लाभ आने वाले समय में लाभार्थियों को मिलने का कार्य होगा। आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार द्वारा कृषि के क्षेत्र में भी फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना जैसे कार्यक्रम चलाने का काम किया गया है। नेशनल ग्राउण्ड वॉटर मैनेजमेंट इम्प्रूवमेंट स्कीम के अंतर्गत बुन्देलखंड के 06 जनपद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 04 जनपदों को लिया गया है जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, बागपत, शामली और मुजफ्फरनगर जनपद लिये गये हैं। अध्यक्ष जी, हमारा जनपद सहारनपुर भी बहुत बुरी तरीके से से अतिदोहित है। हमारे यहॉ के 11 के 11 ब्लाक बहुत बुरी तरह से प्रभावित हैं उनका वॉटर लेबिल बहुत नीचे पहुँच गया है। मेरा आपसे अनुरोध है इन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चार जनपदों के साथ-साथ जनपद सहारनपुर को भी इसमें शामिल कर लिया जाए। अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूँ कि जल स्तर नीचे पहुँचने की वजह से किसानों को अपनी फसल में पानी देने में बड़ी असुविधा का सामना करना पडता है। हमारे जनपद सहारनपुर में हथिनी कुंड लिंक चैनेल-टू के नाम से प्रस्तावित नहर रखी गयी है जिसमें पिछले दिनों मैं कई बार इस बात को उठा चुका हूँ लेकिन पिछली सरकार ने इंच भर भी इस पर काम नहीं किया है। इस बार मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार निश्चित रूप से इसमें गम्भीरता से काम कर रही है। किसान के खेत तक पानी पहुँचे इसके लिए प्रभावी कदम उठाने का कार्य हमारी सरकार करेगी । हमारे जनपद में लिंक चैनेल-टू के नाम से हथिनी कुंड बैराज के नहर को प्रस्तावित रखा गया है उसके लिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि इसको इसमें रख लिया जाये। आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारा गंगोह क्षेत्र, 07 विधान सभा क्षेत्र में पड़ता है जो ब्लाक स्तर का है, जो हमारी तहसील नकुड से सम्बन्धित है और कुछ हिस्सा रामपुर तहसील में पड़ता है। हमारे क्षेत्र के लोगों को न्याय के लिए काफी दूर जाना पड़ता है, इधर नकुड भी हमारा काफी दूर पड़ता है उधर रामपुर भी काफी दूर पड़ जाता है। मेरा आपके माध्यम से यह अनुरोध है कि गंगोह को तहसील का

दर्जा दे दिया जाए। अध्यक्ष जी, बहुत सारे कार्यक्रम हमारी सरकार ने लिये हैं। अतः मैं इस बजट का स्वागत और समर्थन करते हुए धन्यवाद देना चाहूँगा और दो शब्दों में अपनी बात कहते हुए समाप्त करूँगा किः-

दुनिया के रैन बसेरे में, पता नहीं कितने दिन रहना है,
जीतेंगे सबके दिलों को बस यही हमारी सरकार का कहना है।

इसके साथ ही आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री संजय कुमार-**

मान्यवर, मैं बजट की चर्चा पर अपनी बात रखने के लिए खड़ा हुआ हूँ। सबसे पहले मैं अपने वित्त मंत्री मा0 श्री राजेश अग्रवाल जी और उनके सभी सहयोगियों का इस बात के लिए आभार प्रकट करता हूँ कि जो बजट उन्होंने प्रस्तुत किया है, विपक्ष की बौखलाहट इस बात को बता रही है कि बजट कितना जनप्रिय, लोकप्रिय है। इस बजट का जब हम लोगों ने अध्ययन किया तो बजट में क्या पाया? यह बजट पूर्णतया किसानों को समर्पित, गरीबों को समर्पित बजट है, यह बजट पूर्णतया शिक्षा के उत्थान के लिए समर्पित बजट है। इस बजट में जिन-जिन मदों में आवश्यकता थी उसमें वृद्धि की गयी और जिन-जिन मदों में आवश्यकता थी उसमें कटौती करके एक आदर्श बजट प्रस्तुत किया गया है। हमें अगर विभागवार चर्चा करनी पड़े तो एक-एक विभाग पर चर्चा कर सकते हैं। हमारे विपक्ष के साथी बजट को लेकर छाती पीट रहे हैं और छाती क्यों पीट रहे हैं क्योंकि अभी तक उनकी सरकारों में जो बजट आता था उसमें बजट में कई तरीके के मद शामिल होते थे। लूट के मद, कमीशन के मद, घोटाले के मद। खर्चा होना है 100 करोड़ और 300 करोड़ का बजट देते थे क्योंकि 200 करोड़ तो लूटने का काम उन्हीं की पार्टी के नेताओं को, उन्हीं के लोगों को करना होता था। आज वह बजट, मैं नगर विकास विभाग की बात करता हूँ। मैं भरवारी नगर पंचायत का चेयरमैंन रहा और चेयरमैन रहते हुए मैं विधायक बना। इसके पहले जो नगर विकास का बजट आता था चाहे नया सवेरा में बजट आवंटित हुआ हो, अगर उस बजट का डिस्ट्रीब्यूशन उठाकर देख लिया जाय तो जन कल्याणकारी बजट नहीं था। उस समय तत्कालीन नगर विकास मंत्री आज़म खाँ साहब लिस्टों को कैसे डिसाइड किया करते थे। जब उनके यहाँ सूची बनती थी तो सूची में पहले यह देख जाता था कि यह पालिका का चेयरमैन किस पार्टी का है, उसके बाद पार्टीवाइज सूची बनती थी और जब पार्टी से सूची अलग डिफाइन होती थी फिर उसके बाद उसकी जाति देखी जाती थी, उसका धर्म देखा जाता था और फिर उसके बाद उसका मद देखा जाता था उसके बाद मात्र कुछ लोगों को बजट में धन आवंटन की व्यवस्था थी। बाकी नगर पंचायतों और नगर पालिकाओं को उस बजट से वंचित किया जाता था। आज नगर विकास मद में जो बजट की व्यवस्था की गई है हमारे संसदीय कार्य मंत्री हमारे नगर विकास मंत्री माननीय सुरेश कुमार खन्ना साहब यहाँ बैठे हुए हैं, इस बात की आस जगी है जिस तरीके से जितने भी हमारे बजट में पैसे आये हैं चाहे राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन के लिये हो, चाहे नगर विकास के लिये हो, चाहे ग्राम विकास के लिये हो, चाहे किसानों की कर्ज माफी के लिये हो, चाहे बच्चों की शिक्षा के लिये हो। एक-एक मद पर अगर कोई चर्चा कर ले तो खाली लोगों को तकलीफ यह है कि इन मदों में लूटने की कोई व्यवस्था नहीं है। आज बिजली, मैं बिजली पर चर्चा करना चाहता हूँ। हमारे केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आदरणीय पियूष गोयल साहब इलाहाबाद आये थे जब स0पा0 की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सरकार चल रही थी। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश सरकार जितनी बिजली खरीदना चाहे हम बिजली देने को तैयार हैं। उत्तर प्रदेश सरकार मन बना ले उत्तर प्रदेश में बिजली की इफरात हो सकती है। मगर उस सरकार ने बिजली नहीं खरीदी। बिजली क्यों नहीं खरीदी? माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि अगर राज्य सरकार केन्द्र सरकार से बिजली खरीदती है तो बिजली खरीदने में उसको कमीशन नहीं मिलने वाला है। बिजली में वह भ्रष्टाचार नहीं कर सकते इसलिये उन्होंने बिजली खरीदने का काम नहीं किया। आज हमारे बजट में उसके लिये व्यवस्था है। आज 20 प्रतिशत बिजली, जितना डिस्ट्रीब्यूशन उनकी सरकार में होता था उससे 20-25 प्रतिशत डिस्ट्रीब्यूशन हमारी सरकार में बढ़ा है। आज हमारे गॉवों को 18 घंटे बिजली मिल रही है, 20 घंटे तहसीलों को बिजली मिल रही है और जिला मुख्यालयों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। मैं माननीय अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के कुछ साथी बैठे हैं इनसे पूछना चाहता हूँ जो अखिलेश यादव जी टैक्नोलॉजी की बात किया करते थे, जो अखिलेश यादव जी उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की बात किया करते थे बिजली के लिये उनकी सरकार में बजट क्यों नहीं हुआ करता था? विपक्ष के साथियों के पास अगर इसका जवाब हो तो सदन के सामने रखें कि उनके पास बिजली के लिये बजट क्यों नहीं हुआ करता था। आज हमारी सरकार कैसे बिजली दे रही हैं। हमारे नये कारखाने नहीं बने, उसी व्यवस्था में हमने बिजली देना शुरू किया बजट हमारे यहॉ पड़ा है।

आज 24 घंटे में नगरीय क्षेत्रों में, 48 घंटे में ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं। पूर्व की सरकारों में ग्रामीण क्षेत्रों में महीने महीने दो-दो, तीन-तीन महीने ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते थे और ट्रांसफार्मर बदले कैसे जाते थे गॉव वाले चन्दा करते थे सौ-सौ दो-दो सौ रुपये इकट्ठा करते थे। एक ट्रांसफार्मर के मद में दस-दस, बीस-बीस हजार रुपया इकट्ठा होता था और वही पैसा जब वर्कशाप में एक्स0एन0 के माध्यम से पहुँचता था तो ट्रांसफार्मर गॉव में पहुँचता था। आज इस बात की खुशी है कि हमारी सरकार ने बिना किसी लेन-देन के, बिना किसी प्रयास के एक सूचना खाली चली जाती है, 24 से 48 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने का काम हो रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहूँगा कुछ योजनाएं बंद हुई हैं। बहुत सी योजनाएं क्यों बंद हुई हैं मैं साफ-साफ कहना चाहता हूँ। लैपटॉप वितरण की योजना, मैं अपने जिले का गवाह हूँ। उस जिले के प्रभारी मंत्री आया करते थे। दस-बीस बच्चों को लैपलॉप बांटते थे उसके नाम पर आयोजन के लिए बीस लाख, तीस लाख सरकारी धन खर्चा हुआ करता था मैं तो साफ-साफ कह सकता हूँ विपक्ष के साथी बता सकते थे उस लैपटॉप की खरीदारी कितने की होती थी और वास्तव में लैपटॉप होता कितने का था। पन्द्रह से बीस हजार रुपये के मूल्य का लैपटॉप जिसकी सरकारी खजाने से 60 से 70 हजार रुपये में खरीदारी की जाती थी और उसके वितरण के नाम पर जो सम्मान समारोह के माध्यम से जो सरकारी धन का दुरुपयोग होता था, मैं यह कह सकता हूँ एक छात्र को लैपटॉप देने के नाम पर सरकारी खजाने से एक लाख रुपया जाया करता था। वह पैसा किसका था वह पैसा उत्तर प्रदेश की 22 करोड़ जनता का पैसा है। वह पैसा गरीब की मेहनत की कमाई का पैसा है। एक गरीब अगर एक माचिस भी खरीदता है,नमक भी खरीदता है तो सरकार को टैक्स देता है। सरकार की जिम्मेदारी है कि उस टैक्स के पैसे का सदुपयोग हो मैं माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद् देता हूँ, मैं माननीय उप मुख्य मंत्री मा0 केशव जी को धन्यवाद देता हूँ इनके गृह जिले में दुनिया का सबसे बड़ा मेला अर्धकुम्भ लगने वाला है। उस अर्धकुम्भ के लिए पॉच सौ करोड़ रुपये का बजट आवंटित हुआ है आज मुझे इस बात का फक्र है कि उत्तर प्रदेश में ही नहीं पूरे विश्व का जो सबसे

बड़ा मेला होता है जो प्रयागराज की धरती पर कुम्भ के नाम से लगता है आज उसके लिए सरकार ने अपनी मंशा बता दिया है कि आस्था के नाम पर चाहे वह हिन्दू हो या मुसलमान हो कोई राजनीति नहीं होगी। अगर आस्था का महाकुम्भ प्रयाग की धरती पर लग रहा है तो सरकार भी उस अर्धकुम्भ को सफल कराने के लिए बाहें खोलकर व्यवस्था कर रही है। जिसकी बैठकें स्टार्ट हो चुकी हैं। मैं सदन के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूँ, माननीय उप मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूँ कि जिनका जिला इलाहाबाद है इलाहाबाद का नाम खत्म कर दिया जाए। जिस प्रयागराज की वजह से पूरी दुनिया में कुम्भ जाना जाता है उसका नाम प्रयागराज कर दिया जाए आज कार्यवाही में इसको नोट करिए मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूँ कि इलाहाबाद का नाम प्रयागराज कर दिया जाए और जब हमारा 2019 का महाकुम्भ हो तो इलाहाबाद नाम सुनने में न आए। प्रयागराज का महाकुम्भ कहा जाए। पूरी दुनिया में प्रयागराज जाना जाए।

उसी की बगल में जुड़ा हुआ हमारा कौशाम्बी है कहते हैं जब कोई बड़ी चीज मिलती है तो बगल वालों के हिस्से में भी थोड़ा बहुत आ जाता है हमारा कौशाम्बी पिछड़ा जिला है। महोदय, इलाहाबाद को काटकर कौशाम्बी जिला बनाया गया था कौशाम्बी जिला पहले दस्यू प्रभावित जिला था यह कृषि आधारित जिला है बहुत पिछड़ा जिला है वहां पर बिजली,पानी,सड़क जैसी समस्यायें रहती हैं। शिक्षा की समस्या है महोदय मैं कहना चाहता हूँ हमारी कौशाम्बी की भी थोड़ी चिन्ता की जाए। कौशाम्बी में विकास की दृष्टि से कोई भी उद्योग धन्धे नहीं हैं एक भी इन्ड्रस्टी नहीं है कौशाम्बी में शिक्षा की व्यवस्था नहीं है मैं आज सदन के माध्यम से मांग करता हूँ, सदन के माध्यम से मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूँ हमारी कौशाम्बी की जो ऐतिहासिक विरासत है जो इसका इतिहास है, कौशाम्बी महाजनपद हुआ करता था जिस समय प्रयाग भी उसका एक हिस्सा हुआ करता था उन 16 महाजनपदों में कौशाम्बी जो राजा उदयन की राजधानी थी जहां महात्मा बुद्ध का चातुर्मासा पूरा हुआ है जहां पर सन्दीपन मुनी ने कृष्ण और सुदामा जैसे शिष्यों के साथ वहां चातुर्मासा पूरा किया है सन्दीपन आश्रम के नाम से वह स्थान विख्यात है उस कौशाम्बी की मैं बात करता हूँ जहां पर भगवान श्रीराम श्रृंगबेरपुर से गंगा पार करते हुए बदनपुर आश्रम होते हुए चरवा में चरक मुनि के धाम में विश्राम करते हुए वन गमन करते हुए चित्रकूट प्रस्थान किए थे ऐसी ऐतिहासिक कौशाम्बी के लिए विकास के लिए मैं मांग करता हूँ सदन के माध्यम से कि माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराया जाए । हमारी कौशाम्बी के बारे में बताना चाहूँगा कि जिस तरह से समाजवादी सरकारों में भू-माफिया हमारे यहां सक्रिय थे मसुरिया माई का एक मंदिर है हमारे यहां किशनपुर अम्बारी नाम का एक गॉव हे वहां मसुरिया माई का एक प्राचीन मंदिर है उस प्राचीन मंदिर के पूरे प्रांगण को एक वर्ग विशेष के लोगों ने पचासों साल से कब्जा कर रखा था पच्चीस तीस साल पहले हमारे जो विधायक थे उन्होंने उसकी लड़ाई लड़ने का काम किया हमारे सांसद माननीय विनोद सोनकर ने भी उसकी लड़ाई लड़ने का काम किया मगर उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार न होने के कारण हम माफियाओं के सामने टिक नहीं पाए थे। हम माफियाओं के सामने टिक नहीं पाए थे मैं आज योगी जी की सरकार को धन्यवाद देता हूँ मैं केशव जी को भी धन्यवाद देता हूँ माननीय डिप्टी सी0एम0साहब के हस्तक्षेप से वह मसुरिया माई का कैम्पस आज माफियाओं से मुक्त हो चुका है। पूरा परिसर खाली हो गया है लोगों के मकान वहॉ से गिराए जा चुके हैं और मसुरिया माई का मंदिर मैंने अपने धर्मार्थ मंत्री संस्कृति मंत्री माननीय लक्ष्मीनारायण चौधरी जी जो कि हमारे कौशाम्बी के प्रभारी मंत्री भी हैं मैंने उनसे भी मांग

किया है कि अपने विभाग से कुछ धन आवंटित करके मसुरिया माई का वह सैकड़ों हजारों साल पुराना स्थान उसका सौन्दर्यीकरण करा दिया जाए महोदय हमारे कौशाम्बी में कोई उद्योग नहीं है मैं बजट के माध्यम से मांग करता हूँ पर्यटन के लिए हमारे बजट में पर्याप्त व्यवस्था है कौशाम्बी में पर्यटन की बहुत सी चीजें हैं वहॉ पर कड़ा में शीतलामाई का मंदिर है वहॉ पर राजा जयचन्द का किला है वह राजा जयचन्द जो इतिहास के पन्नों में गद्दारी के लिए फेमस हैं उनका भी किला वहॉ मौजूद है। वहॉ पर कड़क शाह की मजार है वहॉ पर सन्त मलूक दास का आश्रम है। जिन्होंने पूरी दुनियॉ में मानवता का संदेश दिया है।

**श्री अध्यक्ष**-

आप उस पर ध्यान आकृष्ट कर लीजिए।

**श्री संजय कुमार** -

मैं उस कौशाम्बी की बात करता हूँ जहॉ पर संदीपन मुनि का आश्रम है जहॉ पर कृष्ण और सुदामा ने चतुर्मासा पूरा किया है। वहॉ पर महात्मा बुद्ध की स्थली है। उस स्थल को अगर पर्यटन के रूप में उद्योग के रूप में विकसित किया जाए तो कौशाम्बी एक बहुत सम्पन्न जिला हो सकता है। वहॉ पर तीन विधान सभाएं हैं मंझनपुर हमारा जिला हेडक्वार्टर है चायल का मैं विधायक हूँ हमारी शिराथू विधान सभा जहॉ से हमारे मुख्यमंत्री माननीय डिप्टी सी0एम0साहब हैं मैं उन तीनों विधान सभा के लिए आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि उसके लिए कुछ विशेष व्यवस्था की जाए इलाहाबाद का जो हिस्सा जो कौशाम्बी के नाम से जाना जाता है ।

**श्री अध्यक्ष**-

अब आप समाप्त करें।

**श्री संजय कुमार**-

हमारे नेता प्रतिपक्ष जो कि बेसिक शिक्षामंत्री भी हुआ करते थे बजट में सबसे बड़ा हिस्सा बेसिक शिक्षा को गया है इनकी सरकार में बेसिक शिक्षा की स्थिति क्या हुई थी मैं इसकी चर्चा करना चाहता हूँ जब मैं विधायक बना मैंने स्कूलों में निरीक्षण किया स्कूलों में देखा कि पॉच छः सात टीचर तैनात हैं पढ़ने वाले बच्चे बस 25, 30-40 बच्चे हैं रजिस्टर में 60-70 की संख्या इनरोल्ड हुआ करती थी मैंने हेड मास्टर से पूछा कि कितनी तनख्वाह स्कूल में जाती है ।

**श्री अध्यक्ष**-

केवल बजट पर बोलिए।

**श्री संजय कुमार**-

मान्यवर, शिक्षा के क्षेत्र में कौशाम्बी जनपद में जो गिरावट आई है और बेसिक शिक्षा का जो बुरा हाल पिछली सरकारों में हुआ है मैं आपको बताना चाहता हूँ कि एक स्कूल में जहॉ पर एक अध्यापक की तनख्वात 40-50 हजार जाती है 5-6-7 टीचरों का वह स्कूल तीन लाख चार लाख रुपया महीना खर्चा होता है 20-30-40 बच्चे पढ़ते हैं एक एक बच्चे पर सरकार का 7-7, 8-8 हजार रुपया महीना खर्च होता है उसके बावजूद भी शिक्षा का स्तर क्यों गिर गया है। मैं मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ बेसिक शिक्षा में उन्होंने ड्रेस बदलने का काम किया बच्चों को जूते मोजे की

व्यवस्था करने का काम किया बच्चों के लिए किताबों की व्यवस्था करने का काम किया। आज बेसिक शिक्षा में वह सुधार दिखाई दे रहा है। आज मुझे लग रहा है कि बजट का जो सबसे बड़ा हिस्सा जो शिक्षा में जाता है वह पैसा सार्थक होने जा रहा है एक बहुत बड़े विषय पर मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कौशाम्बी जनपद जो कि 15 लाख आबादी का जनपद है हमारे यहाँ चिकित्सा की कोई व्यवस्था नहीं है। जिला चिकित्सालय भी जो है सपा सरकार के समय में बना है वहाँ पर ऐसी कोई फैकल्टी नहीं है किसी की जान खतरे में आ जाए अगर कोई क्रिटिकल पोजीशन में फंस जाए पूरे कौशाम्बी जिले में एक भी अस्पताल ऐसा नहीं है जहाँ वेंटीलेटर की कोई सुविधा हो।

**श्री अध्यक्ष**-

आप अस्पताल मांग रहे हैं एक लाइन में आ गई बात।

**श्री संजय कुमार**-

सारे के सारे पेसेंट रेफर होकर कहाँ आते हैं ? वह पी0जी0आई0आते हैं सन् 1988 में जो पी0जी0आई0बना वहाँ पर जो पहली सुविधा थी वही है बेडें बढ़ाई नहीं गईं पिछली सरकारों में चिकित्सा में काम नहीं हुआ मैं सदन के माध्यम से मांग करता हूँ कि चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ ऐसी व्यवस्था की जाए ताकि हमारे कौशाम्बी जैसे पिछड़े जनपद में लोगों को चिकित्सीय लाभ मिल सके। इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। मुझे बोलने का मौका मिला बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री राकेश प्रताप सिंह**-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है।

**श्री अध्यक्ष**-

आपका व्यवस्था का प्रश्न है या आप बोलना चाहते हैं।

**श्री राकेश प्रताप सिंह**-

मान्यवर, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। यह बहुत दुख की बात है कि इस सदन के मेरे एक साथी का अपमान हुआ है। इस सदन के मेरे साथी श्री यासर शाह जी जो तीसरी बार मटेरा, बहराइच से विधायक हैं। उनके पिता जी भी पॉच बार विधायक रहे और इस विधान सभा के उपाध्यक्ष भी रहे। अभी हम सभी विधायक एक बैठक में गये थे। नफीस भाई और यासर शाह जी एक गाड़ी से आ रहे थे, गाड़ी पर बाकायदा विधायक का पास लगा हुआ है, उसके पीछे मेरी गाड़ी थी। गेट नं0-7 पर यासर शाह जी ने अपना आई कार्ड दिखाया और बार-बार कहते रहे कि मेरा आई कार्ड मिस हो गया है मैं जा रहा हूँ बनवा लूँगा, लेकिन उनकी गाड़ी पर पास लगा होने के बाद भी उनको वापस कर दिया गया। हम दोनों लोग वहीं पर खड़े हो गये और देखने लगे कि गेट पर क्या हो रहा है। भाजपा का झंडा लगाकर पॉच गाड़ियॉ आईं और पॉचों गाड़ियों में से किसी से कोई आई कार्ड नहीं मांगा गया। मेरा कोई व्यक्तिगत आरोप नहीं है। गेट पर यह आज मेरे साथ हुआ है कल आपके साथ हो सकता है। मेरा मकसद मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी तक अपनी बात को पहुँचाना है। यह इस सदन

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के एक सम्मानित सदस्य के सम्मान से जुड़ा हुआ मामला है, इसलिये इस मामले को मैं उठा रहा हूँ। यह व्यवस्था का प्रश्न है।

**श्री अध्यक्ष-**

आपकी बात आ गयी है।

**श्री राकेश प्रताप सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, मैं नये मा0 सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि यह न तो इस पक्ष से और न ही उस पक्ष से जुड़ा हुआ सवाल है, यह एक मा0 सदस्य की गरिमा से जुड़ा हुआ प्रश्न है और जो जायज बात हुआ करे उसको सुनने की भी आदत डालिये और उसमें सहयोग देने की भी आदत डालिये। मा0 अध्यक्ष जी, उसके बाद दो अम्बेसडर कार, एक इनोवा गाड़ी जिन पर सचिवालय का पास लगा है वह गाड़ियाँ बिना रोके, बिना टोके उस गेट से अन्दर आती हैं। मैं मानता हूँ कि दो दिन पहले कोई घटना हुई है, कोई पदार्थ मिला है उससे सबकी सुरक्षा खतरे में है, लेकिन आपके माध्यम से मैं इस सरकार से यह जानना चाहता हूँ, व्यवस्था के अन्तर्गत एक प्रश्न उठाना चाहता हूँ कि क्या कोई खतरा केवल नेता पैदा कर सकते हैं, मंत्री पैदा कर सकते हैं, विधायक पैदा कर सकते हैं, सदस्य विधान परिषद् पैदा कर सकते हैं ? इस सदन को इस मण्डप को किसी अधिकारी से भी खतरा हो सकता है। अगर किसी विधायक की तालाशी हो, किसी सदस्य, विधान परिषद् की तालाशी हो या किसी मा0 मंत्री की तालाशी हो तो अधिकारियों को भी गेट पर कार्ड दिखाने की जरूर आवश्यकता होनी चाहिये, उनका भी कार्ड देखा जाए। अगर किसी अधिकारी के साथ चार आदमी आ सकते हैं तो विधायकों की गाड़ी में कार्ड दिखाकर भी वह अन्दर आ सकते हैं। मा0 अध्यक्ष जी, वह एक सम्मानित सदस्य हैं, दुबारा विधायक हैं, उनके पिता जी पॉच बार विधायक रहे हैं और उनको गाड़ी सहित गेट से वापस किया गया है, यह बहुत खेदजनक है, इस पर मैं आपके माध्यम से व्यवस्था चाहता हूँ। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(कई सदस्यों के अपने स्थान पर खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर)

**श्री अध्यक्ष-**

मा0 सदस्य, आप लोग बैठ जायें। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी के पास अभी इस विषय की सूचना नहीं है।

**श्री लालजी वर्मा-**

मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि मा0 विधायक जी इस सदन के एक सम्मानित सदस्य हैं और चूँकि विधान सभा मण्डप आपके नियंत्रण में है तो निश्चित रूप से अगर मा0 विधायक जो तीसरी बार विधायक हैं और मंत्री भी रहे हैं। उनकी गाड़ी पर पास लगा हुआ था तो ऐसी स्थिति में अगर इस तरह की घटना हुयी है तो निश्चित रूप से यह गम्भीर है इसलिये इस पर आपकी व्यवस्था जरूर होनी चाहिये।

**श्री अध्यक्ष-**

मैंने पहले ही कहा कि मा0 सदस्य ने अभी सदन को सूचित किया है तो मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी इसका अध्ययन कर लेंगे। अभी तो मा0 सदस्य ने सूचित किया है। सुबह हम लोगों ने कुछ निर्णय किये थे तो जो आप वाला विषय है मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी इसका अध्ययन कर लेंगे।

**श्री राकेश प्रताप सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, किसी विधायक का अगर कार्ड गायब हो जाए, चूँकि वह बहुत सज्जन विधायक हैं इसलिये लौट गये, लेकिन होना तो यह चाहिये था कि उनको वहीं पर रुक जाना चाहिये था और कहना चाहिये था कि प्रमुख सचिव, विधान सभा को बुलाईये वह मुझे प्रमाणित कर दें कि मैं विधायक हूँ तब मुझे अन्दर जाने देना, लेकिन वह गाड़ी सहित वापस हो लिये। बहुत से ऐसे विधायक होंगे जिनकी जेब में आज कार्ड नहीं होगा। तो कम से कम इतना संवेदनशील तो होना ही चाहिए उन लोगों को जो वहां खड़े हैं यह पता होना चाहिए कि वो कैबिनेट मंत्री इस उ0प्र0 के रहे हैं। बहुत दिनों तक रहे हैं। उनके पिता जी कैबिनेट मंत्री रहे हैं। उनके पिता जी, इसी विधान सभा के उपाध्यक्ष रहे हैं और उनको अपमानित करके वापस किया गया आप सी.सी. फुटेज मंगा लीजिए उस गेट का इस तरह से अगर व्यवहार होगा एक सम्मानित सदस्य के साथ विधायको के साथ।

**श्री अध्यक्ष-**

अभी आपने कहा है कि उसका अध्ययन कर लें क्योंकि अभी सूचना आई है, उनके पास पहले इस आशय की कोई सूचना नहीं होगी।

**संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

मा0 अध्यक्ष जी, किसी मा0 सदस्य को अपमानित करने का या किसी मा0 सदस्य के साथ दुर्व्यवहार करने का कोई इरादा नहीं है। जो नई परिस्थिति पैदा हुई है उसमें आपके निर्देश पर गेट पर चेकिंग हुई होगी मेरे पास सूचना अभी नहीं है लेकिन मैं आपके माध्यम से सदन को आश्वस्त करता हूँ कि किसी भी मा0 सदस्य को इसमें असुविधा न हो इसको सुनिश्चित करेंगे। मान्यवर, इसको ज्यादा तूल न दिया जाये सुरक्षा कारणों से हो सकता है ऐसा हुआ हो। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से विश्वास दिलाता हूँ कि इस घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी और कोशिश यही होगी कि किसी भी प्रकार से मा0 विधायकों को असुविधा न हो।

**श्री अध्यक्ष-**

ठीक है।

## वित्तीय वर्ष 2017-2018 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा

***श्री मनीष असीजा-**

मा0 अध्यक्ष जी, बजट पर चर्चा में मुझे भाग लेने का अवसर आपने दिया इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। मान्यवर, मैं सबसे पहले अपने मा0 मुख्यमंत्री जी और अपने वित्त मंत्री श्री राजेश अग्रवाल जी और समूचे कैबिनेट का इस दृष्टि से आभार प्रकट करना चाहता हूँ कि पूर्व के दसों साल के वित्तीय अनुशासनहीनता को देखते हुए जो सबसे मुश्किल डगर है किसी प्रदेश को जब हम आगे ले जाने की बात करते हैं चाहे वह विकास की दृष्टि से हो, चाहे सामाजिक दृष्टि से हो, चाहे समूचे भारतवर्ष के सापेक्ष अन्य राज्यों की तुलना में लंबे समय से पिछड़े रहने के बावजूद जो सत्ताधारी सरकारों का व्यवहार रहा उसके कारण से भारतवर्ष में यह उ0प्र0 किस स्थान पर, किस

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

परिस्थिति पर आकर खड़ा हुआ है यहां पर रहने वाले 22 करोड़ लोगों का क्या हाल हो गया इस लंबी बड़ी चुनौती को इस बजट के माध्यम से ही पार किया जा सकता है। मा0 अध्यक्ष जी, जो विपक्ष का स्वभाव था उसने बजट की आलोचना करी लेकिन बजट आलोचना में जो हम सबने पाया कि तथ्यों का अभाव है और मन में शायद यह क्षोभ है, यह कष्ट है कि इस बजट का सामना वह विपक्षी दल के रूप में कर रहे हैं। मा0 अध्यक्ष जी, पिछले पांच सालों में प्रदेश कहां से कहां पहुंच सकता था, इसके कुछ तथ्य मेरे पास हैं। पिछली सरकार ने सबसे बड़ा लापरवाही भरा जो काम किया कि केंद्र अनुदानित योजनाएं जो हैं उनके प्रति बहुत खराब दृष्टि रखी जहां हमारे देश के प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी ने फेडरल सिस्टम की बात कही। जहॉ उन्होंने पूरे देश को 29 राज्यों का एक समूह पुंज एक ऐसा गणतंत्र जिसमें हर राज्य की प्रगति देश की प्रगति के रूप में सामने आयेगी। इस आलोक में योजनायें लागू की। वहीं इस सरकार ने बहुत ही खराब भाव के साथ उन योजनाओं की उपेक्षा की। कृषि का क्षेत्र है, शिक्षा का क्षेत्र है सामाजिक योजनाओं के क्षेत्र हैं। दो दिन पहले जहॉ बाढ़ के ऊपर मगरमच्छी आंसू बहाये जा रहे थे। बाढ़ प्रबंधन का क्षेत्र है। सिंचाई का क्षेत्र है, गरीब नागरिकों के उन्मूलन का क्षेत्र है। सब जगह सरकार ने मुॅह मोड़ लिया। मैं तथ्यात्मक रूप से आपको बताना चाहता हूॅ। मा0 अध्यक्ष जी, यह पिछले तीन वर्षों का प्लान एक्पेंडिचर जो सरकार के आंकड़े हैं इसमें मैं केवल जुमलेबाजी या आरोप प्रत्यारोप से काम नहीं लूंगा और नेता विपक्ष और नेता बसपा के लोगों से यह जिम्मेदारी से कहना चाहूंगा कि इसका अध्ययन करें। पिछले तीन सालों में वर्ष 2014-15 में आपकी सरकार के द्वारा साढ़े पंद्रह हजार करोड़ रूपये का यू0सी0 उपयोगिता प्रमाण-पत्र नहीं भेजा गया। 2015-16 में यह राशि चौदह हजार करोड़ से ऊपर चौदह दशमलव सत्रह हजार करोड़ की राशि हो गयी। और 2016-17 में यह बढ़कर पेंतीस दशमलव सात चार लगभग छत्तीस हजार करोड़ की राशि ऐसी रही जिसमें आपने यू0सी0 उपयोगिता प्रमाण-पत्र नहीं भेजा और इसका परिणाम यह हुआ कि यू0सी0 न भेजने के कारण हमें दूसरी किश्तें नहीं मिलीं और दूसरी किश्तें न मिलने के कारण हमारा जो पूरा केंद्रीय बजट जो प्रदेश को मिलना चाहिए अगले वित्तीय वर्ष में कम हो गया। और यह जो पूरा मेरे पास योजना विभाग का चार्ट है। इसमें मैं आपको प्रमुख क्षेत्र बताना चाहता हूॅ। भारत सरकार का अम्ब्रेला प्लान है। जिसमें बहुत महत्वपूर्ण योजनायें आच्छादित हुयी हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना इसमें पिछले तीन साल में हमको कुल 1844 करोड़ का केंद्रीय योजना में एलोकेशन था। और इसमें हमने पहले के काम न करने के कारण से मात्र 1230 करोड़ का प्राप्त किया। और उसके बाद इस 1230 करोड़ में भी इन तीन सालों में 540 करोड़ रूपया हम खर्च नहीं कर सके। और इन योजनाओं में कृषि है, पशुपालन है, दुग्ध विकास है, सिंचाई है, रेशम है, गन्ना है। सरकार ने किसान हित की बात की है। किसानों को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण और उनको आच्छादित करने वाली योजनाओं में सरकार ने पैसे का सदुपयोग नहीं किया। केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा उसे खर्च नहीं कर पाये। खर्च किया तो उसका यू0सी0 समय से नहीं भेजा। इस वित्तीय कुप्रबंधन के शिकार इस प्रदेश के 22 करोड़ लोगों को होना पड़ा। मा0 अध्यक्ष जी, दो दिन पहले बाढ़ के ऊपर चर्चा हुयी थी। मा0 नेता विपक्ष ने उसमें अच्छे तरीके से बात रखी थी।

चिंता व्यक्त की थी। यह उनके शासनकाल के आंकड़े हैं कि वर्ष 2014-15 में केंद्र द्वारा बाढ़ आपदा में हमें 217 करोड़ रूपया हमें एलोकेट हुआ। 2015-16 में वह सवा तीन सौ करोड़ हो

गया। और 2016-17 में वह 110 करोड़ हुआ। लेकिन यह राज्य सरकार की स्थिति है कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के द्वारा जो पैसा हमें एलोकेट किया। उसमें अपना राज्यांश जमा न करने के कारण 2014-15 में मात्र 21 करोड़ रुपये का राज्य सरकार उपयोग कर सकी। 2015-16 में उसका उपयोग मात्र साढ़े तेरह करोड़ रुपया रह गया और 2016-17 में शून्य रहा। जो इस वित्तीय वर्ष में दोबारा हमको पैसा मिल रहा है। यानी इसको मैं अगर सीधी भाषा में कहूँ, अपने माननीय सदस्यों के लिए कि केन्द्र सरकार अगर हमें 100 रुपया भेजती है और उस पर अपना 60 रुपया और हमारे उत्तर प्रदेश का 40 रुपया तय करती है तो केन्द्र सरकार यह अपेक्षा करती है कि फाइनेंशियल कांन्क्रेन्स, वित्तीय सहमति अगर उसे मिल जायेगी, उस आधार पर पैसा आ जायेगा और पैसे में जब राज्य सरकार अपना शेयर जोड़ देगी तो केन्द्र सरकार के पैसे के साथ प्रदेश के हित में वह लग सकेगा। यह सरकार की स्थिति है कि इनके पास बाढ़ आपदा के लिए अपना हिस्सा देने को नहीं था, यह इन्हीं की सरकार के कागज हैं और जब इनके पास इस हिस्से को देने के लिए पैसा नहीं था, तब इनके पास इटावा में शेर पालने के लिए पैसा था। मैं बहुत सावधानी से यह बात कहना चाहता हूँ कि विपक्षी लोग वैसे भी जब हार जाते हैं तो घायल मन पर गलत प्रभाव ठीक नहीं। लेकिन मैं यह ऑकड़े के साथ कहना चाहता हूँ। एक बात और माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ, समाजवादी पार्टी सरकार की अपनी नीतियॉ तो हैं और इन नीतियों के बारे में लगभग सब को पता है कि परिवारवार भी है, क्षेत्रवाद भी है, सब बातें हैं लेकिन कुछ तथ्य मैं समझता हूँ अगर सदन की जानकारी में आयेंगे और खासकर विपक्ष के साथियों की भी जानकारी में आयेंगे तो यह आश्चर्य चकित होंगे कि आखिर यह सवा दो सौ से सैंतालीस हो कैसे गये? माननीय अध्यक्ष जी, त्वरित आर्थिक विकास योजना, इसकी एक परिकल्पना इस दृष्टि से की गयी थी कि हर विभाग अपना बजट देगा, बड़ा प्रदेश है, आकस्मिकता के कारण या कोई बहुत आपद स्थिति आ जाये, क्योंकि मुख्य मंत्री पूरे प्रदेश के मुखिया होते हैं तो मुखिया होने के नाते कभी बहुत जरूरी लगता है तो एकदम से उस क्रिटिकल गैप को भरने के लिए या किसी एक ऐसे काम को जो बहुत आवश्यक है, महत्वपूर्ण है, उसे करने के लिए मुख्यमंत्री जी के द्वारा पैसा जाए। मेरे पास फैक्ट्स हैं कि त्वरित आर्थिक विकास योजना में वर्ष 2012-13 से लेकर 2016-17 तक 6800 करोड़ रूपया का बजट प्राविधान था और यह 6800 करोड़ का जो बजट था, इसमें कम्पोनेन्ट भी होते हैं। इसमें सड़कें होती हैं, पेयजल होता है, शिक्षा है, माध्यमिक शिक्षा भी है, उच्च शिक्षा भी है, इसमें ऊर्जा भी है, इसमें सिंचाई भी है, ग्रामीण विद्युतीकरण भी है, चिकित्सा भी है जो ग्रामीण और शहरी दोनों है। इस तरह के कम्पोनेन्ट्स होते हैं, जिसमें मा0 मुख्यमंत्री जी त्वरित आर्थिक विकास की दृष्टि से जहॉ पर बहुत जरूरत है, वहॉ पैसा आवंटित करते हैं। माननीय अध्यक्ष जी, 75 जिलों में 07 जिले, 07 जिलों में से आपको अन्दाजा हो गया होगा, इसमें इटावा है, इसमें मैनपुरी है, इसमें कन्नौज है, इसमें रामपुर है, इसमें आजमगढ़ है, औरैया है और मेरा खुद का जिला फिरोजाबाद भी है। इन 07 जिलों में 6800 करोड़ रूपये में से 3435 करोड़ रूपया दिया जाता है। 50 प्रतिशत से अधिक और बाकी के 68 जिलों में कितना पैसा मिला है। मैं उसको भी बता देता हूँ। कन्नौज ने इसमें विशेष स्थान पाया है, 1550 करोड़ रुपया पिछले पॉच वर्षों में। मान्यवर, कम से कम इनके लिए ताली बजा दें। कन्नौज का स्थान इनके लिए क्यों ऊँचा है? मुझे इस दृष्टि से ध्यान है कि लुई 14वें जो फ्रांस के राजा थे, उनकी रानी शायद इसी

बात की चिन्ता करती थी कि उनकी प्रजा को खाने को जब रोटी नहीं है तो वह केक से काम चला लें। जब सारा प्रदेश और यहॉ लगातार इस बात की चर्चा हो रही है कि विकास नहीं हुए, वहॉ विकास की अवधारणा है कि एक अकेले जिले को 1550 करोड़ है, उसके सापेक्ष बता देता हूँ, मथुरा के हमारे मंत्री जी बैठे हैं, मथुरा पिछले पॉच सालों में 2 करोड़ 24 लाख रुपया। अभी श्रावस्ती की बात हो रही थी, साढ़े चार करोड़ रुपया मिला, ललितपुर को पौने पॉच करोड़ रुपया मिला, बागपत को सवा छः करोड़ रुपया मिला है, रामपुर को मैं बताना चाहता हूँ, 534 करोड़ रुपया मिला है। मैनपुरी को साढ़े तीन सौ करोड़ रूपया मिला है, इटावा को 510 करोड़ रूपया मिला है, आजमढ़ को 170 करोड़ रुपया मिला है, यहां मुझे लगता है कि एक दूसरा फैक्टर भी काम करा है शायद,

(विपक्ष से आवाज आई कि बलिया का भी बता दें।)

बलिया के लिए मेरे पास यह सूची है, मैं सदन में मा0 अध्यक्ष जी के माध्यम से वितरित कर दूँगा। मा0 अध्यक्ष जी, यह बात तो स्पष्ट हो गई कि 68 सौ करोड़ में 50-55-60 परसेण्ट तो इन सात जिलों को मिला है, बाकी जो 68 जिले थे उनको मात्र 3165 करोड़ में छोटी-छोटी राशि मिली है। अब इसमें और एक चिन्ता की बात है, मा0 मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता कहां पर गई है, जब यहां पर शिक्षा के ऊपर भी खर्चा हो सकता था, चिकित्सा के ऊपर भी हो सकता था, ग्रामीण विद्युतीकरण के ऊपर भी हो सकता था, बिजली-ऊर्जा पर भी हो सकता था, इसमें दो हजार प्रस्ताव मा0 अध्यक्ष जी सड़कों के हैं और चार सौ प्रस्ताव पेय जल के हैं। सड़कों के प्रस्ताव के बारे में अगर मा0 समाजवादी पार्टी के सभी सम्मानित सदस्य अध्ययन करें तो उनको यह भी पता लग जायेगा कि पहले तो विशेष क्षेत्र का चयन किया गया, फिर एक विशेष काम सड़क का चयन किया गया, फिर उसको करने वालों का चयन भी मुझे लगता है कि शायद विशेष ही हुआ हो। मैं फिर इस भाव से बात कहना चाहता हूँ कि इसकी चिन्ता तो हम सबको करनी पड़ेगी कि जब हमारे सदन का नेतृत्वकर्ता अगर इस प्रकार की दृष्टि रखेगा तो विकास कैसे होगा। मा0 मोदी जी ने जब शहरी क्षेत्र में सबके लिए आवास की योजना प्रस्तुत की तो उसमें जाति और धर्म का कोई बन्धन नहीं रहा, उसमें यह स्पष्ट है कि एक आर्थिक स्थिति के अन्दर आने वाले लोग इसके पात्र होंगे। मा0 अध्यक्ष जी इससे ज्यादा खराब बात क्या हो सकती है कि मेरे ख्याल से जून, 2015 में यह योजना लाई गई थी मा0 मोदी जी के द्वारा 2015-16 में प्रदेश सरकार ने उसको एडाप्ट ही नहीं किया, ठीक है, हो सकता है कि योजना की समीक्षा कर रहे हों, सोंच रहे हों कि आखिर क्या होने वाला है, लेकिन इसके बाद जब इस योजना में पूरे देश के सभी राज्यों ने बढ़-चढ़ कर भाग लेना शुरू कर दिया तो 2016-17 में हमारे पास खुला अवसर था, इस सरकार ने 2016-17 में भी किसी प्रकार की सहभागिता नहीं की और उसके पैरलल एक योजना जो कि आसरा योजना थी, हमें उस योजना से भी कोई कठिनाई नहीं है, अगर वह योजना प्रदेश सरकार लाई थी तो उसका स्वागत करते, लेकिन उसकी परफार्मेन्स समझ लीजिए पॉच साल में आसरा योजना से 15289 यानी 15300 मकान बने केवल और मा0 अध्यक्ष जी, मा0 योगी जी के नेतृत्व में मा0 सुरेश कुमार खन्ना जी के नेतृत्व में

(विपक्ष से आवाज आई कि यह किस दल के नेता हैं, जो इन्हें इतना समय दिया जा रहा है और भी कई मा0 सदस्यों को अपनी बातें रखनी हैं और सवाल यह है कि यह अखिलेश जी की सरकार के बजट पर चर्चा कर रहे हैं या योगी जी की सरकार के बजट पर चर्चा कर रहे हैं।)

**श्री अध्यक्ष-**

अभी इधर का नम्बर आयेगा, तब आप बोल लेना, अभी मनीष जी को बोलने दें। मनीष जी संक्षेप करिये।

**श्री मनीष असीजा-**

मान्यवर, इनको सहन नहीं हो रहा है मेरे ख्याल से, मैं आलोचना नहीं कर रहा हूँ, मैं तो आरोप-प्रत्यारोप कर ही नहीं रहा हूँ। मा0 अध्यक्ष जी मुझे तो इस बात का कष्ट है कि मैंने एक भी अनर्गल आरोप नहीं लगाया और जिम्मेदारी से इन तथ्यों को मैं सदन में प्रस्तुत कर दूँगा, अगर इसमें से एक भी तथ्य गलत पाया जाय तो अध्यक्ष जी की पीठ से जो मुझको निर्देश होंगे, उनका मैं पालन करूँगा। पॉच साल में 15300 मकान बनाकर दिये और मा0 मोदी जी की योजना के प्रति मुँह मोड़ कर खड़े रहे और मा0 योगी जी के नेतृत्व में मा0 सुरेश कुमार खन्ना जी, नगर विकास मंत्री जी के नेतृत्व में पहली तिमाही में ही उत्तर प्रदेश सरकार ने 44335 पात्रों का चयन कर के केन्द्र से योजना स्वीकार करा ली है। माननीय अध्यक्ष जी, आने वाले तीन महीने के अन्दर यह संख्या एक लाख मकानों की हो जाने वाली है और मैं जिम्मेदारी से इस बात को कह सकता है कि माननीय मोदी से के नेतृत्तव में, माननीय योगी जी के नेतृत्व में यह बरसात के बाद उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना का काम जमीन पर दिखना शुरू हो जायेगा।

**श्री अध्यक्ष-**

अब आप समाप्त करें, सबको 10-10 मिनट मिले हैं, आपके तो 15 मिनट हो गये।

**श्री मनीष असीजा-**

अध्यक्ष जी, मुझे बस थोड़ा सा आपसे कृपा मिल जाये, मैं यही कोशिश कर रहा था। माननीय अध्यक्ष जी, एन0एफ0एस0ए0 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में पिछली बार भी मैंने बोला था, मैं नेता विपक्षी दल जी को यह बात आकड़ों में बता रहा हूं कि पिछली सरकार ने जैसा मैंने पिछली बार भी कहा था, 22 करोड़ में से लगभग 15, 16 करोड़ जो जनता है जिस योजना में कवर होती है उसके प्रति सरकार का रूख क्या था? पहले तो लागू नहीं करते थे जब लागू किया तो अंधाधुंध कार्डों का कोई ठिकाना नहीं था किसके बन रहे हैं और किसके नहीं बन रहे हैं, कोटेदार, डी0एस0ओ0 और उसके ऊपर शायद जहां तक जाता हो वह जांच का विषय है लेकिन मैं आपको एक तथ्य बताना चाहता हूं कि माननीय योगी जी के नेतृत्व में पहले 3 महीने के अन्दर ही अन्दर 50 लाख यूनिट 10 लाख कार्ड अपात्र लोगों के सरकार ने पकड़ कर खत्म करने का काम किया है और उसकी जगह 50 लाख लोगों को जो वास्तव में पात्र थे, उनके लिए कार्ड बनाने का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, आने वाले इसी 6 महीने के अन्दर ही अन्दर यह आकडा यूनिट के हिसाब से सवा करोड़ से डेढ़ करोड़ हो जायेगा और कार्ड के हिसाब से यह आकड़ा लगभग 25 से 30 लाख हो जायेगा। लगभग 200 करोड़ रूपया सालाना अपव्यय बचेगा। बात यहां तक होती तो फिर भी ठीक थी, एक अफसोस इस बात का है कि जहां गरीबों को राशन मिले उसकी चिन्ता नहीं कर पा रहे। जहां पात्र लोगों को राशन मिले उसकी चिन्ता नहीं कर पा रहे हैं। वहां पर राशन कार्ड का जो प्रारूप है, जो संवैधानिक प्रारूप है, उसको छुपाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री जी ने अपने फोटो के प्लास्टिक

कवर बनायें जिसमें 10 करोड़ रूपये खर्च हुआ। अपने आत्म प्रचार और आत्म प्रशंसा के लिए चूंकि उस कार्ड को छाप नहीं सकते थे इसलिए उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाया और उसका नतीजा यह है कि आज वह कार्ड हट रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक अन्तिम बात कह कर अपनी बात समाप्त करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं यह सारी बात फैक्ट की कर रहा हूं। इस सरकार ने सारी विकास की योजनाओं को क्षेत्रीयता उसके बाद जाति उसके बाद धर्म धीरे-धीरे सीढ़ी भरी लेकिन उसके बाद हालत यह हो गयी कि चिकित्सा जैसे क्षेत्र में भी तत्कालीन सरकार की रंगदारी चलने लग गयी। आगरा मेडिकल कालेज में गार्जियन एजेन्सी चलती थी, गरीब मरीजों को रियायती दर पर दवा देती थी, एक लाख रूपये प्रतिमाह की दवा गरीबों के लिए मुफ्त देती थी। हमें इस एजेंसी से कोई लेना देना नहीं, वह काम कर रही थी, अचानक से वह हट गयी, हमने तत्कालीन सरकार की जिम्मेदार लोगों के सामने बात लाई कि रियायती दर पर दवा मिलना बन्द हो गयी। उसके अलावा जो एक लाख रूपये महीने का फ्री दवा मिल रहा था वह बन्द हो गया। लगातार प्रयास करने के बाद भी जब अध्यक्ष जी, सफल नहीं हुए तो अधिकारियों से बैठकर पूछा कि हमारा न तो यह कहना है कि इसे रखो न हमारा यह कहना है कि किसी और को रखो जिसका हम नाम बता रहे हैं आखिर मामला क्या है, तो अधिकारी दबी जबान से बोले कि इसमें राजनैतिक हस्तक्षेप है, जिस व्यक्ति की एजेन्सी थी उसे हटाने के आदेश हुए, जिसको लाने के आदेश हुए हैं, वह काम करने में निपुण नहीं है यह सरकार इस बजट की आलोचना करती है माननीय अध्यक्ष जी और मरीजों के स्वास्थ्य की चिन्ता, मरीजों की जान की चिन्ता रखने के हिसाब से भी राजनैतिक निर्णय लिये गये। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अपने बजट पर समर्थन के लिए बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं और मैं अपने विपक्ष के साथियों का भी आभारी हूं कि उन्होंने बड़ी मुश्किल से लेकिन धैर्य से मेरी बात को सुना।

**श्री लालजी वर्मा**-

....मान्यवर, साढ़े चार घण्टे से इस आय-व्ययक पर चर्चा चल रही है। उस साढ़े चार घण्टे में विपक्ष को केवल 30 मिनट बोलने का मौका मिला और पूरा 4 घण्टा केवल सत्तापक्ष को मिला जबकि हम लोग भी खड़े हुए हैं। मान्यवर, 4 घण्टा सत्तापक्ष को मिला है।

**श्री अध्यक्ष**-

चलिए, अभी करेक्ट किए लेते हैं। अब आपने ऐसा टोटल किया होगा। अगर ऐसा है तो ठीक किए लेते हैं। वैसे हुआ ऐसा था कि एक पूरा पक्ष यहॉ नहीं था। समाजवादी पार्टी के मा0 सदस्य अभी यहॉ पर नहीं थे।

**श्री लालजी वर्मा**-

मान्यवर, अगर समाजवादी पार्टी के नहीं थे तो जो हमारे तीन-चार सदस्यगण थे।

**श्री अध्यक्ष**-

आपके यहॉ से तो बुलवाया गया है।

**श्री लालजी वर्मा**-

मान्यवर, केवल दो लोगों को बुलवाया गया।

**श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय मंत्री (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-**

मा0 अध्यक्ष जी, उस समय समाजवादी पार्टी के एक भी विधायक नहीं थे, कांग्रेस के एक भी विधायक नहीं थे, बी0एस0पी0 के चार विधायक थे जिसमें से 2 बोले हैं इसलिए मा0 वर्मा जी का यह कहना आपत्तिजनक है।

**श्री अध्यक्ष-**

बाकी वर्मा जी की बात शिरोधार्य है लेकिन यहॉ पर कोई था नहीं।

***डा0 संग्राम यादव-**

मा0 अध्यक्ष महोदय, हम आपके प्रति बहुत आभार प्रकट करते हैं कि आपने हमें बजट की आम चर्चा में बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, कल जब चर्चा हो रही थी तो हमारे नेता विरोधी दल मा0 राम गोविन्द चौधरी जी ने बड़े विस्तार से बजट के बारे में इस सदन को और उत्तर प्रदेश की महान जनता को अवगत कराया था। मान्यवर, नेता विरोधी दल ने शुरुआत में ही कह दिया कि यह जो उत्तर प्रदेश का बजट है, यह दिशाहीन है, भ्रामक है और जो इनका लोक कल्याण संकल्प पत्र है उससे इस बजट की कहीं, कोई तुलना नहीं है। मान्यवर, बड़ी-बड़ी बातें चुनाव के समय भारतीय जनता पार्टी ने जनता के बीच कही थीं। जनता के बीच वादा भी किया था और ऐसा माहौल उत्तर प्रदेश का बनाया गया था कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा शपथ लेते ही उत्तर प्रदेश में चारों तरफ रोजगार के दरवाजे खुल जाऍंगे, बड़े-बड़े विश्वविद्यालय बन जाऍंगे और मान्यवर, यहॉ तक कह दिया गया था कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में लाकर के शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने का काम करेंगे। मान्यवर, हमें इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ने का भी अवसर मिला और वहॉ की छात्र राजनीति में मुझे महामंत्री बनने का भी अवसर मिला था। मैंने जब बारीकी से पढ़ा, मैंने तो आपका लेख भी पढ़ा और बहुत पुराने समय से मैं आपसे परिचित हूँ। मान्यवर, दूर-दराज तक मेरे जैसा विद्यार्थी खोजता रहा कि जिस भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश के अन्दर नौजवानों से रोजगार की बात की थी, मॉडर्न टेक्नोलॉजी से एजूकेशन की बात की थी, नए-नए सिलैबस ला करके कौशल विकास केन्द्र खोल करके नौजवानों को रोजगारपरक शिक्षा देने की बात कही थी उस भारतीय जनता पार्टी की सरकार के बजट में, मा0 योगी जी की सरकार में बजट में कहीं कोई भी व्यवस्था नहीं की गई है। वहीं दूसरी ओर बार-बार आलोचना, बार-बार बॉट करके कि इटावा में ये हुआ, आजमगढ़ में ये हुआ, हमीरपुर में ये हुआ। मान्यवर, उत्तर प्रदेश में मा0 श्री अखिलेश यादव जी की सरकार ने जहॉ नए विश्वविद्यालय बनाने का काम किया। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में स्टेट यूनीवर्सिटी बनाने का काम किया। बलिया के महान समाजवादी नेता मान्यवर चन्द्र शेखर जी ने इस देश को न जाने कितनी बार दिशा देने का काम किया है और वे हिन्दुस्तान के सर्वश्रेष्ठ सांसद थे। हमने मा0 चन्द्र शेखर जी के नाम पर एक बड़ा विश्वविद्यालय बनाने की पूर्वांचल के अन्दर हमने घोषणा ही नहीं की मान्यवर बल्कि हमने शिलान्यास भी कर दिया, बजट के अन्दर प्रावधान भी कर दिया लेकिन कल जब हमने बजट को पलटा तो हमने जो 10 करोड़ का शुरुआती बजट दिया था उसको भी इस सरकार ने घटा करके 5 करोड़ रुपया कर दिया। मान्यवर, 5 करोड़ रुपया कर दिया।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

इससे इस सरकार की दशा और दिशा अपने आप में स्वतः स्पष्ट है। साथ ही पूर्वांचल के प्रति, देश के इतने बड़े नेता के प्रति क्या सम्मान है, वह स्वतः स्पष्ट और उल्लिखित हो जाता है। मान्यवर, भ्रष्टाचार के खिलाफ लोक नायक जय प्रकाश नारायण ने इस देश को जगाने का काम किया था और हमने उनके नाम पर जे0पी0 अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र बनाने का काम लखनऊ के अन्दर किया। हमें खुशी है आप कहते हैं कि हम जांच कराएंगे करा लीजिए आप जांच । देश का इतना बड़ा नेता जिसने पूरे देश के नौजवानों को जगाकर भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत आवाज बुलन्द की थी। हमें खुशी है अपने नेता माननीय अखिलेश यादव पर कि उन्होंने उनके नाम पर इतना बड़ा केन्द्र बनाकर के उन्हें गौरवान्वित करने का काम किया। मान्यवर, स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र को किसी दल से नहीं बाँधा जा सकता है। स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र समाजवादी आंदोलन में इस देश के एक धरोहर थे। आज जातिवाद की आप बात करते हैं।

आपको हमसे दिक्कत हो सकती है लेकिन जनेश्वर मिश्र जी का देश के इतिहास में समाजवादी आंदोलन में गरीबों की ताकत का मजबूत करने में योगदान रहा है। मान्यवर, हमने इतना बड़ा जनेश्वर मिश्र पार्क इसी लखनऊ के अंदर स्थापित किया है जिसकी आज भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। मान्यवर, आपने रोजगार के सम्बन्ध में कहीं पर कोई इंतजाम नहीं किया। नये विश्वविद्यालय बनाने का आपके बजट में कहीं पर कोई इंतजाम नहीं है। हमें खुशी है कि जो गोमती का रिवर फ्रंट है, जिसकी कल्पना माननीय श्री अखिलेश यादव ने की थी। आपने आते ही जांच करा दी लेकिन आपने अब बजट में प्राविधान कर दिया और उसी एजेन्सी को काम दिया जिस एजेन्सी को श्री अखिलेश यादव ने नामित किया था, उसी एजेन्सी को इस राज्य सरकार ने भी मान करके आगे काम करने की इजाजत दे दी है। असीजा साहब को हम जानते हैं उनके बहुत अच्छे सम्बन्ध हैं हमारे नेता जी के यहाँ से। हम बहुत अच्छे तरीके से जानते हैं और फिरोजाबाद की दूरी को कितना कम कर दिया गया उसी रास्ते से आते भी हैं लेकिन आज ऐसे पलट रहे थे। आपको शेर से क्या दिक्कत हो गई। शेर को हमने गुजरात से लाकर ठहराया था, आपको आखिर शेर से कौन-सी दिक्कत हो गई। हमारे नेता विरोधी दल आदरणीय रामगोविन्द चौधरी जी ने कल ही बजट भाषण में कह दिया था कि हम पशु-पक्षी, वनस्पति, जीव-जन्तु, धरती और आकाश हम सबके लिए आए हैं। हमने इतना बड़ा वहाँ पर सफारी पार्क बनाया मान्यवर, आज उनकी हमसे नाराजगी हो सकती है लेकिन मान्यवर, उस किसान की बेटी ने कौन-सी गलती कर दी थी जिसको माननीय श्री मुलायम सिंह यादव जी ने कन्या विद्या धन देकर उसकी आगे की पढ़ाई का रास्ता बनाया था और उसको आगे ले जाकर श्री अखिलेश यादव जी ने उस कन्या विद्या धन की राशि को बढ़ाने का काम किया, जिससे गरीब और किसान की बेटी का आगे की पढ़ाई का रास्ता बना। हम जब किसान के बेटे और बेटियों को लैपटॉप दे रहे थे, उनको आधुनिक शिक्षा से जोड़ रहे थे। उस समय के तत्कालीन नेता विरोधी दल श्री स्वामी प्रसाद मौर्या जी से इस बात को लेकर हम बार-बार बहस करते थे, जब एक बार उन्होंने झुनझुना कह दिया था। हम कहते थे कि जब किसान के बेटे और बेटियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा रहा था तो आपको अच्छा नहीं लगा आप पूँजीपतियों के समर्थक लोग हैं। आप नहीं चाहते कि गाँव, गरीब और किसान की ताकत बढ़े इसलिए किसान के बेटे और बेटी को जो लैपटॉप दिया जा रहा था आपने उस लैपटॉप का विरोध ही नहीं किया बल्कि जब चुनाव आया तो आपने अपने संकल्प पत्र में कहा कि हम

इण्टर पास बेटी और बेटों को लैपटॉप देंगे, लेकिन मान्यवर, जब हम बजट को पलटते हैं तो बजट में किसान के बेटी और बेटों को लैपटॉप देने की इनके पास कोई योजना नहीं है। कहीं पर बजट में कुछ भी नहीं है और इतना ही नहीं मान्यवर, न तो रोजगार के क्षेत्र में, न तो शिक्षा के क्षेत्र में। आपने कहा कि हम गरीबी उन्मूलन करेंगे आपकी समाजवादी पार्टी से शिकायत हो सकती लेकिन समाजवादी पेंशन पानी वाली 55 लाख महिलायें जो गरीब हैं पिछड़ी हैं, दलित हैं, सामान्य वर्ग की महिलाएँ हैं आपने आते ही जाति के नाम पर उस पेंशन को बंद कर दिया। हम लोगों को उम्मीद थी कि आप जब बजट प्रस्तुत करेंगे तो पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम से, श्यामाप्रसाद मुखर्जी के नाम से, अटल जी के नाम से आप कोई योजना लाएंगे लेकिन आप जब बजट लाए तो आपने गॉव के गरीब और किसान और उन बेसहारा महिलाओं की तरफ आपकी कहीं कोई नजर नहीं गई। आपने एक तरफ 55 लाख महिलाओं की जीविका को बंद करने का काम किया वहीं पर आपने बजट में कोई नई पेंशन नीति न लाकर उत्तर प्रदेश की महान जनता के साथ धोखा करने का काम किया है और इतना ही नहीं मान्यवर, बार-बार पिछड़े वर्ग की दुहाई देते हैं। पिछड़ा वर्ग वाले मंत्री जी हैं ही नहीं, सबसे ज्यादा बजट लेने में ही पिछड़ गए हैं। बहुत कम बजट है और कहॉ उलझ गए मान्यवर, क्या-क्या हो गया अब उस पर हम क्या बोलें? खैर बजट की चर्चा है हमें उम्मीद थी कि उत्तर प्रदेश के अंदर जो बजट है। आप कहते हैं। मेट्रो भी आपके लखनऊ के अंदर है, बनारस के अंदर आ रही है। मान्यवर, हम जिस जनपद से आते हैं, आजमगढ़ से कोई नजदीकी है, माननीय लोक निर्माण मंत्री जी, उपमुख्यमंत्री जी बैठे हैं एक बार आप समीक्षा कर लीजिए। कितने दिन से काम हो रहा है कि बनारस को आजमगढ़ से लुम्बनी तक नेशनल हाईवे को जोड़ा जाये लेकिन लगातार वर्षों से काम होने के बावजूद भी आज हम 10 कि0मी0 का भी रास्ता नहीं बना पाए। आपने केवल यह कर दिया है कि आपने फिरोजाबाद को दे दिया है और आजमगढ को दे दिया है।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी बैठे है मैं जिस विधान सभा से हूँ मैंने आपके ही नेता का प्रबोधन कार्यक्रम श्रीमती सुषमा स्वराज जी को सुना था। उन्होंने नए विधायकों को टिप्स दिए थे। हमने उस टिप्स का लाभ लिया। हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उनसे क्या सीख कर आएं हैं मैने कहा जो उन्होंने कहा है मैं उसको नोट कर के लाया हूँ। उन्होंने कहा कि पहली बार विधायक बनने का अवसर मिला तो क्षेत्र में बड़ा काम करना। अस्पताल बनवाना, कालेज बनवाना, डेयरी लगवाना और नेता से नजदीकी हो तो पुल बनवा देना। इतना बड़ा चिकित्सालय बनाया कि हमने जब सी0एच0एस0 से रिपोर्ट लिया। दो महीने के अंदर 60 हजार से ज्यादा उसकी ओ0पी0डी0 हुई। हम स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करेंगे कि 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, अतरौलिया आजमगढ़ में हो। 60 हजार से ज्यादा लोगों ने पर्चा कटा करके उस अस्पताल में अपना इलाज कराया है। मान्यवर, इसी का लाभ लेते हुए मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ। जब हमने उस अस्पताल को शुरू कराया तो उस समय उत्तर प्रदेश के अंदर कुछ ही महीने बाद आचार संहिता लग गयी। जितने डाक्टर होने चाहिए थे, जितना पैरा मेडिकल स्टाफ होना चाहिए था वह उपलब्ध नहीं हो पाया। आपके माध्यम से मैं स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूँ कि निश्चित तौर पर उनकी कृपा दृष्टि ऐसे ग्रामीण इलाके पर जरूर पड़ेगी जहां किसान का बेटा और बेटी और उसका परिवार इलाज करा सके। मान्यवर, उत्तर प्रदेश के अंदर बहुत बेहतर काम हो रहे थे। 100 नम्बर की पुलिस रिस्पांस की हमारी व्यवस्था को आपके चीफ सेक्रेटरी ने दिल्ली के अंदर प्रस्तुत किया। मान्यवर, 16 राज्य के चीफ

सेक्रेटरी ने कहा कि जो 100 नम्बर की पुलिस व्यवस्था है ऐसी हिंदुस्तान के किसी राज्य में नहीं है। असीजा साहब, आप अंधेरे को अंधेरा नहीं कह सकते हैं तो उजालों में रहने का आपको कोई बहुत हक नहीं है। माननीय गन्ना मंत्री जी बैठे हैं बेहतर काम हुआ है, सही भुगतान हुआ है, हम मानते हैं कि कुछ भुगतान बचा है और हमें उम्मीद है कि वह भी बहुत जल्दी पूरा हो जायेगा लेकिन इतनी बड़ी चीनी मिल आजमगढ़ के अंदर है। आजमगढ़ क्या है आजमगढ़ उत्तर प्रदेश का एक बँटा हुआ है। हम बँटवारे की बात नहीं करते हैं, न तेरा है न मेरा है यह हिन्दुस्तान सबका है, अगर यह बात नहीं समझी गयी तो नुकसान सबका है। मान्यवर, जो चीनी मिल आजमगढ़ के अंदर बनी रिकार्ड समय में उत्तर प्रदेश की वह पहली चीनी मिल है, देश की पहली चीनी मिल है। जिसको रिकार्ड समय में बनकर के किसानों के लिए उस मिल को चालू कर दिया गया है। आज पूरा का पूरा क्षेत्र किसान खुशहाल है। गन्ने की पैदावार बढ़ गयी है। इसलिए मान्यवर, मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि आप एक बड़े इरादे के साथ, बड़ी बहस के साथ हम बहुत राष्ट्रीय पैमाने पर नहीं जाना चाहते हैं कि देश के अंदर क्या हो रहा है, प्रदेश के अंदर क्या हो रहा है। हमें जो जहां की जिम्मेदारी दी गयी है, आपसे लोग बड़ी उम्मीद रखते थे। उम्मीद थी कि आपके आने के बाद कानून व्यवस्था जो पहले से बहुत अच्छी थी आज बार-बार लोग कहते हैं, हमसे भी कहा हम प्रश्न नहीं लगा पाए। उर्जा मंत्री जी आज माननीय अखिलेश यादव जी ने जो उर्जा के क्षेत्र में काम किया, शिक्षा के क्षेत्र में, सड़कों के क्षेत्र में और पुल के क्षेत्र में, बड़े-बड़े पुल बड़ी-बड़ी नदियों पर बने, बड़े-बड़े लोगों के नाम से बने। तो हमें उम्मीद थी और उत्तर प्रदेश की जनता को भी उम्मीद थी।

(टोका-टाकी से व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष-**

टोका-टाकी नहीं करिए।

**डा0 संग्राम यादव-**

मान्यवर, 14 महीने में बनाया गया और एक्सप्रेस-वे 23 महीने में बनाया गया। मान्यवर, जहॉ से आप चुनकर आये हैं उस क्षेत्र से ही एक्सप्रेस-वे निकलता है, आप भी तारीफ करते हैं और सब लोग तारीफ करते हैं। मुझे अभी 19 तारीख को जाना पड़ा 8 बजे यहां से तो 2 घन्टे के अन्दर जहॉ 5-5 घन्टे लगते थे 2 घन्टे के अन्दर लोग पहुँचने का काम किये। माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश में विकास के मामले में एक बहुत बेहतर माहौल बनाने का काम किया था लेकिन आपके लोगों ने, पूँजीपति ताकतों ने और कुछ मीडिया ने ऐसा भ्रामक प्रचार कर दिया, ऐसा भ्रामक प्रचार किया और कह दिया कि केवल एक जाति के लिए काम हो रहा है। मान्यवर, सबसे बड़ा पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क के नाम पर, मान्यवर, सबसे बड़ी योजना डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम्य विकास योजना, मान्यवर, जनेश्वर मिश्र के नाम जनेश्वर मिश्र ग्रामीण विकास योजना, मान्यवर, चन्द्र शेखर जी के नाम पर विश्वविद्यालय , इलाहाबाद में स्टेट विश्वविद्यालय हमने महापुरूषों को किसी जाति मे नहीं बॉटा यह तो हमारा दुर्भाग्य है कि इतना करने के बावजूद पदों पर कैसे कैसे लोग बैठे और बैठायें गये हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी, इलाहाबाद से आते हैं हम लोगों का लगाव है हम भी इलाहाबाद बहुत दिनों तक रहे हैं हाईकोर्ट की लिस्ट क्या है उसका भी अध्ययन कर लेंगे। लिस्ट में जिनकी बात आप कहे थे जिनको आपने विश्वास दिलाया था क्या उनके नाम है कि नहीं है जरूर उस पर आपकी एक नजर जाय आप पर ही लोगों की नजर थी लेकिन कहीं न कहीं आपको उसके ऊपर

देखना पड़ेगा। हमने बड़े बड़े पदो पर, अधिकारियों से लेकर हमने कभी भी हमारे नेता माननीय अखिलेश यादव ने कभी कुछ नहीं कहा, हम लोग कभी कभी कुछ बाते कह भी देते थे लेकिन हमारे नेता माननीय अखिलेश यादव जी कहते थे कि नहीं, कभी छोटी बात मत करो, कभी भी इस तरह की बात न हो। मान्यवर, जो समाजवादी है वह जातिवादी नहीं हो सकता। अब असीजा जी कहे परिवारवाद इसी विधान सभा में लिस्ट उठाकर अपने दल का भी देख लें कितने एमपी के बेटे आये हैं एमएलए के परिवार के लोग आये हैं, कितने नेताओं के परिवार आये हैं जो जनता से चुनकरके जिस पर जनता की मुहर प्रजातंत्र में लग जाये उसको आप इस दायरे से बाहर का रास्ता दिखाइये। आप या तो अपने दल में लागू करके दिखा दीजिए या आपके दल में अगर ऐसे बड़े बड़े नेता कुछ न करें, एमएलए बन करके न हो, मिनिस्टर बन करके न हो आप निरर्थक बहस से सदन का समय बर्बाद करते हैं इससे कहीं न कहीं सदन की गरिमा भंग होती है। मान्यवर, आप निरर्थक आरोप लगाते हैं आप आजमगढ़ को कन्नौज को कहते हैं, आज पूरा उत्तर प्रदेश के अन्दर हमने सबके लिए काम किया। 108 एम्बुलेंस किसी जाति बिरादरी के लिए नहीं थी 108 एम्बुलेंस हमने आम आदमी को ताकत दिया, 108 जो भी मंगाता था गरीब का बेटा, किसान का बेटा या कहीं एक्सीडेंट हो गया तो कहीं भी 108 ने नहीं पूछा कि तुम किस जाति के हो, किस धर्म के हो । 108 मिलाते ही 15 मिनट 20 मिनट के अन्दर सायरन बजाते हुए एम्बुलेंस उसके दरवाजे पर पहुँच जाती थी और जाकर के जो असहाय था पीड़ित था उसके दरवाजे पर पहुँच जाती थी। यह उत्तर प्रदेश का जो बजट है यह नौजवानों के साथ छलावा है, किसानों के साथ इसकी जो प्रतिबद्धता थी कि हम आय दुगनी कर देंगे, हम लाभकारी मूल्य दे देंगे और जो कहा था हम सबके ऋण माफ कर देंगे। मान्यवर, इसमें कुछ लोगों का छोड़ करके कहीं ऋण नहीं माफ हुआ है। आज सही कहा माननीय नेता विरोधी दल ने आप सब लोग चुन करके आते हैं आज भ्रष्टाचार बढ़ा है, और किस कदर बढ़ा है थानों पर तहसीलो पर और कैसे कैसे बढ़ा है।

**श्री अध्यक्ष-**

क्या दो ढ़ाई महीने में बढ़ गया है।

**डा0 संग्राम यादव-**

हमारे क्षेत्र के अंदर बाबा प्रथमदेव का स्थान है, जहॉ लोग अपनी पहली औलाद या कोई भी औलाद पैदा होती है उसका पहला मुण्डन संस्कार उन्हीं बाबा प्रथमदेव के स्थान पर करते हैं । मान्यवर, हमारी सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय श्री अखिलेश यादव जी से हमने अनुरोध किया था कि ऐसे ग्रामीण इलाके में उनके नाम पर कुछ होना चाहिये तो उनके नाम पर उन्होंने 100 करोड़ रुपया बाबा प्रथमदेव इको पार्क के निर्माण के लिये दिया था । वो धन जारी हो गया था और काम शुरू भी हो गया था, लेकिन नई सरकार आने के बाद उस पर रोक लगा दी गयी है । मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि बाबा प्रथमदेव ईको पार्क की जो अवशेष राशि है, उसको जारी कर दिया जाय ।

**नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपसे आज्ञा लेकर हम लोग सदन से गये थे और आपसे मैनें यह भी प्रार्थना किया था कि जब हम लोग लौटेंगे तब तक आप सत्ता पक्ष के अधिकांश माननीय सदस्यों को बुलवा लीजियेगा और जब हम लोग आयेंगे तो आपकी थोड़ी कृपा हम लोगों पर हो जायेगी । तो

कुछ इधर से बुलवा दीजिये, टाइम भी बहुत कम है अभी तो दो दिन और चर्चा है ही । हम लोग तो आपसे और माननीय मुख्यमंत्री जी से भी अनुमति लेकर गये थे । हमको लगता है कि संसदीय कार्य मंत्री जी से भी.....

**श्री अध्यक्ष**-

हमको लगता है कि मौर्य जी से आपने अनुमति नहीं ली ।

**श्री राम गोविन्द चौधरी**-

मौर्य जी से भी लिया था यह भी उस समय मीटिंग में मौजूद थे । अगर मौर्य जी नहीं थे तो इनसे फिर अनुमति यहां से मांग लिया जायेगा । तो इस बार इधर से बुलवा दीजियेगा तो इधर से संख्या कम हो जायेगी ।

**श्री अध्यक्ष**-

एक बहुजन समाज पार्टी से बोल लें और आप तो सबके नेता हैं।

**श्री राम गोविन्द चौधरी**-

हॉ हम तो सबके नेता हैं ।

**डा0 संग्राम यादव**-

मान्यवर, त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत सड़कें स्वीकृत थीं, जिन पर काम भी शुरू हो गया था, उनका जो बजट रोका गया है, मैं माननीय उप मुख्यमंत्री जी से निवेदन करता हूं कि त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत जो दूसरी किश्त है वह जारी कर दी जाय । मान्यवर, हमारे यहां राजकीय पालीटेक्निक कालेज है, उसका भी धन रोका गया है, हमारी मांग है कि उसका भी धन स्वीकृत करने का काम हो । इन्हीं भावनाओं के साथ मैं अपने नेता विरोधी दल द्वारा बजट के बारे में कहे गये विचारों से अपने को सम्बद्ध करते हुये अपनी वाणी को विराम देता हूं ।

***श्री अनिल सिंह**-

माननीय अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत आपको धन्यवाद । आपने मुझे इस बजट पर बोलने का अवसर दिया, मैं अपने नेता के विचारों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं । मैं पहली बार विधायक हूं और बड़ा अच्छा लग रहा है इतने दिनों से मैं देख रहा हूं । इतने आरोप प्रत्यारोप, कि आपने यह किया, आपने वह किया । बड़ा आश्चर्यजनक लग रहा है कि भाई आप इनके ऊपर आरोप लगा रहे हैं या विपक्षी के ऊपर आरोप लगा रहे हैं, अच्छी बात है लेकिन अब आपके हाथ में सत्ता आ गयी है अब आपको और अच्छा बेहतर करना है। तो इसलिये मैं एक जानकारी बजट के बारे में देना चाहता हूं कि जो पैसा सरकार बजट में देती है यह सभी आम लोगों का होता है, और यह टैक्स से पैसा निकलता है। इसका पैसा आवंटित कर दिया जाता है कि विकास होगा । लेकिन आज भी सच्चाई यह है कि जो प्रधानमंत्री आवास योजना अभी लांच हुयी है, इसमें मैं जानता हूँ, आपसे तो कुछ बताने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप भी बीसों साल वहॉ लगे हैं और वहीं के विधायक रहे हैं । इसलिये मैं बहुत संक्षेप में अपनी बात रखना चाहूँगा कि हमारे यहां जो बजट जाता है उसमें आज भी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बंदरबांट होता है पैसा जितना भी जा रहा है लोगों के मकानों के लिए स्वास्थ्य के लिए और भी चीजों के लिए वहॉ जितना भी जाता है अभी तक तो खा लिया जाता है और आज मुझे बड़ा दुःख भी है कि वही दुकाने जो पहले सरकारों में लगती थीं आज फिर यहीं सज गई हैं आकर, केवल उनका खाली रूप और ढांचा बदल गया है बाकी सब काम वैसे ही हो रहा है आज भी थानों और तहसीलों पर। बड़ा दुःख होता है, कहना पड़ता है कि भाई अब व्यवस्था बदल गई है ठीक हो जाओ सब लोग लेकिन कोई भी आदमी सुधरने का नाम नहीं ले रहा है और हम लोग राजनीति में आये थे कि बड़ा अच्छा होगा, बड़ा काम करेंगे, बड़ा लोगों के लिए लड़ाई लड़ेंगे और लोगों का हक दिलवायेंगे लेकिन जब किसी काम के लिए किसी अधिकारी से कहा जाता है तो वह कहता है कि फण्ड ही नहीं है ऊपर बात करो तो कितना ऊपर बात किया जाए यह समझ में नहीं आता है। यहॉ से 3 लाख 84 हजार करोड़ रुपए बजट जारी कर दिया गया कि साहब इतना बजट है लेकिन जब अधिकारी से कहो कि हमारे यहॉ ये जर्जर तार 35 सालों से लगे हुए हैं, इनके बदलने की क्या व्यवस्था है, हमारा पुरवा विधान सभा 167 है जहॉ पर 40 साल पहले तार लगवाया था आज वही तार लगे हुए हैं जब बदलने की बात कहो तो कहते हैं कि साहब हमारे यहॉ तो पैसा ही नहीं है पैसा आप जारी कराइये तो मैं कहता हूँ बड़ा अच्छा है। अभी भइया बता रहे थे कि इतना पैसा यहॉ दिया गया, इतना पैसा यहॉ दिया गया, इतना यहॉ लूट गया, इतना वहॉ घसूट गया, हम तो कह रहे हैं कि जांच कराओ और उन अपराधियों को जिन्होंने जनता का पैसा खा लिया है उनसे उनकी जमीने हड़प करके वसूला जाय, यह हमारी मांग है। दूसरा, मान्यवर, बजट के पैसे का जिस तरह से दुरूपयोग हो रहा है बड़ा कष्ट होता है। आज क्या है कि 40 हजार रुपए प्रधान जी लेते हैं और कहते हैं कि तुम्हें घर दिया जा रहा है आपका जो 2022 तक का सपना है कि हम आवास गरीबों को दे देंगे लेकिन इस प्रकार से मुझे लगता है कि 2022 नहीं 2100 आ जाए तब भी नहीं दे पायेंगे। आज क्या है पैसा जारी हुआ, पैसा मिला और पैसा आधा-आधा बंट गया। मुझे दुःख है मैं यहॉ राजनीति करने के लिए नहीं आया था, मैं तो यहॉ अपने क्षेत्र अपने गॉव के लोगों की मदद करने के लिए आया था कि इतना बड़ा बिजनेस छोड़कर, सब लोग कहते हैं कि हम किसान थे, हम भी किसान थे गरीब परिवार से थे लेकिन 15 सालों से मैं इतना बड़ा बिजनेस कर रहा था, मैं इसीलिए यहॉ पहुँचा हूँ कि गरीबों का हक मुझे दिलवाना है लेकिन कष्ट होता है मा0 अध्यक्ष जी कि आप सच्चाई के लिए लड़ते रहें, हमारे यहॉ आप जानते हैं कि बीसों साल से क्या हो रहा था और इतना ज्यादा दुःख है, आज क्या है आप किसी किसान के घर चले जाइये उसके यहॉ खाने को नहीं है लेकिन राशन उनको दिया जाता है जिनको जरूरत नहीं है उनकी भैंसे उस राशन को खा रही हैं। आप लोग बोल रहे हैं हो सकता है कि हम अनुभवी न हों, आप लोग अनुभव दे रहे हों, आपका धन्यवाद्।

**श्री अध्यक्ष-**

आप बजट पर दो-तीन लाइन बोल दीजिए, बजट आपको अच्छा लगा कि खराब लगा।

**श्री अनिल सिंह-**

मान्यवर, मैं अनुरोध करूँगा कि थोड़ी देर मेरी बात सुन ली जाए, मैं यहॉ राजनीतिक दृष्टिकोण से किसी के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के लिए नहीं आया हूँ। जिन सरकारों ने जो कुछ भी किया है उनको उसका परिणाम भुगतना पड़ा है और आगे आप भी अगर नहीं करोगे तो आपको

भी भुगतना पड़ेगा, ये पॉच साल के लिए है, पचास साल के लिए नहीं आये हैं। हम यह चाहते हैं कि जो बजट आप देते हैं सरकार यहॉ से जारी करती है उसको सीधे-सीधे अधिकारियों पर तय कर दिया जाए कि अगर ग्राम पंचायत अधिकारी, बी0डी0ओ0 अगर गलत व्यक्ति को घर देता है तो उस पर सीधे-सीधे जिम्मेदारी तय की जाए कि तुम्हारे घर से या तुम्हारी तनख्वाह से काट कर वह पैसा वसूला जायेगा अगर आपने किसी गरीब को नहीं दिया तो। दूसरा, राशन कार्ड का सत्यापन हो रहा है, मैंने राशन कार्ड को सत्यापन के लिए लगाया है, वहॉ के लेखपाल, ग्राम पंचायत लोग वहॉ जाकर उनको दे देते हैं जो कोटेदार पहले से हैं कि साहब तुम्हारा नाम कट गया, बेटे का नाम जोड़ दिया जा रहा है। वही सब कुछ है, पैसा उसी तरीके से खाया जा रहा है अगर यह रोक लग जाती है तो इसका परिणाम भी आगे मिलेगा।

**सत्तापक्ष की ओर से-**

कुछ बजट पर बोल दीजिए।

**श्री अनिल सिंह-**

बजट के बारे में ही बोल रहा हूँ गुरूदेव। बजट में क्या होता है नाचगाना तो करेंगे नहीं, भाई जो सरकार के पैसे का दुरूपयोग हो रहा है, हमारे टैक्स का, हमारी जनता के टैक्स का, उसी के बारे में तो बोलेंगे, यहॉ ठुमका तो लगायेंगे नहीं, यहॉ भइया सब शायर बैठे हैं। जब भी कोई बोलता है शायरी बोलने लगता है, समझ में ही नहीं आता कि यहॉ शायर हैं कि विधायक हैं?

**श्री अध्यक्ष-**

आप कुछ फिल्मी गाना याद कर लो।

**श्री अनिल सिंह-**

यहॉ भाषण के दौरान यह कहा जाता है कि फलाने चोर थे, फलाने चोर थे, हम कह रहे हैं कि वही लोग इस सरकार में बैठे हैं, वही लोग उस सरकार में बैठे थे, इसमें कौन चोर है हमारी समझ में ही नहीं आ रहा है? इसलिए मैं आप सभी लोगों से, सरकार से यह अनुरोध करता हूँ कि जो बजट तय हुआ है उस बजट का सही-सही उपयोग अगर किया जाए तो वर्ष 2022 नहीं 2020 तक गरीबी मुक्त प्रदेश हो जायेगा या फिर सबको आवास मिल जायेंगे, अगर सही ढंग से चयनित किये जांए और बजट का सही उपयोग किया जाए। मान्यवर, जब मैं किसी की सिफारिश करता हूँ और यह कहता हूँ कि ये गरीब हैं इनको दे दिया जाए तो वहॉ कहा जाता है कि 40 हजार रुपया दिलवाओ तब दिया जाये। हद है, वही जो यहॉ कहा गया कि पिछली सरकार में 300 करोड़ रुपया आवंटित होता था तो 200 करोड़ खा जाया जाता था, 100 करोड़ जनता को मिलता था। लेकिन अगर यही सरकार, जैसाकि आपने कहा कि हम पूरी तरीके से इसको लागू करेंगे, अगर जमीनी हकीकत से वाकिफ होकर इस पैसे को वहॉ जारी करेंगे तो मुझे लगता है कि वह 300 करोड़ 3000 करोड़ के बराबर काम करेगा। बड़ा दुःख होता है, बहुत देर से हम सुन रहे हैं, कल से सुन रहे थे। बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष जी, आप हमारे यहॉ से चार बार के विधायक रहे हैं, आपका गॉव, हमारा गॉव एकदम लगा हुआ है और आपसे 20 साल से वहॉ लड़ाई लड़ रहे हैं, कोई चीज आज तक वहॉ पर सुधार हुई है क्या? आप जब थे तब से वही तार लगे हुए हैं, आज भी वही लगे हैं जो आपने

लगवाये थे, आज भी वही रोड बनी है जो आपने बनवाये थे, आज वही स्कूल हैं जो आपने बनवाये थे।

**श्री अध्यक्ष-**

अब समाप्त करिये, नियम-51 की सूचनायें।

**श्री अनिल सिंह-**

मान्यवर, बहुत-बहुत धन्यवाद है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यहॉ पर बैठे हैं, मैं उनका ध्यान आकर्षित कराना चाहूँगा कि हमारे यहॉ डॉक्टर नहीं हैं, दवाइयॉ नहीं हैं इसलिए पूरी तरीके से वहॉ पर दवाई और डॉक्टरों की व्यवस्था की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, आपने हमें बोलने का अवसर दिया।

**श्री लालजी वर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, 5.00 बजे गये हैं।

**श्री अध्यक्ष-**

माननीय वर्मा जी, खत्म कर रहे हैं, श्री सुरेन्द्र जी बोलने के लिए खड़े हैं इनके बाद खत्म कर रहे हैं।

***श्री सुरेन्द्र-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ। मैं अपने बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी को भी सम्मान देना चाहता हूँ कि इस अवसर पर आप उपलब्ध हो गये हैं, अभी आप थे नहीं। बन्धुओं, यह पहला ऐसा बजट है उत्तर प्रदेश ही नहीं भारत का सबसे सुन्दरतम बजट है। इस बजट में गरीब इंसान, सभी नौजवान, किसान और साथ-साथ भगवान की भी चिंता की गयी है। ऐसा सुन्दरतम चिन्तन किसी व्यापक सोच का आदमी ही कर सकता है। ऐसा चिन्तन करने का श्रेय यदि किसी को जाता है तो हमारे श्रेष्ठ नेताओं को जाता है। यह प्रमाणित हो गया है कि आज उत्तर प्रदेश की धरती पर इस समय रोटी और लंगोटी वाले का राज चल रहा है। बन्धुओं, मुझे खुशी है और मैं अपने नेता के द्वारा प्रस्तावित यह जो बजट है, उसका हृदय से समर्थन करता हूँ और उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। बन्धुओं पहला ऐसा बजट है जिस बजट में गर्भस्थ शिशु से लेकर 85 और 90 वर्ष के चाचा की भी चिंता की गयी है। गर्भ में पलने वाले बच्चे की भी चिंता और 85 व 90 वर्ष वाले चाचा की भी चिंता है। ऐसा चिंतन करने वाला कोई बजट आज तक बना ही नहीं। बन्धुओं, दूसरी बात आप अभी देखे होंगे कि किसानों की चिंता कौन करता है? आप स्वयं सोचें कि 100 दिन के कार्यकाल में, हमारी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 4.8 गुना गेहूँ पिछले साल की तुलना में क्रय करके उसका भुगतान भी सुनिश्चित कर दिया। इससे बढ़िया व्यवस्था देने की क्षमता किसी भी नेता में आज तक देखी नहीं गयी है। अभी प्रतिपक्ष से आजमगढ़ के विधायक बोल रहे थे कि मैं धन्यवाद दे रहा हूँ गन्ना मंत्री जी को तो आपने धन्यवाद दिया, इसका मतलब कि आपको भीतर से प्रसन्नता है कि हमारी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सरकार में व्यवस्था देने वालों की जो चिंता है और व्यवस्था देने वाले जो लोग हैं वह श्रेष्ठ हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है। आपने स्वीकृति दिया है। यह जरूर है कि यह राजनीति का एक धर्म है कि प्रतिपक्ष में बैठने वाले लोगों को अच्छे कामों का भी विरोध करना है। शादी ब्याह में भी जो है जब मॉगलिक कार्य होता है तो औरतें गाली देती हैं लेकन अंत में कहती हैं कि इस गाली को गाली मत समझियेगा। लगता है कि नेता प्रतिपक्ष के लोग भी विरोध कर रहे हैं लेकिन भीतर से हमारा समर्थन कर रहे हैं।(मेजों की थपथपाहट)भाइयों अभी हमारे नेता प्रतिपक्ष बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी बोल रहे थे ना कि मैं जाता हूँ तो देखता हूँ कि न गुन्डा राज, न भ्रष्टाचार, अबकी बार भाजपा सरकार। अब इस नारे को चरित्रार्थ किया है योगी जी ने। आप अपने सरकार के करतूतों को देखिये। उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बी0एस0ए0 राकेश सिंह ।

**श्री अध्यक्ष-**

कागज काहे दिखा रहे हैं, ऐसे बोलिये। वह कागज आप भिजवा देना हमको बाकी आप अपनी बात कहें।

**श्री सुरेन्द्र-**

मान्यवर, मैं लाया हूँ प्रमाण के लिये। राकेश सिंह हमारे बलिया जिला में अरबों रुपया कमा करके आया है। हमने मंत्री जी को भी दिया है कागज जांच के लिये। इसीलिये हमने कहा कि यह भ्रष्टाचार का जो नकेल हैं यह हमने अपनी सरकार के आते-आते पहला प्रतिवेदन दिया है अपने मुख्यमंत्री जी को। मैंने स्वंय मुख्यमंत्री जी से मिलकर दिया। और मुझे खुशी है कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने उसी दिन त्वरित कार्यवाही करके राकेश सिंह को बलिया से यहॉ अटैच कर दिया और जॉच चल रही है। भगवान चाहेगा तो उसको जेल के सींकचे में जाना होगा। आपको जानकर खुशी होगी अध्यक्ष जी, कि बलिया की धरती पर सिर्फ नेतृत्व का पर्दे ओढ़े हुए लोगों ने भ्रष्टाचार में उस बी0एस0ए0 को आकंठ डुबाकर जो स0पा0 का झंडा लेकर चल रहा था लेकिन हम लोगों को भी अपने कर्म और धर्म पर विश्वास है कि आते ही आते पहले प्रतिवेदन पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस भ्रष्टाचारी राकेश सिंह को वहॉ से हटाया। उसको आज लखनऊ की धरती पर, सड़कों पर, गली में घूमते हुए देखा जा रहा है।

**श्री अध्यक्ष-**

अब समाप्त करिये।

**श्री सुरेन्द्र-**

आगे भी देखिये, राशन। राशन वितरण प्रणाली में अध्यक्ष जी, कोई मानवीय जीवन का सबसे बड़ा यदि कोई काम है आज प्रदेश में या देश में तो वह राशन वितरण प्रणाली है। अध्यक्ष जी, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र का बताऊँ कि वहॉ पर 60 हजार क्विंटल प्रत्येक माह राशन का वितरण होता है। मैं ऑकड़ा लिये हूँ। यदि 1500 से गुणा कर दीजिये तो 9 करोड़ रूपये होता है। मेरे बलिया जिले में 6 तहसील है। नौ सते तिरेसठ याने 70 करोड़ रूपया प्रतिमाह गरीबों का राशन वितरण करने वाले, चाहे जिस पार्टी से सम्बन्धित हों, वह जल्लाद उसको खा जाते थे। मैंने अभियान चलाया और 47 कोटेदारों को अभी तक सस्पेंड करा दिया है। यह हमारे योगी के नैतिक और चरित्र

का बल है। यह पहली बार है, बन्धुओं, नेता गली में काम नहीं करता है। नेता का चरित्र और ईमान पूरे समाज के दृश्य को बदल देता है। अब तक की सरकारों ने चित्र का काम किया लेकिन यह पहला सौभाग्य है कि आज देश की कुर्सी पर चरित्र और उत्तर प्रदेश की कुर्सी पर चरित्र का झंडा चल रहा है। चित्र का झंडा नहीं चल रहा है।

**श्री अध्यक्ष-**

अब आप समाप्त करिये। नियम-51 लेने जा रहा हूँ।

**श्री सुरेन्द्र-**

भाइयों अभी हमारे बड़े भाई राम गोविन्द चौधरी जी बोल रहे थे। मैं तो वही कह रहा था कि यह पहला बजट है कि हमारे नेता ने गरीबों के लिये शौंचालयों की भी चिन्ता किया और दूसरी तरफ काशी, मथुरा, वृन्दावन, चित्रकूट जैसे देवालय की भी चिन्ता की। शौंचालय की भी चिन्ता की और दूसरी तरफ देवालय की भी चिन्ता। (मेजों की थपथपाहट) यह चिन्तन होता है। बन्धुओं आगे चलिये। बेसिक शिक्षा में देखिये। अभी तक बेसिक शिक्षा में हमारे पूर्व के नेताओं ने जो सुविधा दिया था।

**श्री अध्यक्ष-**

बेसिक शिक्षा आप बता चुके हैं। कोई नई बात बताइये।

**श्री सुरेन्द्र-**

बन्धुओं, अभी नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे कि अल्पसंख्यक के लिये क्या किया है? धन्य हो मोदी जी और हमारे भा0ज0पा0 के नेता सर्व पूज्य अटल बिहारी बाजपेई जी। हम किसी जाति और मजहब की बात नहीं करते। ईमान और चरित्र की बात करते हैं। हमने भारतीय जनता पार्टी ने डा0 अब्दुल कलाम के चरित्र को सलाम किया, राष्ट्रपति बनाया। डा. अब्दुल कलाम के चरित्र को सम्मान किया।

**श्री अध्यक्ष-**

अब आप समाप्त करें। आप बजट का समर्थन कर रहे हैं?

**श्री सुरेन्द्र-**

अध्यक्ष जी, बजट का समर्थन पुरजोर कर रहे हैं, तर्क के साथ कर रहे हैं। यही नहीं अध्यक्ष जी दो मिनट हमको और दे दीजिये। अभी आप देख रहे होगें हमारे नेता मोदी जी और योगी जी दोनों पर भगवान की कृपा है। आज दुनिया के इतिहास में, राजनीति के क्षेत्र में, ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलेगा जो अपना जीवन और जवानी भारत और भारतीयता के श्रृंगार के लिये लगाने वाला हो। और उसी का यह पहला अवसर है जब उत्तर प्रदेश की धरती पर योगी के रूप मे एक साधक, सेवक के रूप में उत्तर प्रदेश का श्रृंगार करने के लिये उपस्थित हुआ है। माननीय अध्यक्ष जी, हम लोगों का भी सौभाग्य है, और आपका भी सौभाग्य है कि एक साधक के ऊपर आप उसके भी अध्यक्ष बन चुके हैं इसलिये आपका भी सौभाग्य है। बन्धुओं मैं तो कहता हूँ अंत में लोग कहते हैं हम उसके विरोधी हैं हम उसके विरोधी हैं जो भारत माता को डायन कहते हैं। हम उसके विरोधी हैं जो इंसान और इंसानियत की हत्या करता है और आकर के विधान सभा में बैठता है आवश्यकता पड़ेगी,

समय बतायेगा, उसको भी जेल के सींखचें में जाना पड़ेगा विधान सभा में बैठने का मौका मिलने वाला नहीं है।उत्तर प्रदेश की धरती पर नहीं मिलेगा और योगी के राज्य में नहीं मिलेगा मुझे विश्वास है। देखिए कितना बढ़िया है पूर्व की सरकारों ने, अध्यक्ष जी सुनिए...(हॅसी) एक सरकार तलवार के बल पर चलती थी एक सरकार ऐसी थी जो व्यापार के बल पर शासन चलाती थी वह मायावती जी की सरकार थी, एक तलवार के बल पर, एक व्यापार के बल पर, एक अपनी सरकार है जो संस्कार के बल चलती है।

**श्री अध्यक्ष-**

आप बैठिए अब।

**श्री सुरेन्द्र-**

अध्यक्ष जी, पहला कोई नेता है जिसने सत्संग भवन का इन्तजाम किया है। संस्कार से बल पर ही परिवार और संसार बनता है। अन्त में अपनी बात को एक दोहा से समाप्त करता हूँ। भा0ज0पा का मिशन है-

**हम उन लोगों को अपना नहीं मानते जो भारत माता को मॉ कहने से इन्कार करते हैं,**
**हम उन लोगों को अपना मानते हैं जो भारत माता की जयकार करते हैं।**

**श्री रामगोविन्द चौधरी-**

आपने देखा सत्तापक्ष के विधायक जी इतना बढ़िया भाषण दिए कि हम लगातार ताली बजाये। यह हमारे विधायक हैं।

## [5.00] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनायें

**श्री अध्यक्ष-**

अब हम नियम-51 की सूचनायें लेते हैं। आज दिनांक 14-07-2017 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 60 सूचनायें प्राप्त हुई ।

पहली सूचना श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव की जनपद लखनऊ स्थित पं0 दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महिला विद्यालय में एम0एस0सी0 की कक्षायें आरम्भ कराने एवं अन्य मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में, दूसरी सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की जनपद प्रतापगढ़ की तहसील लालगंज के अन्तर्गत ग्रामों में फ्लोराइड एवं लवण की मात्रा अधिक होने के कारण पेयजल पूरी तरह से दूषित होने के सम्बन्ध में, तीसरी सूचना श्री सुरेश्वर सिंह की जनपद गोण्डा की तहसील करनैलगंज के ग्राम पूरे बहोरी में तालाब पर अवैध कब्जा कराये जाने के सम्बन्ध में, चौथी सूचना श्री अनिल पाराशर की जनपद अलीगढ़ के विधान सभा क्षेत्र कोल में विद्युत क्षमता बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में, पांचवीं सूचना श्री राजीव कुमार सिंह की जनपद बदायूं के विधान सभा क्षेत्र दातागंज के विकास खण्ड म्याऊ के दो गांव क्रमशः चितरी एवं सिमरिया देदूखाम में बाढ़ के खतरे से उत्पन्न स्थिति जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई। पहली सूचना श्री शैलेश कुमार सिंह 'शैलू' की जनपद बलरामपुर के विकास खण्ड गैसड़ी कढ़ौवा पुल से प्रेम नगर तिराहे तक रोड मरम्मत का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में, दूसरी सूचना श्री अगयश रामसरन वर्मा की जनपद शाहजहांपुर के अलग हुए

राजस्व गांव जनपद पीलीभीत के क्षेत्र पंचायतों का गठन किये जाने के सम्बन्ध में तथा तीसरी सूचना श्री मनीष असीजा की जनपद फिरोजाबाद में ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में यातायात नगर योजना लागू किये जाने के सम्बन्ध में केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई। पहली सूचना श्री अनिल सिंह की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के ग्रामीण इलाकों में सरकार के शासनादेश के तहत सम्बन्धित लेखपालों/ग्राम विकास अधिकारियों एवं प्रधानों/कोटेदारों द्वारा राशन कार्डों में धांधली किये जाने के सम्बन्ध में, दूसरी सूचना श्री संजय कुमार गुप्ता की जनपद कौशाम्बी अन्तर्गत ग्राम असकरनपुर में अपात्र व्यक्तियों को शौचालय व प्रधान मंत्री आवास आवंटित किये जाने के सम्बन्ध में, तीसरी सूचना श्री मनोज कुमार पारस की जनपद बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र नगीना में पूर्व स्वीकृत राजकीय कन्या इण्टर कालेज का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में, चौथी सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया की विधान सभा क्षेत्र रसड़ा में व्याप्त विभिन्न विद्युत समस्याओं का निराकरण कराये जाने की सम्बन्ध में, पांचवीं सूचना श्री वीरेन्द्र यादव की जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर अन्तर्गत लोहिया आवास के अधूरे कार्यों को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में, छठवीं सूचना श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा की उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों में 32022 पदों पर अनुदेशकों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में, सातवीं सूचना श्री दुर्गा प्रसाद यादव की जनपद आजमगढ़ में दिनांक 26/27 मई, 2017 को आये चक्रवाती तूफान के पीड़ितों को मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में तथा आठवीं सूचना श्री प्रभु नारायण सिंह यादव की जनपद इलाहाबाद में तैनात जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अनियमिततायें किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गई :--

श्री अमनमणि त्रिपाठी, श्री मसूद अख्तर, श्री सत्यवीर त्यागी, श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी, श्री राजीव तरारा, श्री अवतार सिंह भडाना, श्री सहेन्द्र सिंह रमाला, श्री शैलेन्द्र यादव ललई, श्री संजय गर्ग, इं0 बृजेश कठेरिया, श्री नफीस अहमद, श्री अमिताभ बाजपेयी, श्री कल्पनाथ पासवान, श्री अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, श्री रमाशंकर सिंह, श्री राहुल प्रकाश, श्री पारस नाथ यादव, डा0 आर0के0 वर्मा, श्री रितेश पाण्डेय, श्री अजय कुमार 'लल्लू', श्रीमती जय देवी, श्री प्रेम सागर पटेल, श्री कुलदीप सिंह सेंगर, श्री आशुतोष उपाध्याय, श्री लाल जी वर्मा, श्री सुखदेव राजभर, डा0 हरगोविन्द भार्गव, श्री बाबा गोरखनाथ, श्रीमती साधना सिंह, श्री आजाद अरिमर्दन, श्री तसलीम अहमद, श्री बजरंग बहादुर सिंह, डा0 श्याम बिहारी लाल, श्री जगन प्रसाद गर्ग, डा0 नीरज बोरा, श्री पवन कुमार, श्री विक्रम सिंह सैनी, श्री पूरन प्रकाश एडवोकेट, श्री नन्द किशोर गुर्जर, श्री बृजेश कुमार प्रजापति, डा0 मन्जू शिवाच, श्रीमती कृष्णा पासवान, श्री अवस्थी बाला प्रसाद तथा श्री रामअचल राजभर।

## जिला पंचायत अलीगढ़ में शासनादेशों के विरुद्ध कराये गये विकास कार्यों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दलवीर सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पंचायती राज मंत्री के वक्तव्य का स्थगन

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

मान्यवर, यह मद स्थगित है।

**जनपद सहारनपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-73 रुड़की-पंचकुला पर बाईपास के निर्माण के सम्बन्ध में श्री संजय गर्ग द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य**

**श्री केशव प्रसाद मौर्य-**

राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-73 पर बाईपास के निर्माण के सम्बन्ध में अविलम्बनीय लोक महत्व ...

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

(वक्तव्य उप मुख्य मंत्री लोक निर्माण मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री केशव प्रसाद मौर्य-**

[के विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-73 रुड़की-पंचकुला सहारनपुर शहर के बीचों-बीच होकर गुजरता है जिसमें हरियाणा, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश से हरिद्वार एवं मेरठ की ओर जाने वाले सभी भारी एवं यात्री वाहनों का पूरा ट्रैफिक उपरोक्त राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर निकलता है। जिसमें लगातार ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है तथा गंभीर दुर्घटनाओं का घटित होना आम बात हो गयी है। राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर बसी घनी आबादी के नागरिक दहशत में अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं तथा अपने बच्चों को भी बाहर नहीं निकलने देते हैं।

सहारनपुर मण्डल मुख्यालय है तथा चार प्रदेशों उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश का सीमान्त जनपद है। इसकी भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए उपरोक्त राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-73 का बाईपास बनना जनहित में अति आवश्यक है। बाईपास का रेखांकन एवं भूमि-अधिग्रहण का कार्य भी लगभग पूरा हो चुका है।

अतएव नियम-51 के अन्तर्गत आपके माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-73 रुड़की-पंचकूला के सहारनपुर महानगर का बाईपास शीर्घ निर्मित किये जाने हेतु शासन से वक्तव्य की मांग करता हूं।

**<u>वक्तव्य</u>**

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-73 (नया रा0मा0 सं0-344) ''रूड़की-पंचकूला मार्ग'' पर सहारनपुर बाईपास का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, परियोजना कार्यान्वयन इकाई-देहरादून के द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है।]

**जनपद बदायूं के तहसील सहसवान में गंगा नदी के कटान को रोकने हेतु प्राभावी व्यवस्था किये जाने के सम्बन्ध में श्री ओमकार सिंह यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर बाढ़ नियंत्रण मंत्री का वक्तव्य**

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

श्री ओमकार सिंह यादव, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक 11-07-2017 को नियम-51 के अन्तर्गत निम्नवत् सूचना ....

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

---

नोटः-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

(वक्तव्य संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

[दी गयी है :-- ''जनपद बदायूं की तहसील सहसवान में गंगा नदी में बाढ़ आयी हुई है। बाढ़ के कारण इस तहसील के तीन गांव धांपड़, भमरौलिया तथा चौकीदार की मडंइया यह गंगा के कटान से प्रभावित है और बाढ़ का प्रकोप बढ़ने वाला है। अभी तक जो इन्तजाम किये गये हैं वह नाकाफी है। यह एक गंभीर विषय है तथा लोक महत्व का है।

अतः अति लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए शीघ्र कार्यवाही किये जाने की मांग करता हूं।''

2-मुख्य अभियन्ता (पूर्वी गंगा), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0, मुरादाबाद द्वारा उपलब्ध करायी गयी आख्या के आधार पर दी गयी सूचना पर वक्तव्य निम्नवत् है :--

''जनपद बदायूं की तहसील सहसवान में ग्राम धापड़ गंगा नदी पर निर्मित गंगा महावा तटबंध के कि0मी0 15.00 से 16.375 के मध्य तटबन्ध के बाहर स्थित है तथा वर्तमान में कटान से पूर्णतः सुरक्षित है।

ग्राम भमरौलिया तथा चौकीदार की मडंइया गंगा महावा तटबन्ध के अन्दर स्थित है एवं वर्तमान में नदी से क्रमशः 350 मी0 एवं 50 मी0 की दूरी पर है। पानी बढ़ जाने की स्थिति में उक्त ग्रामों के ग्रामवासियों को अस्थायी तौर पर जिला प्रशासन द्वारा तहसील सहसवान के प्रमोद इण्टर कालेज, पन्ना लाल इण्टर कालेज एवं संस्कृत महाविद्यालय सहसवान में स्थापित किया जाता है। जो ग्रामवासी किसी कारणवश ग्राम के समीप ही रहना चाहते हैं, उन्हें तटबन्ध के ऊपर ही निवास करने हेतु टेन्ट आदि की व्यवस्था की जाती है। खाद्य एवं रसद जैसे भोजन, पानी, दवाईयों आदि की व्यवस्था भी करा दी जाती है।]

## जनपद फिरोजाबाद के जिला महिला चिकित्सालय के भवन निर्माण होने के उपरान्त चालू कराये जाने हेतु स्टाफ की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का वक्तव्य

**श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-**

माननीय सदस्य की सूचना में उल्लिखित है कि फिरोजाबाद नगर प्रदेश का एक प्रमुख .....

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

(वक्तव्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री सिद्धार्थनाथ सिंह-**

[''औद्योगिक नगर है एवं अपने कांच चूड़ी एवं ब्रास उत्पादों के लिये देश-विदेश में प्रसिद्ध है। फिरोजाबाद जिला महिला चिकित्सालय में N.H.M. योजनान्तर्गत 100 बेड मैटरनिटी विंग का निर्माण होकर भवन को जिला अस्पताल में हैण्डओवर कर दिया गया है। अत्यन्त खेद के साथ अवगत

---

नोटः-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

कराना पड़ रहा है कि सामजवादी सरकार में मा0 मुख्य मंत्री जी द्वारा लगभग 01 वर्ष पूर्व दिनांक 06-05-2016 को उक्त भवन का उद्घाटन करने के पश्चात् आज तक यह नवनिर्मित अस्पताल पूरी तरह बन्द पड़ा हुआ है। इस भवन में फर्नीचर, बेड, सर्जिकल इक्यूपमेंट से लेकर नर्स, वार्डव्याय, चिकित्सक न होने के चलते करोड़ों रुपये की धनराशि पूरी तरह से निस्प्रयोज्य पड़ी है। व्यापक जनहित को दृष्टिगत रखते हुए उक्त महिला चिकित्सालय को तत्काल आरम्भ कराने की महती आवश्यकता है।''

2-मा0 सदस्य द्वारा दी गयी सूचना में अंकित बिन्दुओं के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि 100 शैय्या एम0सी0एच0 विंग जनपद फिरोजाबाद का निर्माण कार्य पूर्ण एवं हस्तान्तरित है। शासनादेश संख्या-266/2016/2249/पांच-6-16-20(जी)/16टी0सी0, दिनांक 28-10-2016 के माध्यम से जनपद फिरोजाबाद के जिला महिला चिकित्सालय में स्थित 100 शैय्या एम0सी0एच0 विंग के लिए मानव संसाधन की स्वीकृति प्रदान की गयी है। चिकित्सालय के संचालन हेतु 04 चिकित्सकों एवं 06 फार्मासिस्ट की तैनाती कर दी गयी है। उपकरणों के क्रय एवं रख-रखाव हेतु निदेशालय स्तर से निविदा के उपरान्त मेसर्स मेडिलक्स सिस्टम द्वारा मेसर्स गोदरेज एण्ड बॉयस मैन्यूफेक्चरिंग कम्पनी लि0 के साथ कन्सोशियम गठित कर लीड बिडर के रूप में चयनित कर लिया गया था। महानिदेशालय के कार्यालय ज्ञाप संख्या : 8फ/अनु0का0/2017-18/10391, दिनांक 01-06-2017 के माध्यम से चयनित फर्म द्वारा गलत प्रमाण-पत्र जमा करने के आधार पर अनुशासन समिति की नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की संस्तुति के क्रम में उक्त फर्म को काली सूची में डालते हुये 05 वर्षों के लिए समस्त निविदा प्रक्रिया में भाग करने के लिए प्रतिबन्धित किया गया है। पुनः चिकित्सालय के निविदा के संचालन की अग्रिम कार्यवाही महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं के स्तर से की जा रही है।]

**जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत पी0एम0जी0एस0वाई0 के तहत कतिपय निर्माणाधीन मार्ग के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर ग्राम्य विकास मंत्री का वक्तव्य**

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत पी0एम0जी0एस0वाई0 .....

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

(वक्तव्य संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

[के तहत कतिपय निर्माणाधीन मार्ग के निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामचन्द्र यादव, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दिनांक 11-07-2017 को नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना निम्नवत् है :--

जनपद फैजाबाद विधान सभा क्षेत्र रूदौली अन्तर्गत आवागमन हेतु किसानों की सुविधा के लिये रौजा गांव रूदौली मार्ग गुलचप्पा तक सम्पर्क मार्ग तथा धमौरा पी0एम0जी0एस0वाई0 से नहर

---

नोटः-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पटरी होते हुये मवई पटरंगा मार्ग तक पूर्वांचल राज्यांश योजनान्तर्गत लोक निर्माण विभाग-2 फैजाबाद को उक्त दोनों मार्गों को निर्मित किये जाने हेतु विगत वर्ष स्वीकृति जारी की गयी परन्तु अभी तक मात्र 10 प्रतिशत धनराशि विभाग को अवमुक्त की गयी है। विभाग द्वारा टेण्डर आदि की प्रक्रिया आदि पूरी करने के बाद निर्माण की कार्यवाही रोक दी गयी है, जिसके कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शेष धनराशि अवमुक्त किये जाने हेतु मेरे द्वारा बार-बार मांग की जा रही है। दूसरी तरफ एन0एच0-28 से जखौली धमौरा मार्ग व एन0एच0-28 से डिलवल वाया बरौली, डुल्लापुर से उमापुर मार्ग तक लम्बाई लगभग 11 कि0मी0 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है जिसके कारण दर्जनों गांवों के किसानों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। उक्त दोनों मार्गों के पुनर्निर्माण/विशेष मरम्मत प्रस्ताव मेरे द्वारा निर्माण खण्ड-2, फैजाबाद को भेजा गया परन्तु अभी तक शासन द्वारा स्वीकृति न दिये जाने से मरम्मत कार्य नहीं हो पा रहा है। उपरोक्त मार्गों के नव निर्माण/पुनर्निर्माण न कराये जाने से क्षेत्रवासियों में आक्रोश है।

अतः अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर वक्तव्य दिलाये जाने की मांग करता हूं।

**वक्तव्य**

मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी उपरोक्त सूचना के सम्बन्ध में स्थिति निम्नवत् है :--

**(1) रूदौली रौजागांव मार्ग से गुलचप्पा डामर मार्ग तक सम्पर्क मार्ग-**रूदौली रौजागांव मार्ग से गुलचप्पा डामर मार्ग तक सम्पर्क मार्ग की लम्बाई 1.30 कि0मी0 है, जो ग्रामीण श्रेणी का मार्ग है। उक्त मार्ग वित्तीय वर्ष 2015-16 में पूर्वान्चल विकास निधि (राज्यांश) अनुदान संख्या-83 योजनान्तर्गत शासनादेश संख्या-86/2016/177/23-14-16-85आ0पू0वि0नि0/15, दिनांक 30-03-2016 द्वारा स्वीकृत किया गया है, जिसकी स्वीकृति लागत रु0 71.79 लाख के सापेक्ष रु0 7.18 लाख आवंटित है। इस आवंटन के सापेक्ष मिट्टी का कार्य किया जा चुका है, शेष कार्य को पूर्ण किया जाना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

**(2) धमौरा पी0एम0जी0एस0वाई0 से माइनर होते हुये मवई पटरंगा मार्ग तक सम्पर्क मार्ग-**धमौरा पी0एम0जी0एस0वाई0 से माइनर होते हुये मवई पटरंगा मार्ग तक सम्पर्क मार्ग की लम्बाई 3.30 कि0मी0 है, जो ग्रामीण श्रेणी का मार्ग है। उक्त मार्ग वित्तीय वर्ष 2015-16 में पूर्वान्चल विकास निधि (राज्यांश) अनुदान संख्या-83 योजनान्तर्गत शासनादेश संख्या-86/2016/177/23-14-16-85आ0पू0वि0नि0/15, दिनांक 30-03-2016 द्वारा स्वीकृत किया गया है, जिसकी स्वीकृत लागत रु0 170.22 लाख के सापेक्ष रु0 17.02 लाख आवंटित है। इस आवंटन के सापेक्ष मिट्टी का कार्य कराया जा चुका है, शेष कार्य को पूर्ण किया जाना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

**(3) एन0एच0-28 से जखौली धमौरा मार्ग-**उक्त मार्ग की लम्बाई 5.580 कि0मी0 है, जो ग्रामीण श्रेणी का मार्ग है। इस मार्ग को गड्ढ़ामुक्त करने हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 में पत्रांक-1779सी/27सी/पी0एम0जी0एस0वाई0 आवंटन/17-18, दिनांक 09-06-2017 द्वारा रु0 2.99 लाख की स्वीकृति/आवंटन प्रदान किया गया है। पैच मरम्मत का कार्य प्रगति पर है तथा मार्ग के

नवीनीकरण हेतु रु0 64.08 लाख की धनराशि आंकलित है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

**(4) एन0एच0-28 से डिलवल वाया बरौली दुल्लापुर उमापुर मार्ग-**उक्त मार्ग की लम्बाई 5.65 कि0मी0 है, जो ग्रामीण श्रेणी का मार्ग है। इस मार्ग को गड्ढ़ामुक्त करने हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 में पत्रांक-1779सी/27सी/पी0एम0जी0एस0वाई0 आवंटन/17-18, दिनांक 09-06-2017 द्वारा रु0 3.03 लाख की स्वीकृति/आवंटन उपलब्ध है। पैच मरम्मत का कार्य प्रगति पर है तथा मार्ग के नवीनीकरण हेतु रु0 64.89 लाख की धनराशि आंकलित है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।]

## जनपद बुलन्दशहर के सिकन्दराबाद के राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में महिला वेलफेयर काउन्सलर की नियुक्ति किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का केवल वक्तव्य

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा .....

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

(वक्तव्य संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री सुरेश कुमार खन्ना-**

[दिनांक 11-07-2017 को उ0प्र0 विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली, 1958 के नियम-51 के अन्तर्गत यह सूचना दी गयी है कि उनके विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत नगर सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर में राजकीय संयुक्त चिकित्सालय है, जिसमें वर्ष 2016-17 में 2070 प्रसव हुए है लेकिन वहां पर कोई महिला वेलफेयर काउन्सलर नहीं है। जिसके कारण वहां गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके लिये उनके द्वारा मिशन निदेशक, लखनऊ को अनेक पत्र पूर्ववती सरकार में लिखे जा चुके है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। तद्नुसार सूचना देते हुए मा0 सदस्य द्वारा अविलम्बनीय लोक महत्व के इस विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर सदन में वक्तव्य दिलाये जाने की मांग की गयी है।

2-उक्त के सम्बन्ध में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के द्वारा अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2012-13 में भारत सरकार द्वारा अत्यधिक कार्यभार वाली एल-3 प्रथम संदर्भन इकाई एवं एल-2 (24x7) इकाई पर महिलाओं को प्रसव पश्चात् आई0यू0सी0डी0/नसबन्दी के सम्बन्ध में परामर्श देने हेतु फैमिली वेलफेयर काउन्सलर की तैनाती के लिए माह नवम्बर, 2011 तक की रिपोर्टिंग के आधार पर जनपदों की 290 चिन्हित इकाइयों पर जहां औसत प्रसव 200 प्रति माह से अधिक हैं, पर एक-एक पद की स्वीकृति प्रदान की गयी थी। दिनांक 26-04-2014 के पत्र के माध्यम से पुनः निर्देशित किया गया था कि वर्तमान में कार्यरत फेमिली वेलफेयर काउन्सलर किसी भी दशा में औसतन 200 प्रति माह से कम प्रसव वाली चिकित्सा इकाई पर कार्यरत न हो।

---

नोटः-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

3-जनपद बुलन्दशहर में माह नवम्बर, 2011 तक की रिपोर्टिंग के आधार पर फैमिली वेलफेयर काउन्सलर के कुल 04 पद स्वीकृत किये गये थे। संयुक्त चिकित्सालय, सिकन्द्राबाद में विगत वर्ष 2016-17 में कुल 2070 प्रसव हुए है जोकि मानक औसत प्रसव 200 प्रति माह से कम है। महानिदेशक, परिवार कल्याण द्वारा उपलब्ध करायी गयी आख्या के अनुसार श्रीमती शशी आनन्द, फैमिली वेलफेयर काउन्सलर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहासू (सप्ताह में 03 दिवस) तथा संयुक्त चिकित्सालय सिकन्द्राबाद में (सप्ताह में 03 दिवस) तैनात किया गया है।]

**जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक ठेकमा ग्राम-हदिशा में कतिपय सड़क पुलिया के निर्माण कार्य को कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आजाद अरिमर्दन द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य**

**श्री केशव प्रसाद मौर्य-**

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के ब्लाक ठेकमा ग्राम हदिशा में कतिपय सड़क/पुलिया का निर्माण .....

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

(वक्तव्य उप मुख्य मंत्री, लोक निर्माण मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री केशव प्रसाद मौर्य-**

[कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आजाद अरिमर्दन, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दिनांक 11-07-2017 को नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना निम्नवत् है :--

सादर अवगत कराना है कि विधान सभा क्षेत्र-351 लालगंज, जिला-आजमगढ़ में ब्लाक-ठेकमा ग्राम हदिशा भागीरथी मन्दिर के सामने पुलिया क्षतिग्रस्त हो गयी है, उसके स्थान पर नये पुलिया का निर्माण ब्लाक लालगंज में ग्राम जेहतमन्दपुर (दौना) रफीक खां के घर से गुफरान खां के घर तक लेपन कार्य दूरी 1500 मीटर। ब्लाक लालगंज में ग्राम सरायमारूख डा0 अम्बेडकर की मूर्ती से ग्राम बड़ा चौहान चौक तक लेपन कार्य 5 कि0मी0। इससे और मार्ग से कई गांवों की जनता का आना और जाना रहता है। पुलिया क्षतिग्रस्त और सड़क की जर्जर स्थिति से क्षेत्रीय जनता को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। इस विषय को लेकर क्षेत्रीय जनता में काफी आक्रोश है एवं जनता आन्दोलित है। किसी भी क्षण अप्रिय घटना घट सकती है। अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर वक्तव्य की मांग करता हूं, ताकि तत्काल पुलिया और मार्ग का निर्माण किया जा सके।

मा0 सदस्य विधान, सभा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी उपर्युक्त सूचना के सम्बन्ध में अद्यतन स्थिति निम्नवत् है :--

(1) ग्राम हदिशा भगीरथी मन्दिर के सामने की क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर नयी पुलिया के निर्माण के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि इस मार्ग का नाम जिबली देवगांव से हदिशादयालपुर है, जिसकी लम्बाई 1.500 कि0मी0 है। वर्तमान में ह्यूम पाइप पुलिया क्षतिग्रस्त है। इस पुलिया का पुनर्निर्माण सामान्य अनुरक्षण मद से किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। मार्ग पर यातायात सुचारु रूप से चल रहा है।

---

नोटः-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

(2) ग्राम जेहतमन्दपुर (दौना) रफीक खां के घर से गुफरान खां के घर तक सड़क के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि यह मार्ग लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व में नहीं है। ग्राम के आन्तरिक मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग के मार्गदर्शी सिद्धान्तों से आच्छादित नहीं है।

(3) ग्राम सराय मारूख, डा0 अम्बेडकर की मूर्ति से ग्राम-बड़ा चौहान चौक तक लेपन कार्य के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि इस सम्पर्क मार्ग की कुल लम्बाई 4.70 कि0मी0 है। मार्ग के 1.70 कि0मी0 भाग में नवीनीकरण हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी है। अवशेष लम्बाई में पैच मरम्मत का कार्य प्रगति पर है।]

## जनपद बस्ती के गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय प्रताप जायसवाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री का केवल वक्तव्य

**श्री सुरेश राणा-**

मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दी गई सूचना में यह उल्लेख किया गया है कि जनपद बस्ती के गन्ना किसानों .....

**श्री अध्यक्ष-**

इसे पढ़ा हुआ मान लेते है।

(वक्तव्य गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

**श्री सुरेश राणा-**

[का गन्ने का भुगतान न किये जाने से अत्यन्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। धनाभाव के कारण किसानों को खेती-बारी, शादी-विवाह जैसे कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उनके विधान सभा क्षेत्र के गन्ना किसान अपना गन्ना बजाज हिन्दुस्तान सुगर लि0 अठदमा (रूधौली) तथा गोविन्दनगर सुगर (इकाई फेनिल सुगर्स प्रा0लि0) वाल्टरगंज को सप्लाई करते हैं। फेनिल सुगर्स प्रा0 लि0 वाटरगंज के द्वारा सत्र 2016-17 में 15 मई तक 1121189 कुन्टल चीनी की बिक्री की गयी इस बिक्री से चीनी मिल औसत दर 3700.52/- कुन्टल की दर से 4151.58 लाख रुपये प्राप्त हुए इसके बावजूद गन्ना किसानों का भुगतान नहीं किया जा रहा है, जबकि उ0प्र0 गन्ना अधिनियम, 1953 की नियमावली, 1954 व सुगर केन कन्ट्रोल आर्डर, 1966 के क्लाज 3(3) के तहत गन्ना खरीद के 14 दिन के अन्दर भुगतान किया जाना चाहिए। बिक्री से प्राप्त धनराशि के अनुसार 85 फीसदी यानी 3528.84 लाख रुपये गन्ना मूल्य के मद में भुगतान होना चाहिए था, परन्तु कुल भुगतान 4054.41 लाख के सापेक्ष मात्र 2921.38 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया शेष 607.46 लाख रुपये का चीनी मिल द्वारा अपने ही मद में खर्च कर लिया गया। गन्ना मूल्य का 3125.09 लाख रुपये किसानों का अभी भी दिया जाना शेष है।

---

नोटः-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

इसी प्रकार बजाज हिन्दुस्तान लि0 अठदमा (रूदौली) का है। यहां भी 261598 कुन्टल चीनी बेची गयी जिससे मिल को 9646.60 लाख रुपये प्राप्त हुये। प्राप्त जानकारी के अनुसार 11260.06 लाख के सापेक्ष मात्र 6874.14 लाख रुपये का भुगतान ही किया गया, जबकि प्राप्त धनराशि का 85 प्रतिशत 8199.61 लाख रुपये का भुगतान होना चाहिए था परन्तु 1375.47 लाख रुपये चीनी मिल अपने मद में खर्च कर लिया, जो कि उप गन्ना आयुक्त, गोरखपुर सहित आयुक्त महोदय, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, उ0प्र0 के निर्देशों एवं विभागीय नियमों तथा टैगिंग आदेश का स्पष्ट उल्लघंन है। इस प्रकार गोबिन्दनगर वाटरगंज मिल पर अभी भी किसानों को 3125.09 लाख रुपया बकाया है तथा अठदमा (रूधौली) चीनी मिल पर 3705.84 लाख रुपया अभी भी बकाया है, जिसका भुगतान कराया जाना किसानो के हित में अत्यन्त आवश्यक है। प्रकरण संवेदनशील एवं अतिमहत्व का है।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि पेराई सत्र 2016-17 में गोबिन्दनगर शुगर (इकाई फेनिल सुगर्स प्रा0लि0) वाल्टरगंज, जनपद बस्ती के द्वारा दिनांक 07-12-2016 से गन्ने की पेराई का कार्य प्रारम्भ करते हुए सत्रावसान (दिनांक 29-01-2017) तक कुल 13.36 लाख कुन्टल गन्ने की पेराई कर 1,14,140 कुन्तल चीनी का उत्पादन किया गया है। पेराई सत्र 2016-17 के शुरू होने के समय, उक्त मिल पर गत पेराई सत्र का अंकन रुपया 19,92.33 लाख गन्ना मूल्य बकाया था। चीनी मिल द्वारा पेराई सत्र 2016-17 में उत्पादित 1,14,140 कुन्तल चीनी विक्रय की गई। चीनी के विक्रय से प्राप्त हुई धनराशि अंकन रुपये 4224.20 लाख का 85 प्रतिशत अंकन रुपये 3,590.57 लाख गन्ना मूल्य भुगतान हेतु बनता है। उक्त धनराशि के सापेक्ष चीनी मिल द्वारा क्रमशः गत पेराई वत्र 2015-16 का गन्ना मूल्य अंकन रुपये 1,992.33 लाख का एवं वर्तमान पेराई सत्र 2016-17 का गन्ना मूल्य अंकन रुपये 929.05 लाख (कुल 2,921.38 लाख रुपये) भुगतान किया गया है तथा रुपया 669.19 लाख का अन्य मदों में चीनी मिल द्वारा व्यावर्तन कर लिया गया है। इस प्रकार वर्तमान में चीनी मिल पर अंकन रुपये 3,125.09 लाख का गन्ना मूल्य अवशेष है।

अग्रेतर चीनी मिल बजाज हिन्दुस्तान शुगर लि0 अठदमा, रूधौली, जनपद-बस्ती द्वारा दिनांक 26-11-2016 से गन्ने की पेराई का कार्य प्रारम्भ करते हुए सत्रावसान (दिनांक 12-02-2017) तक कुल 37.83 लाख कुल कुन्टल गन्ने की पेराई कर 3,48,000 कुन्तल चीनी का उत्पादन किया गया है। चीनी मिल द्वारा पेराई सत्र 2016-17 में उत्पादित 3,29,911 कुन्तल चीनी विक्रय की गई। चीनी के विक्रय से प्राप्त हुई धनराशि अंकन रुपया 12,145.97 लाख का 85 प्रतिशत अंकन रुपया 10,324.07 लाख गन्ना मूल्य भुगतान हेतु बनता है। उक्त धनराशि के सापेक्ष चीनी मिल द्वारा अभी तक पेराई सत्र 2016-17 का गन्ना मूल्य अंकन रुपये 9,114.61 लाख का भुगतान किया गया है तथा रुपया 1,209.46 लाख का अन्य मदों में चीनी मिल द्वारा व्यावर्तन कर लिया गया है। इस प्रकार वर्तमान में चीनी मिल पर अंकन रुपये 2,145.45 लाख का गन्ना मूल्य अवशेष है।

उपर्युक्त दोनों चीनी मिलों के गन्ना मूल्य का शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित कराने हेतु चीनी मिलों को दिनांक 08-12-2016, 01-03-2017, 17-03-2017 तथा 21-03-2017 को नोटिस निर्गत की गई है तथा शासन एवं गन्ना आयुक्त स्तर पर बैठक कर भुगतान के निर्देश दिये गये है। सरकार गन्ना किसानों का भुगतान कराने हेतु कटिबद्ध है।]

**श्री अध्यक्ष-**

अब हम उठते है। दिनांक 18 जुलाई, 2017 को पूर्वाह्न 11.00 बजे पुनः बैठेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 05 बजकर 14 मिनट पर मंगलवार दिनांक 18 जुलाई, 2017 दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊः

**प्रदीप कुमार दुबे,**
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

दिनांक 14 जुलाई, 2017।

पी0एस0यू0पी0-एल0 326 विधान सभा (618)-13-03-2018-813 प्रतियां (कम्प्यूटर)।